

# FIRST TERM

## Teaching Practice certificate

This is to certify that Kawaldeep Kaur

College Roll No 1617

University Roll No 15058640

Has completed the required number of lessons under my supervision.



Signature of teacher

Tagore Modern High School, Nathowal

Affiliated to P.S.E.B. Board

Signature of school Principal



Kawaldeep Kaur  
Signature of Student

Signature of col. principal

# SECOND TERM

## Teaching Practice certificate

This is to certify that Kawaldeep Kaur

College Roll No 1617

University Roll No 15058640

Has completed the required number of lessons under my supervision.



Signature of teacher

Tagore Modern High School, Nathowal

Affiliated to P.S.E.B. Board

Tagore Modern High School, Nathowal

Principal

Principal



Kawaldeep Kaur  
Signature of Student

Signature of col. principal



# Index

| S.No. | Date     | Topic                        | Page  | Remarks |
|-------|----------|------------------------------|-------|---------|
| 1     | 1-11-016 | ਤਮਪੁਰ ਤੇ ਫਿਰੇ ਮਗ             | 6-10  |         |
| 2     | 2-11-016 | ਫੇਰ ਤਾਖ਼ ਰਾ ਤਾਖ਼ ਪਹਿਲੇ       | 11-14 |         |
| 3     | 5-11-16  | ਮਾਗ ਤੁਪਾਖੀ ਰਾ ਪਹਿਲੇ          | 15-18 |         |
| 4     | 6-11-16  | ਦਾਦਗ ਤਾਖ਼ ਰਾ ਤਾਖ਼ ਪਹਿਲੇ      | 19-22 |         |
| 5     | 7-11-16  | ਮੰਗੀਤ ਤੇਰੇ ਮੇਰੇ              | 23-26 |         |
| 6     | 8-11-16  | ਤਾਖ਼ ਤੇ ਫਿਰੇ ਮਗ              | 28-30 |         |
| 7     | 9-11-16  | ਮਪਤਰ ਤੇ ਫਿਰੇ ਮੁਕਾਮ           | 31-36 |         |
| 8     | 10-11-16 | ਮਖ਼ਦਰ                        | 37-40 |         |
| 9     | 11-11-16 | ਮਾਗ ਦੀਆਂ ਕਾਤੀਆਂ              | 41-48 |         |
| 10    | 12-11-16 | ਮਾਗ ਦਿੱਖੁਯੋਗ ਤੇਰੇ ਦਾਖ਼ ਮੁਕਾਮ | 49-52 |         |
| 11    | 13-11-16 | ਤਾਖ਼ ਰਾਹਿਬਾ ਰਾ ਤਾਖ਼ ਪਹਿਲੇ    | 53-58 |         |
| 12    | 14-11-16 | ਤੀਨ ਤਾਖ਼ ਰਾ ਪਹਿਲੇ            | 57-60 |         |
| 13    | 15-11-16 | ਤਾਖ਼ ਤਾਖ਼ ਰਾ ਪਹਿਲੇ           | 61-64 |         |
| 14    | 16-11-16 | ਫੇਰ ਤਾਖ਼ ਰਾ ਪਹਿਲੇ            | 65-68 |         |
| 15    | 17-11-16 | ਘਾਟ                          | 69-72 |         |
| 16    | 18-11-16 | ਤਾਖ਼ ਮੰਗੀਤ ਅਤੇ ਮੁਕਾਮੀ ਮੰਗੀਤ  | 73-76 |         |
| 17    | 19-11-16 | ਤਾਖ਼ ਮਾਗ ਤੇ ਫਿਰੇ ਮਗ          | 77-82 |         |
| 18    | 20-11-16 | ਤਾਖ਼ ਮਿਖ਼ਦਰ                  | 83-86 |         |
| 19    | 21-11-16 | ਮਿਖ਼ਦਰ ਮਿਖ਼ਦਰ                | 87-90 |         |
| 20    | 22-11-16 | ਮਾਗ ਮੁਕਾਮ ਰਾ ਪਹਿਲੇ           | 91-94 |         |
| 21    | 23-11-16 | ਮਿਖ਼ਦਰ ਰਾ ਮਗ                 | 95-98 |         |



# Index

| S.No. | Date      | Topic                        | Page    | Remarks |
|-------|-----------|------------------------------|---------|---------|
| 22    | 24-11-126 | ਗੁਰੂ ਤਾਖ਼ਤ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ         | 99-102  |         |
| 23    | 25-11-16  | ਤਾਮ੍ਹਰੀ ਮਿਥਾਈ                | 103-108 |         |
| 24    | 26-11-16  | ਮਿਤਾਹ ਦੀ ਪੁਰਾਣ               | 109-112 |         |
| 25    | 27-11-16  | ਗੁਰੂ ਗਿਆਨਾਚਾਰ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ      | 113-116 |         |
| 26    | 28-11-16  | ਗੁਰੂ ਖਮਾਸ਼ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ         | 117-120 |         |
| 27    | 29-11-16  | ਪ੍ਰਭ ਮੰਗੀਤ                   | 121-124 |         |
| 28    | 30-11-16  | ਪ੍ਰਭ ਮਾਧਿ                    | 125-128 |         |
| 29    | 1-12-16   | ਪ੍ਰਭ ਮਾਧਿ                    | 129-132 |         |
| 30    | 2-12-16   | ਗੁਰੂ ਤੇਗ਼ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ          | 133-136 |         |
| 31    | 3-12-16   | ਮੁਖ਼ ਤਾਖ਼ਤ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ         | 137-140 |         |
| 32    | 4-12-16   | ਮਾਧਿ ਤੇਗ਼ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ          | 141-144 |         |
| 33    | 5-12-16   | ਪ੍ਰਭ ਮੰਗੀਤ ਅਤੇ ਮਾਮ੍ਹਰੀ ਮੰਗੀਤ | 145-148 |         |
| 34    | 6-12-16   | ਪ੍ਰਭ ਮੰਗੀਤ ਅਤੇ ਦੁਖਮੀ ਮੰਗੀਤ   | 149-152 |         |
| 35    | 7-12-16   | ਗੁਰੂ ਗੁਰੂ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ          | 153-156 |         |
| 36    | 8-12-16   | ਪ੍ਰਭ ਮੰਗੀਤ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ         | 157-160 |         |
| 37    | 9-12-16   | ਗੁਰੂ ਤੇਗ਼ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ          | 161-164 |         |
| 38    | 10-12-16  | ਤਾਖ਼ਤ ਤੇਗ਼ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ         | 165-168 |         |
| 39    | 11-12-16  | ਤਾਖ਼ਤ ਤਿਖ਼ਤਾਖ਼ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ     | 169-172 |         |
| 40    | 12-12-16  | ਗੁਰੂ ਮਾਮ੍ਹਰੀ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ       | 173-176 |         |
|       |           |                              |         |         |
|       |           |                              |         |         |
|       |           |                              |         |         |



## Index

[illegible]

## Index

[illegible]

## Index

[illegible]



# ATTENDANCE RECORD

CLASS : 6<sup>th</sup>

SECTION : July

SCHOOL : Tagore Modern High School, Nathowal

| Roll No. | Name of the student | 28 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 |  |  |  |  |  |  |
|----------|---------------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|--|
| 1.       | Anmol Singh         | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 2.       | Jasmeen S.          | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 3.       | Rashanpreet k.      | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 4.       | Bawampreet k.       | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 5.       | Navanpreet k.       | P  | P  | P  | A  |    | P  | P  | P  | A  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 6.       | Ashu                | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 7.       | Harshpal S.         | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 8.       | Reena               | P  | A  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 9.       | Seema               | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 10.      | Navjot S.           | P  | P  | P  | P  | S  |    | P  | P  | P  | P  | P  | S  |  |  |  |  |  |  |
| 11.      | Ekanjot k.          | A  | P  | P  | P  | U  |    | P  | P  | P  | P  | P  | U  |  |  |  |  |  |  |
| 12.      | Gurjot S.           | P  | P  | P  | P  | N  |    | P  | P  | P  | P  | P  | N  |  |  |  |  |  |  |
| 13.      | Kamalpreet S.       | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  | D  |  |  |  |  |  |  |
| 14.      | Harneer S.          | P  | P  | P  | P  | A  |    | P  | P  | P  | P  | P  | A  |  |  |  |  |  |  |
| 15.      | Payal               | P  | P  | P  | P  | Y  |    | P  | P  | P  | P  | P  | Y  |  |  |  |  |  |  |
| 16.      | Pinky               | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 17.      | Karnvir S           | P  | P  | P  |    |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 18.      | Sahil               |    | P  | P  | P  |    |    | P  | A  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 19.      | Jasleen S.          | P  | P  | A  | P  |    | P  |    | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 20.      | Jaspreet k.         | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 21.      | Barneet k.          | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  |    | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 22.      | Manjot S.           | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 23.      | Ritu                | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 24.      | Suman               | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 25.      | Shilpa              | P  | P  | P  | A  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 26.      | Sakhi               | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 27.      | Rekha Rani          | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 28.      | Manpreet S.         | P  | A  | P  | P  |    | P  | P  | P  | A  | A  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 29.      | Anampreet S.        | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 30.      | Teena               | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 31.      | Meenu               | P  | P  | P  | P  |    | P  | A  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |
| 32.      | Ravi                | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |    |  |  |  |  |  |  |



7th

Aug

| Roll No. | Name of the student | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 |
|----------|---------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 1.       | Aashpreet S.        | P | P | P | P | P | P |   | P | P | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 2.       | Ananddeep K.        | P | P | P | P | P | P |   | P | . | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 3.       | Rani                | A | P | P | A | P | P |   | P | P | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 4.       | Sweety              | P | A | P | P | P | P |   | P | P | A  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 5.       | Kirandeep           | P | P | P | P | P | P |   | . | P | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 6.       | Pahul               | P | P | P | P | P | P |   | P | P | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | A  |
| 7.       | Seema               | A | P | P | P | P | P |   | P | P | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 8.       | Sourav              | P | P | P | P | P | A |   | P | A | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 9.       | Gowrav              | P | P | P | P | P | P | S | P | P | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 10.      | Sukhman S.          | P | P | P | P | P | P | U | P | P | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 11.      | Ekan                | A | P | P | P | P | P | N | P | P | P  | P  | P  | P  | S  | N  | P  | P  |
| 12.      | Sahib S.            | P | P | P | P | P | P | D | P | P | .  | P  | P  | P  | U  | D  | P  | P  |
| 13.      | Mangot K.           | P | A | P | P | P | P | A | P | P | P  | P  | P  | P  | N  | E  | P  | P  |
| 14.      | Kuldeep K.          | P | P | P | A | P | P | Y | P | P | P  | A  | P  | P  | D  | P  | P  | P  |
| 15.      | Brahmann            | P | P | P | P | P | P |   | P | P | P  | P  | P  | P  | A  | E  | A  | P  |
| 16.      | Rekha               | P | A | P | P | P | A |   | P | P | P  | P  | P  | P  | Y  | N  | P  | P  |
| 17.      | Shallu              | P | P | P | P | P | P |   | P | A | P  | P  | P  | P  |    |    | D  | P  |
| 18.      | Kavita              | P | P | P | P | P | P |   | P | P | A  | P  | P  | P  |    |    | A  | P  |
| 19.      | Bittu               | A | P | A | P | P | P |   | P | P | P  | P  | P  | P  |    |    | N  | P  |
| 20.      | Karam               | P | P | P | P | P | P |   | P | . | P  | P  | P  | P  |    |    | C  | P  |
| 21.      | Veeru               | P | P | P | A | P | P |   | P | P | P  | P  | P  | P  |    |    | E  | P  |
| 22.      | Seema               | P | P | P | P | P | P |   | P | P | .  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 23.      | Mammeet S.          | P | P | P | P | P | . |   | P | P | P  | A  | P  | P  |    |    | D  | P  |
| 24.      | Sahay               | P | P | P | P | P | P |   | . | P | P  | P  | P  | P  |    |    | A  | P  |
| 25.      | Anmol               | P | P | P | P | P | P |   | P | P | P  | P  | P  | P  |    |    | Y  | P  |
| 26.      | Parvinder K.        | P | P | P | P | P | P |   | P | P | .  | P  | P  | P  |    |    | C  | P  |
| 27.      | Pallu               | P | P | P | P | A | P |   | P | P | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 28.      | Abitoj              | P | P | P | P | P | P |   | P | P | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 29.      | Autar S.            | P | P | P | P | P | P |   | P | P | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 30.      | Raman K.            | P | P | P | P | P | P |   | P | . | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 31.      | Simmy               | P | A | P | P | P | P |   | P | P | P  | P  | A  | P  |    |    | P  | P  |
| 32.      | Jashan K.           | P | P | P | P | P | P |   | P | P | P  | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |



# ATTENDANCE RECORD

CLASS : .....

SECTION : .....

SCHOOL : .....

| Roll No. | Name of the student | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 |  |  |  |
|----------|---------------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|--|--|--|
| 1.       | Ashpreet S.         | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 2.       | Amandeep K.         | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 3.       | Rani                | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 4.       | Sweety              | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 5.       | Kirandeep           | A  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 6.       | Rahul               | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 7.       | Seema               | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 8.       | Saurav              | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 9.       | Gourav              | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | J  | P  | P  | P  | P  | A  | P  |  |  |  |
| 10.      | Sukhman S.          | P  | P  | P  | P  | S  | P  | P  | A  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 11.      | Ekan                | P  | P  | P  | P  | U  | P  | P  | N  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 12.      | Sahub S.            | P  | P  | P  | A  | N  | P  | P  | A  | P  | P  | P  | A  | P  | P  |  |  |  |
| 13.      | Mangot K.           | P  | P  | P  | P  | D  | P  | P  | M  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 14.      | Kuldeep K.          | P  | P  | P  | P  | A  | P  | P  | S  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 15.      | Prabhu S.           | A  | P  | P  | P  | Y  | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | A  | P  |  |  |  |
| 16.      | Retha               | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | A  | P  | P  | A  |  |  |  |
| 17.      | Shallu              | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | A  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 18.      | Kavita              | P  | P  | P  | A  |    | P  | P  | S  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 19.      | Bitty               | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | T  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 20.      | Karan               | A  | P  | P  | P  |    | P  | P  | A  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 21.      | Veenu               | P  | A  | P  | P  |    | P  | P  | M  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 22.      | Seema               | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  | I  | P  | P  | A  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 23.      | Mandeep S.          | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 24.      | Sahaj               | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | A  |  |  |  |
| 25.      | Anmol               | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 26.      | Paraminder K.       | A  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | A  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 27.      | Ballu               | P  | P  | A  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 28.      | Abhishek            | P  | A  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 29.      | Amit S.             | P  | P  | A  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 30.      | Ram K.              | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 31.      | Sikhar              | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |
| 32.      | Dasham K.           | P  | P  | P  | P  |    | P  | P  |    | P  | P  | A  | P  | P  | P  |  |  |  |



sep

SECTION : .....

SCHOOL : .....

| Roll No. | Name of the student | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 |
|----------|---------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 1        | Rashan              | P | P | . |   | . | P | . | P | . | P  |    |    | P  | .  | .  | P  | P  |
| 2        | Rakesh              | P | A | P |   | P | P | P | P | P | P  |    |    | P  | P  | .  | P  | P  |
| 3        | Ram Lal             | P | P | P |   | P | . | P | P | P | P  |    |    | P  | P  | P  | P  | P  |
| 4        | Anil Kumar          | A | P | P |   | P | P | P | A | P | P  |    |    | P  | P  | P  | P  | P  |
| 5        | Ritu                | P | P | P |   | P | P | P | P | P | P  |    |    | P  | P  | P  | P  | P  |
| 6        | Pinky               | P | P | P |   | P | P | P | P | P | P  |    |    | P  | P  | P  | .  | P  |
| 7        | Jaspreet K.         | P | P | P |   | P | P | P | A | P | P  |    |    | P  | P  | P  | P  | P  |
| 8        | Mandeep K.          | P | P | P |   | P | P | P | P | P | .  |    |    | P  | P  | P  | .  | P  |
| 9        | Abusheik            | P | P | P |   | P | P | P | P | P | P  |    |    | P  | P  | P  | P  | P  |
| 10       | Anil                | P | P | P | S | P | P | P | P | P | P  |    | B  | P  | .  | P  | P  | P  |
| 11       | Ummed               | P | P | P | U | P | . | P | P | . | P  |    | A  | P  | P  | P  | .  | P  |
| 12       | Harpreet S.         | . | P | . | N | P | P | A | P | P | P  |    | K  | P  | P  | P  | P  | P  |
| 13       | Sukhwinder K.       | P | P | P | D | P | P | P | P | P | P  | S  | R  | P  | P  | .  | P  | P  |
| 14       | Laghu S.            | A | P | P | A | P | P | P | P | P | .  | U  | E  | P  | P  | P  | .  | P  |
| 15       | Kulwinder K.        | P | P | A | Y | P | P | P | . | P | P  | N  | E  | P  | P  | P  | P  | P  |
| 16       | Shayam K.           | P | P | P |   | P | A | P | P | P | P  | D  | D  | P  | P  | .  | P  | P  |
| 17       | Satveer S.          | P | P | P |   | P | P | P | P | P | P  | A  |    | P  | P  | P  | P  | .  |
| 18       | Raghu               | P | P | P |   | P | P | P | P | P | P  | Y  |    | P  | P  | P  | P  | P  |
| 19       | Ranjit S.           | P | P | . |   | P | P | P | P | P | P  |    |    | P  | .  | P  | P  | P  |
| 20       | Ashok Kumar         | A | P | P |   | P | P | P | P | P | .  |    |    | P  | P  | P  | .  | P  |
| 21       | Hari om.            | P | P | P |   | P | P | P | P | P | P  |    |    | P  | P  | P  | P  | P  |
| 22       | Lakhu S.            | P | P | P |   | P | P | P | P | P | P  |    |    | P  | P  | P  | A  | P  |
| 23       | Hargit S.           | P | P | P |   | P | P | P | P | P | P  |    |    | .  | P  | P  | P  | P  |
| 24       | Lachy               | P | P | . |   | P | P | P | P | P | P  |    |    | P  | .  | P  | P  | P  |
| 25       | Meenu Kaur          | P | P | P |   | P | . | P | P | P | P  |    |    | P  | P  | P  | .  | P  |
| 26       | Mani Sharma         | P | P | P |   | P | P | P | P | P | P  |    |    | P  | P  | P  | P  | .  |
| 27       | Ravinder S.         | P | P | P |   | P | P | P | P | P | P  |    |    | .  | P  | P  | P  | P  |
| 28       | Robin S             | P | P | A |   | P | P | P | P | P | .  |    |    | P  | .  | P  | P  | P  |
| 29       | Rinky.              | . | P | P |   | P | P | P | P | P | .  |    |    | P  | P  | P  | .  | P  |
| 30       | Vinay K.            | P | P | P |   | P | P | . | P | . | P  |    |    | P  | P  | P  | P  | P  |
| 31       | Ramee Goel          | P | P | P |   | P | P | P | P | P | P  |    |    | P  | .  | P  | P  | P  |
| 32       | Hobby               | P | P | P |   | P | . | P | P | P | P  |    |    | P  | P  | .  | P  | P  |



# ATTENDANCE RECORD

CLASS : .....

SECTION : .....

SCHOOL : .....

| Roll No. | Name of the student | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |  |  |  |  |  |
|----------|---------------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|
| 1.       | Roshan              | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 2.       | Rakesh              | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 3.       | Rampal              | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 4.       | Anil Kumar          | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 5.       | Ritu                | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 6.       | Pinky               | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 7.       | Jaspreet K.         | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 8.       | Mandeep K.          | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 9.       | Abhishek            | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 10.      | Anil                | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 11.      | Uinod               | S  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | S  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 12.      | Harpreet S.         | U  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | U  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 13.      | Gulwindar K.        | N  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | N  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 14.      | Raghav S            | D  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | D  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 15.      | Kulwindar K.        | A  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | A  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 16.      | Simran K.           | Y  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | Y  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 17.      | Salveer S.          | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 18.      | Ragu                | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 19.      | Rangit S.           | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 20.      | Ashok Kumar         | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 21.      | Hari om.            | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 22.      | Lalvir S.           | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 23.      | Hargit S.           | A  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 24.      | Lucky               | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 25.      | Meenu Kaur          | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 26.      | Moni Sharma         | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 27.      | Ravinders           | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 28.      | Robin S.            | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 29.      | Rinky               | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 30.      | Urpal K.            | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 31.      | Kamdeep K.          | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |
| 32.      | Happy               | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | P  |  |  |  |  |  |



## SECTION :

October.

[illegible]



# ATTENDANCE RECORD

CLASS : .....

SECTION : .....

SCHOOL : .....

| Roll No. | Name of the student | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 |  |  |  |  |
|----------|---------------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|
| 1        | Suman               | P  | .  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | .  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 2        | Harpreet K.         | P  | P  | P  | .  | P  | ~  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 3        | Tamara              | P  | P  | P  | P  | .  | ~  | P  | P  | .  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 4        | Sushma              | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 5        | Rubby               | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | .  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 6        | Preety              | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | P  | P  | P  | .  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 7        | Mampreet K.         | P  | P  | P  | .  | P  | ~  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 8        | Balpreet K          | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 9        | Sandeep K.          | P  | .  | P  | P  | P  | S  | P  | .  | P  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 10       | Gurmeet             | P  | P  | P  | .  | P  | U  | P  | P  | .  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 11       | Meenu               | .  | P  | P  | P  | P  | N  | P  | .  | P  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 12       | Subhdeep            | P  | P  | .  | P  | P  | D  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | S  | ~  |  |  |  |  |
| 13       | Rita                | P  | P  | P  | P  | .  | A  | P  | .  | P  | P  | P  | P  | U  | ~  |  |  |  |  |
| 14       | Reenu               | P  | P  | P  | P  | P  | Y  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | N  | ~  |  |  |  |  |
| 15       | Pajal               | P  | P  | P  | P  | .  | ~  | P  | P  | .  | P  | P  | P  | D  | ~  |  |  |  |  |
| 16       | Seena               | .  | P  | .  | P  | P  | ~  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | A  | ~  |  |  |  |  |
| 17       | Rehana              | P  | P  | P  | P  | .  | ~  | P  | P  | P  | .  | P  | P  | Y  | ~  |  |  |  |  |
| 18       | Prabhmeen           | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | .  | P  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 19       | Harneer             | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 20       | Mamta S.            | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 21       | Baldeep             | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | .  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 22       | Annan               | P  | P  | P  | .  | P  | ~  | P  | P  | P  | P  | .  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 23       | Eshika              | .  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | P  | P  | P  | .  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 24       | Shakshi             | P  | .  | P  | .  | P  | ~  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 25       | Harman              | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 26       | Parpreet            | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | .  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 27       | Subhjit             | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | P  | .  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 28       | Nora                | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | .  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 29       | Mamta               | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | .  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 30       | Gurwinder           | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | P  | P  | P  | .  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 31       | Harmanveer          | P  | P  | P  | P  | .  | ~  | P  | P  | P  | P  | P  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |
| 32       | Harjit S.           | P  | P  | .  |    | P  | ~  | P  | P  | P  | P  | .  | P  | ~  | ~  |  |  |  |  |



7th

Nov

| Roll No. | Name of the student | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 |
|----------|---------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|
| 1        | Sukhpal S.          | P | P | P | . | D |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 2        | Gurpreet S.         | P | P | A | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 3        | Rushwindark         | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 4        | Gurnam S.           | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 5        | Harnam S.           | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 6        | Sulky               | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 7        | Shulpa              | A | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 8        | Kamal               | P | P | P | P | P |   | P | A | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 9        | Reenu               | P | P | P | P | P | S | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 10       | Lajal               | P | P | P | P | P | U | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 11       | Reetu               | P | P | P | P | P | N | P | P | P | P  | P  | P  | S  | E  | P  | P  |
| 12       | Meenu               | P | X | P | P | P | D | P | P | P | P  | P  | P  | U  | N  | P  | P  |
| 13       | Pinkey              | P | P | P | P | P | A | P | P | P | P  | A  | P  | N  | S  | P  | P  |
| 14       | Sweety              | P | P | P | P | P | Y | P | P | P | P  | P  | P  | D  |    | P  | P  |
| 15       | Gowkam              | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  | A  | D  | P  | P  |
| 16       | Saurav              | P | A | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  | Y  | A  | P  | P  |
| 17       | Gaurav              | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    | Y  | P  | P  |
| 18       | Kornaille           | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 19       | Anil Kumar          | P | A | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 20       | Suresh              | P | P | P | P | A |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 21       | Vicky               | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 22       | Lucky               | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 23       | Vipin Kuma          | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 24       | Urna Devi           | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 25       | Suman               | P | P | A | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 26       | Ram Lal             | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 27       | Seema               | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 28       | Karnelbeeth         | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | A  | P  |    |    | P  | P  |
| 29       | Charanjeeth         | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 30       | Mampreets           | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 31       | Gurnam S            | A | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |
| 32       | Shalle              | P | P | P | P | P |   | P | P | P | P  | P  | P  |    |    | P  | P  |



[illegible]

# MACRO LESSON PLANS



ਪਾਠ  
ਪ੍ਰਸ਼ਨ :

ਇ.ਐ.ਐ. ਦਾ ਰੋਜ਼ ਸੰਖੇਪ - 16/7

ਸਮਾਤ - ਮਾਧੀ

ਇਸ - ਮੰਗੀਤ

ਉਪਾਇਸ - ਖੈਰ ਮੰਗੀਤ ਨੂੰ ਮਾਮਤਰੀ ਮੰਗੀਤ

ਸਮਾਂ - 30-35 ਮਿੰਟ

ਮਿਤੀ - 12-12-012

- ਮਾਧੀ ਮਮੱਗੀਤ : ਮਾਧੀ ਸਮਾਤ ਦਾ ਮਾਧੀ ਕਮਰ, ਚੌਰ, ਰਾਜ ਤਖ਼ਤ, ਭੀੜ
- ਇਸ ਮਮੱਗੀਤ : ਖੈਰ ਮੰਗੀਤ ਨੂੰ ਮਾਮਤਰੀ ਮੰਗੀਤ ਨਾਮ ਮੰਗੀਤ ਚੌਰ ਤੋਂ ਭੀੜ
- ਮਾਧੀ ਉਪਾਇਸ : ① ਇਹ ਮਾਧੀਆਂ ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਇਹ ਕੁਝੀ ਧੰਨ ਕਰੇਗਾ।  
② ਇਹ ਮਾਧੀਆਂ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਗਿਆਨ ਇਹੋ ਹਾਥ ਕਰੇਗਾ।  
③ ਇਹ ਮਾਧੀਆਂ ਨੂੰ ਖੈਰ ਮੰਗੀਤ ਨੂੰ ਮਾਮਤਰੀ ਮੰਗੀਤ ਚੌਰ ਪ੍ਰਤੀ ਸਾਹਜ਼ਾਈ ਦੇਵੇ।
- ਇਸ ਉਪਾਇਸ : ਇਹ ਮਾਧੀਆਂ ਨੂੰ ਖੈਰ ਮੰਗੀਤ ਨੂੰ ਮਾਮਤਰੀ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਦੇਵੇ।
- ਪ੍ਰਸ਼ਨ-ਉੱਤਰ ਇਸ : ① ਪ੍ਰਸ਼ਨ-ਉੱਤਰ ਇਸ ② ਦਾ - ਇਹ ਇਸ ③ ਇਸ ਇਸ ਇਸ  
ਇਸ ਮਾਧੀ ਇਹ ਮੰਗੀਤ ਦੇਵੇਗਾ ਕਿ ਇਹ ਮਾਧੀਆਂ ਨੂੰ  
ਖੈਰ ਮੰਗੀਤ ਨੂੰ ਮਾਮਤਰੀ ਮੰਗੀਤ ਚੌਰ ਧੰਨ ਚੌਰ ਸਾਹਜ਼ਾਈ ਦੇਵੇ
- ਮਾਧੀ ਗਿਆਨ : ① ਮੰਗੀਤ ਕਿਸ ਨੂੰ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ② ਮੰਗੀਤ ਕਿਸੀ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੇ  
ਉਪਾਇਸ ਦੀ ③ ਖੈਰ ਮੰਗੀਤ ਨੂੰ ਮਾਮਤਰੀ ਮੰਗੀਤ ਚੌਰ ਕੁਝੀ ਸਾਹਜ਼ਾਈ  
ਇਹ ਮਾਧੀ ਦੇਵੇਗਾ ਕਿ ਮਾਂਸ ਮਾਂਸੀ ਖੈਰ ਮੰਗੀਤ ਨੂੰ ਮਾਮਤਰੀ  
ਮੰਗੀਤ ਚੌਰ ਸਾਹਜ਼ਾਈ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰੇਗਾ।
- ਉਪਾਇਸ ਦੀ ਪ੍ਰਸ਼ਨ-ਉੱਤਰ : ਇਹ ਮਾਧੀ ਇਸ ③ ਦਾ -  
ਇਸ ਇਸ ਗੱਲੀ ਪ੍ਰਸ਼ਨ-ਉੱਤਰ ④ ਇਸ ਇਸ ਦਾ ਹੀ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਕੀਤਾ  
ਸਾਹਜ਼ਾਈ।



## ਦਿਮਾ ਦਮਤੁ

ਮੰਗੀਤ ਦੀ ਦਿਮਤੀ ਤੋਂ ਮੰਗੀਤ ਮੁਢਲੇ ਸਮੇਂ ਲੜੇ ਗੀਤ ਦੇ  
ਮੁਢਲੇ ਦੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਵੀਹਵਾਂ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਸਮੇਂ ਹੈ  
'ਸਾਧਾ'। ਇਸੇ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਤੀਰੇ ਸਾਧਾ ਜੀ ਮੰਗੀਤ  
ਹੈ। ਸਮੇਂ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਇਸੇ ਅਮਰਿਕ ਮੁਢਲੇ ਹੈ।  
ਸਿਮ ਇਸੇ ਸਾਧਾ, ਦਾਦਾ ਲੜੇ ਮੁਢਲੇ ਇਸੇ ਤਿੰਨ  
ਸਮੇਂ ਦੇ ਸਾਧਾ, ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਭਾਵ ਮੰਗੀਤ,  
ਸਾਧਾਤੀ ਮੰਗੀਤ, ਚੋਰ ਮੰਗੀਤ।

ਸਮੇਂ ਦੀ ਸਾਧਾ ਦੇ ਸਮੇਂ ਜੀ ਮੰਗੀਤ  
ਦਾ ਦਮਤੁ ਹੈ। ਸਮੇਂ ਸਮੇਂ ਦੀ ਦੱਖੀ ਤੇ ਗਿਆ  
ਮੰਗੀਤ ਮੀ ਲੜੇ ਤੇ ਮੰਗੀਤ ਦੀ ਧੜਿਤਾ  
ਤੇ ਮੰਗੀਤ ਮੀ। ਉਹੋ ਦੀ ਦਿ ਸਾਧਾ ਸਮੇਂ  
ਸਮੇਂ ਮੰਗੀਤ, ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੇ ਸਮੇਂ ਦੇ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ  
ਸਮੇਂ ਮੀ। ਇਸ ਇਸੇ ਉਸੇ ਦੇ ਦਮਤੁ  
ਮਈ ਉਸੇ ਦਾਦੀ ਦਾ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਕੀਤਾ। ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ-2 ਦਾਦੀ  
ਦੇ ਸਮੇਂ ਉਹ ਦਿਸੇ ਦਾ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੀ ਸਮੇਂ ਮੰਗੀਤ।  
ਸਾਧਾਤੀ ਮੰਗੀਤ ਦੀ ਦਿ ਸਾਧਾ ਦੇ ਸਮੇਂ ਹੈ ਕਿ  
ਸਾਧਾ ਦਾਦੀ ਦਾ ਉਤਾਰ-ਉਤਾਰ ਸਮੇਂ ਕੀਤਾ ਦੇ  
ਦਿਸਾਤੀਰਗ ਇਸੇ ਮੰਗੀਤ ਹੈ। ਇਸ ਦਾਦੀ ਦੇ  
ਇਸੇ ਉਤਾਰ-ਉਤਾਰ ਉਤਾਰ-ਉਤਾਰ ਦੇ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ  
ਸਮੇਂ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਸਮੇਂ ਮੰਗੀਤ ਲੜੇ ਤਿੰਨ ਸਮੇਂ  
ਦਾ ਦਿਸਾਤੀਰਗ ਹੈ। ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਦਿਸਾਤੀਰਗ  
2 ਮੰਗੀਤ ਇਸੇ ਦੱਖੀ ਲੜੇ ਸਮੇਂ ਦਾ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ  
ਹੈ। ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਜੀ ਸਮੇਂ ਦਾ ਸਮੇਂ ਲੜੇ ਸਮੇਂ,  
ਇਸੇ ਦਿਸਾਤੀਰਗ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਉਤਾਰ-ਉਤਾਰ  
ਸਮੇਂ ਦੇ ਸਮੇਂ ਸਮੇਂ ਦੇ ਸਮੇਂ ਲੜੇ ਸਮੇਂ  
ਉਤਾਰ ਸਮੇਂ ਮੀ।

## ਦਿਮਤੀ ਦਮਤੁ

ਦਿਮਤੀ ਦਮਤੁ ਮੰਗੀਤ  
ਦਾ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦਮਤੁ  
ਦੇ ਦਮਤੁ ਹੈ। ਇਸੇ  
ਸਾਧਾਤੀ ਤੇ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ  
ਸਮੇਂ ਕੀਤਾ।

ਦਿਮਤੀ ਦਮਤੁ ਮੰਗੀਤ  
ਦਾ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਹੈ। ਇਸੇ  
ਮੰਗੀਤ ਦਾ ਤਿੰਨ ਸਮੇਂ  
ਦੇ ਦਿਸਾਤੀਰਗ ਲੜੇ  
ਮੰਗੀਤ ਦਾਦੀ ਹੈ।  
ਤੇ ਸਾਧਾਤੀ ਤੇ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ  
ਸਮੇਂ ਕੀਤਾ ਹੈ।

ਦਿਮਤੀ ਦਮਤੁ ਮੰਗੀਤ  
ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ  
ਸਮੇਂ ਦਾਦੀ ਹੈ।



ਇਹਿਸਾਸੀ ਪਿਆਰ

ਮਗਰ ਮੋਹੀ

ਕਾਮ 3531

ਇਹਿਸਾਸੀ ਪਿਆਰ ਨਾਚ  
ਮੇਰ ਮੋਹੀਤ ਦਾ ਇਹਿਸਾਸ  
ਸਾਹਮਣੇ ਤੇ ਪਿਆਰ ਨਾਚ  
ਮੁਹਮਣੇ ਤੇ ਸਾਪਣੀ ਰਾਪੀਆ  
ਤੇ ਹੀ ਮੇਰ ਰਹਮਣੇ।



ਇਹਿਸਾਸੀ ਪਿਆਰ ਨਾਚ  
ਸਾਹਮਣੇ ਤੇ ਮੁਹਮਣੇ ਤੇ  
ਸਾਪਿਆਰ ਰਹਮਣੇ ਰਹੀ  
ਸਾ ਰਹੀ ਸਾਹਮਣੇ ਤੇ  
ਸਾਪਣੀ ਰਾਪੀਆ ਤੇ ਮੇਰ  
ਹੀ ਰਹਮਣੇ।



ਇਹਿਸਾਸੀ ਪਿਆਰ ਨਾਚ  
ਮੁਹਮਣੇ ਤੇ ਸਾਪਣੀ ਰਾਪੀਆ  
ਤੇ ਹੀ ਮੇਰ ਰਹਮਣੇ।

ਮੇਰ ਇਹਿਸਾਸੀ ਪਿਆਰ  
ਨਾਚ ਇਹੀ ਸਾ ਰਹੀ  
ਸਾਹਮਣੇ ਤੇ ਮੁਹਮਣੇ ਤੇ  
ਸਮਰਣੇ ਤੇ ਇਹ  
ਸਾਹਮਣੇ ਰਾਪੀਆ ਤੇ ਹੀ  
ਮੇਰ ਰਹਮਣੇ।



ਮੇਰ ਹੀ ਨਾਚਮਾ ਹੀ  
ਮੇਰ ਹੀ ਮੋਹੀਤ ਦਾ  
ਉਹਦੇ ਇਹਿਸਾਸ ਇਹ  
ਇਹੇ ਇਹਦੇ ਤੇ  
ਹੀ ਰਹੀ ਰਹੀ ਇਹ  
ਦਾ ਹੀ ਪੂਰੀ ਰੀਤ  
ਮੋਹੀਤ ਦਾ ਇਹਿਸਾਸ ਹੀ  
ਨਾਚ - 2 ਮੋਹੀਤ ਹੀ  
ਪੂਰੀ ਮੇਰੇ ਰਸਮਦਾਰ  
ਪੂਰੀ ਮੇਰੇ ਗੇਰਮਾ  
Meaning: Classical  
Music



### ਵਿਸਾ - ਵਸਤੂ

ਮੁੱਖ ਦੇ ਪਾਸੇ ਵਿੱਚੇ ਨੇ ਪ੍ਰੀਤਗੰਭਰ ਅਤੇ ਤੇਂ ਕਾਇਤੁਤ  
ਪਾਸੇ । ਮੈਰਾਨਾ । ਧਗਾਨਾ । ਮਾਇਆ ਮਾਇ ਦੇ  
ਉਪਾਸਮਮ ਵਾਤਾਨੁਕ ਵਿੱਚ ਉਮਰੀ ਵਾਨੀਮਤ ਦੀ  
ਰੂ ਕੇ ਪੈਰੀ ਨੇ ਵਿੱਚ ਤੇਰੀ ਨਿਰਮੀ ਦੀ  
ਵੇਖਾਈ ਵਾਤਾਨੁਕ ਸਿੰਧ ਵਿੱਚੋਂ , ਘੋਪ  
ਨੇ ਰਿਸੀ ਦੀ ਤੇਰੀ ਦੇ ਮਮ ਮੈਰਾ - ਮੁਰਾ  
ਵਿੱਚ ਦੀ ਉਮਰੀ ਵਾਨੀ ਵੇਰਾ ਤੇ ਮਾਧਾਇਤ  
ਮੀਤ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਤੀਤ ਤੇ ਉੱਠੀ । ਸਿੰਧ  
ਮੁੱਖ ਵਿੱਚ ਸਿੰਧਾਨੁ ਦੇ ਵਾਪਾ ਤੇਰੇ ਰੇਰਾ  
ਉਮ ਦੀ ਮਾਇਤਾ ਨੇ ਮੈਰਾਤੁਤੀ ਸਿੰਧੀਤ  
ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰੀਤਗੰਭਰ ਤੇਰੀ ਮਾਈ । ਉਹ ਗੀਤ  
ਨੇ ਮੈਰੀਤ ਤੇ ਪਥਰਿਤ ਰੂਪ ਵੇਰੇ ਮੁੱਖ ।  
ਉਸਨੇ ਗੀਤ , ਗਾਧਨ ਮਾਇ ਤੇਰੇ ਮੈਰੀਆ  
ਤੇ ਮਮ ਤੇ ਮੁਰਾਮ ਮੈਰੀਤ ਵਿੱਚ ਗੋਰਿਆ ਗਿਆ  
ਮੁਰਾਮ ਮੈਰੀਤ ਦੀ ਵਿਭਿੰਨ ਮੈਰੀਆ ਵਿੱਚ ਤੇਰੇ  
ਤੇ ਮਾਮਤਾਪਾਤ ਪ੍ਰਾਪਤ ਤੇ ਨੇ ਤੇਰੇ ਤੇਰੇ ।  
ਪਰਿਤ ਮਾਮਤਾ ਮੈਰੀਤ ਦੀ ਤੇਰੇ ਸੰਤਿਖਤ  
ਨਹੀਂ ਤੇ

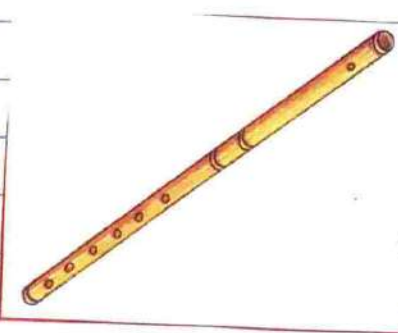
ਮੁਰਾਮ ਮੈਰੀਤ ਨੇ ਪੈਰ ਮੈਰੀਤ ਵਿੱਚ ਮਮਾਨਤ  
ਮੈਰਾ । ਨੇ ਤਾਪ ਦੀ ਤੇਰੇ ਤੇਰੇ ਵਿੱਚ  
ਮਾਪਿਰਤ ਰੂਪ ਤੇ ਮਮਾਨ ਤੇਰੇ ਤੇਰੇ  
ਵਿੱਚ ਤੇਰੇ ਸਿੰਧਾਤਾ ਵਾਹਗ , ਰੀਤੁਤਾ ; ਪ੍ਰਮੇਰਾ ,  
ਰੀਪ ਵੇਰੀ , ਰੂਪ ਮਾਇ ਦੇ ਪ੍ਰਯੋਗ ਵੇਰਾ ਤੇ  
ਵਿਸਾ ਦੀ ਵੇਰਾ ਦੇ ਤੇਰੇ ਮੈਰਾ ਵਿੱਚ ਮਮਾਨ  
ਤੇਰੇ ਤੇਰੇ ਸਿੰਧ ਸਿੰਧਾਤਾ ਤੇਰੇ ਗੀਤ , ਤੇਰੇ  
ਉੱਤੇ ਗੀਤ , ਸਿੰਧ ਮਾਪ ਮੈਰੀਤ ਵਿਭਿੰਨ  
ਮਾਮਤਾ ਦੇ ਗੀਤ ਮਾਇ ।

### ਵਿਸਾ - ਵਿਸਾ - ਵਿਸਾ

ਵਿਸਾ - ਵਿਸਾ - ਵਿਸਾ  
ਮਾਪ ਪੈਰ ਮੈਰੀਤ ਨੇ  
ਮਾਮਤਾ ਮੈਰੀਤ ਦੀ  
ਮਾਮਤਾ ਦੀ ਵਿਸਾ ਤੇ  
ਵੇਰਾ ਤੇ ਵਿਸਾ ਤੇ  
ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ ਮੈਰੇ ਕਰਨ  
ਮਾਈ ਦੀ ਵੇਰਾ ।

ਵਿਸਾ - ਵਿਸਾ - ਮੈਰੇ ਵੇਰਾ  
ਵਿ ਵਿਸਾ ਤੇਰੇ ਵੇਰਾ ਵਿੱਚ  
ਮਮਾਨਤਾ ਵੇਰੀ ਤੇਰੇ ਵੇਰਾ  
ਦੀ ਵਿਸਾ ਵਿੱਚ ਤੇਰੇ ਤੇਰੇ  
ਤੇਰੇ ਤੇਰੇ ਮੈਰੇ ਤੇਰੇ ।  
ਵੇਰਾ ਤੇਰੇ ਵਿੱਚ ਮਾਮਤਾ  
ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ ਮੈਰੇ ਕਰਨ  
ਮਾਈ ਵੇਰਾ ।



| ਵਿਹਿਰ ਦਿਸਾਵਾਂ                                                                               | ਮਗੀਤਕ ਮਸੰਗੀ                                                                       | ਕਾਨਾ ਉਲਾਹ |
|---------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------|-----------|
| ਵਿਹਿਰਾਈ ਪਿਆਰ<br>ਨਾਚ ਹਿੱਤੀ ਜਾ ਰਹੀ<br>ਸਾਹਵਾਗੀ ਕੁਝ<br>ਕਰੇ ਕਾਪੜੀ<br>ਸਾਧੀਆਂ ਤੇ ਹੀ<br>ਮੇਰੇ ਰਸਮਗੀ। |  |           |

## ਮੀਤਰ ਦੁਆਰਾ:

੭੧. ਮੀਤਰ ਦੀ ਪਾਤਸ਼ਾਹੀ ਦੀ ਹੈ
੭੨. ਮੀਤਰ ਦੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਨਾਮ?
੭੩. ਫੇਰ ਮੀਤਰ ਦੀ ਹੋਰ ਹੈ?
੭੪. ਮੀਤਰ ਦਾ ਦਫ਼ਤਰ ਕਿੱਥੇ ਹੈ?
੭੫. ਮਾਮਤਰੀ ਮੀਤਰ ਘਾਹ ਸਾਹਵਾਗੀ ਹੋਵੇ।

ਕਿਸੇ ਦਾ ਕੰਮ :-

ਮਾਓ ਵਿਹਿਰਾਈ, ਫੇਰ ਮੀਤਰ  
ਮਾਓ ਮਾਮਤਰੀ ਮੀਤਰ ਘਾਹ  
ਮਾਓ ਮਿਖਰੇ ਤੇ ਪਾਹ ਕਰੇ  
ਮਾਓ ਮਾਓ।

ਕਿਸੇ ਕੰਮ  
ਕਿਸੇ ਕੰਮ  
ਕਿਸੇ ਕੰਮ  
ਕਿਸੇ ਕੰਮ



ਵਿਦਿ. ਸਾਧਿ ਦਾ ਰੋਜ਼ਾਨਾ - 1987

ਸਮਾਤ - ਕੰਡੀ

ਵਿਸ਼ਾ - ਮੋਗੀਤ

ਉਪਵਿਸ਼ਾ - ਤਾਮਪੁਰਾ ਤੇ ਉਮਰੇ ਮੰਗਾ

ਸਮਾਂ - 30-35 ਮਿੰਟ

ਮਿਤੀ - 01-11-012

ਸਾਧਾਰਨ ਸਮੱਗਰੀ :-

ਸਾਧਾਰਨ ਸਮਾਤ ਦਾ ਸਾਧਾਰਨ ਰਸਮਾਂ ਦੌਰਾ, ਵਾਧਾ ਤਲਤਲ, ਕਾਨਫਰੰਸ, ਮੈਰਿਟਰ ਮਾਧਿਰ ।

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸਮੱਗਰੀ :-

ਤਾਮਪੁਰਾ ਤੇ ਉਮਰੇ ਮੰਗਾ ਦੇ ਦਰਸਾਇਆ ਪ੍ਰਦਿਸ਼ਾਨ ਆਂਡਾਫਾ

ਸਾਧਾਰਨ ਉਦੇਸ਼ :-

(1) ਵਿਦਿ. ਸਾਧਿ. ਦੇ ਗਿਆਨ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਰਹਿਣਾ

(2) ਉਮਰੀ ਤੌਰ ਮੁਰਤੀ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਰਹਿਣਾ

(3) ਉਮਰੇ ਮੁਖਰ ਤੇਤਰ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਰਹਿਣਾ

(4) ਉਮਰੇ ਮੋਗੀਤ ਵਿਸ਼ੇ ਦੀ ਰੁਕੀ ਉਤਪੰਨ ਰਹਿਣਾ

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਉਦੇਸ਼ :-

ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਤਾਮਪੁਰਾ ਤੇ ਉਮਰੇ ਵੱਖ-2 ਮੰਗਾਂ ਥਾਏ ਸਾਹਵਾਰੀ ਦੇਣੀ

ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦੇ ਸੂਤਰ :-

(1) ਗਿਆਨ ਤੇ ਸਾਹਿਤਮਾਨ ਵੱਖ

(2) ਮਰਦਮ ਤੇ ਸਾਹਿਤ ਵੱਖ

(3) ਮਿਸ਼ਰਿਤ ਤੇ ਸਾਹਿਤਮਾਨ ਵੱਖ

ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦੇ ਢੰਗ :-

ਤਾਮਪੁਰਾ ਵਿਖੇ ਗਈ ਥਾਏਆਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਾਇਆ ਸਾਹਵਾਰ ਤੇ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਦੀ ਪੁੱਛ ਸਾਹਵਾਰ

ਪੂਰੇ ਸਾਹਿਤਮਾਨ ਗਿਆਨ :-

ਵਿਦਿ. ਸਾਧਿ. ਵਿਚ ਮੈਰਿਟਰ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਵਿਦਿ. ਸਾਧਿ. ਮੋਗੀਤ ਮੈਰਿਟਰੀ ਮੈਰਿਟਰੀ ਸਾਹਵਾਰੀ ਵੱਖਰੇ ਰਹਿਣਾ

ਪੂਰੇ ਗਿਆਨ ਦੀ ਪੜ੍ਹਤ :-

(1) ਮੋਗੀਤ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ੇ-2 ਵਾਧਾ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ

(2) ਵਿਸ਼ੇ ਵਾਧਾ-ਗਈ ਸਾਧਿ ਮੈਰਿਟਰ ਤੇ ਸਾਧਿਕਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਰਹਿਣਾ

(3) ਤਾਮਪੁਰਾ ਥਾਏ ਵਿਸ਼ੇ-2 ਮੰਗ ਤੇ ਸਾਧਿਕਾਰ ਤੇ



ਹਿਮੰਦੀ ਘੋਸ਼ਣਾ :-

ਮੀਤਰ ਪ੍ਰਸੰਨ ਦਾ ਉੱਤਰ ਅੰਤਿਮਸ਼ਰ ਨੂੰ ਖਿਚਦੇ ਰਾਹ  
 ਹਿੰਦੂ-ਮਾਧਿਃ ਦੱਸਿਆ। ਅੰਗ ਦਾਇਰੇ। ਅੰਗ ਮਾਧੀ  
 ਤਾਮਪੁਰੇ ਘਾਟੇ ਹਿੰਦੂਤਾ ਅੰਤਿਮ ਧਰਮਾਂ  
 ਘਾਟੇ ਅੰਗੇਜ਼ ਹਿੰਦੀ ਤੇ ਪ੍ਰਸੰਨ ਉੱਤਰ ਹਿੰਦੀ ਅੰਤਿਮ ਪ੍ਰਧਾਨੀਆਂ  
 ਸਾਹਿਤ।

ਪ੍ਰਸੰਨਤੀਰਥ :-

| ਹਿੰਦੂ - ਫਤਹ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | ਹਿੰਦੂ-ਮਾਧਿਃ ਪ੍ਰਧਾਨੀ                                                                                                                                                                                                                                                                                                | ਹਿੰਦੂ ਪ੍ਰਧਾਨੀ                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | ਸਾਹਿਤ ਸਮਾਜੀ<br>ਅੰਗ ਰਾਹੀਂ 343                                                                                                                                                                                                                                                                               |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>ਤਾਮਪੁਰਾ :- ਤਾਮਪੁਰੇ ਦੇ<br/>                     ਤੰਦੁਰਾ ਦੀ ਰਿਹਾ ਸਾਂਝੇ<br/>                     ਹੈ। ਹਿੰਦੂ ਦੀ ਰਾਹ ਤੰਦੁਰਾ<br/>                     ਰੱਖਣ ਨੇ ਰੀਤੀ ਮੀ। ਉਸ<br/>                     ਰਾਹ ਵਿੱਚ ਅੰਗੇਜ਼ ਤੰਦੁਰਾ<br/>                     ਦੀਆਂ ਦੀਵਾ ਦਾ ਪ੍ਰਧਾਨ<br/>                     ਮੀ। ਸਿਧਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਹਿੰਦੂ ਰਿਸ਼ਮ<br/>                     ਤਾਮਪੁਰੇ ਦੀ ਹੀ ਮੀ। ਹਿੰਦੂ<br/>                     ਦੀਆਂ ਤਾਮਪੁਰੇ ਦੇ ਉੱਤਰੀਆਂ<br/>                     ਰਾਹ ਦਾਹੀ - 2 ਦਸਾਇਆ<br/>                     ਸਾਂਝੇ ਹੈ।</p> | <p>ਹਿੰਦੂ-ਮਾਧਿਃ ਅਤੰਤ<br/>                     ਧਰਮਾਂ ਦਾਇਰਿਆਂ<br/>                     ਦੇ ਤਾਮਪੁਰੇ ਦੀ<br/>                     ਉੱਤਰੀ ਘਾਟੇ ਰੱਖਣ<br/>                     ਤੇ ਹਿੰਦੂ ਤਾਮਪੁਰੇ<br/>                     ਦੇ ਦੱਖ - 2 ਅੰਗਾਂ<br/>                     ਘਾਟੇ ਦਾਇਰਿਆਂ ਦੇ<br/>                     ਸਾਹਿਤੀ ਦੱਸਿਆ।</p> | <p>ਹਿੰਦੂਆਰਥੀ, ਮਾਧਿਃ<br/>                     ਦੁਆਰਾ ਦੱਸੀ ਸਾ<br/>                     ਅੰਤਿਮ ਤਾਮਪੁਰੇ ਦੀ<br/>                     ਉੱਤਰੀ ਘਾਟੇ<br/>                     ਪਿਛਾਤੀ ਸਾਧ<br/>                     ਮੁਹਾਰਾ ਤੇ ਦੱਖ - 2<br/>                     ਅੰਗਾਂ ਮੰਦੀਰੀ ਸਾਹਿਤੀ<br/>                     ਰਾਸ਼ਿਧ ਰੱਖਣ।</p> | <p><u>ਤਾਮਪੁਰੇ :-</u><br/>                     ਹਿੰਦੂ ਦੇ ਤੰਦੁਰਾ<br/>                     ਦੀ ਰਿਹਾ ਸਾਂਝੇ<br/>                     ਹੈ।<br/> <u>ਤਾਮਪੁਰੇ ਦੇ ਅੰਗ</u><br/>                     1. ਤੰਦੁਰਾ<br/>                     2. ਤੰਦੁਰਾ<br/>                     3. ਤੰਦੁਰਾ<br/>                     4. ਗੱਦੀ</p> |
| <p>ਤਾਮਪੁਰੇ ਦੇ ਅੰਗ :-</p> <p>1. ਤੰਦੁਰਾ :- ਧਰਮੀ ਮੈਰੀ<br/>                     ਸਾਂ ਹਿੰਦੂ ਹਿੰਦੂ<br/>                     ਦੇਖ ਦੇ ਤੰਦੁਰੇ ਦੇ ਵਿੱਚੋਂ ਰੱਖ<br/>                     ਦੇ ਉੱਤਰੇ ਹਿੰਦੂ ਅੰਗ ਦੇ<br/>                     ਉੱਤਰੇ ਰੱਖਣੇ ਜਦਾ ਸਿੰਧੂ<br/>                     ਉੱਤਰੇ ਤੰਦੁਰੇ ਧਰਮੀ ਸਾਂਝੇ<br/>                     ਹੈ।</p>                                                                                                                                                                             | <p>ਹਿੰਦੂ-ਮਾਧਿਃ ਅਤੰਤ<br/>                     ਧਰਮੀ ਤੰਦੁਰੇ ਘਾਟੇ<br/>                     ਤੇ ਹਿੰਦੂ ਤੰਦੁਰੇ<br/>                     ਘਾਟੇ ਦੱਸਿਆ।</p>                                                                                                                                                                    | <p>ਹਿੰਦੂਆਰਥੀ, ਮਾਧਿਃ<br/>                     ਦੁਆਰਾ ਦੱਸੇ ਗਏ<br/>                     ਤੰਦੁਰੇ ਤੇ ਤੰਦੁਰੇ<br/>                     ਘਾਟੇ ਸਾਹਿਤੀ<br/>                     ਰਾਸ਼ਿਧ ਰੱਖਣ।</p>                                                                                                                            |                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |



4.  $\frac{1}{x^2} = x^{-2}$   $\frac{d}{dx} x^{-2} = -2x^{-3} = -\frac{2}{x^3}$

ਫਿਰ ਮਾਪ ਦਾਰਿਆ  
 ਨੂੰ ਤੋੜ ਕੇ ਉਥਲੀ  
 ਘਾਤ ਰਸਮ ਤੋਂ  
 ਬਾਅਦ ਗੰਗਾ ਦੇ  
 ਸਾਹਸਰੀ ਦੇਵੀ ਤੋਂ  
 ਪ੍ਰਿਯਾ ਮੈਚੀਪੀ  
 ਦਾਰਿਆ ਨੂੰ ਮਾਂਡਿਖ  
 ਜਾਂ ਮਮਭਾਈਗਾ।

धिरेन्द्राजी, माप  
 हमांग रेगी चहरी  
 रूथ सी ३ उधारी  
 धाई साहसारी गमिच  
 रंग ३ धामर  
 रंग, गंध ३ धाई  
 धाई साहसारी  
 गमिच रंग ३  
 मंडूच गरी हिम  
 नि पिमांग माप  
 ममरुही ।

31/5/21  
मि. २-७

5.  $\frac{94}{2012}$

၈. ကံငါ

मार्च २०२१ :-

1. ਤਾਜਪੁਰ ਦੇ ਦੁਮਤਾ ਨਾਮ ਵੀ ਹੈ 2. ਤਾਜਪੁਰ ਵਿਖੇ, ਦੀਵਾਨਾ ਹੋਵੇ, ਹੈ,  
ਵਿਖੇ ਚੰਨ ਅੰਗਾ ਦੇ ਨਾਮ ਹੋਵੇ। 3. ਤਾਜ ਵਿਖੇ ਪ੍ਰਸਾਦ ਵੀ ਹੋਵੇ ਹੈ।



5. ਮੰਡੀ :- ਤਾਂਗ ਦੇ ਮਿੱਠੇ  
 ਨੂੰ ਕਮਾਇਆ  
 ਅਜੇ ਤੱਕ ਦੇ ਮੱਧੇ ਮੱਧੇ  
 ਜਾਂ ਤੱਥੇ ਹਿਰ ਤਿਰੇਖੀ  
 ਘੱਟੀ ਘੱਟੀ ਹੋਈ ਹੈ।  
 ਸਿਮ ਦੇ ਮੁਗਧਾਂ ਵਿੱਚ  
 ਤਾਂਗਾਂ ਨੂੰ ਕਮਾਇਆ  
 ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

6. ਮੰਡੀ :- ਤਾਂਗੇ ਦੇ  
 ਉੱਪਰ ਤਾਂਗ  
 ਹਿਰ ਤਿਰੇਖੀ ਹੋ  
 ਘੱਟੀ ਘੱਟੀ ਹੋਈ ਹੈ।  
 ਸਿਮ ਦੇ ਉੱਪਰ ਟੱਪ-2  
 ਤਾਂਗਾਂ ਸਿਰਫ਼ ਮੰਡੀਆਂ  
 ਹੋਈਆਂ ਹਨ।

7. ਤਾਂਗਾ :- ਮੰਡੀ ਦੇ  
 ਸਿਮ ਤੋਂ  
 ਹਿਰ ਤੋਂ ਤੱਥੇ ਦੀ ਘੱਟੀ  
 ਘੱਟੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਸਿਮ  
 ਵਿੱਚ ਮੁਗਧਾਂ ਵਿੱਚ ਹਨ।  
 ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੁਗਧਾਂ ਵਿੱਚ ਤਾਂਗਾਂ  
 ਹੋਣ ਦੇ ਮੰਡੀਆਂ ਦੇ  
 ਜੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

8. ਮੰਡੀ :- ਤਾਂਗਾਂ ਨੂੰ  
 ਕਮਾਇਆ ਤੇ ਦਿੱਤਾ  
 ਕਰਨ ਦੇ ਅਜੇ ਤਾਂਗੇ ਦੇ  
 ਦੁਜੇ ਸਿਮ ਵਿੱਚ ਮੁਗਧਾਂ  
 ਕਰਨੇ ਮੰਡੀਆਂ ਕਮਾਇਆ  
 ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਹਿਰੇ ਮੱਧੇ ਘੱਟੀਆਂ  
 ਨੂੰ ਮੰਡੀਆਂ, ਮਹੱਰ,  
 ਤੇ ਤਾਂਗਾਂ ਘਾਟੇ  
 ਸਾਹਜ਼ਾਗੀ ਦੇਣਗੇ। ਤੇ  
 ਤਾਂਗਾਂ ਦੇ ਮੁਗਧਾਂ ਦੇ  
 ਮਹੱਰ ਦੇਣੇ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਹਿਰੇ ਮਾਝੀ, ਮਾਝੀਆਂ  
 ਦੁਆਰਾ ਹੋਈ ਜਾਂ  
 ਮੰਡੀ ਮੰਡੀਆਂ, ਮਹੱਰ  
 ਤੇ ਤਾਂਗਾਂ ਘਾਟੇ  
 ਸਾਹਜ਼ਾਗੀ ਜਾਮਿਨ  
 ਕਰਨਗੇ ਤੇ ਮਹੱਰ ਮੰਡੀ  
 ਘਾਟੇ ਜਾਮਿਨ।

7. ਤਾਂਗਾ

8. ਮੰਡੀ

9. ਮਹੱਰ

10. ਤਾਂਗੇ

ਮਫਰ :- ਮਗਾਂ ਦੇ  
 ਖੌੜੇ ਧਮਕੇ  
 ਹੈ ਭੀਰ ਰੁਖ ਖਰੀ  
 ਮਫਰ ਪ੍ਰਯੋਗ ਰੀਤ ਸਾਹਿ  
 ਜਮ  
 ਤਾਗਾਂ :- ਤਾਮ੍ਹਰੇ ਦੀਆਂ  
 ਚਾਰ ਤਾਗਾਂ  
 ਤੀਰੀਆਂ ਜਮ। ਇਸ ਦੀਆਂ  
 ਚਾਰ ਭੁਗਾਂ ਹਿਥੇ ਹਿਥੇ ਤਾਗਾਂ  
 ਪਿਤੱਧ ਦੀ ਹੋਈ ਹੈ।  
 ਇਸਨੂੰ ਤਾਗਾਂ ਦੇ ਉੱਗਾਧੀ  
 ਮਾਧ ਸੰਗ੍ਰਹ ਤੇ ਮਗਾਂ ਦੀ  
 ਉਤਪੱਤੀ ਹੋਈ ਹੈ।

ਇਹ. ਮਾਧ. ਧੀਰਿਆਂ  
 ਦੇ ਤਾਮ੍ਹਰੇ ਦੇ  
 ਮਾਧ ਦੀ ਮਾਧੀਤਾ  
 ਮਾਧ ਉਮਰ ਵਿੱਚ -  
 2 ਮਾਧ ਦੀ ਮਾਧੀਤਾ  
 ਦਿੱਤਾ।



**ਘਰ ਦਾ ਕੰਮ**

ਘਰੇ ਘਰ ਤੋਂ ਤਾਮ੍ਹਰੇ  
 ਦੇ ਇੱਥੇ - 2  
 ਮਾਧਾਂ ਘਾਂ ਪਿਆਧ  
 ਮਾਧ ਧੜੇ ਦੇ  
 ਮਾਧੀਤਾ ਹੈ।

**ਮਾਧਿ ਦੁਹਾਈ :-**

- 1) ਤਾਮ੍ਹਰੇ ਵਿੱਚ ਬਿੰਨੀਆਂ ਕੰਮਾਂ  
 ਤੀਰੀਆਂ ਜਮ ?
- 2) ਮਫਰ ਦੀ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕਿਸ ਢੰਗੀ ਰੀਤ ਸਾਹਿ ਹੈ ?
- 3) ਮਫਰ ਦੀ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕਿਸ ਢੰਗੀ ਮਾਧ ਕਿਸ ਮਾਧ  
 ਭੌਂਕੇ ਤਾਂ ?
- 4) ਧੀਰੀਆਂ ਦੀ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕਿਸ ਢੰਗੀ ਰੀਤ  
 ਸਾਹਿ ਹੈ ?

Home Work  
 by P.T.

*[Signature]*





ਦਿਰਿ-ਮਧਿ-ਹਾ ਧੋਖ ਮੈਧਾ :

ਸਮਾਤ :-> ਭੁਈ

ਦਿਸਾ :-> ਮੰਗੀਤ

ਉਪਦਿਸਾ :-> "ਫੇਰੇ ਤਾਖ"

ਸਮਾਂ :-> 30-35 ਮਿੰਟ

ਮਿਤੀ :-> 02-11-2012

ਸੁਧਾਰਨ ਸਮੱਗਰੀ :->

ਦਿਸ਼ਾ ਸਮੱਗਰੀ :->

ਸੁਧਾਰਨ ਉਦੇਸ਼ :->

ਦਿਸ਼ਾ ਉਦੇਸ਼ :->

ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦੇ ਢੰਗ :->

ਪੂਰਨ ਮਾਨਿਸ਼ਿਤ ਤਿਆਰ :->

ਪੂਰਨ ਤਿਆਰ ਦੀ ਪਰਖ :->

ਉਪਦਿਸ਼ਾ ਦੀ ਘੋਸ਼ਣਾ :->

ਪ੍ਰਮਤਤੀਰਥ :->

ਹੱਥ, ਰਾਖਾ ਤਖਤਾ, ਛਾਤੀ, ਮੰਤਰਾਂ ਨਾਲ ਸੁਧਾਰਨ ਸਮਾਤ, ਰਸਮ।  
ਫੇਰੇ ਤਾਖ ਦਾ ਲਾਗਤ, ਤਸਵੀਰਾਂ ਤੇ ਚੁੱਕੇ ਤੇ ਸੁਧਾਰਨ ਸਾਧਨ  
ਦਮਤਦਿਰ ਧਰਾਤਖ ਮਾਰਿ।

- ① ਦਿਰਿ-ਮਧਿ-ਹਾ ਦੇ ਤਿਆਰ ਦਿੰਦੇ ਵਾਪਾ ਰਹਾ।
- ② ਦਿਰਿ-ਮਧਿ-ਹਾ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁਧਾਰੀ ਦਿੰਦੇ ਵਾਪਾ ਰਹਾ।
- ③ ਦਿਰਿ-ਮਧਿ-ਹਾ ਦਿੰਦੇ ਮੰਗੀਤ ਵਿਖੇ ਹੀ ਪੁਰੀ ਪੈਰਾ ਰਹੀ।
- ④ ਦੱਸਿਆਂ ਨੂੰ ਤਾਖ ਦੇ ਧਾਰੇ ਦਿੰਦੇ ਸਾਹਰਾਗੀ ਰਹੀ।

ਦਿਰਿ-ਮਧਿ-ਹਾ ਨੂੰ "ਫੇਰੇ-ਤਾਖ" ਦੇ ਧਾਰੇ ਸਾਹਰਾਗੀ ਰਹੀ।  
ਅਮਰ ਦਿਪੀ ਗਈ ਦੱਸਿਆਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਾਇਆ ਸਾਹਰਾ ਤੇ ਪ੍ਰਮਤ  
ਦੀ ਪੁਰ ਸਾਹਰਾ।

ਦਿਰਿ-ਮਧਿ-ਹਾ ਅੰਤ ਦੇ ਵੱਖਰਾ ਰਿ ਦਿਰਿ-ਮੰਗੀਤ ਮੰਦਰੀ  
ਮੰਦਰੀ ਸਾਹਰਾਗੀ ਭੱਖਰੇ ਮਾ।

- ① ਕੀ ਰਹਾਸਾ ਪਰਧਰਾਉਣ ਨਾਖ ਮੈਲਾ ਉਤਪੰਨ ਹੋਈ ਹੋਰੇ  
ਮੰਗੀਤ ਦਿੰਦੇ ਵਿਖੇ ਮੈਲਾ ਨੂੰ ਕੀ ਰਹਿੰਦੇ ਪਰਧਰਾਉਣ ਨਾਖੀ ਰਹੀ ਕੀ  
ਮਾਫਾ ਮਾ ਗਾਗਾ ਗਾਢਿੰਦੇ ਤਾ ਉਹ ਦਿੰਦੇ ਦੱਸਿਆਂ ਦਿੰਦੇ ਦੱਸਿਆਂ  
ਹੋਰਾ ਤੇ ਪਰਧਰਾਉਣ ਦੱਸਿਆਂ ਵਿਖੇ ਦਿੰਦੇ ਦੱਸਿਆਂ ਹੋਰੀ ਤੇ।

ਪ੍ਰਮਤਾ ਦੇ ਮੰਤਰਾਂ-ਮੰਤਰਾਂ ਉਤਰੇ ਨਾ ਮਿਸ਼ਰ ਤੇ ਦਿਰਿ-ਮਧਿ-ਹਾ ਰਹਾ,  
"ਮੰਗੀਤ ਦੱਸਿਆਂ ਮੰਗੀਤ ਨਾਖੀ" ਫੇਰੇ ਤਾਖ, ਧਾਰੇ ਪੜ੍ਹਾਉਣੇ,  
ਦਿਰਿ-ਮਧਿ-ਹਾ ਦੱਸਿਆਂ ਨੂੰ "ਫੇਰੇ-ਤਾਖ" ਨਾਲੇ ਵਿਖੇ ਦਾ ਪਾਉਣੇ  
ਦਿਸਤਾਰ ਦਿਪੀ ਨਾਖ ਸਮਝਾਏਗਾ।



## ਵਿਸ਼ਾ - ਫਲਤ

ਭੂਮਿਕਾ :- ਗਾਤੀ ਮੰਗੀਤ ਰੁਪੀ ਕੁਝ  
ਮੁੜ ਡਾਢ ਹੀ ਜੀਓ ਉੱਤੇ  
ਖੜ੍ਹਾ ਹੈ। ਇਹੀ ਰਾਗਨ ਹੈ ਕਿ ਮੰਗੀਤ  
ਰਖਾ ਵਿੱਚੋਂ ਅੱਧਰ ਨਾਂ ਰਾਗ ਖੜ੍ਹਾ  
ਤੇ ਧਿਨਾਂ ਡਾਢ। ਧੰਨ ਮਾਤਰਾ ਹੀ  
ਗਿਲਾਨ ਤੋਂ ਧਿਨਾਂ ਤਾਮ੍ਹਾ ਮੁੱਧ ਨਹੀਂ  
ਹੈ ਮਰਹੀ ਫਿਰੀਂ ਡਾਢ ਡਾਢ ਹੈ  
ਗਿਲਾਨ ਤੋਂ ਧਿਨਾਂ ਮੰਗੀਤ ਹੀ ਮੁੱਧ  
ਨਹੀਂ ਹੈ ਮਰਹੀ।

ਯੋਗਿਤਾਮਾ :- ਨਿਯਮਿਤ ਗਾਤੀ ਨਾਂ ਮਮਾਂ  
ਹੈ ਆਪਣੇ ਨੂੰ ਡਾਢ ਰਿਗ  
ਘਾਹੀ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਨਿਯਮਿਤ ਧੰਨ ਨੂੰ  
ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਨਾਂ ਵਿੱਚ ਨਿਯਮਿਤ  
ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਨੂੰ ਡਾਢ ਧੰਨ ਵਿੱਚੋਂ ਧੰਨਾਂ  
ਘਾਹੀ ਹੈ। ਗੀਤ ਹੀ ਮੰਗੀਤ ਡਾਢ ਨਾਢ  
ਉਹੀ ਹੈ। ਡਾਢ ਹੈ ਧਿਨਾਂ ਗਾਹਿਨ  
ਧੰਨ ਨਾਂ ਧਿਨਾਂ ਮਤ ਧਿਨਾਂ ਧੰਨਾਂ ਧੰਨਾਂ

ਡਾਢ ਪਾਠਿਕ :- ਹਰ ਡਾਢ ਵਿੱਚੋਂ ਤੁਹ  
12 ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਉਹੀਆਂ ਹਨ  
ਵਿਸ਼ ਡਾਢ ਵਿੱਚੋਂ 2-2 ਮਾਤਰਾ ਹੈ 6  
ਵਿਤਾਗ ਉਹੀਆਂ ਪਾਠਿਕੀ ਮਾਤਰਾ ਤੇ ਮਮ  
ਉਹੀ ਹੈ। ਧੰਨੀ, ਧੰਨੀ ਤੇ ਗਿਲਾਨੀ  
ਮਾਤਰਾ ਤੇ ਡਾਢੀ ਉਹੀ ਹੈ। ਇਹ ਚੜ੍ਹੇ  
ਧਿਨਾਂ ਨਾਂ ਤੋਂ ਧਿਨਾਂ ਹੈ ਨਾਢ  
ਘਾਹੀ ਘਾਹੀ ਹੈ।

## ਵਿਸ਼ਾ - ਨੀਤ - ਧੰਨਾਂ

ਵਿਸ਼ਾ - ਨੀਤ ਧੰਨਾਂ ਤੇ ਮੰਗੀਤ ਵਿੱਚੋਂ  
ਡਾਢ ਹੀ ਮੰਗੀਤ ਹੈ ਤੇ ਵਿਸ਼ਾ ਹੈ  
ਧੰਨਾਂ ਰੁਮਨ ਧੰਨਾਂ।

ਵਿਸ਼ਾ - ਨੀਤ ਧੰਨਾਂ ਤੇ ਡਾਢ ਹੀ  
ਧੰਨਾਂ ਧੰਨਾਂ ਧੰਨਾਂ।

ਵਿਸ਼ਾ - ਨੀਤ ਧੰਨਾਂ ਤੇ ਡਾਢ ਹੀ  
ਪਾਠਿਕ ਹੰਢ ਧੰਨਾਂ ਰੁਮਨ ਧੰਨਾਂ।  
ਹਰ ਡਾਢ ਹੀਆਂ ਵਿਸ਼ੀਆਂ ਮਾਤਰਾਵਾਂ  
ਉਹੀਆਂ ਹਨ।



ਇਹ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਾਂ

ਮਹਾਦਿਵ ਮਹਾਂਗੀ

ਰਾਖਾ ਤੱਖਤਾ

ਇਹਿਮਾਰੀ ਪਿਮਾਨ ਨਾਖ ਮੁਹੱਗੀ  
ਮਾਂ ਫਿੱਤੋਂ ਰੁਹੱਗੀ।  
ਤਾਖ ਮੋਮ ਮਾਤਗ ਦਾ ਤਿਮਿਨ  
ਖੁਸ਼ ਸਹੁਰੀ ਯੋ। ਤਾਖ ਤੋ ਪਿਮਾ  
ਮੋਗੀ ਮਧੁਰੀ ਯੋ।

ਘੱਫੇ ਨਿਯਮਿਤ ਗਤੀ ਮਾਂ ਮਮੇ  
ਦੇ ਮਾਪਫ਼ ਨੇ ਤਾਖ ਰਿਗ  
ਸਾਰੇ ਯੋ ਫਿੱਤੋਂ ਰੁਹੱਗੀ।

ਘੱਫੇ ਪਿਮਾਨ ਨਾਖ ਮੁਹੱਗੀ ਤੋ  
ਫਿੱਤੋਂ ਰੁਹੱਗੀ ਕਿ ਫੇਰ ਤਾਖ ਇਹ  
ਤੋਹ-2 12 ਮਾਤਗਾਂ ਪੀਰੀਆ ਰੁਖ



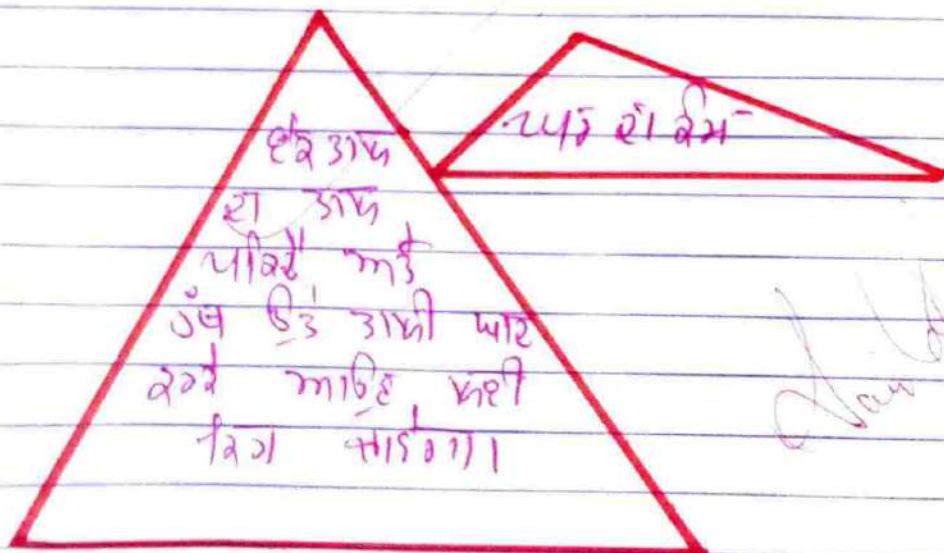
ਫੇਰ ਤਾਖ  
ਇਹ ਮਾਤਗਾਂ  
ਮਾਤਗਾਂ - 12  
ਇਤਾਗ - (1, 2)  
ਪਾਖੀ ਮਾਤਗ  
ਤੋ ਮਮ, ਪੀਰੀ  
ਮੋਰੀ ਤੋ ਪਿਮਾਨੀ  
ਮਾਤਗ ਤੋ ਤਾਖੀ  
ਯੋ

੨੨ ਫੇਰ - ਤਾਖ ੨੨

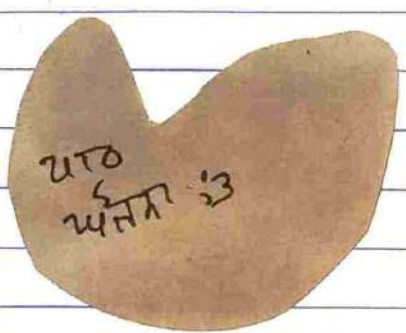
|           |     |     |            |    |    |   |    |            |     |    |    |    |
|-----------|-----|-----|------------|----|----|---|----|------------|-----|----|----|----|
| ਘੱਫੇ ਰਿਫ਼ | x   | 0   | 2          | 0  | 3  | 4 |    |            |     |    |    |    |
| ਮਾਤਗਾਂ    | 1   | 2   | 3          | 4  | 5  | 6 | 7  | 8          | 9   | 10 | 11 | 12 |
| ਘੱਫੇ      | ਪਿੰ | ਪਿੰ | ਮਾਗੇ ਤਿਗੇਰ | ਤੁ | ਨਾ | ਕ | ਤਾ | ਮਾਗੇ ਤਿਗੇਰ | ਪਿੰ | ਨਾ |    |    |

## ਮੀਤਰ ਦੁਹਰਾਈ

- ① ਏਕੇ ਤਾਪ ਬਿੰਨੀਆਂ ਮਾਤਰਾਂ ਦੀ ਤਾਪ ਹੈ?
- ② ਏਕੇ ਤਾਪ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਸ ਮਾਤਰਾਂ ਤੇ ਤਾਪੀ ਹੈ?
- ③ ਏਕੇ ਤਾਪ ਹੈ ਕਿਸ ਵਿਭਾਗ ਤਲ?
- ④ ਇਸ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਸ ਮਾਤਰਾਂ ਤੇ ਬਾਧੀ ਹੈ?







ਦਿਵਿੰ ਮਾਧਿੰ ਦਾ ਧੰਨ ਮੰਦਰ :- 1617

ਸਮਾਜ :-  
 ਵਿਸ਼ਾ :-  
 ਉਪਾਧਿਸ਼ :-  
 ਸਮਾ :-  
 ਮਿਤੀ :-

667  
 ਮੰਗੀਤ  
 "ਗਾਗ ਰੁਪਾਖੀ ਦਾ ਧੰਨ ਮੰਦਰ"  
 30-35 ਮਿੰਟ  
 05-11-012

ਸਪਾਗਨ ਸਮੱਗੀ :-  
 ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸਮੱਗੀ :-  
 ਸਪਾਗਨ ਉਦੇਸ਼ :-

ਭਾਰੇ, ਰਾਖਾ ਤੱਥਾਂ, ਛਾਤ੍ਰਾ, ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਸਪਾਗਨ ਸਮਾਜ ਦਾ ਸਪਾਗਨ ਰਸਮ।  
 ਗਾਗ ਰੁਪਾਖੀ ਦਾ ਧੰਨ ਮੰਦਰ।  
 -> ਦਿਵਿੰ ਮਾਧਿੰ ਦੇ ਗਿਰਾਨ ਦਿੰਦੇ ਰਾਖਾ ਰਸਮ।

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਉਦੇਸ਼ :-

-> ਉਮਰੀ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਪੁਤੀ ਰਈ ਪੈਰਾ ਰਸਮੀ।  
 -> ਉਮਰੀ ਸਮਾਜੀ ਮੰਗੀਤ ਸਿੱਖਣ ਲਈ ਪ੍ਰੀਤਿ ਰਸਮ।  
 -> ਉਮਰੀ ਮੰਗੀਤ ਸਮਾਜ ਦਾ ਗਿਰਾਨ ਪੁਰਾਨ ਰਸਮ।  
 ਦਿਵਿੰ ਮਾਧਿੰ ਦੇ ਗਾਗ ਰੁਪਾਖੀ ਦਾ ਧੰਨ ਮੰਦਰ, ਮਾਧਿੰ - ਮਾਧਿੰ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਾਈ ਸਾਹਜ਼ਾਈ ਦੇਵਾ।

ਪੜ੍ਹਾਈ ਦੇ ਢੰਗ :-

ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਦਿਵਿੰ ਮਾਧਿੰ ਦੁਆਰਾ ਤਾਜ਼ਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਪੜ੍ਹਾਈ ਨੂੰ ਸਾਹਜ਼ਾਈ ਨੂੰ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਧੰਨ ਸਾਹਜ਼ਾਈ।

ਪੁਰਾਣੇ ਮਾਧਿੰ ਦੇ ਗਿਰਾਨ :-

ਦਿਵਿੰ ਮਾਧਿੰ ਦੇ ਮੰਦਰ ਦੇ ਢੰਗਾਂ ਵਿੱਚ ਦਿਵਿੰ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਸਮਾਜ ਦਾ ਕੁਝ ਗਿਰਾਨ ਹੈ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਾਧਿੰ ਦੇ ਗਿਰਾਨ ਹੈ।  
 ① ਗਾਗ ਦੀ ਉਤਮਤੀ ਵਿੱਚ ਪੁਤੀ ਹੈ ② ਕੁਝ ਥਾਵਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਦੇਵੇ ③ ਦਿਵਿੰ ਮਾਧਿੰ ਮੰਗੀਤ ਪੜ੍ਹੀ ਵਿੱਚ ਕੁਝ ਵਿੱਚ ਬਾਦ ਰਸਮ ④ ਬਾਦ ਦੇਖਿਆਂ ਤੋਂ ਪੈਰਾ ਵਿੱਚ ਗਾਗ ਦਾ ਸਮਾਜ ਦੇਵੇ।

ਪੁਰਾਣੇ ਗਿਰਾਨ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ :-

ਮਾਧਿੰ ਪੁਰਾਣੇ ਦਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੰਗੀਤ ਦੇਵੇ ਨਾ ਮਿਲੇ ਗਾਗ ਦਿਵਿੰ ਮਾਧਿੰ ਦੇਵੇਗਾ। ਨੂੰ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਸਮਾਜ ਸਮਾਜ ਗਾਗ ਰੁਪਾਖੀ ਦੇ ਧੰਨ ਮੰਦਰ ਸਾਹਜ਼ਾਈ ਪੁਰਾਣੇ ਦੇਵੇਗਾ।

ਉਪਾਧਿਸ਼ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ :-

ਦਿਵਿੰ ਮਾਧਿੰ ਸੰਪਰਦਾ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਮ ਪੜ੍ਹਾਵੇਗਾ। ਦਿਵਿੰ ਮਾਧਿੰ ਤਾਜ਼ਾ ਦਿਵਿੰ ਮਾਧਿੰ ਸਮਾਜ ਵਿੱਚ, ਪੁਰਾਣੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਿਵਿੰ ਮਾਧਿੰ ਪੁਰਾਣੇ ਦੇਵੇਗਾ।

ਪੁਰਾਣੇ ਗਿਰਾਨ :-







[illegible]



| हिमः इमः           | हिहि मापि हिमाः       | हिहि हिमाः     | मगिर मगंगी<br>मगं सचा उचडा |
|--------------------|-----------------------|----------------|----------------------------|
| हिमाः इमः यं ३)    | मिपांडर हिमाः री साहं | चंहे हिमाः माप | मागं म, ग, ग, ग,           |
| मागं ३ म, ग, ग, यं | रहिपांडर हिहि मापि    | हिहि मापि रं   | यं, पा, म।                 |
| या, म।             | हिमाः इमः यं ३) गग    | मागं मगिर      | मागं - म, पा, पा,          |
| मागं ३ म, पा, यं   | रं मागं - मगं मगं     | हि गगं । हि    | ग, ग, म।                   |
| पा, म, ग, ग,       | पुं रगं गगं । हि मगं  | पां मगं        | यं ३) - म, पा, पा,         |
| म।                 | उं पां मगं गगं मगं    | गगं माप गगं    | ग, ग, म।                   |
| पुं ३) म, ग, ग, ग, | रं मगं उं मगं मगं     | हि हि - २ हिहि | यं ३) - म, ग, ग, ग,        |
| ग, म, पा,          | उं मगं गगं - यं गगं   | मापि हि गगं    | म, पा, म।                  |
| म।                 | मागं गगं - यं गगं     | मगं माप मगं    |                            |
|                    | गगं मगं गगं मगं       | गगं मगं हि गगं |                            |
|                    | गगं रं मगं मगं        | गगं रं मगं     |                            |
|                    | उं मगं । हिहि मापि    | गगं रं मगं     |                            |
|                    | पां मगं मगं           | गगं रं मगं     |                            |
|                    | माप गगं हि            | गगं रं मगं     |                            |
|                    | हिमाः इमः यं ३) मगं   | गगं रं मगं     |                            |
|                    | गगं । मगं चंहे        | गगं रं मगं     |                            |
|                    | हि रं मगं मगं         | गगं रं मगं     |                            |
|                    | गगं ।                 | गगं रं मगं     |                            |

ਮੀਤਰ  
ਪ੍ਰਮਾਣੀ

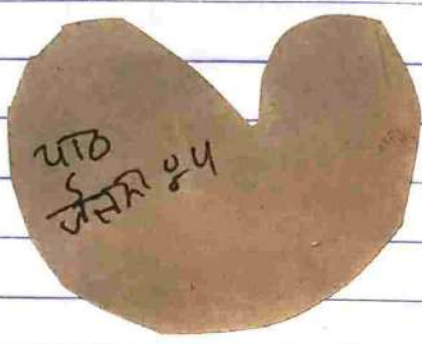
① गाँव कुपायी रा  
गाँव - राहण रा ममा  
बिडा ५ ५

(2) गगन पुपाक्षी पिछे रहने मात्र  
मैंगारे जमने

पुत्र श  
वेम

गंगा ही पाणिष्ठै .  
मैद्यौपड हँगा बीगी उठां  
भपंभुह रीडा साहंगा। मऊ पाठ  
हुँ पाह बग्न हँ जहरी बिग  
साहंगा।





ਵਿਹਿੰ ਗਾਪਿੰ ਦਾ ਰੋਜ਼ ਦਿਵਸ :- 16/7  
ਸਮਾਤ :- 24  
ਵਿਸ਼ਾ :- ਮੰਗੀਤ  
ਉਪਾਧਿਕਾਰ :- 1 ਦਾਦਾ ਤਾਪਾ  
ਮਰਮਾ :- 30-35 ਮਿੰਟ  
ਮਿਤੀ :- 06-11-2012

|                               |                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|-------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ਮਧਾਨ ਮੰਗੀਤ :-                 | ਰਸਮ ਦਾ ਰਸਮ, ਖੇਡ, ਰਸਮੀ ਚੌਰ, ਬਾਘਾ ਤਖਤ ਮੰਗੀਤ ਗਾਇ।                                                                                                                                                                                                                     |
| ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮੰਗੀਤ :-              | ਦਾਦਾ ਤਾਪਾ ਨਾਮ ਮੰਗੀਤ ਕਰਾਹ।                                                                                                                                                                                                                                          |
| ਮਧਾਨ ਉਪਾਧਿਕਾਰ :-              | (1) ਵਿਹਿੰ ਦਾ ਮੰਗੀਤ ਗਿਲਾਮ ਵਿੱਚ ਦੱਬਾ ਰੱਖਾ।<br>(2) ਉਮਰੀ ਪੈਸਾ - ਤਾਪ ਦਾ ਗਿਲਾਮ ਕਰਾਉਣਾ।<br>(3) ਮੰਗੀਤ ਦਾ ਮਾਤੰਗ ਧਾਰੇ ਸਾਹਜਾਗੀ ਰੱਖਾ।<br>(4) ਵਿਹਿੰਗਾਥੀ ਦੇ (ਦਾਦਾ ਤਾਪਾ ਧਾਰੇ ਸਾਹਜਾਗੀ ਰੱਖੀ।<br>ਵਿਹਿੰ ਗਾਪਿੰ ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦਾ ਖਰੀ ਪ੍ਰਸ਼ਨ - ਉੱਤਰ ਦਿੱਤੀ ਵਿਸ਼ਾਧਿਕਾਰ<br>ਦਿੱਤੀ ਵੀ ਦੱਤੋਂ ਰੱਖੇਗਾ। |
| ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਉਪਾਧਿਕਾਰ :-           | ਵਿਹਿੰ ਗਾਪਿੰ ਦੇ ਮਾਤੰਗ ਤੋਂ ਕਿ ਵਿਹਿੰਗਾਥੀ ਦੇ ਤਾਪਾ ਮਾਤੰਗ<br>ਤਾਪਾ ਵਿੱਚ ਦਾ ਗਿਲਾਮ ਹੈ।                                                                                                                                                                                      |
| ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਵਾਲੇ ਗਿਲਾਮ ਦੀ ਪੜ੍ਹ :- | (1) ਤਖਤ ਉੱਤੇ ਬਿਠਾਏ - 2 ਤਾਪਾ ਦੁਆਰੇ ਬਾਹਰੇ ਰੱਖੇ। (2) ਮਮ ਦਾ<br>ਵਿੱਚ ਰੱਖੇ। (3) (4) ਆਤਮਾਵਾਂ ਵੀ ਵਿੱਚ ਵਿੱਚ ਤਾਪਾ<br>ਦਾ ਨਾਮ ਦੱਸੇ।                                                                                                                                            |
| ਉਪਾਧਿਕਾਰ ਦੀ ਘੋਸ਼ਣਾ :-         | ਮਾਧੀਗੀ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਦਾ ਉੱਤਰ ਨਾ ਮਿਲੇ ਤਾਂ ਵਿਹਿੰ ਗਾਪਿੰ ਰੱਖੇਗਾ,<br>"ਮਾਂਡਾ ਧਾਰੇਗਾ" ਮਾਂਡਾ ਮਾਂਡੀ ਦਾਦਾ ਤਾਪਾ ਧਾਰੇ<br>ਸਾਹਜਾਗੀ ਪਾਪਤ ਕਰੇਗਾ।                                                                                                                                          |
| ਪ੍ਰਸ਼ਨਤੀਰਥ :-                 | ਵਿਹਿੰ ਗਾਪਿੰ ਤਾਪਾ ਦਿੱਤੀ। ਪ੍ਰਸ਼ਨ - ਉੱਤਰ ਦਿੱਤੀ ਵੀ ਦੱਤੋਂ<br>ਰੱਖੇਗਾ। ਮਾਂਡੇ ਮਾਂਡੇਰ ਮੰਗੀਤ, ਦਾਦਾ ਦਾ ਵੀ<br>ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਰੱਖੇਗਾ।                                                                                                                                                   |



| ਹਿਸਾ ਦਸਤ                                                                                                                                                            | ਹਿਰਿ ਨਾਮਿ ਤ੍ਰਿਆਸ                                                                                                                                                                              | ਹਿਰਿ ਤ੍ਰਿਆਸ                                                                                                                   | ਮਹਾਦਰ ਮਸਤਾਨ<br>ਅਨੁ ਰਾਖਾ ਤਖਤ                                                                                                                          |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ਤਾਨੁ ਰਾ ਪਾਇਓ ॥ ਗਾਇਓ<br>ਕਾਇਓ ਅਤੇ<br>ਮੁਖੀ ਹੀ ਕਿਰਿਆ ਦਿਓ<br>ਸੋ ਮਮਾ ਮੋਹਾ ਤੇ ਭਿਖੀ<br>ਆਪਣੇ ਦੋ ਪੰਥਾਂ ਦੇ<br>ਤਾਨੁ ਰਾਇਓ ਜਾ।                                                    | ਹਿਰਿ ਨਾਮਿ ਦੋਇਆ<br>ਤੇ ਤਾਨੁ ਹੀ ਪਾਇਆ<br>ਪਾਇਆ ਹਿਰਿ ਦੋਇਆ<br>ਦੋ ਦੋਹੀ ਪਾਇਆ<br>ਦੋ ਦੋਹੀ ਦੋਹੀ ਨਾਮ<br>ਦੋਹੀ ਦੋਹੀ ਰਾਖ<br>ਤਖਤ ਤੇ ਪਿਥੇਗਾ।                                                                    | ਹਿਰਿ ਨਾਮਿ ਦੁਆਰਾ<br>ਪੁੱਤੀ ਗਈ ਤਾਨੁ ਹੀ<br>ਪਾਇਆ ਦੋ ਦੋਹੀ ਹੀ<br>ਦੋਇਆ ਰਾਖਾ ਅਤੇ<br>ਨਾਮਿ ਦੁਆਰਾ ਮੋਪੀ<br>ਗਈ ਤਾਨੁ ਦੋਰਾਖੀਆ<br>ਤੇ ਮੋਰ ਰਾਖਾ। | ਦਾਇਗ ਤਾਨੁ<br>ਇਹ ਮਧੁਰ ਤਾਨੁ<br>ਤੇ ਇਸ ਹੀ<br>ਦੋਹੀ ਮਸਤਾਨ<br>ਮੋਹੀ ਹਿਰਿ ਵੀਰੀ<br>ਮਾਦੀ ਤੇ ਅਤੇ<br>ਮਧੁਰ ; ਗੀਤ<br>ਤਖਤ ਨਾਮਿ<br>ਦਿਓ ਇਸਰਾ<br>ਪ੍ਰਯੋਗ ਵੀਤਾ<br>ਮਾਦੀ ਤੇ |
| ਦਾਇਗ ਤਾਨੁ ਰਾ ਪਾਇਓ ॥<br>ਦਾਇਗ ਤਾਨੁ ਇਹ ਮਧੁਰ<br>ਤਾਨੁ ਹੈ। ਇਸ ਹੀ<br>ਦੋਹੀ ਮਸਤਾਨ-ਮੋਹੀਤ<br>ਦਿਓ ਵੀਰੀ ਸਾਰੀ ਤੇ ਅਤੇ<br>ਮਧੁਰ, ਗੀਤ ਤਖਤ<br>ਨਾਮਿ ਦਿਓ ਹੀ ਇਸਰਾ<br>ਪ੍ਰਯੋਗ ਵੀਤਾ ਸਾਰੀ ਤੇ। | ਹਿਰਿ ਨਾਮਿ ਹਿਰਿਆਰਾਖੀ<br>ਦੋ ਦਾਇਗ ਤਾਨੁ ਰਾ<br>ਪਾਇਓ ਹਿਰਿ ਹੋਇਆ<br>ਦੋਹੀ ਰਾਖਿ ਦਿਓ ਇਹ<br>ਮਧੁਰ ਤਾਨੁ ਹੈ।                                                                                                 | ਹਿਰਿਆਰਾਖੀ ਪਿਆਰ<br>ਨਾਮਿ ਹਿਰਿ ਨਾਮਿ ਹੀ<br>ਗਾਓ ਦੋ ਮੁਹਰਾ<br>ਅਤੇ ਰਾਖੀਆਂ ਤੇ<br>ਮੋਰ ਰਾਖਾ।                                             |                                                                                                                                                      |
| ਮਾਤਗਾਦਾ ॥ ਦਾਇਗ ਤਾਨੁ<br>ਦਿਓ ਦੁੱਖ ਦੇ<br>ਮਾਤਗਾਦਾ ਹੋਈਆ ਜਾ।                                                                                                              | ਹਿਰਿ ਨਾਮਿ ਹਿਰਿਆਰਾਖੀ<br>ਦੋ ਦਾਇਗ ਤਾਨੁ ਰਾ<br>ਦਾਇਗ ਹਿਰਿਆਰਾਖੀ<br>ਦੋਇਆ ਦੋ ਰਾਖੀਆ<br>ਤੇ ਮੋਰ ਰਾਖਾ ਅਤੇ ਦੋਹੀਆ<br>ਹਿਰਿ ਨਾਮਿ ਦੋਇਆ<br>ਦੋ ਦੋਹੀਆ ਦੋ ਦਾਇਗ<br>ਤਾਨੁ ਦੋਹੀ ਤਿਖਤ-2<br>ਮਾਤਗਾਦਾ ਦੋ ਦੋ ਦਾਇਗ<br>ਹੋਈ ਜਾ। | ਹਿਰਿਆਰਾਖੀ ਪਿਆਰ<br>ਨਾਮਿ ਦਾਇਗ ਦੋ<br>ਦੋਹੀਆ<br>ਹਿਰਿ, ਹਿਰਿ-ਨਾਮਿ ਦੋ<br>ਪਿਆਰ ਨਾਮਿ ਮੁਹਰਾ<br>ਅਤੇ ਰਾਖੀਆ<br>ਰਾਖੀਆਂ ਤੇ ਮੋਰ<br>ਰਾਖਾ।       |                                                                                                                                                      |





ਦਿੱਖਾ ਦਾਤ

ਦਿੱਖਿ-ਮਾਪਿ ਤੁਮਾਨਾਂ

ਦਿੱਖਿ-ਤੁਮਾਨਾਂ

ਮਹਾਦਰ ਮਸੰਗੀ ਮਤੇ  
ਰਾਖਾ ਤਬਤਾ

ਮਮ ਮਤੇ ਬਾਖੀ ਦਾ  
ਦਿੱਖਿ : ਇਸ  
ਭਾਗ ਵਿਚੋਂ ਧਰਮੀ  
ਮਾਤਰਾ ਤੇ ਮਮ  
ਮਤੇ ਬੱਝੀ ਮਾਤਰਾ  
ਤੇ ਬਾਖੀ ਹੋਈ ਹੈ  
ਮਮ ਦੇ ਧਰਮੀ x ਦਾ  
ਦਿੱਖਿ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤਾ ਹੈ  
ਮਤੇ ਬਾਖੀ ਦੇ ਧਰਮੀ  
0 ਦਿੱਖਿ ਦਾ ਪ੍ਰਯੋਗ  
ਹੋਇ ਹੈ

ਦਿੱਖਿ-ਮਾਪਿ-ਬੱਝੀਆਂ  
ਦੇ ਦਾਤ ਦਿਖਾਉਣਗੇ ਮਤੇ  
ਰੰਗੀਆਂ ਤੇ ਦਿੱਖਿ ਦਿੱਖਿ  
ਧਰਮੀ ਮਾਤਰਾ ਤੇ  
ਮਮ ਹੋਇ ਹੈ ਮਤੇ-ਮਮ  
ਦੇ ਧਰਮੀ x ਦਿੱਖਿ  
ਹੋਇ ਹੈ ਦਿੱਖਿ-ਦਿੱਖਿ-  
ਮਾਪਿ-ਦਾਤ ਤੇ  
ਦਿਖਾਉਣਗੇ ਦਿੱਖਿ ਹੋਏ  
ਮਾਤਰਾ ਤੇ ਬਾਖੀ ਹੋਇ ਹੈ

ਦਿੱਖਿ-ਮਾਤਰਾ ਦੀ ਪਿਮਾਨ  
ਮਾਪਿ ਦਾਤ ਦੇ  
ਦੇਖਣਗੇ ਮਤੇ ਮਾਪਿ-  
2 ਬਾਖੀਆਂ ਤੇ ਦਿਖਾਉਣਗੇ

ਤਾਫ਼-ਦਾਤ :

|    |    |    |
|----|----|----|
| 1  | 2  | 3  |
| ਯਾ | ਪਿ | ਨਾ |
| X  |    |    |
| 4  | 5  | 6  |
| ਯਾ | ਤਿ | ਨਾ |
| 0  |    |    |

ਦਿੱਖਿ-ਮਾਪਿ-ਬੱਝੀਆਂ  
ਦੇ ਤਾਫ਼ ਦੇ ਬਾਧ  
ਦਾਤ ਤੇ ਦਿਖਾਉਣਗੇ  
ਤੇ ਦਿੱਖਿ ਤਾਫ਼ ਤਬਤਾ  
ਤੇ ।

ਦਿੱਖਿ-ਮਾਤਰਾ ਦਾਤ ਦੇ  
ਪਿਮਾਨ ਮਾਪਿ ਦੇਖਣਗੇ  
ਤੇ ਦਿੱਖਿ ਤਾਫ਼ ਤਬਤਾ  
ਤੇ ਦਿੱਖਿ ਤਾਫ਼ ਦੇ ਬਾਧ  
ਮਾਪਿ-ਬਾਖੀਆਂ ਤੇ  
ਦਿਖਾਉਣਗੇ ।

ਦਾਤਰਾ ਤਾਫ਼

ਮਾਤਰਾ : 6  
ਦਿੱਖਿ-ਤਾਫ਼ : 3, 2, 2  
ਧਰਮੀ ਮਾਤਰਾ  
ਤੇ ਮਮ, ਬੱਝੀ ਤੇ  
ਤਾਫ਼ੀ ਹੈ x  
ਦਾ ਦਿੱਖਿ ਹੋਇ  
ਹੈ ਬਾਖੀ ਦੇ  
ਧਰਮੀ 0 ਦਾ  
ਦਿੱਖਿ ਹੈ



ਤਾਹ ਦੁਸ਼ਾ :

| ਵਿਸ਼ਾ : ਭਾਸ਼ਾ                                                                                                  | ਵਿਦਿ. ਲਿਪਿ ਵਿਸ਼ਾ                                                                                                                                                                                                                                                              | ਵਿਦਿ. ਲਿਪਿ ਵਿਸ਼ਾ                                                                                                                                                                                                                   | ਮਹਾਂਵਿਦ ਭਾਸ਼ਾ, ਭਾਸ਼ਾ ਅਭਿਆਸ                                                                                                                            |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ਤਾਹ ਦੁਸ਼ਾ ਦੇ ਬੰਦ<br>ਦੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ<br>ਦੇਸ਼ ਨਾਮ ਅਨੁਸਾਰ<br>ਸਾਂਝੇ ਤੇ ਤਾਹ ਉੱਪਰ<br>ਉੱਚੇ ਤਾਹ ਦੇ ਬੰਦ<br>ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ | ਵਿਦਿ. ਲਿਪਿ : ਤਾਹ ਦੀ<br>ਮਹਾਂਵਿਦ। ਅਤੇ ਤਾਹ<br>ਅਤੇ ਦੀ ਮਹਾਂਵਿਦ।<br>ਨਾਮ ਤਾਹ ਦੇ ਬੰਦ<br>ਨਾਮ ਅਨੁਸਾਰ ਅਤੇ<br>ਤਾਹ ਦੇ ਬੰਦ ਉੱਪਰ<br>ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ ਦੇ<br>ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ<br>ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਬੰਦ ਉੱਪਰ<br>ਨਾਮ ਅਨੁਸਾਰ ਸਾਂਝੇ<br>ਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ<br>ਦੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ ਦੇ<br>ਤਾਹ ਦੇ ਬੰਦ<br>ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ | ਵਿਦਿ. ਲਿਪਿ : ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ<br>ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ<br>ਨਾਮ ਅਨੁਸਾਰ ਅਤੇ<br>ਮਹਾਂਵਿਦ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ<br>ਨਾਮ ਅਨੁਸਾਰ। ਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ<br>ਨਾਮ ਅਨੁਸਾਰ ਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ<br>ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ ਵਿਦਿ. ਲਿਪਿ<br>ਦੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ ਦੇ<br>ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ। | ਤਾਹ ਮਹਾਂਵਿਦ<br>ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ<br>ਤਾਹ ਦੇ<br>ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ<br>ਮਹਾਂਵਿਦ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ<br>ਮਹਾਂਵਿਦ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ<br>ਮਹਾਂਵਿਦ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ<br>ਮਹਾਂਵਿਦ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ |

ਮਹਾਂਵਿਦ  
ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ

P.K. Test  
class  
Amit

1. ਤਾਹ ਦੁਸ਼ਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ - 2 ਮਹਾਂਵਿਦ ਦੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ  
2. ਤਾਹ ਦੁਸ਼ਾ ਦੇ ਬੰਦ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ  
3. ਤਾਹ ਦੁਸ਼ਾ ਤੇ ਤਾਹ ਦੇ ਬੰਦ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ

ਮਹਾਂਵਿਦ  
ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ  
ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ  
ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ  
ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ  
ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ



ਧਾਤ  
5  
ਜਨਾ 85

ਇਕਿ. ਮਾਪਿ ਦਾ ਤੇਜ਼ ਹਿਧਾ :- 1617

9/2/13 6:20

हिम्न १-७

उपनिष्ठा

माता : -

ਮਿਤੀ

9. 2

9.  $\rightarrow$   $\frac{1}{2}$

2) 'मैरी' है 'मैं'।

∴  $\rightarrow 30-35 \text{ } \frac{1}{2}$

07-11-072

मयादन समंतीः :-

१६ नमः महाराजः :-)

म्यान्मार् ३२५ : ७ →

હાંવે, વાળા ડાહડા, શિડા, મેરડેર નડે મપાગળ મમાડે લ રમગા.

1. ਧੰਮਮ 1 ਨਾਮ ਮੰਤ੍ਰ 143 ਈਸਵ 1 ਦਿਖਾਉਣਾ।

①  $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

② ਦਿਰਿਮਾਰੀਆਂ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜੁੜਤੀ ਦਿੰਦੇ ਵਾਪਾ ਰਹਿਣਾ।

③ ਦਿਰਿਮਾਧੀਆਂ ਦੇ ਮੁਖਰ ਤੋਤਾਰ ਦਿਓ ਟਾਪਾ - ਰੁਖਾ।

④ धिरमापनीमा नु धम र धाव रमहा।

ਦਿਲਮਾਹੀਆਂ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਦਿੱਤੇ ਖੇਤਰ ਦੀ ਮੁੜਤਾ ਧਾਰ ਰੱਖੋ

3.  $\frac{1}{2} \times \frac{3}{4} = \frac{1 \times 3}{2 \times 4} = \frac{3}{8}$

ਦਿੱਤੇ ਸੰਖਿਆਵਾਂ ਦੇ ਮੰਨਾਂ ਦੇ ਹੱਦਾਂ ਵਿੱਚ ਦੱਸੋ ਕਿ ਕਿਹੜੇ ਸੰਖਿਆਵਾਂ ਦੇ ਮੰਨਾਂ ਦੇ ਹੱਦਾਂ ਵਿੱਚ

~~यही चर 9152107 य~~

① ਜਾਣਨ , ਦੇਖਣ , ਪੁੱਤ ਦੇ ਮੁਖੀ ਤੇ ਪੈਰ ② ਜੀ ਪੈਰ ਸਾਹ

ਦਿਖਾ ਮੰਤਰ. ਯੁਗ (੬) ਦੀ ੩੫ ਵੀਂ ਘੰਟਾ ਵਿੱਚ ਮੰਤਰ ਯੁਗ

ग्रीष्म ऋतु का दिन मध्य रात्रि दिवस

ਜੀਵ: ਰੰਗ, ਮੱਥਾ, ਧੌੜ, ਮੱਥਾ ਅਤੇ ਧੌੜ

ਦਿਸਤਰਿਕਟ ਨਾਮ ਪੜ੍ਹਾਇ।

ਧਾਰਾ ਰਾਸ਼ਟਰ ਦਿਨੀ ਗਾਂਧੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰਸੰਨ ਦਿੱਤੀ ਗਾਂਧੀ ਪੜ੍ਹਾਇਆ  
ਸਾਇੰਸ ।

१६३३ ३६३ ०७

~~ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦੇ ਢੰਗ :~~

222 11/18/83 15

\_\_\_\_\_

પ્રથમ વિભાગની રીતે

00104

उपायों से यंत्रणा

---

21/12/2020

वैमर्तुकारम् :-

---



[illegible]

ਧੰਨਾ ਰੁ  
 ਤਿਸੇ ਪ੍ਰਕਾਸਮਿ  
 ੧. ਇਦੀਤ  
 ੨. ਅੱਧ  
 ੩. ਦੋਹੜ  
 ① ਬਡੀ ਪਿਆਰੀ  
 ਮਾਂ, ਮਮੀਤਪ ਸਿ  
 ਮਾਂ, ਪਿਆਰੀ  
 ਧੰਨਾ ਰੁ  
 ਦਵਾਰਿਸ  
 ਮਾਂਗੀ ਮਾਂਗੀ।



| ਵਿਸ਼ਾ: ਰਸਮ                                                                                                                                                                                                                                                                                 | ਵਿਸ਼ੇਸ਼-ਮੱਧ-ਵਿਸ਼ਾ                                                                                                                                                                                                                       | ਵਿਸ਼ੇਸ਼-ਵਿਸ਼ਾ                                                                                                                                                  | ਮਾਹਿਰ ਮਸ਼ਹੂਰ<br>ਮਤੇ ਰਾਖਾ ਤਬਤ                                                                      |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>੧. ਮੱਧ ਮੱਧ: ਸਪਾਹਲ<br/>ਗਤੀ ਸਾਖਾਫ<br/>ਮੱਧ ਮੱਧ ਰਸਮੀ<br/>ਭਾਗ ਵਿਚ ਮੱਧ ਗਾਏ-<br/>ਖਸਮੀ ਹੀ ਸਪਾਹਲ ਗੀਤ<br/>ਮੱਧ ਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋਈ<br/>ਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਤੇਜ਼ ਹੋਣ।<br/>ਇਸ ਮੱਧ ਮੱਧ<br/>ਰਸਮੀ ਹੋਣਾ ਮੰਗੀਤ<br/>ਵਿਚੋਂ ਹੋਣਾ ਪਿਆਫ,<br/>ਤਕਰ, ਗੀਤ, ਮੁਖਰ<br/>ਮਤੇ ਬਜਾਥਾਈ ਗਤੀ<br/>ਇਸ ਮੱਧ ਵਿਚ ਮੱਧ<br/>ਗਾਈ ਹਜ਼ਾਰੀ ਸਾਰੀ ਹੋ</p> | <p>ਵਿਸ਼ੇਸ਼-ਮੱਧ ਮੱਧ ਮੱਧ<br/>ਘਾਟੇ ਬੋਰਿਆਂ ਨੂੰ<br/>ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮੱਧ ਰਸਮੀ<br/>ਉਹ ਰਸਮੀ ਹੋ<br/>ਮੱਧ ਮੱਧ ਵਿਚ ਹੋਣਾ<br/>ਪਿਆਫ, ਗਜਪਾਨੀ<br/>ਗਤੀ ਮਤੇ ਤਾਫਾ<br/>ਮਾਹਿਰ ਮਾਹਿਰ ਹੋਣਾ<br/>ਵਿਚ ਮੁਖਰ ਪੁੱਛਣਾ<br/>ਮੱਧ ਮੱਧ<br/>ਵਿਚੋਂ ਰਿਸ਼ੀਆਂ ਤਾਫਾ<br/>ਮਾਹਿਰੀਆਂ ਹੋਣਾ</p> | <p>ਘਾਟੇ ਪਿਆਫ ਮੱਧ ਮੱਧ<br/>ਮੱਧ ਮੱਧ ਮਾਧੀਆਂ<br/>ਗਾਈਆਂ ਤੇ ਪਿਥੇਰਾਂ<br/>ਤੇ ਉੱਤਰ ਰੇਰਾਂ ਹੋ<br/>ਤੀਨ ਤਾਫਾ ਮਤੇ<br/>ਹੋਰਾ ਮਾਹਿਰ ਤਾਫਾ<br/>ਮੱਧ ਮੱਧ ਵਿਚੋਂ<br/>ਮਾਹਿਰੀਆਂ ਹੋਣਾ</p> | <p>ਮੱਧ ਮੱਧ<br/>ਵਿਚੋਂ ਹੋਣਾ, ਪਿਆਫ,<br/>ਤਕਰ, ਮੀਤ,<br/>ਮੁਖਰ ਮਤੇ<br/>ਗਾਈ ਹੀ ਹਜ਼ਾਰੀ<br/>ਸਾਰੀਆਂ ਹੋਣਾ</p> |
| <p>੨. ਦੁੱਤ ਮੱਧ: ਸਪਾਹਲ<br/>ਗੀਤ ਸਾਂ ਮੱਧ ਮੱਧ<br/>ਮੱਧ ਹੋਰਾਈ ਤੇਜ਼ ਮੱਧ<br/>ਮੱਧ ਦੁੱਤ ਮੱਧ ਰਸਮੀ<br/>ਹੋਣਾ, ਤਗਮਾ, ਫਾਫਾ<br/>ਮਤੇ ਦੁੱਤ ਮਤੇ ਇਸ<br/>ਮੱਧ ਵਿਚ ਗਾਈ<br/>ਹਜ਼ਾਰੀ ਸਾਰੀਆਂ ਹੋਣਾ</p>                                                                                                                 | <p>ਵਿਸ਼ੇਸ਼-ਮੱਧ-ਬੋਰਿਆਂ<br/>ਮੱਧ ਰਸਮੀ ਹੋ<br/>ਦੁੱਤ ਮੱਧ ਮੱਧ<br/>ਮੱਧ ਤੇ ਹੋਰਾਈ<br/>ਤੇਜ਼ ਮੱਧ ਮੱਧ<br/>ਮਤੇ ਇਸ ਵਿਚ<br/>ਤਗਮਾ ਮਤੇ ਫਾਫਾ<br/>ਹਜ਼ਾਰੀਆਂ ਸਾਰੀ ਹੋ</p>                                                                                      | <p>ਘਾਟੇ ਦੁੱਤ ਮੱਧ ਘਾਟੇ<br/>ਪਿਆਫ ਮੱਧ<br/>ਮੁਖਰਾਂ ਮਤੇ ਮਾਧੀਆਂ<br/>ਮਾਂ ਗਾਈਆਂ ਤੇ<br/>ਮੱਧ ਰਸਮੀ।</p>                                                                    |                                                                                                   |

ਮੀਡਿਅਮ

ਦੁਹਰਾਈ :

(1) ਫੈਮ ਵਿਸ਼ੇ ਕੀਰਾ ਯਦ?

(2) ਫੈਮ ਦੇ ਕਿਸ ਭੇਦ ਹਿਓ ਯਦ?

(3) ਇੰਜੀਨਿਓ, ਮੱਧ ਅਤੇ ਹੱਡ ਫੈਮ  
ਕੀ ਹਿਓ ਯ?

Black Board work  
was good

Signature

ਪਾਠ ਦਾ ਕੇਸ :

ਮਾਠੇ ਇੰਜੀਨੀਅਰੀ ਪਾਠ ਤੋਂ ਫੈਮ ਦੇ ਧਾਰ  
ਬੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਮਾਠਿਓ।



ਪਾਠ  
ਜੋਸ਼ਾਂਡ

ਇੰਦ੍ਰਿਯ ਆਪਿ ਦਾ ਭੋਜ ਪੈਦਾ :-> 16/7

ਸਮਾਤ :-> 657

ਇੰਦ੍ਰਿਯ :-> ਮੰਗੀਤ

ਉਪਦ੍ਰਿਸ਼ਤ :-> ਤਾਪ ਤੇ ਉਮਰੇ ਲੱਗੇ।

ਸਮਾਂ :-> 30-35 ਮਿੰਟ

ਮਿਤੀ :-> 08-11-012

ਮਧਾਨ ਸਮੱਗੀ :->  
ਇੰਦ੍ਰਿਯ ਸਮੱਗੀ :->  
ਮਧਾਨ ਸਮੱਗੀ :->

ਮਧਾਨ ਸਮੱਗੀ ਇਹ ਰਸਾ, ਚੌਰ, ਰਾਖਾ ਤਪਤਾ। ਇੰਦ੍ਰਿਯ ਸਮੱਗੀ ਇਹ ਰਸਾ, ਚੌਰ, ਰਾਖਾ ਤਪਤਾ।  
ਉਪਦ੍ਰਿਸ਼ਤ ਸਮੱਗੀ ਸੰਬੰਧਤ ਰਾਗ।  
① ਇੰਦ੍ਰਿਯ ਸਮੱਗੀ ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਇਹ ਰਸਾ ਪੈਦਾ ਰਹੇਗਾ।  
② ਇੰਦ੍ਰਿਯ ਸਮੱਗੀ ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਮੰਤ੍ਰਾਂ ਧਾਰੇ ਸਾਹਰਾਗੀ ਰਹੇਗਾ।  
③ ਇੰਦ੍ਰਿਯ ਸਮੱਗੀ ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਗਿਆਨ ਇਹ ਰਸਾ ਪੈਦਾ ਰਹੇਗਾ।  
ਇੰਦ੍ਰਿਯ ਸਮੱਗੀ ਦੇ ਤਾਪ, ਆਤਮਾ, ਵਿਤਾਨਾ ਨੂੰ ਸਮ ਧਾਰੇ ਸਾਹਰਾਗੀ ਰਹੇਗਾ।

ਇੰਦ੍ਰਿਯ ਉਦ੍ਰੇਕ :->

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਦੇ ਰੰਗ :->  
ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਆਪਿ ਸੰਬੰਧਤ  
ਗਿਆਨ :->  
ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਗਿਆਨ ਦੀ  
ਪਰਖ :->

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਇੰਦ੍ਰਿਯ ਦੁਆਰਾ ਧਾਰਿਆ ਨੂੰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਸਾਹਰਾਗੀ।  
ਇੰਦ੍ਰਿਯ ਆਪਿ ਇਹ ਸੰਧ ਦੇ ਰੰਗਾਂ ਨੂੰ ਧਾਰਿਆ ਨੂੰ ਤਾਪ ਤੇ ਉਮਰੇ ਲੱਗੇ ਧਾਰੇ ਸਾਹਰਾਗੀ।  
① ਤਾਪ ਤੇ ਮੰਗੀਤ ਦੀ ਜਗਤ ਇਹ ਰਿਸ਼ਤ - 2 ਦਾਦਕ ਜਦ ਰਹੇ।  
ਤਾਪ ਤੇ ਉਮਰੇ ਦੀ ਇੰਦ੍ਰਿਯ ਸਾਹਰਾਗੀ ਹੈ। ② ਉਮਰੇ ਤਾਪ ਦੇ ਧਾਰੇ ਦੀ ਸਾਹਰਾਗੀ ਹੈ।

ਉਪਦ੍ਰਿਸ਼ਤ ਦੀ ਧੋਮਸ਼ :->

ਧੋਮਸ਼ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਦੇ ਉਮਰੇ ਮੰਤ੍ਰਾਂ ਸਮੱਗੀ ਨੂੰ ਮਿਲਦੇ ਤੇ ਇੰਦ੍ਰਿਯ ਆਪਿ ਰਹੇਗਾ, ਨਾਂਦ ਧਾਰਿਆ। ਨਾਂਦ ਆਪਿ ਤਾਪ ਤੇ ਉਮਰੇ ਲੱਗੇ ਧਾਰੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤੀ ਰਸ :->

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤੀ ਰਸ ਇੰਦ੍ਰਿਯ ਰਾਗੀ ਨਾਂਦ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤੀ ਉਮਰੇ ਇੰਦ੍ਰਿਯ ਰਾਗੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤੀ ਸਾਹਰਾਗੀ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਦੇ ਮੁਤ :->

① ਗਿਆਨ ਤੇ ਆਗਿਆਨ ਦੰਦਾ, ② ਮਰਦ ਤੇ ਰੀਝ ਦੰਦਾ  
③ ਮਿਸ਼ਰਿਤ ਤੇ ਮਾਨਿਸ਼ਰਿਤ ਦੰਦਾ।



| ਵਿਸ਼ਾ ਵਸਤੂ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         | ਵਿਦਿ. ਅਧਿ. ਵਿਸ਼ਾਵਾਂ                                                                                                                                                                                    | ਵਿਦਿ. ਵਿਸ਼ਾਵਾਂ                                                                                                                   | ਮਹਾਂਵਿਦ ਮਸੰਗਰੀ, ਰਾਖਾ ਤੁਲਤਾ |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------|
| <p><u>ਤਾਜ਼ਾ</u> :-&gt; ਗਾਇਨ, ਵਾਦਨ<br/>ਅਤੇ ਨ੍ਰਿਤ ਵਿੱਚੋਂ<br/>ਸਮਾਂ ਫਰਕਾ ਹੈ ਜਾਂ ਸੋ<br/>"ਰਾਖ" ਫਰਕਾ ਹੈ ਉਸਦੇ<br/>ਆਪਣੇ ਦੇ ਧੰਮਮਾਂ ਦੇ ਤਾਜ਼ਾ<br/>ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਤਾਜ਼ਾ ਦੇ<br/>ਦੱਸੇ ਪ੍ਰਾਥਮਿਕ ਗਾਏ<br/>ਹਨ। ਇਹ ਪ੍ਰਾਥਮਿਕ ਰਾਖ,<br/>ਮਾਗਾ, ਰਾਖਾ, ਵਿਗਿਆ,<br/>ਕੀਤ, ਗ੍ਰਿਹ, ਜਾਤੀ,<br/>ਲੀਨਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖਤਾ ਮਾਇ</p>                                                                                               | <p>ਵਿਦਿ. ਅਧਿ. ਵਿਸ਼ਾਵਾਂ<br/>ਦੇ ਉਪਾਏ ਹੀ<br/>ਪ੍ਰਮੁੱਖਤਾ ਰਾਖ ਤੋਂ<br/>ਵਾਸਤਵ ਮੰਗੀਤ ਵਿੱਚੋਂ<br/>ਤਾਜ਼ਾ ਦੇ ਮਾਤਰੇ ਚਾਤੇ<br/>ਵਿੱਚੋਂ ਵਿਸਤਾਰ ਰਾਖ<br/>ਦੱਸੇਗਾ ਅਤੇ ਉੱਪ<br/>ਗਾਏ ਰਾਖੀਆਂ ਤੋਂ<br/>ਨੌਰ ਰਾਖ ਖਾਣੀ<br/>ਰਹੇਗਾ।</p> | <p>ਚਾਤੇ ਵਿਦਿ. ਅਧਿ.<br/>ਵਾਸਤਵ ਰਹਾਇਆ<br/>ਜੋ ਕੇਮ ਦੇ ਪਿਛਾਧ<br/>ਰਾਖ ਮੁਕਤੀ ਅਤੇ<br/>ਆਪਣੀਆਂ ਰਾਖੀਆਂ<br/>ਤੋਂ ਨੌਰ ਰਾਖਗੀ।</p>                |                            |
| <p><u>ਮਾਤਰਾ</u> :-&gt; ਤਾਜ਼ਾ ਵਿੱਚੋਂ<br/>"ਧੰਮ" ਹੁੰਦੀ ਹੈ।<br/>ਉਸਦੇ ਆਪਣੇ ਦੇ ਆਪਣੇ<br/>ਦੇ ਮਾਤਰਾ ਰਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ<br/>6 ਮਾਤਰਾਂ ਵਾਲਾ ਤਾਜ਼ਾ<br/>ਰਾਖ ਚੁਕਦੀ ਹੈ। ਇਹ<br/>ਮਾਤਰਾਂ ਵਿਚਿਤਿਤ ਧੰਮ<br/>ਵਿੱਚੋਂ ਵਿਸ਼ਾਵਾਂ ਮਮਾਨ<br/>ਤਾ ਉੱਤੇ ਆਪ ਧੰਮ<br/>ਵਿੱਚੋਂ ਮਪਾਧ ਮਮਾਨਤਾ<br/>ਉੱਤੇ ਦੁੱਤ ਧੰਮ ਵਿੱਚੋਂ<br/>ਘੱਟ ਮਮਾਨਤਾ ਉੱਤੇ ਹੁੰਦੀ<br/>ਹੈ। ਮਾਤਰਾ ਦੀ ਗਿਣਤੀ<br/>ਦਾ ਪ੍ਰਯੋਗ ਉਪਾਧੀਆਂ<br/>ਦਾ ਮਾਤਰਾ ਵਿਸ਼ਾ ਮਾਇ<br/>ਹੈ।</p> | <p>ਵਿਦਿ. ਅਧਿ. ਤਾਜ਼ਾ ਤੋਂ<br/>ਵਾਸਤਵ ਵਿਸ਼ਾਵਾਂ ਦੇ<br/>ਮਾਤਰਾ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ<br/>ਦੇਵੇਗਾ। ਇਹ ਵਿਸ਼ਾਵਾਂ<br/>ਦੇ ਉਪਾਏ ਰਾਖ<br/>ਮਮਾਨਤਾਵਾਂ।</p>                                                                          | <p>ਵਿਦਿ. ਅਧਿ. ਵਾਸਤਵ<br/>ਵਿਸ਼ਾਵਾਂ ਦੀ ਮਮਾਨਤਾ<br/>ਗਾਏ ਮਾਤਰਾ ਦੇ<br/>ਪਿਛਾਧ ਰਾਖ<br/>ਮਮਾਨਤਾ ਅਤੇ<br/>ਆਪਣੀਆਂ ਰਾਖੀਆਂ<br/>ਤੋਂ ਵਿਸ਼ਾਵਾਂ।</p> |                            |

ਤਾਜ਼ਾ  
ਗਾਇਨ, ਵਾਦਨ  
ਅਤੇ ਨ੍ਰਿਤ ਵਿੱਚੋਂ  
ਜੋ ਸਮਾਂ ਫਰਕਾ  
ਹੈ, ਜੋ ਰਾਖ  
ਫਰਕਾ ਹੈ, ਉਸ  
ਆਪਣੇ ਦੇ  
ਧੰਮਮਾਂ ਦੇ  
ਤਾਜ਼ਾ ਰਹਿੰਦੇ  
ਹਨ।



ਦਿਹਾ - ਦਸਤ

ਦਿਹਿ-ਆਪਿ-ਨਿਸ਼ਾਨੀ

ਦਿਹਿ-ਨਿਸ਼ਾਨੀ

ਮਾਗਿਹਿ ਮਸੰਗੀ,  
ਰਾਖਾ ਤਖਤੀ

ਮੈਂ ਦੁਹਾਈ :- (1) ਰਾਖ  
ਮੈਂ ਮਾਪਣ ਦੇ ਖੇਡਾਂ  
ਦੇ ਵੀ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ (2)  
ਤਾਂ ਇੱਥੇ ਮਾਤਾ ਦੀ  
ਵੀ ਮੌਤ ਹੋ ਗਈ (3)  
ਮਾਤਾ ਦੇ ਮਰਨ ਵਿਚ  
ਕਿਸੇ ਦੀ ਉਤਪਤੀ ਹੋਈ ਹੈ।

ਦਿਹਾ :- (1) ਜੇਕਰ ਤਾਂ  
ਦੀ ਮੌਤ ਮਾਤਾ  
ਦੇ ਦੁਨ ਭਾਗਾਂ ਵਿਚ ਵੰਡ  
ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ। ਜਿਸਦੇ  
ਜੇਕਰ ਭਾਗ ਦਿੱਤਾ  
ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ। ਦਿਹਾ  
ਤੇ ਜੀ ਮਾਨ੍ਹੇ ਕਿਸੇ ਦੀ  
ਤਾਂ ਵੀ ਖਾਖੀ ਨਹੀਂ  
ਤਾਂ ਵੀ ਮੌਤ ਮਾਤਾ ਦੀ  
ਨਿਸ਼ਾਨੀ ਹੋਵੇ।

ਮੁਮ :- (1) ਜਿਸ ਮਾਤਾ  
ਤੇ ਤਾਂ ਮੁਰ  
ਹੋਈ ਹੈ ਉਸ ਮਾਤਾ ਦੇ  
ਤਾਂ ਵੀ ਮਮ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ।  
ਦਿਹਾ ਵੀ ਦਿਹਾ ਜਾ ਮਰੇਗਾ  
ਹੈ। ਕਿ ਖਿਸ਼ੀ ਮਾਤਾ  
ਉਤੇ ਮਮ ਹੋਈ ਹੈ।  
ਜੇਮਾਂ ਮਮ ਉਪਰ ਦਿੱਤੇ  
ਕਿਸੇ ਪੁਰਾਣੇ ਦੀ ਵੀ  
ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ।

ਦਿਹਿ-ਆਪਿ-ਦਿਹਾ  
ਦੇ ਤਾਂ ਦੇ ਦਿਹਾ  
ਦੇ ਦਿਹਾ ਮਾਤਾ  
ਦੇ ਮਾਂ ਦੇ ਮਾਂ  
ਮਾਂ ਮਾਪਣੀਆਂ  
ਕਾਪੀਆਂ ਦੇ ਖਿਸ਼ੀ  
ਖਾਖੀ ਰਹੇਗਾ।

ਦਿਹਿ-ਆਪਿ-ਨਿਸ਼ਾਨੀ  
ਮਾਤਾ ਦਿਹਾ ਦੇ  
ਮਮ ਦਾ ਸਾਹਸੀ  
ਦੇਗਾ ਤੇ ਮਾਂ  
ਮਾਂ ਮਾਪਣੀਆਂ  
ਕਾਪੀਆਂ ਦੇ ਮੌਰ  
ਕੇਗਾ।

ਦੇ ਦਿਹਿ-ਆਪਿ-ਨਿਸ਼ਾਨੀ  
ਪਿਆਰ ਮਾਤਾ  
ਮਾਤਾ ਦੇ ਮਾਪਣੀਆਂ  
ਕਾਪੀਆਂ ਦੇ ਮੌਰ  
ਕੇਗਾ।

ਦੇ ਦਿਹਿ-ਆਪਿ-ਨਿਸ਼ਾਨੀ  
ਮਾਤਾ ਦੇ ਮਾਂ  
ਮਮ ਦਾ ਸਾਹਸੀ  
ਦੇ ਪਿਆਰ ਮਾਤਾ  
ਮਾਤਾ ਦੇ ਮਾਪਣੀਆਂ  
ਕਾਪੀਆਂ ਦੇ ਮੌਰ  
ਕੇਗਾ।

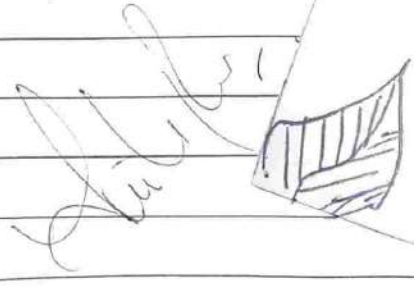
ਦਿਹਾ :- ਜੇਕਰ  
ਤਾਂ ਵੀ ਮੌਤ ਹੋਵੇ  
ਮਾਤਾ ਨੂੰ ਰੋਵੇ  
ਤਾਂ ਇੱਥੇ ਦਿੱਤੇ  
ਨਿਸ਼ਾਨੀ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।  
ਜਿਸਨੂੰ ਦਿਹਾ  
ਦਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

1. ਤਾਂਹ ਨਿਰੀ ਨਿਰੀ ਹੀ ਕੀ
2. ਮਨੋਰਥ ਤੇ ਕੀ ਕੀ ਕੀ
3. ਤਾਂਹ ਨਿਰੀ ਨਿਰੀ ਤਾਂਹ ਨਿਰੀ

Recapitulation  
View done

ਮਾਂ ਹੀ ਕੀਮਤ :-

ਮਾਂ ਨਿਰੀਆਈ ਪਰ  
ਤਾਂਹ ਤੇ ਕੀ ਕੀ  
ਦੀਨੀ ਤਾਂਹ ਪਾਇ ਕਰੇ  
ਮਾਇਆ/ਪ-







ਦਿਹਿੰ ਆਪਿ ਦਾ ਰੋਜ਼ ਮੈਥੋ ੩- 16/7  
 ਸਮਾਤ :- ੧੧  
 ਦਿਸ਼ਾ :- ਮੰਗੀਤ  
 ਉਪਦਿਸ਼ਾ :- ਮਪਤਰ ਤੇ ਪੁਰਾਤ  
 ਮਮਾਂ :- 30-35 ਗਿਣ  
 ਮਿਤੀ :- 09-11-012

|                          |                                                                                                                                        |
|--------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ਮਪਾਗੁ ਮਮੰਗੀ :-           | ਚੌਰੇ, ਰਾਖਾ ਤਖ਼ਤਾ, ਛਾਤਰ, ਸੀਰੋਤਰ ਅਤੇ ਮਪਾਗੁ ਸਮਾਤ, ਕੁਮਰਾ।                                                                                  |
| ਦਿਸ਼ਮ ਮਮੰਗੀ :-           | ਮਪਤਰ ਦੇ ਸੂਰਾ ਦਾ ਚਾਹਰ ਅਤੇ ਮਪਤਰ ਦੇ ਪੁਰਾਤਾਂ ਦਾ ਚਾਹਰ।                                                                                      |
| ਮਪਾਗੁ ਉਦੇਸ਼ :-           | ① ਦਿਹਿੰਮਾਖੀਆਂ ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਦਿਓ ਰੂਹੀ ਪੈਰਾ ਰਗਮ।<br>② ਉਮਾ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਗਿਲਾਮ ਦਿਓ ਦਾਪਾ ਰਗਮ।<br>③ ਦਿਹਿੰਮਾਖੀਆਂ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਦਿਓ ਖੋਲ-ਤਾਂਬਾ ਦੇ ਗਿਲਾਮ ਰਗਮ।  |
| ਦਿਸ਼ਮ ਉਦੇਸ਼ :-           | ਦਿਹਿੰਮਾਖੀਆਂ ਦੇ ਮਪਤਰ ਚਾਹਰ ਸਾਹਰਾਗੀ ਰਗਮ।                                                                                                  |
| ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦੀ ਵਿਧੀ :-       | ① ਦਿਸ਼ਮਾਖੀਆਂ ਵਿਧੀ ② ਪੁਸ਼ਮ : ਉਤਰ ਵਿਧੀ ③ ਦਿਹਿੰ-ਦਿਹਿੰ ਵਿਧੀ।                                                                               |
| ਮਾਨੁਸਾਮਿਤ ਪੁਰਾਤ ਗਿਲਾਮ :- | ਦਿਹਿੰ ਆਪਿ ਦਿਹਿੰ ਮੈਥੋ ਰੋ ਉਦੇਸ਼ਾ ਦਿਓ ਦਿਹਿੰਮਾਖੀਆਂ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਮੱਤ ਮਗਰਾ ਦਾ ਗਿਲਾਮ।                                                          |
| ਪੁਰਾਤ ਗਿਲਾਮ ਦੀ ਧਰਮ :-    | ① ਮੰਗੀਤ ਵਿਸ਼ ਦੇ ਰਗਿੰਗ ਰਗਮ ② ਮੰਗੀਤ ਦਿਹਿੰ ਵਿਸ਼ ਮਗਰ ਰੇਰ ਰਗਮ ③ ਮੱਤ ਸੂਰਾ ਦੇ ਕਾਮ ਰੋਮੇ।                                                       |
| ਉਪਦਿਸ਼ਾ ਦੀ ਧਰਮ :-        | ਮਾਖੀ ਪੁਸ਼ਮ ਦਾ ਉਤਰ ਮੰਤਰਮੁਸਮਰਾ ਦਾ ਗਿਲਾਮ ਤੇ ਦਿਹਿੰ ਆਪਿ ਦਿਹਿੰਮਾਖੀਆਂ ਦੇ ਰਗਮ, ਮੱਤਾ ਚੌਰੇ। ਮਾਂਜੇ ਕਮੀ ਮਪਤਰ ਅਤੇ ਉਮਰੇ ਪੁਰਾਤ ਚਾਹਰ ਸਾਹਰਾਗੀ ਪਾਪਤ ਰਗਮ। |
| ਪੁਸ਼ਤਤੀ ਰਗਮ :-           | ਦਿਹਿੰ ਆਪਿ ਮਪਾਗੁ ਅਤੇ ਰੋਚਰ ਰੋਗ ਮਾਖਾ ਪੜ੍ਹਾਉਗਾ।                                                                                            |
| ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦੇ ਸੂਤਰ :-       | ① ਮਗਰ ਤੇ ਸਾਹਿਬਾ ਰਗਮ।<br>② ਮਪਾਗੁ ਤੇ ਦਿਸ਼ਮ ਰਗਮ।<br>③ ਗਿਲਾਮ ਤੇ ਮਾਗਿਲਾਮ ਰਗਮ।                                                               |



## ਸਿੱਖਿਆ-ਵਿਸ਼ੇਸ਼

ਮਾਪਤਰ ਦਾ ਆਖ : -> ਮੈਂਗੀਤ ਦੇ ਮਾਗਾਂ ਨੂੰ  
ਸਾਰੇ ਰੂਮ ਆਪਸ  
ਦੀਖਿਆ ਸਾਂਝੇ ਤੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਮਪਤਰ ਕਹਿੰਦੇ  
ਹਨ।

ਮਪਤਰ ਦੇ ਮਾਗਾਂ ਦੀ ਸੀਖਿਆ : -> ਮਪਤਰ ਦਿੰਦੇ  
ਮੌਤ ਸੁਰ ਹੋਵੇ  
ਜਦ। ਮਪਤਰ ਦੇ ਮਾਗ : -> ਮਾ, ਗ, ਮਾ, ਮ, ਪ,  
ਪ, ਧੀ।

ਮਪਤਰ ਦੇ ਪ੍ਰਕਾਰ : -> ਗੁਰਤੀ ਮੈਂਗੀਤ ਦਿਖਾਏ  
ਦੇ ਆਪਸ ਮਪਤਰ  
ਤਿੰਨ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ  
ਦਿਲਾਸ਼ੀਆਂ ਦੀ ਆਖ ਉੱਚੀ ਅਤੇ ਨੀਵੀਂ  
ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਉਸ ਤੋਂ ਮਪਤਰ ਦੇ ਤਿੰਨ  
ਪ੍ਰਕਾਰ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ① ਮੱਧ ਮਪਤਰ  
② ਮੈਦਾ ਮਪਤਰ ③ ਤਾਰ ਮਪਤਰ।

① ਮੱਧ ਮਪਤਰ : -> ਇਸਦੇ ਮਾਗਾਂ ਦੀ  
ਆਖ ਦਾ ਸਿਮਰ  
ਉੱਚੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤੇ ਜ ਸਿਮਰ ਨੀਵੀਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ  
ਇਸ ਦੀ ਆਖ ਮੱਧਮ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ  
ਦੀ ਆਖ ਮੈਦਾ ਮਪਤਰ ਤੋਂ ਉੱਚੀ ਤੇ  
ਤਾਰ ਮਪਤਰ ਤੋਂ ਨੀਵੀਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਮੱਧ  
ਮਪਤਰ ਦਿੰਦੇ ਸੌਤ ਸੁਰ ਹੁੰਦੇ ਹਨ -  
ਮਾ, ਗ, ਮਾ, ਮ, ਪ, ਪ, ਧੀ।

## ਮੈਦਾ ਮਪਤਰੀ ਪ੍ਰਕਾਰ

ਇਹ ਮੱਧ ਦੱਸਿਆ ਨੂੰ ਮਪਤਰ ਦਾ  
ਆਖ ਹੋਵੇਗਾ ਤੇ ਦੱਸਿਆ ਨੂੰ ਕਾਪੀਆਂ  
ਤੇ ਖਿਥਣ ਖਾਣੀ ਕਰੇਗਾ।

ਇਹ ਮੱਧ ਦੱਸਿਆ ਨੂੰ ਗੁਰਤੀ ਦੀ  
ਸੁਰ ਆਖ ਮਪਤਰ ਦੇ ਸੁਰਾਂ ਅਤੇ  
ਉਸ ਦੀ ਸੀਖਿਆ ਧਾਰ ਹੋਵੇਗਾ  
ਤੇ ਕਾਪੀਆਂ ਤੇ ਖਿਥਣ ਖਾਣੀ ਕਰੇਗਾ।

ਇਹ ਮੱਧ ਦੱਸਿਆ ਨੂੰ ਮਪਤਰ ਦੇ  
ਪ੍ਰਕਾਰ ਅਤੇ ਆਖ ਹੋਵੇਗਾ ਤੇ ਕਾਪੀਆਂ  
ਤੇ ਖਿਥਣ ਖਾਣੀ ਕਰੇਗਾ।

ਇਹ ਮੱਧ ਦੱਸਿਆ ਨੂੰ ਮੱਧ ਮਪਤਰ  
ਦੇ ਧਾਰ ਦਿੰਦੇ ਸਮਝਾਵੇਗਾ ਇਸ ਦੀ  
ਸੀਖਿਆ ਹੋਵੇਗਾ। ਤੇ ਧੋਵੇਗਾ ਤੇ  
ਮੱਧ ਮਪਤਰ ਦਿੰਦੇ ਸਿੱਖ ਸੁਰ  
ਖੋਵੇਗੇ ਹਨ।



## ਦਿਵਿ: ਤ੍ਰਿਕਾਸ਼ੀ

ਸਾਰੇ ਦਿਵਿ: ਤ੍ਰਿਕਾਸ਼ੀ ਸਾਧਿ ਜੀ ਗੱਦ ਪਿਆਰ  
ਸਾਧਿ ਮੁਖਰਗੇ ਤੇ ਸਾਧਿ-2 ਰਾਪੀਆਂ  
ਤੇ ਸਿਖਰਗੇ।

ਦਿਵਿ: ਰਾਗ ਪਿਆਰ ਸਾਧਿ ਰੇਖਰਗੇ ਤੇ  
ਦਿਵਿ: ਰਾਪੀਆਂ ਤੇ ਸਪਤਰ ਤੇ ਸੁਰ  
ਸਿਖਰਗੇ।

ਦਿਵਿ: ਪਿਆਰ ਸਾਧਿ ਮੁਖਰਗੇ ਤੇ ਰਾਪੀਆਂ  
ਤੇ ਸੁਰ ਰੇਖਰਗੇ।

ਦਿਵਿ: ਪਿਆਰ ਸਾਧਿ ਮੁਖਰਗੇ ਤੇ ਰਾਪੀਆਂ  
ਤੇ ਸੁਰ ਰੇਖਰਗੇ ਤੇ ਭਿੱਤ ਰੇਖਰਗੇ ਅਤੇ  
ਮੁਖਰਗੇ।

ਮਹਾਰਾਜ ਮਹਾਰਾਜੀ, ਰਾਜਾ ਤੇਰਾ

## ਸਪਤਰ ਦੇ ਪ੍ਰਕਾਰ

- ① ਮੱਧ ਸਪਤਰ
- ② ਮੱਧ ਸਪਤਰ
- ③ ਤਾਰ ਸਪਤਰ

ਮੱਧ ਸਪਤਰ  
ਦੇ ਮਹਾਰਾਜ  
ਜੀ ਮਹਾਰਾਜ  
ਮਹਾਰਾਜ ਜੀ  
ਤੇ। ਦਿਵਿ: ਦਿਵਿ:  
ਮੱਧ ਸਪਤਰ ਜੀ



## ਵਿਸ਼ਾ ਰਸਤਾ

ਮੱਧ ਦੁਗਾਈ :- ① ਮਪਤਰ ਵਿਸ਼ੇ ਦੇ ਕੀਤੇ  
ਜਨ, ② ਮਪਤਰ ਦੇ ਮੁਕਾਮ  
ਦੇ ਨਾਮ ਦੱਸੋ। ③ ਮਪਤਰ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਕਾਰ  
ਹੈ ਜਿਹਾ ਹੈ ?

④ ਮੀਰ ਮਪਤਰ :- ਇਸ ਮਪਤਰ ਦੇ  
ਮੁਕਾਮ ਦੀ ਆਦਾਸ਼ ਮੀਰ  
ਮਾਂ ਤਾਗੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸਦੀ ਆਦਾਸ਼  
ਮੱਧ ਮਪਤਰ ਤੋਂ ਦੁਗਾਈ ਹੋਈ ਹੁੰਦੀ  
ਹੈ। ਇਸ ਮਪਤਰ ਦੇ ਮੁਕਾਮ ਦੇ  
ਗਾਇਨਾਂ ਵੱਲ ਨਾਚ ਕੇਤੇ ਜਿਲਦੀ ਸਾਰ  
ਨਹੀਂ ਪੈਂਦੀ।

ਮੂਰ ਮੀਧਿਆ :- ਮੀਰ ਮਪਤਰ ਵਿੱਚ  
ਕੋਈ ਤਿੰਨ ਮਹਤਰੇ

ਜਨ।  
ਪਾਤਿਗਾਏ ਚਿੰਨ :- ਮੀਰ ਮਪਤਰ ਦੇ ਮੁਕਾਮ ਦੀ  
ਪਾਤਿਗਾਏ ਕਈ ਨੀਚੇ ਧਿਰੀ  
ਯਗਾਈ ਹੈ। ਜਿਵੇਂ :- ਧਿ. ਧ. ਧ.

③ ਤਾਰ ਮਪਤਰ :- ਇਸ ਮਪਤਰ ਦੇ ਮੁਕਾਮ  
ਦੀ ਆਦਾਸ਼ ਚਿੰਨ ਤੇ ਧਰੀ  
ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸਦੀ ਆਦਾਸ਼ ਮੱਧ ਮਪਤਰ  
ਤੋਂ ਦੁਗਾਈ ਤੇ ਮੀਰ ਮਪਤਰ ਤੋਂ ਦੁਗਾਈ ਹੋਈ  
ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਮੂਰ ਮੀਧਿਆ :- ਤਾਰ ਮਪਤਰ ਵਿੱਚ ਪੰਜ  
ਮੁਕਾਮ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਮੁਕਾਮ  
ਦੀ ਪਾਤਿਗਾਏ ਕਈ ਧਿਰੀ ਮਮੇਂ ਵਿੱਚਾਂ ਦੇ  
ਫਿੱਕਰ ਧਿਰੀ ਯਗਾਈ ਯਾਈ ਹੈ। ਜਿਵੇਂ :-  
ਮਾਂ, ਤਾਂ, ਗਾਂ, ਮਾਂ, ਪਾਂ

## ਵਿਸ਼ੇ ਆਪ ਵਿਸ਼ਾਸ

ਵਿਸ਼ੇ ਆਪ ਮੀਰ ਮਪਤਰ ਧਾਰ  
ਵਿਸ਼ੇ ਆਪ ਮਸ਼ਹੂਰ ਹੋਗਾ। ਮੀਰ  
ਮਪਤਰ ਦੀ ਮਹਤਰੇ ਦੱਸੇਗਾ। ਤਾਰ ਮਪਤਰ  
ਤੇ ਨਾਚ ਕਈ ਕਰੇਗਾ।

ਵਿਸ਼ੇ ਆਪ ਤਾਰ ਮਪਤਰ ਦੇ ਮੁਕਾਮ  
ਧਾਰ ਧਿਰੀਆਂ ਦੇ ਦੱਸੇਗਾ ਤੇ ਤਾਰ  
ਮਪਤਰ ਦੇ ਮਹਤਰੇ ਦੀ ਮੀਧਿਆ ਦੀ  
ਦੱਸੇਗਾ ਤੇ ਮਹਤਰੇ ਧਿਰੀ  
ਕਰੇਗਾ।



ਜਿਹਿ ਪ੍ਰੀਤਮਾਸੀ

ਮਹਾਦਿਕ ਮਸੰਗੀ, ਰਾਖਾ ਤਥਾ

ਜਿਹਿਮਾਸੀ ਪਿਆਰੁ ਨਾਖ ਮਹਿ  
ਮਪਤਰ ਧਾਰੇ ਮੁਹਮਤ ਤੇ ਰਾਖੀਆਂ ਤੇ  
ਮਰ ਕੇਸਰੀ।

ਜਿਹਿਮਾਸੀ ਪਿਆਰੁ ਨਾਖ ਤਾਰ  
ਮਪਤਰੁ ਤੇ ਮਸਤਰਾ ਧਾਰੇ ਮੁਹਮਤ  
ਤੇ ਰਾਖੀਆਂ ਤੇ ਮਿਸਰੀ।

② ਮੈਲ ਮਪਤਰ ਦੇ ਮਫ਼ਤਾਂ  
ਲੀ ਆਵਾਜ਼ ਮੋਟੀ ਅਤੇ ਤਾਰੀ  
ਹੋਈ ਤੇ। ਇਸ ਵਿੱਚ ਕੇਵਲ  
ਨਿ, ਪ, ਘ ਇਤਿ  
ਮਫ਼ਤ ਹੋਏ ਹਨ।

③ ਉਸ ਮਪਤਰ ਦੇ ਮਫ਼ਤਾਂ  
ਲੀ ਆਵਾਜ਼ ਭੁੱਲੀ ਤੇ ਧਾਰੀਰ  
ਹੋਈ ਤੇ। ਇਸ ਵਿੱਚ ਘੋਜ  
ਮਫ਼ਤ ਹੋਏ ਹਨ। ਸਿਵੇ:-  
ਮ, ਰੇ, ਗੰ, ਘੰ, ਝੰ।

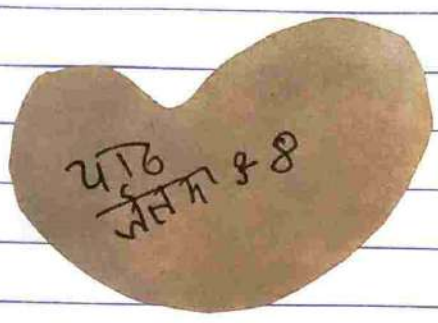
## ਸੀਤਮ ਲਗਾਈ :-

- ① ਮਪਤਕ ਕਿਸੇ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦਾ ਤੋਲਾ ਯੋਗ
- ② ਸੀਤਮ ਮਪਤਕ ਦੇ ਮਦਰ ਦੱਸੇ
- ③ ਤਾਂ ਮਪਤਕ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ ਦੱਸੇ

## ਪਤ ਦਾ ਕੰਮ :-

ਮਾਨੇ ਜਿਹਿਆਰਖੀ ਪਤ ਤੋਂ ਤਾਂ  
ਮਪਤਕ ਘਾਟੇ ਲੱਗੀ ਤੋਂ ਪਾਏ  
ਮਾਂ ਪਤ ਕੇ ਮਾਫ਼ਿਗਾ:-





ਦਿਹਿ ਆਪਿ ਦਾ ਧੰਨ ਪਿਥਰ :-> 1617  
ਜਮਾਤ :-> ਮਤਰੀ  
ਦਿਸ਼ਾ :-> ਮੰਗੜੀ  
ਉਪਰਿਸ਼ਾ :-> 'ਅਖੈਰਾਤ'  
ਮਸਾਂ :-> 30-35 ਮਿੰਟ  
ਮਿਤੀ :-> 10-11-12

|                          |                                                                                                                  |
|--------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ਮਧਾਨ ਮੰਗੜੀ :->           | ਮੰਗੜੀ ਦਾ ਕਮਰਾ । ਰਾਜਾ ਤਖਤਾ । ਕੋਢੀ । ਦੌਰ । ਮੰਗੜੀ ਆਖੈਰਾਤ ਦੇ ਰੱਖਾਉਣ ਦਾ ਹੋਣਾ।                                         |
| ਦਿਸ਼ਾ ਮੰਗੜੀ :->          | ਉਪਰਿਸ਼ਾਖੀਆਂ ਦੇ ਮੰਗੜੀ ਗਿਲਾਨ ਦਿਹ ਦਾਪਾ ਕਰਨਾ।                                                                        |
| ਮਧਾਨ ਉਦੇਸ਼ :->           | ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਮੰਗੜੀ ਮਾਮਤਰ ਦਿਹ ਵੁਰੀ ਪੱਥਰ ਕਰਦੀ।                                                                         |
| ਦਿਸ਼ਾ ਉਦੇਸ਼ :->          | ਉਹਨਾਂ ਦਾ ਤਾਨਾਤਮਿਕ ਵਿਰਾਜ ਕਰਨਾ।                                                                                    |
| ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦੀ ਵਿਧੀ :->      | ਦਿਹਿ ਆਪਿ ਦਾ ਧੰਨ ਪਿਥਰ :-> ਉਪਰਿਸ਼ਾਖੀਆਂ ਦੇ ਆਖੈਰਾਤ ਦੇ ਧਾਠ ਗਿਲਾਨ ਪੁਰਾਨ ਕਰਨਾ।                                          |
| ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਪੁਰਾਣ ਗਿਲਾਨ :-> | ਉਪਰਿਸ਼ਾਖੀਆਂ ਦੀ ① ਪੁਸ਼ਟ : ਉੱਤਰ ਵਿਧੀ ② ਦਾਰ ਦਿਹਾਰ ਵਿਧੀ                                                              |
| ਪੁਰਾਣ ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਗਿਲਾਨ :-> | ਦਿਹਿ ਆਪਿ ਦਿਹ ਮੰਦ ਕੇ ਰੱਖੇਗਾ, ਦਿਹ ਦਿਹਿ ਆਪਿ ਦਿਹ ਮੰਗੜੀ ਦੇ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਧਾਠ ਕੁਝ ਸਾਹਿਬਾਨੀ ਦੇ।                               |
| ਉਪਰਿਸ਼ਾਖੀ ਧੰਨ :->        | ① ਮੰਗੜੀ ਵਿਸ਼ੇ ਦੇ ਰੱਖੇ ਜਦ ਕੇ ② ਮੰਗੜੀ ਵਿਸ਼ੇ-2 ਰੱਖੇ ਦੇ ③ ਮਧਤਰ ਵਿਸ਼ੇ ਦੇ ਰੱਖੇ ਜਦ ਕੇ ④ ਅਖੈਰਾਤ ਵਿਸ਼ੇ ਦੇ ਰੱਖੇ ਜਦ ਕੇ      |
| ਪੁਸ਼ਟਤੀਕਰਨ :->           | ਆਖੈਰਾਤ ਪੁਸ਼ਟ ਦਾ ਮੰਤਰਕਰਨ ਉੱਤਰ ਦਾ ਮਿਥਣੁ ਤੇ ਦਿਹਿ-ਆਪਿ ਰੱਖੇਗਾ । ਅੱਡਾ ਧੌਰਿਓ ! ਅੱਖ ਅਖੈਰਾਤ ਦੇ ਧਾਠ ਸਾਹਿਬਾਨੀ ਪੁਸ਼ਟ ਕਰਾਂਗੇ। |
|                          | ਦਿਹਿ ਆਪਿ ਮਧਾਨ ਅੱਡੇ ਹੋਰ ਹੋਰ ਨਾਚ ਪੜ੍ਹਾਵੇਗਾ। ਧਾਠ ਰੱਖੇਗਾ ਧੌਰਿਆਂ ਤੇ ਪੁਸ਼ਟ ਦੀ ਪੁੱਛ ਸਾਹਿਬਾਨੀ।                           |



दिनांक २३/०३/२०२३

ਸੰਸਾਰ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ :- ੧) ਪੰਥਿਕ ਵਿਸ਼ਵ ਦਾ ਪੰਥ

ਮੰਦਰਾਂ ਵਿੱਚ ਜਾਂ ਗਲੀਆਂ ਵਿੱਚ  
ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੰਦਰਾਂ ਦੇ ਧੂਧਾਲੇ ਪਾਣੀ  
ਦੀ ਖੋਲ੍ਹਤੀ ਤੋਂ ਬਾਹਿਰ ਨਿਕਲੇ ਜਾਂ

मिथिला 10-)

मात्रे :- म, ग, ग, म, य, प, ली, म

मध्य :- मं, नी, प, प, म, ग, रं, म।

ମିଥାଇ ୧ ଓ ୨

मात्र :-) मंजु, रंगम, रामय, मयप, ययनी,  
यकीम

महत्त्व :- मंजीप, मीपय, यपम, यमम,  
मंगार, गारम

माधरा 3 :-)

मात्र :-) मम माम माय य  
मय ययी की - ययी में

मन्त्र :-) मं मी य प ली य म य म म ग  
य म ग म ग म ग म ग म ग

मं प दुगाष्टी ०-७ डि मं देरु री पठिउम। रं

② यदि  $\sin A = \frac{1}{2}$  तो  $\cos A = \frac{\sqrt{3}}{2}$

જાન ૩ (૩) દુધા મધીલા રિંદે મમી

दिन-2 सुबह छिटा खातिर गिर

9) ਤੀਮਰ ਅਖੀਰਾਤ ਦੇ ਬੰਦੇ ਦੀ ਮਦਦ

१३१२. मलय. १३१२.

ਇਹਿ ਸੰਧਿ ਹਿਰਿਮਧੀਆਂ ਦੇ  
ਸੰਧਿਕਾਂ ਦੀ ਪਹਿਤਾਸਾ ਅੰਤ ਵਧੀਆ  
ਤੇ ਮੇਰੇ ਕਰਮ ਕਈ ਰੰਗੀਆਂ

ਪ੍ਰਤਿ: ਸਾਧਕ ਸਾਧਿਕਾ ਇੱਕ ਹੀ ਆਤਮਾ  
ਸਾਧਨਾਂ ਦੁਆਰਾ, ਜੋ ਵਾਪਰੇ ਨੂੰ ਆਪਣੇ  
ਦੁਹੀ ਕਰਦਾ।

ਇੰਦਰ ਨਾਧਿ ਨਾਧਿ ਨਾਧਿ ਨਾਧਿ ਨਾਧਿ - ਤੀਜਾ  
੬। ਇੰਦਰ ਨਾਧਿ ਨਾਧਿ ਨਾਧਿ ਨਾਧਿ ਨਾਧਿ  
ਕਾਮੀ ਤੇ ਸੋਧ ਕਰਨ ਦੀ ਸੋਧ

ਇੱਕੋ ਜਾਤਿ ਦੇ ਹੋਣ ਨਾਲ ਹੋਣੇ ਜਾਂ ਨਾ ਹੋਣੇ  
ਉਹ - 2 ਅੰਕ ਇੱਕੋ ਜਾਤਿ ਦੇ ਹੋਣ  
ਨਾਲ ਹੋਣੇ ਜਾਂ ਨਾ ਹੋਣੇ  
ਕਿਸੇ ਵੀ ਢੰਗ ਨਾਲ



દિરિ-વિમાનાં

દિરિમાગવી માપહીમાં રાપીમાં કે  
મધિરાં હી પાઠિરાં દિપહગાં

દિરિમાગવી પિમાદ માધ મુદમગાં કે  
રાપીમાં કે મેદ રગદગાં

દિરિમાગવી પિમાદ માધ મુદમગાં કે  
મમદહ હી રેમિમ રગદગાં કે  
માપહીમાં રાપીમાં કે મધિરાં  
હી સાહરાગી નેદ રગદગાં

મગાદિર મમંગી. રાજા કુદડા

અક્ષર 1 :-

આદે - મ, ટે, ગ, મ, ય,  
ય, લી, મ

અદે - મે, લી, ય, ય,  
મ, ગ, ટે, ય

અક્ષર 2 :-

આદે - મેગ, ટેગમ,  
ગમ, મય, યમલી,  
યાલી

| ਦਿੱਖਾ ਸਮਝ                                                                                                                                                                                                                       | ਇਹਿੰ ਸਾਧੂ ਦੁਆਰਾ                                                                                                                                                            | ਇਹਿੰ ਦੁਆਰਾ                                                                                                                                                                                 | ਮਾਨੀਤ ਮਾਨੀਤੀ<br>ਕੀਤਾ ਦੱਸਤ |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------|
| <p>ਮਾਨੀਤਾ ਦੇ ਸਮਝੀਅਤ<br/>         ਤੇ ਵਸਾਰੇ ਮਿਥਾਉਣਾ<br/>         ਮਾਨੀਤਾ ਦੇ ਸਮਝੀਅਤ<br/>         ਦੀ ਮਾਨੀਤਾ ਨਾਚ<br/>         ਮਿਥਾਉਣਾ ਤਿਸੇ ਮਾਨੀਤਾ<br/>         ਦੇ ਮਾਨੀਤ - ਮਾਨੀਤ<br/>         ਦੁਆਰਾ ਮਾਨੀਤ ਕੀਤਾ<br/>         ਸਾਹਿ ।</p> | <p>ਇਹਿੰ ਸਾਧੂ ਇਹਿੰ ਮਾਨੀਤ<br/>         ਕੀਤਾ ਦੇ ਮਾਨੀਤਾ<br/>         ਸਮਝੀਅਤ ਤੇ ਵਸਾਰੇ<br/>         ਦੱਸਤਾ ਅਤੇ ਇਹਿੰ<br/>         ਦੇ ਮਾਨੀਤ ਨਾਚ<br/>         ਮਾਨੀਤ ਕੀਤਾ ਦੱਸਤਾ ।</p> | <p>ਇਹਿੰ ਮਾਨੀਤਾ ਇਹਿੰ<br/>         ਸਾਧੂ ਦੁਆਰਾ<br/>         ਸਮਝੀਅਤ ਤੇ ਮਾਨੀਤ<br/>         ਕੀਤਾ ਮਾਨੀਤਾ ਦੇ<br/>         ਮਾਨੀਤ ਨਾਚ ਮਾਨੀਤ<br/>         ਅਤੇ ਮਾਨੀਤ ਕੀਤਾ<br/>         ਦੱਸਤ ਦੱਸਤ ।</p> |                           |

### ਮਾਨੀਤਮ ਦੁਆਰਾ:

1. ਪਹਿਲੇ ਮਾਨੀਤਾ ਦੇ  
ਮਾਨੀਤ ਮਾਨੀਤ ਕੀਤਾ
2. ਕੁਮਰੇ ਮਾਨੀਤਾ ਦੇ  
ਮਾਨੀਤ - ਮਾਨੀਤ ਕੀਤਾ  
ਮਾਨੀਤ
3. ਮਾਨੀਤਾ ਕੀਤਾ  
ਮਾਨੀਤ

### ਪਾਠ ਦਾ ਕੰਮ :

ਮਾਨੀਤ ਇਹਿੰ ਮਾਨੀਤਾ ਪਾਠ  
 ਤੇ ਮਾਨੀਤਾ ਮਾਨੀਤ  
 ਕੀਤਾ ਨਾਚ ਮਿਥਾ ਕੇ  
 ਅਤੇ ਇਸ ਦਾ ਮਾਨੀਤਾ  
 ਕੀਤਾ ਮਾਨੀਤ ।



ਪਾਠ  
ਅੰਕ ੧-੧

ਦਿਹਿੰ ਆਪਿ ਦਾ ਹੋਰ ਨਿਧਰ :-)

|           |                  |
|-----------|------------------|
| ਮਸਾਤ :-)  | ਮਤੀ              |
| ਦਿਸ਼ਾ :-) | ਮੰਗੀਤ            |
| ਉਪਾਧਿ :-) | ਗਾਗੀ ਲੀਆਂ ਸਾਡੀਆਂ |
| ਮਸਾ :-)   | 30-35 ਮਿਣ        |
| ਮਿਤੀ :-)  | 12-11-012        |

ਮਧਾਗ ਮਸੰਗੀ :-)

ਦਿਸ਼ੇ ਮਸੰਗੀ :-)

ਮਧਾਗ ਉਦੇਸ਼ :-)

ਦਿਸ਼ੇ ਉਦੇਸ਼ :-)

ਪੜ੍ਹਾਇ ਦੀ ਦਿਪੀ :-)

ਮਧਾਗ ਗਿਆਨ ਦੀ ਪੜ੍ਹ :-)

ਪੜ੍ਹ ਗਿਆਨ ਦੀ ਪੜ੍ਹ :-)

ਮੰਗੀਤ ਦਾ ਰਸਗਾ, ਦੰਦ, ਫ਼ਾਦਰ, ਰੋਪਾ, ਤੁਝਾ, ਮੰਗੀਤ ਆਦਿ, ਗਾਗੀ ਲੀਆਂ ਸਾਡੀਆਂ ਦੇ ਦੁਆਰੇ, ਗੰਗਾ ਦਾਗ।

① ਦਿਹਿੰ ਆਪਿ ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਗਿਆਨ ਦਿਹਿ ਦਾਪਾ ਰਗਾ।

② ਦਿਹਿੰ ਆਪਿ ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਦਿਹਿ ਦੁਹੀ ਪੈਰ ਰਗਾ।

③ ਉਨਾਂ ਦਾ ਚੌਪਰ ਮਾਂ ਮਾਮਨਿਕ ਮਤਰ ਉਦੇ ਰਗਾ।

ਦਿਹਿੰ ਦੇ ਗਾਗੀ ਲੀਆਂ ਸਾਡੀਆਂ ਮਾਂ ਉਪਾਧੀਆਂ ਧਾਰੇ ਸਾਹਰਾਗੀ ਰਗਾ।

④ ਪ੍ਰਮਾਨ ਦਿਪੀ ਦੇ ਦਿਹਿੰ ਆਪਿ ਦਿਪੀ।

ਦਿਹਿੰ ਆਪਿ ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਧਾਰੇ ਮੰਗੀਤ - ਧਾਰੇ ਸਾਹਰਾਗੀ ਹੈ, ਦਿਹਿੰ ਆਪਿ ਦਿਹਿ ਮੰਗੀਤ ਰਗਾ।

⑤ ਮਧਾਗ ਦਿਹਿ ਵਿਸ਼ੇ ਮੂਰ ਉਦੇ ਪਦਰ, ⑥ ਆਗੇ-ਆਗੇ

ਦਿਹਿ ਦਿਹਿ - 2 ਮੂਰ ਪਦਰ, ⑦ ਗਾਗੀ ਲੀਆਂ ਸਾਡੀਆਂ ਵਿਸ਼ੇ

ਦਿਹਿ ਮਿਧਾਗਿਕ ਰਗੇ ਪਦਰ

ਆਪਿ ਪ੍ਰਮਾਨ ਦਾ ਉਦੇ ਮੰਗੀਤਪਦਰ ਨਾ ਮਿਧਾਗ ਤੇ ਦਿਹਿੰ

ਆਪਿ ਰਗੇ, ਮਾਂਗੀ ਦਿਹਿ। ਮਾਂਗੀ ਮਾਂਗੀ ਗਾਗੀ ਮਾਂਗੀ

ਦਿਹਿ ਲੀਆਂ ਸਾਡੀਆਂ ਧਾਰੇ ਸਾਹਰਾਗੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਰਗੇ।

⑧ ਦਿਹਿੰ ਆਪਿ ਮਧਾਗ ਮਾਂਗੀ ਹੋਰੇ ਦਿਹਿ ਮਾਧ ਪੜ੍ਹਾਗੇ।

ਦਿਹਿੰ ਤੇ ਪ੍ਰਮਾਨ ਦੀ ਪੁੱਛ ਸਾਹਰਾਗੀ।



दिनांक 20/3

ਗਗਨ ਦੀ ਪਾਇਲਟ। :- ਗਗਨ ਮੁਕਤੀ ਦਾ ਉਤ  
ਮਨੁੱਖ ਦੀ ਮਨੁੱਖ  
ਗਗਨ ਦੀ ਇੱਕ ਨੂੰ ਤੇਜ਼ ਦਾ ਸਾਹਿਬ ਹੋਵੇ  
ਜੋ ਗਗਨ ਦੇ ਤਾਜ ਤੇ ਪਾਇਲਟ  
ਜਿਸ ਦਾ ਸਾਹਿਬ ਹੈ - ਪ੍ਰਭੂ ਹੋਵੇ।

ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

(1) भूपृष्ठ साडी :-) बिम राग हिंदू पंड  
मंड मंड मंड मंड  
हिम हि गिपुम साडी ए राग रिग  
भारि जी

(2) माझह बाडी -> तिम राग रिह इ  
माझ वगैर उदु डिम  
माझह बाडी. रा. राग रिग भाहें ५१

③ ਮਾਂ ਤੇ ਪਿਤਾ ਦਾ ਪਿਆਰ  
ਮਾਂ ਪਿਤਾ ਦਾ ਪਿਆਰ  
ਮਾਂ ਪਿਤਾ ਦਾ ਪਿਆਰ  
ਮਾਂ ਪਿਤਾ ਦਾ ਪਿਆਰ

मैं पढ़ाई :- (1) गंगा से यंत्रिका लिफ्ट  
(2) गंगा से गंगा रिपीका  
साडीका प्रीका उधर (3) मैपका साडी से  
गंगा रिम है बजिरे उधर (4) भाइर  
साडी से गंगा रिम है बजिरे उधर

பெரிய கிணர்

ਪਿੰਡੇ ਮਲਿ, ਪਿੰਡੇ ਮਲਿਮਿ ਹਿ ਹਿ ਹਿ  
ਪਿੰਡੇ ਮਲਿ ਹਿ ਹਿ ਹਿ ਹਿ ਹਿ ਹਿ  
ਪਿੰਡੇ ਮਲਿ ਹਿ ਹਿ ਹਿ ਹਿ ਹਿ ਹਿ

ਇਹਿ ਅਧਿਆਪਕ ਜਾਗੀਰੀਆਂ ਜਾਤੀਆਂ  
ਦੇ ਘਾਟੇ ਹਿਏ ਲੰਗੇਰਾ ਤੇ ਰਾਖੀਆਂ ਤੇ  
ਮੇਰੇ ਰਾਗ ਘਰੀ ਰੰਗੇਰਾ।

ਦਿੱਤੇ ਅਧਿਕ ਦਾਇਰਿਆਂ ਦੇ ਅੰਤਰਮਿਤੀ ਨਾਲ  
ਦਾਤੇ ਦੰਗਿਆ ਤੇ ਰਾਖੀਆਂ ਤੇ ਅੰਤਰ-  
ਅੰਤਰ ਰੱਖਿਆ ।

ਦਿਵਿੰ ਗੁਪਿੰ ਮੇਧੂਰਨ ਜਾਤੀ ਤੋਂ ਧਾਗੇ  
ਮਾੜਾ ਜਾਤੀ ਤੋਂ ਧਾਗੇ ਹਿੰਦੋਂ ਲੰਗੇਗਾ।

ਇਹਿ ਸਾਧਿ ਇਹਿ ਸਾਧੀਆਂ ਦੇ ਮੈਕਰ  
ਸਾਧੀ ਦੇ ਧਾਰੇ ਹੋਏਗੇ ਤੇ ਸਾਧੀਆਂ  
ਤੇ ਮਿਲਣ ਲਈ ਰਹੇਗਾ।



ਇਹਿ ਦੁਆਰਾ

ਮਾਧਿਓ ਮਾਧਿਓ

ਰਾਗ ਅੰਗੂਰੀ

ਇਹਿਮਾਧੀ ਰਾਗ ਹੀ ਧਾਰਮਿਕ  
ਰਾਗੀਆਂ ਤੇ ਸੋਧ ਰਹਿੰਦਾ।

ਇਹਿਮਾਧੀ ਰਾਗ ਹੀਆਂ ਜਾਤੀਆਂ  
ਤੇ ਮਾਧਿਓ ਤੇ ਰਾਗੀਆਂ ਤੇ  
ਧਾਰਮਿਕ।

ਇਹਿ ਪਿਆਰ ਨਾਮ ਅੰਗੂਰੀ  
ਤੇ ਮਾਧਿਓ ਰਾਗੀਆਂ ਤੇ  
ਧਾਰਮਿਕ।

ਇਹਿ ਪਿਆਰ ਨਾਮ ਮਾਧਿਓ  
ਤੇ ਮਾਧਿਓ ਤੇ ਰਾਗੀਆਂ ਤੇ  
ਸੋਧ ਰਹਿੰਦਾ।

ਮੀਪ੍ਰਯੋਗ ਕਾਤੀ ਦੇ ਭੇਦ:

1. ਮੀਪ੍ਰਯੋਗ - ਮੀਪ੍ਰਯੋਗ
2. ਮੀਪ੍ਰਯੋਗ - ਮਾਧਿਓ
3. ਮੀਪ੍ਰਯੋਗ - ਮਾਧਿਓ

ਮਾਧਿਓ ਕਾਤੀ ਦੇ ਭੇਦ:

1. ਮਾਧਿਓ - ਮੀਪ੍ਰਯੋਗ
2. ਮਾਧਿਓ - ਮੀਪ੍ਰਯੋਗ
3. ਮਾਧਿਓ - ਮਾਧਿਓ

ਮਾਧਿਓ ਦੀ ਗਿਣਤੀ  
ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ  
ਰਾਗ ਹੀਆਂ  
ਜਾਤੀਆਂ ਤੇ ਹੀਆਂ  
ਭੇਦ:-

1. ਮੀਪ੍ਰਯੋਗ ਜਾਤੀ
2. ਮਾਧਿਓ ਜਾਤੀ
3. ਮਾਧਿਓ ਜਾਤੀ

## ਪਿਛਾ ਵਸਤੂ

1) ਮੈਪ੍ਰਸ਼ਨ ਜਾਤੀ ਦੇ ਭੇਦ :-) ਮੈਪ੍ਰਸ਼ਨ ਜਾਤੀ ਦੇ ਤਿੰਨ ਭੇਦ ਹਨ।

- 1) ਮੈਪ੍ਰਸ਼ਨ - ਮੈਪ੍ਰਸ਼ਨ
- 2) ਮੈਪ੍ਰਸ਼ਨ - ਮਾਤ੍ਰ
- 3) ਮੈਪ੍ਰਸ਼ਨ - ਮਾਤ੍ਰ

2) ਮਾਤ੍ਰ ਜਾਤੀ ਦੇ ਭੇਦ :-) ਤਿੰਨ ਭੇਦ ਹਨ।

- 1) ਮਾਤ੍ਰ - ਮੈਪ੍ਰਸ਼ਨ
- 2) ਮਾਤ੍ਰ - ਮਾਤ੍ਰ
- 3) ਮਾਤ੍ਰ - ਮਾਤ੍ਰ

3) ਮਾਤ੍ਰ ਜਾਤੀ ਦੇ ਭੇਦ :-) ਮਾਤ੍ਰ ਜਾਤੀ ਦੇ ਤਿੰਨ ਭੇਦ ਹਨ।

- 1) ਮਾਤ੍ਰ - ਮੈਪ੍ਰਸ਼ਨ
- 2) ਮਾਤ੍ਰ - ਮਾਤ੍ਰ
- 3) ਮਾਤ੍ਰ - ਮਾਤ੍ਰ

## ਵਿਦਿਅਕ ਮਾਪਿਕਾਵਾਂ

ਵਿਦਿਅਕ ਮਾਪਿਕਾਵਾਂ ਦੇ ਵਿਦਿਅਕ ਮਾਪਿਕਾਵਾਂ ਮੈਪ੍ਰਸ਼ਨ ਜਾਤੀ ਦੇ ਭੇਦਾਂ ਵਾਂਗ ਹੋਣਗੇ।

ਵਿਦਿਅਕ ਮਾਪਿਕਾਵਾਂ ਮਾਤ੍ਰ ਜਾਤੀ ਦੇ ਭੇਦਾਂ ਵਾਂਗ ਹੋਣਗੇ ਤੇ ਵਾਪਸੀਆਂ ਤੇ ਵਿਭਿੰਨ ਢੰਗ ਹੋਣਗੇ।

ਵਿਦਿਅਕ ਮਾਪਿਕਾਵਾਂ ਭੇਦਾਂ ਵਾਂਗ ਵਿਭਿੰਨ ਢੰਗ ਹੋਣਗੇ ਤੇ ਵਾਪਸੀਆਂ ਤੇ ਵਿਭਿੰਨ ਢੰਗ ਹੋਣਗੇ।



ਜਿਹਿ ਪ੍ਰਿਥਮੀ

ਮਾਗਿਓ ਮਾਗਿਓ

ਰਾਖਾ ਤਖਤੀ

ਜਿਹਿਮਾਗੀ ਪਿਥਮਾ ਮਾਗਿਓ  
ਏ ਮਾਗਿਓ।

ਜਿਹਿਮਾਗੀ ਮਾਗਿਓ ਮਾਗਿਓ  
ਏ ਮਾਗਿਓ ਮਾਗਿਓ।

ਮਾਗਿਓ ਜਿਹਿਮਾਗੀ ਮਾਗਿਓ  
ਮਾਗਿਓ ਮਾਗਿਓ ਮਾਗਿਓ  
ਮਾਗਿਓ ਮਾਗਿਓ ਮਾਗਿਓ।

ਮ

ਮਾਗਿਓ ਮਾਗਿਓ ਦੇ ਤੇਰੇ

1. ਮਾਗਿਓ - ਮਾਗਿਓ

2. ਮਾਗਿਓ - ਮਾਗਿਓ

3. ਮਾਗਿਓ - ਮਾਗਿਓ

① ਮਾਗਿਓ ਮਾਗਿਓ  
ਦੇ ਦਿੱਤ ਮਾਗਿਓ  
ਮਾਗਿਓ ਮਾਗਿਓ  
ਮਾਗਿਓ।

② ਮਾਗਿਓ ਮਾਗਿਓ  
ਦਿੱਤ ਮਾਗਿਓ  
ਮਾਗਿਓ ਮਾਗਿਓ  
ਮਾਗਿਓ।

③ ਮਾਗਿਓ ਮਾਗਿਓ  
ਦਿੱਤ ਮਾਗਿਓ  
ਮਾਗਿਓ ਮਾਗਿਓ  
ਮਾਗਿਓ।

ਮੀਤਰ  
ਦੁਹਰਾਈ :-

① ਐਕਟ ਜਾਤੀ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ  
ਮਰਦ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ?

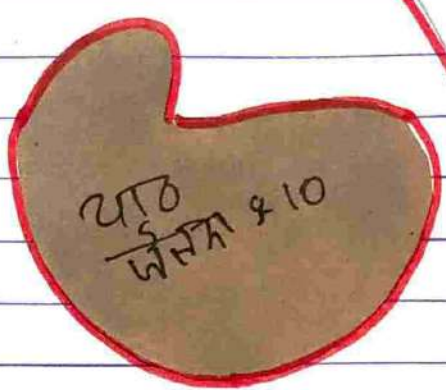
② ਮੈਰਿਜ - ਮਾਕਟ ਜਾਤੀ ਦੇ ਕਿਸੇ ਮਰਦ  
ਹੁੰਦੇ ਹਨ ?

③ ਐਕਟ - ਮੈਰਿਜ ਜਾਤੀ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਕਿਸੇ  
ਮਰਦ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ?

ਪਾਠ ਦੀ ਰੀਸ :-

ਮਾਧਵ ਵਿਦਿਆਰਥੀ  
ਪਾਠ ਤੋਂ ਪਾਠ ਦੀ ਜਾਤੀਆਂ  
ਦੇ ਵਰਗੀਕਰਨ ਦੇ ਵਿਚ-ਭੇਦ  
ਪਾਠ ਦੇ ਆਭਿਪ੍ਰਾਏ।





ਇਹਿ. ਅਧਿ. ਦਾ ਰੱਖ ਨਿਧਰ :- 1647

ਸਮਾਭ :- ਮੰਡਰੀ  
 ਇਸ਼ਾ :- ਮੰਡੀਤ  
 ਇਪਿਸ਼ਾ :- ਗਗਾ ਇਹ ਧੁਲੀਗਾ ਤੇ ਦਾਖ ਮਫਾ  
 ਸਮਾਂ :- 30-35 ਮਿੰਟ  
 ਮਿਤੀ :- 15-10-10

ਮਪਾਗਨ ਸਮੱਗਰੀ:  
 ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸਮੱਗਰੀ:  
 ਮਪਾਗਨ ਉਦੇਸ਼:

ਮਪਾਗਨ ਸਮੱਗਰੀ ਦਾ ਰਚਾਗ ਦਾ ਮਪਾਗਨ ਰਚਗ। ਹੱਥੇ। ਸ਼ਿਤਮ।  
 ਕਾਫਾ ਤਬਤਾ, ਮੇਰੇਤਰੁ ਮਾਇ।  
 ਗਗਾ ਇਹ ਧੁਲੀਗਾ ਤੇ ਦਾਖ ਮਫਾ ਮੇਰੇਤਰੁ ਮਾਇ। ਗੰਗਾ ਰਾਗ।  
 ① ਇਹਿਮਾਗੀਆਂ ਦੀ ਮੰਡੀਤ ਇਹ ਰੁਝੀ ਪੈਰਾ ਰਗਾ।  
 ② ਇਹਿਮਾਗੀਆਂ ਦੇ ਗਿਮਾਨ ਇਹ ਦਾਖ ਰਗਾ।  
 ③ ਇਹਿਮਾਗੀਆਂ ਦਾ ਮਾਮਿਰ ਕਾਂਝੇ ਦਾਖਿਰ ਮਫਾ ਉਹੇ ਰਗਾ।  
 ਇਹਿਮਾਗੀਆਂ ਦੇ ਗਗਾ ਇਹ ਧੁਲੀਗਾ ਤੇ ਦਾਖ ਮਫਾ ਦਾਖ  
 ਸਾਹਗੀ ਰਹਾ।

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਉਦੇਸ਼:-

① ਇਹਿਮਾਗੀਆਂ ਦੀ ② ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹੀ ③ ਪ੍ਰਮਾਣ: ਉਤਰੇ ਇਹੀ।  
 ਇਹਿਮਾਗੀਆਂ ਦੀ ਮਾਧਿ. ਇਹ ਮੇਰੇ ਰੇ ਰੱਖਗਾ, ਕਿ ਇਹੇ ④  
 ਮੰਡੀਤ ਦੇ ਗਗਾ ਇਹ ਧੁਲੀਗਾ ਤੇ ਦਾਖ ਮਫਾ ਦਾਖ  
 ਸਾਹਗੀ।

ਪੜ੍ਹਾਇਓ ਦੀ ਵਿਧੀ:-  
 ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ  
 ਗਿਮਾਨ:-

① ਮਫਾ ਕਿਸਨੂੰ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ② ਮਫਾ ਦੀ ਰੱਖ ਗਿਫਤੀ ਵਿਧੀ  
 ਤੇਰੀ ਤੇ ③ ਗਗਾ ਕਿਸਨੂੰ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ  
 ਅਧੀਗੇ ਪ੍ਰਮਾਣ ਦਾ ਉਤਰੇ ਮੇਰੇਤਰੁ ਕਾ ਮਿਫਾ ਤੇ ਇਹਿ.  
 ਮਾਧਿ. ਰਾਗਾ ④ ਕਾਂਝੇ ਦਾਖਿਰ: ਕਾਂਝੇ ਕਮੀ ਗਗਾ ਇਹੇ  
 ਧੁਲੀਗਾ ਤੇ ਦਾਖ ਮਫਾ ਦੀ ਸਾਹਗੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਰਾਗੇ।

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-ਗਿਮਾਨ ਦੀ  
 ਪਰ:-  
 ਇਪਿਸ਼ਾ ਦੀ ਘੋਸ਼ਣਾ:-

ਪਾਠ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹੀ ਗਗੀ ਕਾਂਝੇ ਪ੍ਰਮਾਣ: ਉਤਰੇ ਇਹੀ ਗਗੀ  
 ਪੜ੍ਹਾਇਆ ਸਾਹਗੀ।

ਪ੍ਰਮਾਣੀਕਰਨ :-



## ਹਿਸਾ ਰਸਤਾ

ਗਾਗ ਦੀ ਪਛਿਤਾਮਾ :- ਉਹ ਮੀਰੀਤ ਪਾਨੀ ਜੋ ਮਾਫ਼ ਨਹੀਂ  
 ਹਰ ਮਾਫ਼ ਮਜ਼ੀ ਪੁੱਛੇ ਨਹੀਂ ਅਧ  
 ਜੋ ਉਹੀ ਘੋਰ ਉਸ ਜੋ ਗਾਗ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਗਾਗ  
 ਦਿੱਤੇ ਘੋਰ ਤੋਂ ਘੋਰ ਘੋਰ ਮੀਰ ਮੰਗਦੇ ਹਨ।  
ਗਾਗ ਦਿੱਤੇ ਪੁੱਛੇ ਪੁੱਛੇ ਹਾਂ ਮਾਫ਼ :- ਗਾਗ ਦਿੱਤੇ  
 ਹਾਂ ਮਾਫ਼ ਤੋਂ

ਜਨ।

① ਦਾਲੀ ਮਾਫ਼ :- ਜਿਸ ਦੀ ਗਾਗ ਦਿੱਤੇ ਜੋ ਦਿੱਤੇ  
 ਮਾਫ਼ ਦੁਆਰਾ ਮਾਫ਼ ਨਾਹੀਂ ਅਧਿਕ  
 ਪੁੱਛੇ ਹੋਏ ਹੋ। ਉਸਦੇ ਗਾਗ ਦਾ ਦਾਲੀ ਮਾਫ਼  
 ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਦਾਲੀ ਮਾਫ਼ ਗਾਗ ਦੀ ਮੁੱਖ ਮਾਫ਼  
 ਹੋਏ ਹੋ। ਦਿੱਤੇ ਦਿੱਤੇ ਦਿੱਤੇ ਦਿੱਤੇ ਮਾਫ਼ ਨਾਹੀਂ ਅਧਿਕ  
 ਮੁੱਖ ਹੋਏ ਹੋ। ਦਾਲੀ ਮਾਫ਼ ਜੋ ਗਾਗ ਦਿੱਤੇ  
 ਦਿੱਤੇ ਮਾਫ਼ ਦਾ ਗਾਗ ਮੀਰੀਤਾ ਕਾਂਝੇ ਹੋ।

② ਮੈਦਾਲੀ ਮਾਫ਼ :- ਜਿਸ ਮਾਫ਼ ਦਾਲੀ ਤੋਂ ਘੋਰ  
 ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੇ ਅਧਿਕ ਨਾਹੀਂ ਅਧਿਕ  
 ਮਾਫ਼ ਕਾਂਝੇ ਹਨ। ਜਿਸ ਗਾਗ ਦਾ ਦਾਲੀ ਮੁੱਖ ਦਾ  
 ਪੈਸਾ ਮਾਫ਼ ਮੈਦਾਲੀ ਹੋਏ ਹੋ। ਮੈਦਾਲੀ ਮੁੱਖ  
 ਦੀ ਮੁੱਖ ਮੀਰੀਤ ਨਾਹੀਂ ਕੀਤੀ ਕਾਂਝੇ ਹੋ।  
 ਜਿਸ ਤੋਂ ਗਾਗ ਦੀ ਮਾਫ਼ਿਤਾ ਅਧੀ ਮੀਰੀਤ  
 ਹੋਏ ਹੋ। ਉਸ ਤੋਂ ਦਾਲੀ ਮਾਫ਼ ਦੀ ਮਾਫ਼ਿਤਾ  
 ਅਧੀ ਮੈਦਾਲੀ ਮਾਫ਼ ਹੋਏ ਹੋ।

ਮਾਫ਼ ਦੁਆਰਾ :- ਜੋ ਗਾਗ ਦਿੱਤੇ ਪੁੱਛੇ ਪੁੱਛੇ ਹਾਂ  
 ਮਾਫ਼ ਦਿੱਤੇ - 2 ਹਨ। ਉਸ ਮਾਫ਼  
 ਗਾਗ ਦਿੱਤੇ ਅਧਿਕ ਪੁੱਛੇ ਪੁੱਛੇ ਉਸਦੇ ਕੀ ਕਹਿੰਦੇ  
 ਹਨ ?

## ਦਿੱਤੇ ਅਧਿਕ ਪੁੱਛੇ

ਦਿੱਤੇ ਅਧਿਕ ਪੁੱਛੇ ਮਾਫ਼ੀਆਂ  
 ਜੋ ਗਾਗ ਦੀ ਪਛਿਤਾਮਾ  
 ਹੋਵੇਗਾ ਤੇ ਉਸਦੇ ਦਿੱਤੇ  
 ਕਾਫ਼ੀਆਂ ਤੇ ਅਧਿਕ ਅਧੀ  
 ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ।

ਦਿੱਤੇ ਅਧਿਕ ਦਾਲੀਆਂ ਦਿੱਤੇ  
 ਹੋਵੇਗਾ ਜੋ ਗਾਗ ਦਾਲੀ ਤੋਂ  
 ਦਿੱਤੇ ਮਾਫ਼ ਪੁੱਛੇ ਹੋਏ ਹਨ।

ਦਿੱਤੇ ਅਧਿਕ ਦਾਲੀਆਂ ਦਿੱਤੇ  
 ਪਾਠਾਂ ਦਾਲੀ ਮਾਫ਼ ਦਾਲੀ  
 ਮਾਫ਼ੀਆਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਤੇ ਉਸਦੇ  
 ਮਾਫ਼ੀ ਤੋਂ ਕਾਫ਼ੀ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ।  
 ਦਿੱਤੇ ਕਾਫ਼ੀਆਂ ਤੇ ਮਾਫ਼ ਕਹਿੰਦੇ  
 ਅਧੀ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ।

ਦਿੱਤੇ ਦਿੱਤੇ ਮੈਦਾਲੀ ਮਾਫ਼ ਦੀ  
 ਮਾਫ਼ੀਆਂ ਦਿੱਤੇ ਮਾਫ਼ੀਆਂ ਤੇ  
 ਕਾਫ਼ੀਆਂ ਤੇ ਅਧਿਕ ਅਧੀ  
 ਦਿੱਤੇ ਕਾਫ਼ੀਆਂ।



114

114

1.  $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$   
 2.  $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$   
 3.  $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$   
 4.  $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$   
 5.  $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$   
 6.  $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$   
 7.  $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$   
 8.  $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$   
 9.  $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$   
 10.  $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

१/२ मन्त्रोत्तरं पुनश्च २०० मन्त्रोत्तरं  
 १/२ मन्त्रोत्तरं २०० मन्त्रोत्तरं २०० मन्त्रोत्तरं  
 २०० मन्त्रोत्तरं १/२ मन्त्रोत्तरं

ਗਗਨ ਵਿੱਚ ਉਥੇ ਸਵਰਗ ਦਾ  
ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਹੋਵੇ।

1. ਦੁਈ ਮਛ → ਜਿਸ ਵਿੱਚ  
ਦਿ ਮਛ ਦਾ ਖੁੱਭੇਰਾ ਮੁੱਢ  
ਤੋਂ ਜਿਥੇ ਹੋਵੇ।  
ਦੁਈ ਮਛ ਹੋਵੇ ਦਾ ਮੁੱਢ  
ਮਛ ਹੋਵੇ।

## ਵਿਸ਼ਾ - ਹਮਤ

③ ਮਨੁਹਾਰੀ ਮਦਰ :- ਹਾਰੀ ਮੰਦਾਰੀ ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ  
ਗਾਗਾ ਦਿਓ ਸੇ 'ਹਮਰ' ਮੂਰ  
ਘਗਾਏ ਸਾਰੇ ਹਨ । ਉਨਾਂ ਦੇ ਮਨੁਹਾਰੀ ਮੂਰ  
ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ । ਮਨੁਹਾਰੀ ਮਦਰਾਂ ਦੀ ਮੀਥਿਆ  
ਕਿਸੇ ਗਾਗਾ ਦਿਓ ਘੱਟ ਤੇ ਘੱਟ ਤਿੰਨ ਤੇ  
ਹੱਥ ਪੈਸੇ ਤੇ ਮਾਰੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

④ ਵਿਦਾਰੀ ਮਦਰ :- ਗਾਗਾ ਦਿਓ ਸੇ ਮਦਰ  
ਘਗਾਏ ਨਾਨ ਮਦਰ ਦੀ  
ਮੁੰਦਰਤਾ ਦੇ ਖਗਾਏ ਕਰੇ ਉਮਰ ਦੇ ਵਿਦਾਰੀ  
ਮੂਰ ਰਿਜਾ ਸਾਰੇ ਜਾਂ । ਵਿਦਾਰੀ ਮੂਰ ਦਾ  
ਮਾਧੇ ਤੇ ਘਗਾਏ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿਸ ਘਰੀ ਵਿਦਾਰੀ  
ਮਦਰਾਂ ਦੇ ਹਮਰ ਦੇ ਸਮਾਜ ਸਮਾਜਿਕਤਾ  
ਸਾਰੇ ਜਾਂ ।

## ਵਿਦਿ-ਆਪ-ਨਿਰਮਾਣ

ਵਿਦਿ-ਆਪ-ਮਨੁਹਾਰੀ ਮੂਰ, ਘਾਏ  
ਵਿਸਥਾਰ ਰੂਪ ਵਿਚ ਸਾਹਕਾਰੀ  
ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਪਰ ਰਾਪੀਆਂ ਤੇ  
ਕਿਸੇ ਘਰੀ ਰਹਿੰਦਾ ।

ਵਿਦਿ-ਆਪ-ਵਿਦਾਰੀ ਮੂਰ, ਘਾਏ  
ਸਾਹਕਾਰੀ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਉਨਾਂ ਦੇ  
ਵਿਸਥਾਰ ਰੂਪ ਵਿਚ  
ਮੰਗਯਾਰਹਿੰਦਾ । ਵਿਦਿ-ਆਪ-  
ਦੇ ਵਿਦਾਰੀ, ਮਦਰ ਘੱਟ ਤੇ  
ਕਿਸੇ ਘਰੀ ਤੇ ਘਾਏਆਂ ਦੇ  
ਮਾਪਦੀਆਂ ਰਾਪੀਆਂ ਤੇ  
ਕਿਸੇ ਦੇ ਰਹਿੰਦਾ ।



ਵਿਹਿ ਫੁਲਾਂ

ਮਹਾਵਿਰ ਮਸੰਗੀ

ਕਾਧਾ ਤਖਤੀ

ਵਿਹਿ ਆਪ ਰੁਮਾਗ ਹਿੰਤੀ  
ਗਈ ਵਿਹਿਮਾਗੀ ਪਿਮਾਨ  
ਮਾਧ ਮੁਹਮਾਗੀ ਤੇ ਪਿਰ  
ਕਾਪੀਮਾਗੀ ਤੇ ਮੇਰ ਕਰਮਾਗੀ।

ਵਿਹਿਮਾਗੀ ਵਿਹਿ ਆਪ  
ਰੁਮਾਗ ਹਿੰਤੀ ਕਾਧਾ ਹਾਧੀ  
ਕਾਧਾਗੀ ਪਿ ਪਿਮਾਨ  
ਮਾਧ ਮੁਹਮਾਗੀ। ਵਿਹਿਮਾਗੀ  
ਪਿਮਾਨ ਮਾਧ ਮੁਹਮਾਗੀ  
ਤੇ ਕਾਪੀਮਾਗੀ ਤੇ ਕਰਮਾਗੀ।

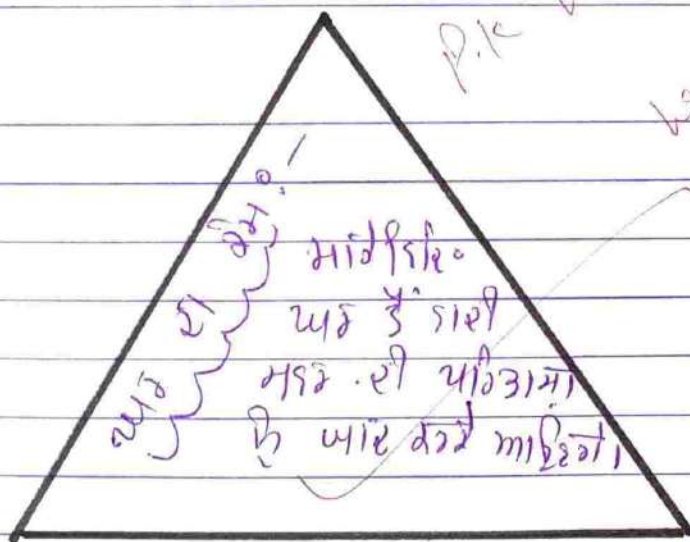
ਮੇਰਾ :-

1. ਫਾਰੀ ਮੂਰ
  2. ਮੀਧਾਰੀ ਮੂਰ
  3. ਮਾਧੁਧਾਰੀ ਮੂਰ
  4. ਵਿਧਾਰੀ ਮੂਰ
- ਮਾਗ ਵਿੱਚ ਵਿੱਚਾਂ  
ਭਾਗਾਂ ਆ ਪੁਧਾਗਾਂ  
ਹੋਰਾ ਤੇ

② ਮੀਧਾਰੀ ਮਧ  
ਵਿਹਿ ਫਾਰੀ  
ਤੇ ਘੱਟ ਅਤੇ  
ਦੂਜੇ ਲਾਭੇ  
ਅਧਿਕ ਪ੍ਰਯੋਗ  
ਹੋਰਾ ਤੇ। ਵਿਹਿ  
ਦੀ ਤੁਲਨਾ ਮੀਧਾਰੀ  
ਲਾਭ ਹੀਤੀ  
ਮਾਂਗੀ ਤੇ।

## ਸਮੀਤਾ ਦੁਸ਼ਮਣੀ ੧-੨

- (1) ਫਾਰੀ ਮਨ ਵਿਗੜੇ ਕਹਿਲੇ ਹਨ
- (2) ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਵਿਗੜੇ ਕਹਿਲੇ ਹਨ
- (3) ਦਿਲਾਸੀ ਮਨ ਦੇ ਗਾਗ ਦਿੱਤੇ ਕਿਸੇ ਨਾਥ  
ਤੁਝਨਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਯੇ



P.K. Dahiya  
was Rebel  
to top





ਦਿਲਿ ਮਾਧਿ ਹੀ ਮੈਥੁ ਮਿਖੈ :-)

ਸੁਮਾਤ :-)

ਦਿਸਾ :-)

ਉਪਦਿਸਾ :-)

ਸਮਾ :-)

ਮਿਤੀ :-)

16/12

ਮੀਤੀ

ਮੀਤੀ

ਤਾਅ ਰੀਤੀ 17

30-35 ਮੀਟ

16-11-012

ਮਾਧਿ ਮਾਧਿ :-)

ਦਿਲਿ ਮਾਧਿ :-)

ਮਾਧਿ ਉਲੇ :-)

ਮਾਧਿ ਉਲੇ :-)

ਪੜ੍ਹਾਇ ਹੀ ਦਿਪੀ :-)

ਪੂਰੇ ਗਿਆਨ ਹੀ

ਦਿਪੀ :-)

ਪੜ੍ਹਾਇ ਹੀ ਦਿਪੀ :-)

ਉਪਦਿਸਾ ਹੀ ਪੜ੍ਹਾਇ :-)

ਪ੍ਰਮਤਤੀਕਰਮ :-)

ਦਿਲਿ ਮਾਧਿ ਹੀ ਮੈਥੁ ਮਿਖੈ :-)

ਰੀਤੀ ਤਾਅ ਮਾਧਿ ਮੈਥੁ ਮਿਖੈ :-)

1) ਦਿਲਿ ਹੀ ਮੈਥੁ ਮਿਖੈ ਦਿਲਿ ਹੀ ਰੀਤੀ :-)

2) ਦਿਲਿ ਹੀ ਮੈਥੁ ਮਿਖੈ ਦਿਲਿ ਹੀ ਪੈਰੀ ਰੀਤੀ :-)

3) ਦਿਲਿ ਹੀ ਗਾਮਿਕ ਦਿਲਿ ਰੀਤੀ :-)

ਦਿਲਿ ਹੀ ਰੀਤੀ ਤਾਅ ਚਾਹੇ ਸਾਹਕਾਰੀ ਹੋਵੇ :-)

4) ਦਿਲਿ ਮਾਧਿ ਦਿਲਿ ਹੀ ਦਿਲਿ ਦਿਲਿ :-)

ਦਿਲਿ ਮਾਧਿ ਦਿਲਿ ਮੈਥੁ ਮਿਖੈ ਦਿਲਿ ਮੈਥੁ ਮਿਖੈ :-)

ਮੈਥੁ ਮਿਖੈ ਸਾਹਕਾਰੀ ਹੋਵੇ :-)

1) ਮੈਥੁ ਮਿਖੈ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ :-)

ਮੈਥੁ ਮਿਖੈ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ :-)

ਮਾਧਿ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ :-)

ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ ਮੈਥੁ :-)

ਚਾਹੇ ਸਾਹਕਾਰੀ ਹੋਵੇ :-)

ਦਿਲਿ ਮਾਧਿ ਤਾਅ ਦਿਲਿ ਹੀ ਮੈਥੁ ਮਿਖੈ :-)

ਮੈਥੁ ਮਿਖੈ :-)

## ਦਿੱਤਾ ਹੋਇਆ

ਤਾਜ਼ਾ ਪਾਠ : -> ਕਹਿੰਦਾ ਤਾਜ਼ਾ ਦਿੱਤੇ 8 ਭਾਗਾਂ  
 ਹੋਣਗੇ ਜਦੋਂ ਇਹ ਤਾਜ਼ਾ ਹੋਵੇ  
 ਦਿੱਤਾ ਹੋਵੇ, ਜਦੋਂ ਇਹ ਹੋਵੇ ਦਿੱਤਾ ਹੋਵੇ -  
 2 ਭਾਗਾਂ ਦੇ ਹੋਵੇ ਜਦੋਂ ਕਹਿੰਦਾ ਤਾਜ਼ਾ  
 ਦਿੱਤੇ ਪਾਠੀ ਭਾਗਾਂ ਦੇ ਸਮੇਂ ਹੋਵੇ ਜੋ ਅਤੇ  
 ਪੰਜਵੀਂ ਭਾਗਾਂ ਦੇ ਥਾਂ ਹੋਵੇ ਹੋਵੇ

ਤਾਜ਼ਾ ਕਹਿੰਦਾ ->

| ਭਾਗਾਂ | 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7   | 8  |
|-------|----|----|----|----|----|----|-----|----|
| ਦਿੱਤਾ | x  |    |    |    | 0  |    |     |    |
| ਦਿੱਤਾ | ਪਾ | ਗੀ | ਨਾ | ਤਿ | ਨਾ | ਦੇ | ਪਿੰ | ਨਾ |

ਭਾਗਾਂ -> ਕਹਿੰਦਾ ਤਾਜ਼ਾ ਦਿੱਤੇ 8 ਭਾਗਾਂ ਹੋਣਗੇ

ਦਿੱਤਾ -> ਪ-ਪ ਭਾਗਾਂ ਦੇ ਹੋਵੇ ਦਿੱਤਾ ਹੋਵੇ

ਇਸ ਤਾਜ਼ਾ ਦਿੱਤੇ ਪਾਠੀ ਭਾਗਾਂ ਦੇ ਸਮੇਂ (x)  
 ਹੋਵੇ ਜੋ ਅਤੇ ਪੰਜਵੀਂ ਭਾਗਾਂ ਦੇ ਥਾਂ (0)  
 ਹੋਵੇ ਹੋਵੇ

## ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੋਇਆ

ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਦਿੱਤਾ ਹੋਵੇ  
 ਕਹਿੰਦਾ ਤਾਜ਼ਾ ਥਾਂ ਦਿੱਤਾ  
 ਥਾਂ ਸਮੇਂ ਹੋਵੇ ਦੇ ਥਾਂ,  
 ਤਾਜ਼ਾ, ਦਿੱਤਾ, ਭਾਗਾਂ,  
 ਭਾਗਾਂ ਸਮੇਂ ਹੋਵੇ ਦੇ  
 ਹੋਵੇ ਦੇ ਥਾਂ ਹੋਵੇ ਦੇ  
 ਥਾਂ ਦੇ ਥਾਂ ਹੋਵੇ

ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਕਹਿੰਦਾ ਤਾਜ਼ਾ  
 ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਥਾਂ, ਸਮੇਂ  
 ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਹੋਵੇ ਦੇ  
 ਦੇ ਤਾਜ਼ਾ ਭਾਗਾਂ ਦੇ  
 ਹੋਵੇ



ਇਹੋ ਪ੍ਰਮਾਣ

ਮਾਹੀਰ ਸਮੱਗਰੀ

੨੧/੫/੩੭੩/

ਇਹੋ ਪ੍ਰਮਾਣ ਮਾਹੀਰ  
ਇਹੋ ਕਾਪੀ ਹੀ ਗੱਦੀ ਹੈ  
ਮੁਹੱਲਾ ਦੇ ਰਾਪੀਆ  
ਤੇ ਤਾਜ਼ੇ ਤੇ ਉਮਰੀ  
ਸਾਹਿਬਾਨੀ ਹੋ ਰਹੀ।

ਮਾਹੀਰ ਪ੍ਰਮਾਣੀ ਪ੍ਰਮਾਣ  
ਮਾਹੀਰ ਕਾਪੀਆਂ ਹੀ ਗੱਦੀ  
ਮੁਹੱਲਾ ਮਤੇ ਤਾਜ਼ੇ  
ਮੁਹੱਲਾ ਹੀ ਕਾਮੇਸ਼ ਰਹੀ  
ਪੁਰੇ ਤਾਜ਼ੇ ਰਾਹੀਂ  
ਭੇਜੇ ਦੇ ਵਾਹਿਗੋ।

੨੨ ਤਾਜ਼ੇ ਰਾਹੀਂ

|       |   |   |   |   |   |   |   |   |
|-------|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ਮਾਹੀਰ | ੧ | ੨ | ੩ | ੪ | ੫ | ੬ | ੭ | ੮ |
| ਦੀਵ   | ੧ | ੨ | ੩ | ੪ | ੫ | ੬ | ੭ | ੮ |
| ਦਿਵ   | ੧ | ੨ | ੩ | ੪ | ੫ | ੬ | ੭ | ੮ |

ਤਾਜ਼ੇ ਰਾਹੀਂ  
ਮਾਹੀਰ-੮  
ਦਿਵ-੨  
(੪,੫ ਮਾਹੀਰਾਂ  
ਹੈ)  
ਪਹਿਲੀ ਮਾਹੀਰ  
ਤੇ ਸਮ (੧)  
ਮਤੇ ਪਹਿਲੀ  
ਮਾਹੀਰ ਤੇ  
ਸਾਲੀ (੦) ਤੇ  
ਤੇ।

ਸਮਝਿਓ ਪੁਰਾਣੀ ੧-੧

- ① ਕਹਿੰਦਾ ਤਾਕ ਹੋ ਧੰਨ ਕੀ ਜਨ ?
- ② ਕਹਿੰਦਾ ਤਾਕ ਜਿਹੇ ਕਿਹੜੀ ਮਾਝ  
ਏ ਸਮ ਏ ਖਾਢੀ ਏ ?
- ③ ਕਹਿੰਦਾ ਤਾਕ ਹੋ ਰਿਸੇ  
ਜਿਹੜੀ ਜਿਹੇ ਏਕਿਆ  
ਗਿਆ ਏ ?

ਪਾਓ ਪੁਰਾਣੀ  
↓

ਮਾਝੇ ਜਿਹੇਮਾਝੀ ਪਾਓ

ਏ ਕਹਿੰਦਾ ਤਾਕ ਪਾਓ

ਕਰੇ ਮਾਝੀਏ ।



ਪਾਠ  
ਲੰਬਾ : 12

ਦਿਹਿਲਾਸੀ ਦਾ ਭੇਜ ਮੇਰਾ - 16/17

ਕਾਮਾ 1 - ਮਤਲੀ  
ਦਿਸਾ 1 - ਮੰਗੀਤ  
ਪਾਇਸਾ 1 - 'ਤੀਨ ਤਾਘ'  
ਸਮਾ 1 - 30-35 ਮਿੰਟ  
ਗਿਤੀ 1 - 19-11-12

ਮਧਾਨ ਮੰਗਾਰੀ :-  
ਦਿਸਾ ਮੰਗਾਰੀ :-  
ਮਧਾਨ ਉਦੇਸ਼ :-

ਹੱਥ, ਕਾਫ਼ਾ ਤਬਤਾ, ਕਾਫ਼ਾ, ਮੈਰੇਤਰ ਅਤੇ ਮਧਾਨ ਸਮਾਤ; ਰਮਾ।  
ਤੀਨ ਤਾਘ ਨਾਥ ਮੈਦੀਪਤ ਆਪ।

ਦਿਸਾ ਉਦੇਸ਼ :-

① ਦਿਹਿਲਾਸੀਆਂ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਗਿਲਾਨ ਦਿੱਤੇ ਹਾਧਾ ਰਗਾ।  
② ਦਿਹਿਲਾਸੀਆਂ ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਦਿੱਤੇ ਰੁਖੀ ਪੈਰਾ ਰਗਾ।  
③ ਦਿਹਿਲਾਸੀਆਂ ਦੀ ਤਰ ਮਰਤੀ ਦੇ ਦੁਪਾਛਿ।  
ਪੌਰਿਆਂ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਤੇ ਕਿਸੇ ਦਿੱਤੇ ਤਾਘ ਦੇ ਘਾਟ ਦਿੱਤੇ ਸਾਹਰਾ  
ਦੇਣ।

ਪੜ੍ਹਾਓ ਦੀ ਦਿਪੀ :-

① ਦਿਲਾਸਿਆ ਦਿਪੀ ② ਪੁਸ਼ਪ: ਉੱਤਰ ਦਿਪੀ ③ ਹਾਰ-ਦਿਦਾਰ  
ਦਿਪੀ।

ਨਾਮਾਨਿਤ ਪੁਸ਼-  
ਗਿਲਾਨ :-

ਦਿਹਿਲਾਸੀ - ਨਾਥਿਆਪਰ ਦਿਹ ਮੇਰਾ ਦੇ ਰੱਖੇਗਾ ਕਿ ਪੌਰਿਆਂ  
ਦੇ ਤੀਨ ਤਾਘ ਘਾਟ ਪੈਂਕਾ ਗਿਲਾਨ ਯਾ

ਪੁਸ਼ ਗਿਲਾਨ ਦੀ  
ਪੜ੍ਹਾਓ :-  
ਉਪਾਧਿ ਦੀ ਪੌਸ਼ਾ :-

① ਪੈਰਾ ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਦਿੱਤੇ ਦੀ ਮੰਗਤਾ ਪੈਰ ② ਧੀਰਮ  
ਕਿਸੇ ਦਿੱਤੇ ਧੀਰੀ ਰੈਰੀ ਯਾ

ਪੁਸ਼ਤੀਕਾ :-

ਨੀਲ ਪੁਸ਼ਪ ਦਾ ਉੱਤਰ ਨਾ ਮਿਥਣ ਤੇ ਦਿਹਿ-ਨਾਧਿ  
ਪੌਰਿਆਂ ਦੇ ਰੱਖੇਗਾ ਕਿ ਅੱਡਾ ਪੌਰਿਓ, ਨਾਂਸ ਨਾਮੀ  
ਤੀਨ ਤਾਘ ਘਾਟ ਸਾਹਰਾ ਪੁਸ਼ਪ ਰਗੇ।  
ਦਿਹਿ ਨਾਧਿ ਪੁਸ਼ਪ: ਉੱਤਰ ਦਿਪੀ ਤਾਮ੍ਹ ਦਿਪੀ ਅਤੇ  
ਨਿਲਾਸੀਅਰ ਦਿਪੀ ਗੀ ਪੜ੍ਹਾਓਗਾ।

## ਵਿਸ਼ਾ: ਵਸਤੂ

ਗੋਰੀ ਮੋਰੀ ਰੂਪੀ ਤੇਜ਼, ਮਫ਼ਰ, ਅਤੇ ਤਾਜ ਦੀ  
ਮੀਂਹ ਉੱਤੇ ਖੜ੍ਹਾ ਹੈ। ਇਹੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ਕਿ  
ਮੋਰੀ ਤੇਜ਼ ਰੱਖਾ ਵਿੱਚ ਮੱਥੇ ਅਤੇ ਗਰ  
ਥੱਲੇ ਦੇ ਵਿਚਾਲੇ ਤਾਜ, ਮੱਥੇ, ਮਾਡਰ ਦਾ  
ਹਿਸਾਨ ਦੀ ਸ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਿਸਾਨ  
ਦੇ ਹਿਸਾਨ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਮੋਰੀ ਦੀ ਰੱਖ  
ਮਰੀ ਹੈ। ਮਰਦ।

ਪਾਠਿਕਾ। - ਜਿਸਮਿਤ ਗਤੀ ਅਤੇ ਸਮੇਂ ਦੇ ਆਪ  
ਦੇ ਤਾਜ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਕਿਸੀ  
ਜਿਸਮਿਤ ਪ੍ਰੇਮ ਦੇ ਮਾਡਰਾਂ ਵਿੱਚ ਅਤੇ ਕਿਸੇ  
ਜਿਸਮਿਤ ਮਾਡਰਾਂ ਦੇ ਤਾਜ ਦੇਖਣ ਵਿੱਚ  
ਬੇਮਿਸਾਲ ਜਾਂਦਾ। ਗਤੀ ਦੀ ਮੁੱਢ ਤਾਜ  
ਮਾਡਰ ਹੈ। ਤਾਜ ਦੇ ਬਿਨਾਂ ਮਾਡਰ  
ਦਸ਼ਾ। ਮੱਥੇ ਮਾਡਰ ਵਿੱਚ ਮੱਥੇ ਹਨ।

ਤਾਜ ਪਾਠਿਕਾ :- ਤੀਜ਼ ਤਾਜ 16 ਮਾਡਰਾਂ ਦੀ  
ਤਾਜ ਹੈ। ਤੀਜ਼ ਤਾਜ ਵਿੱਚ  
ਪ-ਪ ਮਾਡਰਾਂ ਦੇ ਚਾਰ ਵਿਭਾਗ ਹਨ।  
ਜਦੋਂ ਪਾਠਿਕੀ ਮਾਡਰ ਤੋਂ ਸਮ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ੀ,  
ਤੇ ਤੇਜ਼ੀ ਮਾਡਰ ਤੋਂ ਤਾਜੀ ਹੋਵੇ ਹੈ।

## ਵਿਸ਼ਾ: ਆਪਣੇ ਵਿਸ਼ਾ

ਵਿਸ਼ਾ ਆਪਣੇ ਬੋਲਿਆਂ ਦੇ ਮੋਰੀ  
ਵਿੱਚ ਤਾਜ ਦੇ ਮੱਥੇ ਪਾਠਿਕੀ  
ਹੋਵੇਗਾ। ਤੇ ਕਾਪੀਆਂ ਤੋਂ  
ਖਿਸ਼ਾ ਖਰੀਦੇਗਾ।

ਵਿਸ਼ਾ ਆਪਣੇ ਬੋਲਿਆਂ ਦੇ ਤਾਜ  
ਦੀ ਪਾਠਿਕੀ ਪਾਠਿਕੀ ਹੋਵੇਗਾ  
ਤੇ ਕਾਪੀਆਂ ਤੋਂ ਖਿਸ਼ਾ  
ਖਰੀਦੇਗਾ।



# ਵਿਹਿੰ ਗੁਣਗਣ

ਵਿਹਿੰਗਣਗਣੀ ਪਿਯਾਦ ਮਾਧਿ ਚਾਹੜੇ ਦੇ  
 ਦੇਖਣਗੇ ਤੇ ਆਪਣੇ- 2 ਰਾਪੀਆਂ  
 ਤੇ ਮਾਧਿ ਹੀ ਮਾਗੀ ਬਾਹਰਗੀ ਮੈਂ  
 ਵੇਖਦਾ।

ਵਿਹਿੰ. ਆਪ ਹੀ ਮਾਗੀ ਗੱਲ ਹੈ ਮੁਫਤ  
 ਅਤੇ ਤਾਂ ਕਿਹੜੀ ਹੀ ਵਿਖਾਉਣਗੇ  
 ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਆਪ ਉਸ ਦੇ  
 ਉੱਚ ਤੇ ਹੀ ਵਿਖਾਉਣਗੇ।

ਮਾਗਿਕ ਮਾਗਿਕੀ ਅਤੇ ਰਾਪੀ 3431

| " ਡੀਠ-ਤਾਲ " |                  |                  |                  |
|-------------|------------------|------------------|------------------|
| ਮਾਗਿਕੀ:     | 1 2 3 4          | 5 6 7 8          | 9 10 11 12       |
| ਦੋਲ:        | ਪਾ, ਪਿੰ, ਪਿੰ, ਪਾ | ਪਾ, ਪਿੰ, ਪਿੰ, ਪਾ | ਪਾ, ਪਿੰ, ਪਿੰ, ਪਾ |
| ਲਿੰ:        | X                | ੨                | 0                |

## ਸੀਤਮ ਰੁਗਾਈ :-

- ੧) ਤੀਜੇ ਤਾਪ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾ  
ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਦੀ ਤਾਪ ਹੈ
- ੨) ਤੀਜੇ ਤਾਪ ਦੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼  
ਵਿਭਾਗ ਹਨ
- ੩) ਤੀਜੇ ਤਾਪ ਦੇ ਚੱਖ  
ਦੀ ਹਨ

## ਪਾਣੀ ਦੇ ਰਸਮ :-

ਮਾਤਰਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾ ਪਾਣੀ  
ਤੀਜੇ ਤਾਪ ਦੇ  
ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਾਣੀ  
ਦੇ ਦੇ ਮਾਤਰਾਵਾਂ।

Shikha



ਧਾਰ  
ਕਿਸਤਾਂ 13

ਦਿਹਿ ਅਪਿ ਦਾ ਰੋਕ ਮਿਲੇ। - 16/7

ਸਮਾਭ 1 -

ਮਤਰੀ

ਦਿਸਾ 1 -

ਮੰਗੀਤ

ਉਪਾਧਿ 1 -

ਚਾਹ - ਤਾਫ਼ 11

ਸਮਾ 1 -

30-35 ਮਿੰਟ

ਮਿਤਰੀ 1 -

20-11-012

ਮਪਾਧ ਮਮੋਗੀ:-

ਦਿਸੈ ਮਮੋਗੀ:-

ਮਪਾਧ ਉਲੇ:-

ਭਾਵੇਂ, ਲੋਕ, ਰਾਜਾ ਤਖਤਾ, ਮੰਤਰ ਅਤੇ ਮਾਪਾਧ ਕਮਰ, ਸਮਾਭ, ਚਾਹ ਤਾਫ਼ ਪਾਫ਼ ਮੰਦੀਪਿਤ ਚਾਹ।

(i) ਦਿਹਿ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਗਿਆਨ ਕਿਹੇ ਰਾਪਾ ਕਰੇਗਾ।

(ii) ਦਿਹਿ ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਕਿਹੇ ਰੁਝੀ ਧੇਰਾ ਕਰੇਗਾ।

(iii) ਦਿਹਿ ਦਾ ਧੰਪਿਰ ਅਤੇ ਮਾਮਿਰ ਮਤਰ ਉਠੇ ਕਰੇਗਾ।

ਧੰਦਿਆਂ ਦੇ ਚਾਹ ਤਾਫ਼ ਧਾਰੇ ਦਿਸਤਾ ਪਾਫ਼ ਸਾਹਸਾਰੀ ਰੇਗਾ।

(i) ਦਿਹਿ ਦਿਹ ਮੇਰੇ ਉਧੇਗਾ ਕਿ ਦਿਹਿ ਦੇ ਚਾਹ ਤਾਫ਼ ਧਾਰੇ ਖੋਲ੍ਹਾ ਧਾਰੇ ਗਿਆਨ ਹੈ।

(ii) ਦਿਹਿ ਦਿਹ ਮੇਰੇ ਪੁਸ਼ਟ: ਉਠੇ ਦਿਹੀ

(iii) ਦਿਹਿ ਦਿਹ ਮੇਰੇ ਪੁਸ਼ਟ: ਉਠੇ ਦਿਹੀ

(1) ਮੰਗੀਤ ਕਿਸ ਤੋਂ ਅਪਾਭਿਤ ਹੈ? (2) ਤਾਫ਼ ਕਿਹੇ ਸਮ ਦੇ ਕਰੀ ਕਿਸ ਕਿਸ ਦਾ ਮੁਕੱਦਮਾ ਹੋਵੇਗਾ? (3) ਧੰਦਿਆਂ ਕਿਸ ਕਿਹੇ ਧੰਦੀ ਹੋਵੇਗਾ?

ਮੰਦਰ ਉਠੇ ਨਾ ਮਿਲੇ ਦੇ ਦਿਹਿ ਅਪਿ ਧੰਦਿਆਂ ਦੇ ਕਰੇਗਾ। ਮੰਦਰ ਧੰਦਿਆਂ, ਅਸੀਂ ਅਸੀਂ ਚਾਹ ਤਾਫ਼ ਧਾਰੇ ਸਾਹਸਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰੇਗਾ।

ਦਿਹਿ ਅਪਿ ਪੁਸ਼ਟ ਮੰਦਰੀ, ਤਾਫ਼ ਦਿਹੀ ਅਤੇ ਮੁਆਤਮਰ ਦਿਹੀ ਹਾਰੀ ਪੜਾਵੇਗਾ।

ਦਿਸੈ ਉਲੇ:-

ਮਪਾਧ ਮਮੋਗੀ:-

ਮਪਾਧ ਉਲੇ:-

ਮਪਾਧ ਉਲੇ:-

ਮਪਾਧ ਉਲੇ:-

ਮਪਾਧ ਉਲੇ:-

ਮਪਾਧ ਉਲੇ:-

ਮਪਾਧ ਉਲੇ:-

ਮਪਾਧ ਉਲੇ:-

ਮਪਾਧ ਉਲੇ:-

ਮਪਾਧ ਉਲੇ:-

ਮਪਾਧ ਉਲੇ:-

## ਹਿਸਾ ਦਰਾੜ

ਤਾਜ ਪਹਿਲੇ :- ਭਾਰ ਤਾਜ 12 ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਦੀ  
ਤਾਜ ਦੀ ਹਿਸਾ ਤਾਜ ਵਿੱਚ 2-2  
ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਦੇ 8 ਹਿਤਾਹਿਤ ਹੋਣੇ ਸਮਝਾਏ ਜਾਂਦੇ  
ਆਉਣ ਤੇ ਸਮਝਾਏ ਹੋਣੇ ਪਾਏ ਜਾਂਦੇ।  
ਪਹਿਲੇ ਤੇ ਹਿਸਾਏ ਮਾਤਰਾ ਤੇ ਤਾਜੀ  
ਹੋਣੀ ਹੈ।

ਭਾਰ ਤਾਜ :-

| ਮਾਤਰਾ | 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 |
|-------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ਹਿਸਾ  | ੪  | ੦  | ੦  | ੨  | ੦  | ੩  | ੪  | ੫  | ੬  | ੭  | ੮  | ੯  |
| ਦੱਸ   | ਘਾ | ਘਾ | ਘਿ | ਤਾ | ਹਿ | ਘਾ | ਘਿ | ਤਾ | ਹਿ | ਤਾ | ਹਿ | ਤਾ |

## ਹਿਸਾ ਮਾਧਿ ਦੁਆਰਾ

ਹਿਸਾ ਮਾਧਿ ਦੁਆਰਾ ਦੇ ਭਾਰ  
ਤਾਜ ਦਾ ਹਿਸਾਏ ਮਾਧਿ  
ਪਹਿਲੇ ਹੋਵੇਗਾ। ਉਹਨਾਂ ਦੇ  
ਤਾਜ ਦੀ ਤਾਜੀ, ਘਾਘੀ,  
ਸਮ, ਹਿਤਾਹਿਤ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾਵਾਂ  
ਘਾਘੀ ਸਾਹਵਾਗੀ ਹੋਵੇਗਾ ਤੇ  
ਦੁਆਰਾ ਦੇ ਮਾਧਿ ਸਾਹਵਾਗੀ  
ਰਾਖੀਆਂ ਤੇ ਦਿਖਾਏ ਜਾਣੀ  
ਹੋਵੇਗਾ।

ਹਿਸਾ ਮਾਧਿ ਦੁਆਰਾ ਦੇ ਭਾਰ  
ਤਾਜ ਦਾ ਹਿਸਾਏ ਦੁਆਰਾ ਦੇ  
ਦਿਖਾਏਗਾ ਤੇ ਦੁਆਰਾ ਦੇ  
ਦੀ ਦਿਖਾਏ ਜਾਣੀ ਹੋਵੇਗਾ।



## ਨਿਰਿ ਨ੍ਰਿਮਾਨ

ਦੋਹੇ ਪਿਮਾਦ ਨਾਚ ਰਾਹ ਤਾਚ ਰਾ  
 ਧੀਰੈ ਸਾਹਦਗ ਮਤੇ ਅਪਿਮਾਪਕ  
 ਹਮਾਗ ਹਿੱਤੀ ਰਾਹ ਤਾਚ ਰੀ  
 ਸਾਹਦਗੀ ਹਿ ਪਿਮਾਦ ਨਾਚ ਸਮਝਗੀ  
 ਤੇ ਮਾਗੀ ਸਾਹਦਗੀ ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ  
 ਮੇਰੇ ਰਹੇਗੀ ।

ਨਿਰਿਮਾਨੀ ਰਾਹ ਤਾਚ ਰਾ ਰੇਖਾ  
 ਧਰਾਇਓ ਰੀ ਨ੍ਰਿਮਾ ਵੈਮਿਸ਼  
 ਰਹੇਗੀ ਤੇ ਅਪਿਮਾਪਕ ਹਿ  
 ਰਿਖਾਇਓਗੀ ।

## ਮਾਹਿਕ ਮਸੰਗਰੀ, ਰਾਖਾ ਤਖ਼ਤ

ਚੁਪ ਤਾਲ :

ਮਾਤਗਾਂ - 12

ਵਿਤਥਾ - 6

(2-2 ਮਾਤਗਾਂ)

ਧੀਰੀ ਮਾਤਗ

ਹੇ ਸਮ (X) ਤੇ।

ਧੀਰੀ, ਨੇਹੀ

ਅਤੇ ਗਿਯਾਹੀ

ਤੇ ਤਾਲੀ ਤੀਰੀ

ਤੇ।

## ਸਮੀਤਮ ਕੁੰਡਲਾਈ :-

- ① ਤਾਪ ਕਿਸਦੇ ਕਾਇਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ
- ② ਉਹ ਤਾਪ ਹੀਮਾਂ ਕੁੰਡ ਵਿਖੇ ਮੌਜੂਦ ਹੁੰਦਾ ਹੈ
- ③ ਉਹ ਤਾਪ ਕਿਸ ਉੱਤੇ ਲਗਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ

ਪਾਣੀ ਦਾ ਪ੍ਰਮਾਣ :-

ਮਾਸਿੰ  
ਵਿਖੇ ਮੌਜੂਦ

ਪਾਣੀ ਤੋਂ ਉਹ ਤਾਪ  
ਹੀ ਪਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ  
ਉਹ ਤਾਪ ਹੀ ਪਾਣੀ ਦੇ  
ਮਾਸਿੰਦਾ ਹੈ

*Handwritten signature*



ਪਾਠ  
ਦੀਤਾ : 14

ਵਿਦਿਅਕ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸੇਵਾ - 16/7

|             |             |
|-------------|-------------|
| ਸਮਾਜ :-     | ਮਤਰੀ        |
| ਵਿਸ਼ਾ :-    | ਮੰਗੀਤ       |
| ਉਪਾਧਿਕਾਰ :- | ਛੁੱਟੀ ਤਾਜ਼ਾ |
| ਸਮਾਂ :-     | 30-35 ਮਿੰਟ  |
| ਮਿਤੀ :-     | 22-11-12    |

ਸਪਾਗਨ ਸਮੱਗਰੀ :-

ਰਾਜਾ ਤਖਤ, ਚੌਰ, ਛਾਤਰ, ਮੰਤਰ ਅਤੇ ਸਪਾਗਨ ਸਮਾਜ

ਛੁੱਟੀ ਤਾਜ਼ਾ ਸਮਾਜ ਮੰਗੀਤ ਚੌਰ

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸਮੱਗਰੀ :-

ਸਪਾਗਨ ਉਦੇਸ਼ :-

(i) ਵਿਦਿਅਕ ਮੰਗੀਤ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਦਾਖਲਾ ਰਹਿਣਾ

(ii) ਵਿਦਿਅਕ ਮਾਨਸਿਕ ਮਤਰ ਉੱਤੇ ਰਹਿਣਾ

(iii) ਵਿਦਿਅਕ ਮਾਨਸਿਕ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਦਾਖਲਾ ਰਹਿਣਾ

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਉਦੇਸ਼ :-

ਦੱਖਿਆਂ ਦੇ ਛੁੱਟੀ ਤਾਜ਼ਾ ਚੌਰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸਮਾਜ ਸਾਹਿਬਗੀ

ਪੜ੍ਹਾਈ ਦੀ ਵਿਧੀ :-

(i) ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਧੀ (ii) ਚੌਰ - ਵਿਦਿਅਕ ਵਿਧੀ (iii) ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ - ਉੱਤੇ ਵਿਧੀ

ਸਮਾਜਿਕ ਪ੍ਰਭੂ

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ :-

ਵਿਦਿਅਕ ਅਧਿਕਾਰੀ ਵਿੱਚ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਛੁੱਟੀ ਤਾਜ਼ਾ ਚੌਰ ਸਾਹਿਬਗੀ

ਪ੍ਰਭੂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਦੀ

ਪ੍ਰਭੂ :-

(i) ਚੌਰੀ ਮੰਗੀਤ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਮਾਨਸਿਕ ਮੰਗੀਤ (ii) ਤਾਜ਼ਾ ਵਿੱਚ ਪਾਖੀ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਦਾਖਲਾ ਰਹਿਣਾ

ਉਪਾਧਿਕਾਰ ਦੀ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ :-

ਵਿਦਿਅਕ ਅਧਿਕਾਰੀ ਵਿੱਚ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਛੁੱਟੀ ਤਾਜ਼ਾ ਚੌਰ ਸਾਹਿਬਗੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਰਹਿਣਾ

ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ :-

ਵਿਦਿਅਕ ਅਧਿਕਾਰੀ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਵਿੱਚ ਵਿਧੀ, ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਵਿਧੀ ਅਤੇ ਚੌਰੀ ਵਿਧੀ ਮੰਗੀਤ ਪ੍ਰਾਪਤ ਰਹਿਣਾ

દિશા - ૧મરૂ

ઝાલ પાંચે :- કૂંપ ઝાલ 10 માડગાં હી ઝાલ  
 જે દિશા દિહે 2-3, 2-3 માડગાં  
 હે સાર દિગાગા હે જા. દિશા દિશે  
 પાંચી માડગાં હે મમ માલગાં ઝાલ,  
 ઝીમલી માડગાં હે દુસાં ઝાલ માલે માલે  
 માડગાં હે ઝીમલી ઝાલી હે જા

કૂંપ ઝાલ :-

| માડગાં | 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6,7 | 8  | 9  | 10 |
|--------|----|----|----|----|----|-----|----|----|----|
| દાંધ   | ધિ | ના | ધિ | ધિ | ના | ધિ  | ના | ધિ | ધિ |
| દિશા   | X  |    | 2  |    |    | 0   |    | 3  |    |

દિશા માપિ દુમાલો

દિશા માપિ દાંધીમાં હી  
 કૂંપ માલે રા દિમગાં  
 માલે પાંચે દુદગાં હે  
 રાપીમાં હે માગી સાદગાં  
 દિશા દેલી રહેગાં

દિશા માપિ દાંધીમાં હી  
 ઝાલ, ઝાલી, ઝાલી,  
 મમ, દિગાગા ધારે દિમગાં  
 માલે સાદગાં દુદગાં હે  
 દાંધીમાં હી મેર વગલ  
 દેલી રહેગાં



## ਵਿਦਿ ਪਿਆਰਾਂ

ਮਾਂ ਵਿਦਿ ਪਿਆਰ ਮਾਧ ਮਪਿਆਰ  
ਹੀ ਹਿੱਤੀ ਤਾਧ ਹੀ ਸਾਧਵਾਹੀ ਹੈ  
ਮੁਠਾਗਾਂ ਮਾਂ ਉਮਰੀ ਸਮਝਾਗਾਂ  
ਤੋਂ ਰਾਪੀਆਂ ਤੋਂ ਹੀ ਮੈਂ ਰਹਾਗਾਂ।

ਮਾਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਤਾਧ ਹੀ ਹਿੱਤੀ ਸਾਧਵਾਹੀ  
ਉਮਰੀ .ਤਾਧੀ, ਖਾਧੀ, ਸਮ,  
ਹਿਤਾਗ .ਮਾਂ ਮਾਤਾਗਾਂ ਹੈ ਮੁਠਾਗਾਂ,  
ਸਮਝਾਗਾਂ ਮਾਂ ਰਾਪੀਆਂ ਤੋਂ ਹੀ  
ਮੈਂ ਰਹਾਗਾਂ।

ਮਗਰੋਂ ਮੰਗਾਗੀ। ਕਾਧਾ ਤੁਧਤਾ

## ਕੁੱਝ ਤਾਲ :

ਮਾਤਾਗਾਂ - 10

2-3, 2-3 - ਦੇ ਚਾਰ

ਵਿਭਾਗ ਹਨ।

ਪਹਿਲੀ ਮਾਤਾ ਤੇ ਸਮ

ਹੈਂ। 1, 3, 8 ਤੇ ਤਾਲੀ

ਹੈਂ। ਛੇਵੀਂ ਮਾਤਾ ਤੇ

ਖਾਲੀ ਹੈਂ। ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਵਿੱਚ

ਇਸਨੂੰ ਫੁੱਲੀਐਂਡ ਤਾਲ ਹੀ

ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ।

Home work was given by P.T

ਮਧਿਅਮ

ਦੁਹਰਾਈ :-

1. ਛੱਪ ਤਾਪ ਦੀਆਂ ਵਿੱਧੀਆਂ  
ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਹਨ :-
2. ਇਸ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਸ ਮਾਤਰਾ ਤੋਂ  
ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ
3. ਛੱਪ ਤਾਪ ਦੇ ਮੈਜੀਟੂਡ ਵਿੱਚੋਂ ਸੀ  
ਕਿਹੜੇ ਹਨ
4. ਇਸ ਤਾਪ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਸ ਮਾਤਰਾ  
ਦੇ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਪਾਠ ਦਾ ਕੰਮ :-

ਮਾਠ ਵਿੱਚ ਮਾਤਰਾ ਦੀ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਤੋਂ ਛੱਪ  
ਤਾਪ ਦਾ ਪਹਿਚਾਣ, ਜਿਸ ਵਿੱਚੋਂ  
ਤਾਪ ਪਾਰ ਕਰਕੇ ਮਾਤਰਾ ਹੋਂਦੀ ਹੈ।

*Shubh*



ਪਾਠ  
ਕਿਸਤਾਂ: 15

ਵਿਦਿਅਕ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦਾ ਨਾਂ: - 16/7

ਸਮਾਂ: - 15/7

ਵਿਸ਼ਾ: - ਮੈਗੀਟ

ਉਪਵਿਸ਼ਾ: - 1 ਘਾਟ

ਸਮਾਂ: - 30-35 ਮਿੰਟ

ਮਿਤੀ: - 23-11-012

ਮਾਪਾਗੁ ਮਮੋਗੀਟ-  
ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮਮੋਗੀਟ-  
ਮਾਪਾਗੁ ਵਿਸ਼ੇਸ਼:-

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਸ਼ੇਸ਼:-  
ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਹੋ ਗਿਆ:-

ਮਾਪਾਗੁ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ  
ਗਿਆਨ:-  
ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਗਿਆਨ ਦੀ  
ਪ੍ਰਕਾਸ਼:-

ਉਪਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਦੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼:-

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਪ੍ਰਕਾਸ਼:-

ਭਾਗੇ। ਕਾਫ਼ੀ ਤਬਾਹੀ। ਭਾਗੇ। ਮੈਗੀਟ ਅਤੇ ਮਾਪਾਗੁ ਮਮੋਗੀਟ।  
ਘਾਟ ਮਾਪਾਗੁ ਮੈਗੀਟ ਭਾਗੇ।  
(i) ਵਿਦਿਅਕ ਮੈਗੀਟ ਗਿਆਨ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਦਾਪਾ ਰਗਦਾ।  
ਜਾਂ ਵਿਦਿਅਕ ਦੀ ਮੈਗੀਟ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਹੋਈ ਪੈਰਾ ਰਗਦਾ।  
(ii) ਵਿਦਿਅਕ ਦਾ ਮਾਪਾਗੁ ਤੇ ਚੰਪਿਰ ਮਤਰ ਉਥੋਂ ਰਗਦਾ।  
ਵਿਦਿਅਕ ਦੇ ਮੈਗੀਟ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਘਾਟ ਘਾਟ ਸਾਹਕਾਰੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਰਗਦਾ।  
(iii) ਵਿਦਿਅਕ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ (i) ਦਾਟ - ਵਿਦਿਅਕ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ (ii) ਪ੍ਰਕਾਸ਼  
ਉਥੋਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼।  
ਵਿਦਿਅਕ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦਾ ਮੈਗੀਟ ਹੈ ਉਥੋਂਗਾ ਕਿ ਵਿਦਿਅਕ ਦੇ ਘਾਟ  
ਘਾਟ ਸਾਹਕਾਰੀ ਹੈ।  
(i) ਮੈਗੀਟ ਦਾ ਮਾਪਾਗੁ ਕੀ ਹੈ (ii) ਮੁੱਖ ਮਹਾਂ ਦੀ  
ਮੈਗੀਟ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਹੈ (iii) ਵਿਦਿਅਕ ਮਹਾਂ ਦੀ ਮੈਗੀਟ  
ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਹੈ।  
ਮੈਗੀਟ ਉਥੋਂਗਾ ਮਾਪਾਗੁ ਤੇ ਵਿਦਿਅਕ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੇ  
ਰਗਦਾ। ਮਾਪਾਗੁ ਘਾਟ: ਮਾਪਾਗੁ ਘਾਟ ਹੈ ਵਿਸ਼ੇਸ਼  
ਘਾਟ ਸਾਹਕਾਰੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਰਗਦਾ।  
ਵਿਦਿਅਕ ਅਧਿਕਾਰੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਉਥੋਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਅਤੇ ਵਿਦਿਅਕ ਵਿਸ਼ੇਸ਼  
ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪ੍ਰਕਾਸ਼।

## हिमा समुद्र

मैं मृगों के समुद्र में निम हैं मैं मृग रा  
 मैं मृग का हिममित्र है ही ना बँही  
 मृग मैं हिममित्र राग ही हिममित्र मैं  
 मैं हिममित्र घाट बगिरे गद । मिनमित्र  
 है मृग। हिम घाट में मृग बगिरे गद ।  
 पीछे डाकघर की मे हिममित्री मीठी  
 पंखों हिम हम मृगों में महीरा रीता है

1. चिन्ता :- मा, र, ग, मा, पा, पा, नी,

2. रक्षिता :- मा, र, मा, मा, पा, पा, नी.

3. अमास :- मा, र, ग, मा, पा, पा, नी

4. कैर :- मा, र, ग, मा, पा, पा, नी

5. कैर :- मा, र, ग, मा, पा, पा, नी

6. पुष्पी :- मा, र, ग, मा, पा, पा, नी

7. सावदा :- मा, र, ग, मा, पा, पा, नी

## हिरे माप नीरमादा

हिरे माप चिन्ता है  
 घाट घाट हिममित्र राग  
 हमारा है राधीमा है  
 निममित्री ।

हिरेमापची चिन्ता है घाट  
 है पुष्पा घाट हमारा हि  
 र निममित्री हिरे माप मृग  
 मृग हमारे गद । रक्षिता  
 घाट हिरे मा रीरा मृग  
 है



## ਵਿਹਿ - ਭੁਗਾਨਾ

ਮਾਤ ਵਿਹਿਆਸੀ ਘਾਟ ਦੇ  
ਪ੍ਰਕਾਰਾਂ ਤੇ ਉਮਰੀ ਕਾਨ੍ਹਰਾਗੀ  
ਦੇ ਮੁਸਕਾਨਾਂ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ  
ਕਾਪੀਆਂ ਤੇ ਮੈਂ ਹੀ ਕਾਨ੍ਹਰਾਗੀ।

ਮਾਤ ਵਿਹਿਆਸੀ ਕਮਾਤ ਵਿਹਿ  
ਅਪਿਆਸ ਦੇ ਰੋਜ਼ੇ ਗਏ  
10 ਬਾਧਾਂ ਦੇ ਦੁਖਵਾਂ ਤੇ  
ਉਮਰੀ ਕਾਪੀਆਂ ਤੇ ਲੀ  
ਖਿਖਰਾਏ।

## ਗਾਇਕ ਗਾਏਗੀ

1. ਖਿਖਾਏ :- ਮਾ, ਭ, ਗਾ,  
ਗਾ, ਪਾ, ਪਾ, ਜੀ
2. ਕਾਨ੍ਹਰਾਗੀ :- ਮਾ, ਭ, ਗਾ,  
ਗਾ, ਪਾ, ਪਾ, ਜੀ
3. ਕਮਾਤ :- ਮਾ, ਭ, ਗਾ, ਮਾ,  
ਪਾ, ਪਾ, ਜੀ
4. ਕੇਂਦਰ :- ਮਾ, ਭ, ਗਾ, ਮਾ,  
ਪਾ, ਪਾ, ਜੀ
5. ਪ੍ਰਕਾਰ :- ਮਾ, ਭ, ਗਾ, ਮਾ,  
ਪਾ, ਪਾ, ਜੀ
6. ਕੇਂਦਰ :- ਮਾ, ਭ, ਗਾ, ਮਾ,  
ਪਾ, ਪਾ, ਜੀ
7. ਮਾਨ੍ਹਰ :- ਮਾ, ਭ, ਗਾ,  
ਗਾ, ਪਾ, ਪਾ, ਜੀ
8. ਕਾਨ੍ਹਰਾਗੀ :- ਮਾ, ਭ, ਗਾ, ਮਾ,  
ਪਾ, ਪਾ, ਜੀ, ਮਾ
9. ਮਾਨ੍ਹਰ :- ਮਾ, ਭ, ਗਾ,  
ਗਾ, ਪਾ, ਪਾ, ਜੀ
10. ਕੇਂਦਰ :- ਮਾ, ਭ, ਗਾ, ਮਾ,  
ਪਾ, ਪਾ, ਜੀ

## ਕਾਨ੍ਹਰਾਗੀ

### ਘਾਟ :

- ① ਬਿਲਾਵਲ ਘਾਟ
- ② ਰੀਲਾਵਲ ਘਾਟ
- ③ ਪ੍ਰਕਾਰ ਘਾਟ
- ④ ਕੇਂਦਰ ਘਾਟ
- ⑤ ਪ੍ਰਕਾਰ ਘਾਟ
- ⑥ ਮਾਨ੍ਹਰ ਘਾਟ
- ⑦ ਕਾਨ੍ਹਰਾਗੀ ਘਾਟ
- ⑧ ਕੇਂਦਰ ਘਾਟ
- ⑨ ਮਾਨ੍ਹਰ ਘਾਟ

ਅੰਤਿਮ  
ਦੁਆਰਾ : ੭

① ਖਾਹ ਕਿਸਨੂੰ ਕੀਤਾ  
ਜਦੋਂ

② ਹਿੰਮਤਾਲੀ ਕੀਤੀ  
ਪੱਪੜੀ ਵਿੱਚੋਂ ਬਿੱਲ ਖਾਹ

③ ਜਦੋਂ  
ਹੈਮ ਖਾਹਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਾਮ ਹੋਏ।



ਖਾਹ ਦੀ ਕੋਮ :

ਮਾਏ ਹਿੰਮਤਾਲੀ ਖਾਹ ਤੋਂ  
ਹੈਮ ਖਾਹਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਾਮ ਖਾਹੇ  
ਕਰੇ ਮਾਏਹੀ।



પાઠ  
લેખક ૧૬

દિરિં આપેલ પૈકી પૈકી - 1617

141131-

મંડેલી

દિરિં 1-

મેગીટ

ઉપદિરિં 1- 131 મેગીટ અને મામડી

મામડી 1-

30-35 મિટર

મિટી 1-

24-11-12

મામડી મામડી:

દિરિં મામડી:

મામડી ઉપદિરિં 1-

દિરિં 1. મામડી; મામડી 3431. મેગીટ અને મામડી

34 મેગીટ અને મામડી મેગીટ મામડી મેગીટ મામડી

(i) દિરિં મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી

(ii) મેગીટ મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી

(iii) મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી

દિરિં મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી

(i) મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી

દિરિં મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી

(i) મેગીટ મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી

દિરિં મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી

દિરિં મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી

દિરિં મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી

દિરિં મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી મામડી

## ਦਿਸ਼ਾ ਦਸਤ

ਮੰਗੀਤ ਦੀ ਦੂਸਰੀ ਤੇ ਮੰਗੀਤ ਮੁਢਲੇ ਸਮੇਂ  
ਅਤੇ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਮੁਢਲੇ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਦੇ  
ਦਸ਼ਿਆਂ ਤੇ। ਸਮੇਂ ਦੇ ਮੁਢਲੇ ਤੇ। (ਮਾਧਿਆਨ)  
ਕਿਸੇ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਤਰੀਕੇ ਗਾਂਡੇ ਗਾਏ। ਜੀ  
ਮੰਗੀਤ ਤੇ। ਅਸਲ ਵਿੱਚ ਮੰਗੀਤ  
ਇਹੋ ਸਮੇਂ ਮੁਢਲੇ ਤੇ ਕਿਸੇ ਵਿੱਚੋਂ ਗਾਏ,  
ਦਾਸ਼। ਅਤੇ ਮੰਗੀਤ ਤੇ। ਦਸ਼ਿਆਂ ਦੇ  
ਮੁਢਲੇ ਤੇ। ਗਿਣਤੀ ਤੇ।

ਗਾਂਡੇ ਮੰਗੀਤ ੨:੧ ਗਾਂਡੇ ਮੰਗੀਤ ਉਮਰੇ ਰਹਿੰਦੇ  
ਹਨ। ਕਿਸੇ ਵਿੱਚੋਂ ਮੁਢਲੇ  
ਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਮੁਢਲੇ ਦੇ ਪਾਧਰ ਮੁਢਲੇ ਰਹਿੰਦੇ  
ਚਾਰੇ। ਮੁਢਲੇ, ਮੁਢਲੇ ਅਤੇ ਗਾਂਡੇ ਦੇ ਮੁਢਲੇ  
ਮੁਢਲੇ ਅਤੇ ਮੁਢਲੇ ਰਹਿੰਦੇ ਮੁਢਲੇ ਮੁਢਲੇ  
ਰਹਿੰਦੇ ਤੇ।

ਮੁਢਲੇ ਮੰਗੀਤ ੨:੨ ਇਸ ਦੇ ਮੁਢਲੇ ਤੇ  
ਮੁਢਲੇ ਤੇ ਮੁਢਲੇ  
ਮੰਗੀਤ। ਗਾਂਡੇ ਮੰਗੀਤ ਮੁਢਲੇ, ਗਾਂਡੇ, ਗਾਂਡੇ,  
ਮੁਢਲੇ ਮੁਢਲੇ ਅਤੇ ਮੁਢਲੇ ਦੇ ਮੁਢਲੇ  
ਤੇ ਮੁਢਲੇ ਵਿੱਚੋਂ ਮੁਢਲੇ ਚਾਰੇ ਤੇ।

## ਦਿਸ਼ਾ ਅਧਿਕਾਰ ਦਸ਼ਿਆਂ

ਦਿਸ਼ਾ ਅਧਿਕਾਰ ਦਸ਼ਿਆਂ ਦੇ ਗਾਂਡੇ  
ਮੰਗੀਤ ਤੇ ਮੁਢਲੇ ਮੰਗੀਤ  
ਦੀ ਪਾਧਰ ਮੁਢਲੇ। ਮੁਢਲੇ  
ਮੁਢਲੇ ਤੇ ਰਾਧੀਆਂ ਤੇ  
ਮੁਢਲੇ ਦੇ ਰਹਿੰਦੇ।

ਦਿਸ਼ਾ ਅਧਿਕਾਰ ਗਾਂਡੇ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਚਾਰੇ  
ਵਿੱਚੋਂ ਦਸ਼ਿਆਂ ਦੇ ਮੁਢਲੇ  
ਮੁਢਲੇ ਰਹਿੰਦੇ ਤੇ ਮੁਢਲੇ ਮੁਢਲੇ  
ਗਾਂਡੇ ਮੰਗੀਤ ਵਿੱਚੋਂ ਰਾਧੀਆਂ  
ਰਹਿੰਦੇ ਗਿਣਤੀ ਤੇ।

ਦਿਸ਼ਾ ਅਧਿਕਾਰ ਮੁਢਲੇ ਮੰਗੀਤ  
ਦੇ ਚਾਰੇ ਵਿੱਚੋਂ ਮੁਢਲੇ ਮੁਢਲੇ  
ਰਹਿੰਦੇ ਤੇ ਮੁਢਲੇ ਮੰਗੀਤ  
ਦੀ ਮੁਢਲੇ ਅਤੇ ਗਾਂਡੇ।



# ਵਿਦਿ ਪਿਆਰੀ

## ਮਗੀਦਰ ਮਸੰਗਰੀ

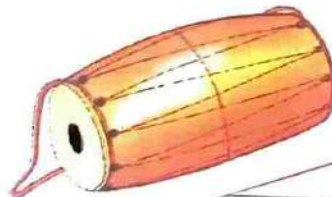
## ਕਾਘਾ ਤਖਤਾ

ਵਿਦਿ ਪਿਆਰੀ ਨਾਥ ਮੁਹਰਗੇ  
ਤੇ ਫੁੱਲ ਰੇਲਗੇ। ਮੰਗੀਤ  
ਮੁਖਰ ਮਸ + ਰੀਤ ਮੁਖਰ  
ਹੇ ਮੰਗ ਨਾਥ ਦਾਇਆ  
ਭਾ

ਮਾਇਦਾ, ਦਾਰਦ ਮਾਂਡੇ ਫੂਤ  
ਤਾਂ ਮੰਗੀਤ ਤੇ ਮਸੰਗਰੀ  
ਮੰਗੀਤ।

ਘੋਰੇ ਪਿਆਰੀ ਨਾਥ ਮੁਹਰਗੇ  
ਤੇ ਕਾਪੀਆਂ ਤੇ ਫਿਰਦਗੇ।

ਘੋਰੇ ਮਸੰਗਰੀ ਮੰਗੀਤ ਦੀ  
ਜਾਇਕਾਰੀ ਮੌਦ ਕਰਦਗੇ।



ਤਾਣ ਮੰਗੀਤ  
ਫੁੱਲ ਤੇ ਜਿਸ  
ਫਿੱਲੇ ਮਸੰਗਰ  
ਹੇ ਰੇਲਗੇ ਫਿਰਦਗੇ  
ਹਾ ਪਾਲਣ ਕੀ  
ਰੀਤਾਂ ਜਾਂਦਾ।  
ਤਾਣ ਮੰਗੀਤ  
ਫੁੱਲ Right  
Music ਰੀਤਿ  
ਭਾ  
ਮਸੰਗਰੀ ਮੰਗੀਤ  
ਹਾ ਭਰਬ ਤੇ  
ਮਸੰਗਰ ਤੇ  
ਮਾਧੀਗੀਤ  
ਮੰਗੀਤ।  
Means Classical  
Music

| ਵਿਸ਼ਾ : ਸਮਝ                                                                                                                                                      | ਵਿਦਿਅਕ ਪ੍ਰਮਾਣ                                                                    | ਵਿਦਿਅਕ ਪ੍ਰਮਾਣ                                                                               | ਮਹਾਰਾਜ ਸਮੇਂ                                                                         |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>ਪ੍ਰਮਾਣ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿੱਚ ਕੀ ਮੰਗੀਤ<br/>ਮੰਗ 1. ਤਾਜ 1. ਪੈਰਾਂ 1. ਗਾ<br/>ਮਾਏ ਸਿਖਮਾਂ ਵਿੱਚ ਦੱਖ<br/>ਕਰਕੇ ਗਾਇਆ ਜਾਰੇ ਤੇ<br/>ਦੁਆਇਆ ਜਾਰੇ ਤੇ ਮੁਸਤੱਬੀ<br/>ਮੰਗੀਤ ਕਿਹਾ ਜਾਰੇ ਤੇ</p> | <p>ਵਿਦਿਅਕ ਪ੍ਰਮਾਣ<br/>ਕਿ ਸਿੱਖਾਂ ਮੰਗੀਤ<br/>ਸਮਝ ਪਾਏ ਹਨ<br/>ਮਸਤੱਬੀ ਵਿੱਚ<br/>ਮਾਏ?</p> | <p>ਵਿਦਿਅਕ ਪ੍ਰਮਾਣ<br/>ਮਾਏ ਮਾਏ ਮਾਏ<br/>ਹੀ ਗੱਲ ਮੁਸਤੱਬੀ<br/>ਤੇ ਉੱਤਰ ਦਿੱਤਾ<br/>ਮਸਤੱਬੀ ਮੰਗੀਤ।</p> |  |

**ਮੰਗੀਤਮ ਪ੍ਰਗਟਾਵੀ :-**

1. ਤਾਜ ਮੰਗੀਤ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ
2. ਵਿਦਿਅਕ - 2 ਮੰਗੀਤਾਂ ਮੁਸਤੱਬੀ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਮਾਏ ਵਿੱਚ ਜਾਂਦਾ ਹੈ
3. ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਵਿੱਚ ਦੱਖ ਜਾਂਦਾ ਹੈ

ਪਾਠ ਦੀ  
ਕਿਸਮ :-

ਵਿਦਿਅਕ ਪ੍ਰਮਾਣ ਦੁਆਇਆ ਦੇ ਤਾਜ ਮੰਗੀਤ  
1. ਮੁਸਤੱਬੀ ਮੰਗੀਤ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ  
ਪਾਠ ਤੇ ਸਿਖਾਂ ਦੇ ਮਾਏ ਪਾਠ ਕਰਕੇ  
ਮਾਏ।



ਪਾਠ  
ਕੈਲਸਾ: 17

ਇਹਿੰ ਆਪਿ ਦਾ ਹੋਏ ਮਿਥਾ:- 1617

ਕਮਾਤ:-

ਅਠੀ

ਇਸਾ:-

ਮੰਗੀਤ

ਉਪਦਿਸਾ:- (ਤਖਤਾ ਅਤੇ ਉਮਰ ਅੰਗ)

ਮਮਾ:-

30-35-ਮਿਟ

ਮਿਤੀ:-

26-11-012

ਮਾਪਾਗੁ ਮਾਮੋਗੀ:-

ਇਸੇ ਮਾਮੋਗੀ:-

ਮਾਪਾਗੁ ਉਦੇਸ:-

(1)

(2)

(3)

(4)

ਇਸੇ ਉਦੇਸ:-

ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦਾ ਹੋਗਾ:-

ਪੂਰੇ ਅਧਿਕਾਰਿਤ

ਗਿਆਨ:-

ਪੂਰੇ ਗਿਆਨ ਦੀ

ਪਾਠ:-

ਉਪਦਿਸ਼ ਦੀ ਘੋਸ਼ਣਾ:-

ਪ੍ਰਸਤੁਤੀਕਰਨ:-

ਹੋਰ, ਰਾਜਾ ਤਖਤਾ, ਫ਼ਾਜ਼ਲ, ਮੀਰਤਰ ਅਤੇ ਮਾਪਾਗੁ ਰਸਗ।

ਤਖਤਾ ਅਤੇ ਉਮਰ ਅੰਗਾਂ ਦੇ ਰਸਮਊਤਾ ਯੋਜਨਾ ਉਘਰ।

ਇਹਿੰ ਦਾ ਗਿਆਨ ਇਹ ਦਾਪਾ ਰਸਗ।

ਇਹਿੰ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੁਰਤੀ ਇਹ ਦਾਪਾ ਰਸਗ।

ਇਹਿੰ ਦਾ ਮੁਖਰ ਤੇਰਾ ਇਹ ਦਾਪਾ ਰਸਗ।

ਇਹਿੰ ਇਹੋ ਮੰਗੀਤ ਇਸੇ ਦੀ ਪੂਰੀ ਕਾਇਰਾਗੀ ਹੋਗ।

ਇਹਿੰ ਦੇ ਤਖਤਾ ਅਤੇ ਉਮਰ ਅੰਗਾਂ ਦਾ ਰਸਗ।

ਤਖਤਾ ਇਸੇ ਗਤੀ ਘੋਸ਼ਣਾ ਦੇ ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ ਕਾਰਨਾ।

ਇਹਿੰ ਆਪਿ ਇਸੇ ਮੇਧੇ ਦੇ ਹੋਗੇਗ। ਕਿ ਮੰਗੀਤ ਮੇਧੇਪੀ ਕਾਇਰਾਗੀ ਹੋਗ।

ਇਹਿੰ ਆਪਿ ਦੇ।

(1) ਮੰਗੀਤ ਇਹੋ ਰਿਸ਼ਤ - 2 ਦਾਰਪ ਪ੍ਰਯੋਗ, ਰੀਤ ਕਾਰ ਹਦਾ (1) ਅਮੀਤ

ਪ੍ਰਸਤੁਤੀ ਦੇ ਰਿਸ਼ਤ ਦਾਰਪ ਦਾ ਅਧਿਕਾਰਤ ਰੀਤ? (1) ਪ੍ਰਿਤ

ਅਤੇ ਮੇਧੇ ਦਾਰਪ ਇਹੋ ਪ੍ਰਯੋਗ ਰਸਗ।

ਅੰਤਿਮ ਪ੍ਰਸਤੁਤੀ ਦਾ ਉੱਤਰ ਦਾ ਮਿਥਾ ਤੇ ਇਹਿੰ ਆਪਿ ਰਸਗ। ਅੱਠ

ਘੋਸ਼ਣੇ! ਅੱਠ ਅਮੀ ਤਖਤਾ ਦਾ ਰਿਸ਼ਤਾ ਮੰਗੀਤ

ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ।

ਪਾਠ ਤਖਤਾ ਇਸੇ ਤੇ ਪ੍ਰਸਤੁਤੀ ਉੱਤਰ ਇਸੇ ਗਤੀ ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ

ਕਾਰਨਾ।

## ਪਿਤਾ ਮਾਤ

ਤਵਾਰੀਖ: ਤਵਾਰੀਖ ਦਾਤਰ ਪੈਰ ਪ੍ਰੀਤ ਨਾਨਕ ਤੋਂ  
ਗਾਇਨ - ਗਾਇਨ ਪ੍ਰੀਤ ਪਿਤਾ ਮਿਤੀਤ ਹੈ  
ਪ੍ਰੀਤ ਮਾਤ ਮੈਂਦੇ ਗਾਇਨ ਪਿਤਾ ਤਵਾਰੀਖ ਦਾ  
ਮਾਤਰਿਕ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਤੋਂ ਤਵਾਰੀਖ ਦਾ ਮਾਤਰਿਕ ਰਹੇ  
ਤੋਂਦੇ ਸਾਂ ਪਿਤਾ ਮਿਤੀਤ ਪਿਤਾ ਪਿਤੀਤ ਪਿਤਾਮਾ  
ਮੇਂ ਮਾਤਰਿਕ - ੨ ਮੈਂਦੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਰੀਤੋਂ ਰਹੇ।  
ਤਵਾਰੀਖ ਦੇ ਗ੍ਰੰਥ 6 ਪਾਠਾਂ ਰਹੇ।

- (1) ਮਾਤਰਿਕਾ
- (2) ਦਮਾਸਤਮਾ
- (3) ਪ੍ਰਕਾਸ਼
- (4) ਗ੍ਰੰਥ ਪਾਠ
- (5) ਪਿਤਾ
- (6) ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ।

ਤਵਾਰੀਖ ਦੇ ਮਿਤੀ: ਤਵਾਰੀਖ ਦੀ ਸੰਕੀਰਤ ਪਿਤਾ ਪਿਤਾ  
ਮੈਂਦੇ ਮਾਤ ਮੈਂਦੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਤਵਾਰੀਖ  
ਤੋਂਦੇ ਤੋਂ ਮੈਂਦੇ ਤਵਾਰੀਖ ਮੈਂਦੇ ਰਾ ਮਾਤ ਮੈਂਦੇ  
ਤਵਾਰੀਖ ਪਿਤਾ ਪਾਤਰ ਰਾ ਮਾਤ ਮਿਤੀਤ ਰਾ  
ਦਮਾਸਤਮਾ ਤੋਂਦੇ ਤੋਂ

## ਪਿਤਾ ਮਾਤ ਪ੍ਰਕਾਸ਼

ਪਿਤਾ ਮਾਤ ਮਾਤ ਤੋਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼  
ਪਿਤਾ ਮੈਂਦੇ ਤਵਾਰੀਖ ਦੀ  
ਉਤਪੱਤੀ ਦਾਤਰ ਗ੍ਰੰਥਮਾ ਤੋਂ  
ਪਿਤਾ ਤਵਾਰੀਖ ਦੇ ਮਿਤੀਤ  
ਦਾਤਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਮੈਂਦੇ ਸਾਹਿਬਾਨੀ  
ਦੇਵਨਾਗਰੀ

ਪਿਤਾ ਮਾਤ ਮਾਤ ਤੋਂ  
ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਮੈਂਦੇ ਤਵਾਰੀਖਾਂ  
ਦਾਤਰ ਮਾਤ ਦਮਾਸਤਮਾ ਪਿਤਾ  
ਮਿਤੀਤ ਮਾਤ ਪ੍ਰਕਾਸ਼  
ਦਾਤਰ ਪਿਤਾ ਮੈਂਦੇ ਸਾਹਿਬਾਨੀ  
ਦੇਵਨਾਗਰੀ



ਜਿਹਿ ਫਿਰਮਾਵਾਂ

ਮਾਹਿਰ ਸੰਗੀਤੀ

ਬਾਜਾ ਤਬਤਾ

ਜਿਹਿ ਅਪਿ ਹੁਮਾਨ ਹੋਈ ਸਾ  
ਰੀ ਉਤਪਤੀ ਧਾਰ ਧਰ  
ਪਿਆਰ ਨਾਥ ਮੁਹਨਾ  
ਤੇ ਦੱਖ - 2 ਯੋਗੀ ਮੀਰਜੀ  
ਸਾਹਬਾਨੀ ਗਮਿਖ ਰਸਮੀ।

ਤਬਤਾ ਦੇ ਸੰਗੀਤ

- ① ਮਿਲਾਹੀ
- ② ਚਾਂਟੀ
- ③ ਰਾਜਗੀ
- ④ ਧੋਪਰੀ
- ⑤ ਗੋਲਾ
- ⑥ ਮੁਹਨਾ
- ⑦ ਧੋਰ



ਮਾਹਿਰ ਜਿਹਿ ਹੋਈ ਸਾ ਰੀ  
ਤਬਤਾ ਦੇ ਸਾਹਬਾਨੀ ਤੇ  
ਮਿਲਾਹੀ ਦੇ ਸਾਹਬਾਨੀ  
ਤੇ ਗਮਿਖ ਰਸਮੀ।

ਤਬਤਾ ਤੇ  
ਉਮਰੇ ਅੰਗ

ਮੱਲਾ - ਬੱਧਾ

ਤਬਤਾ

① ਮਿਲਾਹੀ

② ਚਾਂਟੀ

## ਪਿਆਰ ਸਮਝ

ਮੈਂਪ ਦੁਹਰਾਈ ੨:੧

1. ਤੁਧਰੇ ਦੇ ਮੁੱਥ ਪਿਛੇ ਘਰਾਏ ਹਨ
2. ਇਹਨਾਂ ਘਰਾਏਆਂ ਦੇ ਕੀ-ਕੀ ਨਾਮ ਹਨ
3. ਤੁਧਰੇ ਦੇ ਪਿਛੇ ਪੈਰ ਮਰਿਆਂ ਦੇ ਨਾਮ ਹਨ।

1. ਮਿਠਾਈ

2. ਚੀਟੀ

3. ਗੀਜਰ

4. ਘਪਰੀ

5. ਮੁੰਦਰੀ

6. ਗੱਠ

7. ਘਰ

## ਪਿਰਿ-ਮਪਿ-ਪ੍ਰਿਠਾਸੀ

ਪਿਰਿ-ਮਪਿ-ਪ੍ਰਿਠਾਸੀ  
ਜੇ ਹੋਵੇ ਤੁਧਰਿਆਂ ਨੂੰ  
ਮਿਠਾਈ ਤੇ ਘਾਮਰ  
ਗੱਠੀ। ਗੀਜਰ, ਮਾਂ  
ਘਪਰੀ ਤੇ ਗੱਠਾਂ ਘਾਟ  
ਸਾਫ਼ਰਾਹੀ ਦੇਵੇਗਾ।

ਪਿਰਿ-ਮਪਿ ਮੁੰਦਰੀ ਤੇ  
ਘਰ ਘਾਟ ਸਾਫ਼ਰਾਹੀ  
ਦੇਵੇਗਾ ਤੇ ਤੁਧਰੇ ਨੂੰ  
ਘਾਠਿਓਂ ਦਾ ਮਹੀ ਦਿੰਦਾ  
ਹੋਵੇਗਾ।



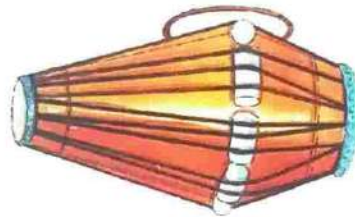
ਇਹ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਾਂਤ

ਮਾਹਿਰ ਕੰਮਗੀ

ਦਾਖਾ 3437

ਇਹ: ਹੋਮੀ ਸਾ ਰੀ ਸਾਹਸਰੀ  
 ਸਾਂਦੀ, ਮਕਾਸ, ਘੱਪਰੀ,  
 ਮੱਠਾ ਘੱਟ ਸਾਹਸਰੀ ਹੋ  
 ਗਮਿਖ ਵਰਦਾ ਤੇ ਠਾਗ  
 ਰੀ ਮਮਫ਼ਰੀ।

ਇਹ: ਹੋਮੀ ਸਾ ਰੀ  
 ਮੁੰਦਰੀ ਤੇ ਘੱਟ ਹੀ ਸਾਹਸਰੀ  
 ਗਮਿਖ ਵਰਦਾ।



- ③ ਗਾਨਗਾ
- ④ ਘੱਪਰੀ
- ⑤ ਮੱਠਾ
- ⑥ ਮੁੰਦਰੀ
- ⑦ ਲਟ

## ਮੀਡਿਅਮ ਦੁਹਾਈ :-)

- ① ਮੀਡਿਅਮ ਦਾ ਮਤ 3° ਯੋਗਿਕ ਦਾਹਲਾ  
ਵਿਸ਼ਵ ਮੀਡਿਅਮ ਬਾਰਾ 3°
- ② ਮੀਡਿਅਮ ਬੁਨਾਰੇ ਦੇ ਵਿਸ਼ਵ ਦਾਹਲਾ ਦਾ  
ਮੀਡਿਅਮ ਬੁਨਾਰੇ 3°
- ③ ਤੁਲਨੇ ਦੇ ਵਿਸ਼ਵ ਬੁਨਾਰੇ ਮੀਡਿਅਮ 3°
- ④ ਤੁਲਨੇ ਦੇ ਵਿਸ਼ਵ ਮੀਡਿਅਮ 3° ਵਿਸ਼ਵ-2  
3°

ਬਾਰੇ ਦਾ ਵਿਸ਼ਵ :-)

ਮੀਡਿਅਮ ਬੁਨਾਰੇ ਦਾ 3° ਤੁਲਨੇ

ਦੇ ਬਾਰੇ 3° ਮੀਡਿਅਮ ਦੀ ਬਾਹਰੀ

ਬਾਰੇ ਦਾ 3° ਮੀਡਿਅਮ 3°



ਪਾਠ  
ਦੀਨਾ : 18

ਦਿਵਿ. ਮਾਪਿ. ਦਾ ਮੰਦ ਮੰਦ :- 16/17  
 ਸਮਾਜ :- 'ਮਠਈ'  
 ਰਿਸ਼ਾ :- 'ਮੰਗੀਤ'  
 ਉਪਦੇਸ਼ :- 'ਤਖਤਾ ਮਿਖਾਏ'  
 ਸਮਾਂ :- 30-35-ਮਿੰਟ  
 ਮਿਤੀ :- 27-11-19

ਮਧਾਨ ਸਮਾਜ :-  
 ਦਿਵਿ. ਸਮਾਜ :-  
 ਮਧਾਨ ਉਦੇਸ਼ :-  
 ਦਿਵਿ. ਉਦੇਸ਼ :-  
 ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਦੀ ਵਿਧੀ :-  
 ਮਨੁਸ਼ੀਅਤ ਪ੍ਰਾਚ  
 ਰਿਸ਼ਾ :-  
 ਪ੍ਰਾਚ ਰਿਸ਼ਾ ਦੀ  
 ਪਾਠ :-  
 ਉਪਦੇਸ਼ ਦੀ ਪ੍ਰਾਚ :-  
 ਪ੍ਰਮਤਤੀਕਰਨ :-

ਭਾਵੇਂ ਰਾਜਾ ਤਖਤਾ, ਮੰਗੀਤ, ਮਧਾਨ ਸਮਾਜ, ਕਮਰਾ,  
 ਤਖਤਾ ਮਿਖਾਏ ਦਾ ਦੰਗ,  
 (i) ਦਿਵਿ. ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਰਿਸ਼ਾਏ ਵਿੱਚ ਦਾਖਾ ਕਰਨਾ,  
 (ii) ਮੰਗੀਤ ਪ੍ਰਤੀ ਪ੍ਰਤੀ ਪੈਰਾ ਕਰਨੀ,  
 (iii) ਮਾਨਸਿਕ ਤੇ ਦੈਵਿਕ ਮਤਰ ਉੱਠਾ ਕਰਨਾ।  
 ਦਿਵਿ. ਦੇ ਤਖਤਾ ਮਿਖਾਏ ਮਿਖਾਏ।  
 (i) ਰਿਸ਼ਾਏ ਵਿਧੀ (ii) ਦਾਦ-ਦਿਵਾਦ ਵਿਧੀ  
 ਦਿਵਿ. ਮਾਪਿ. ਦਾ ਮੰਦ ਵੇ ਚੰਦਨਾ ਰਿ ਦਿਵਿ. ਦੇ ਤਖਤਾ ਦੇ  
 ਪਾਠ ਘੋੜੀ ਘੜਤ ਸਾਹਕਾਰੀ ਹੈ।  
 (1) ਤਖਤਾ ਦੀ ਉਪਰਤੀ ਕਰੋ ਪ੍ਰੇਮੀ।  
 (2) ਤਖਤਾ ਦੇ ਦੰਦਾਂ ਤਾਗਾਂ ਦੇ ਵੀ ਕਰਿਓ ਪ੍ਰੇਮ।  
 ਮੰਗੀਤ ਪ੍ਰਮਾਦ ਵਿਚ ਦਿਵਿ. ਮਾਪਿ. ਕਰੇਗਾ ਮੱਠਾ ਘੋੜਿ; ਮਨੋ  
 ਮਨੀ ਤਖਤਾ ਘਾਠੇ ਰਿਸ਼ਾਏ ਮੰਗੀਤ ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਤੇ ਸਾਹਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਚੀਨ।  
 ਪਾਠ ਤਾਗ ਵਿਧੀ ਗਤੀ ਪ੍ਰਾਚੀਨਾ ਸਾਹਕਾਰੀ।

15/11/23

[illegible]

ਤਖ਼ਤੋਂ ਹੈ ਜਥੇੜੀ ਦੀ ਮਗਾਇਤ। ਮਾਧ  
 ਜਿਸਾਇਆ ਸਾਰੇ ਜੋ ਮਰਦ ਦੇ ਤਖ਼ਤੋਂ ਹੈ ਜਥੇੜੀ  
 ਦੀ ਮਗਾਇਤ। ਮਾਧ - ਜਿਸਾਇ ਮਾਧ ਉਥੋਂ। ਸੀਤਾ  
 ਕੁਝ ਦੇ ਘਰੀ ਗੱਥੀਆਂ ਤੇ ਫਿਰ - ਲੰਬੇ ਪਸਾਰ  
 ਕੀਤਾ ਸਾਰੇ ਜੋ ਮਰਦ ਮਰਦ ਤੇ ਪੈਰ ਮਰਿਤਾ ਜੋ  
 ਤਾਂ ਗਜ਼ਰੇ ਤੇ ਜਥੇੜੀ ਉਥੋਂ ਜਾ ਯੋਧੇ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ  
 ਪਸਾਰ ਕੀਤਾ ਸਾਰੇ ਜੋ

દારણ દિલ ગરુ કે જમપિર પૂરવિત્ત વારણ,  
કલ્યાણે હી દારણ હી ફિગંમડાઈ યાહી સાંજી જે  
ગરે રિયરી મિલખમા હી મળિય જે

Zeitungs- und Zeitungs-  
Zeitung

हिंदी भाषा-हिंदी  
 के उच्चतर शिक्षा  
 का सम समझ  
 प्राप्त होगा कि  
 हिंदी भाषा के समझ  
 के लिए कि हिंदी भाषा  
 प्राप्त शिक्षा  
 साधन है



ਦਿਰਿੰ ਰੁਮਾਸੀ

ਦਿਰਿੰ ਰੁਮਾਸੀ ਰੁਮਾਸੀ ਦਿੱਤੀ ਸਾ ਰਾਹੀ  
ਤਖ਼ਤਾ ਮਿਲਾਇਆ ਹੀ ਜਾਵਾਗੀ ਮੇਂ ਚੰਗੇ  
ਧਿਆਨ ਨਾਲ ਮਮਾਫ਼ਗੀ।

ਮਾਗੀਏ ਮਮਾਫ਼ਗੀ, ਰਾਖਾ ਤਖ਼ਤਾ

ਤਖ਼ਤਾ ਨੂੰ ਮ ਅਤੇ  
ਧ ਤੇ ਮਿਲਾਇੰਦੇ  
ਜਾ ਪਹੁੰਚੇ ਜੇ  
ਗੁਆਂ ਦਿੱਤ ਧ  
ਮਦ ਦੁਆਰਾ ਤੇ,  
ਉਸ ਦਿੱਤ ਧ ਮਦ  
ਤੇ ਮਿਲਾਇੰਦੇ ਜਾ।



ਸ਼ੀਸ਼ਮ ਦੁਹਾਈ ੧-੭ 1. ਤਖ਼ਤ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਤੋਹ ਹੋਵੇ

2. ਤਖ਼ਤ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਮਗਰੋਂ ਨਾ ਮਿਲਾਇਆ ਜਾਵੇ

3. ਹਿੱਸੇ ਪਰੋਤ ਨਾ ਮਿਲੇ ਹੋਣੇ ਮਿਲਾਇਆ ਹੋਵੇ

ਘਰ ਦੇ ਕੰਮ ੧-੭

ਮਾਗੇ ਹਿੱਸਿਆਂ ਦੀ ਘਰ ਤੋਂ ਤਖ਼ਤ  
ਮਿਲਾਇਆ ਘਰੇ ਹਿੱਸੇ ਤੋਂ ਘਰ  
ਕੇਵੇਂ ਮਿਲਾਇਆ।

*Handwritten signature*



ਪਾਠ  
ਜੈਸਰਾ 119

ਜਿਹਿ ਅਧਿਕਾਈ ਹੋਇ ਨਿਬੰਧ :- 16:17

ਸਮਾਭ 1 - ਮੰਤਰੀ

ਦਿਸਾ 1 - ਮੰਤਰੀ

ਉਪਦਿਸਾ 1 - ਮਿਤਾਭ ਦੇ ਮੰਤਰੀ

ਸਮਾ 1 - 30-31 ਮੰਤਰ

ਮਿਤੀ 1 - 28-11-12

ਸਪਾਹਦ ਸਮਝਾਓ :-

ਦਿਸਾ ਸਮਝਾਓ :-

ਸਪਾਹਦ ਉਦੇਸ਼ :-

ਦਿਸਾ ਉਦੇਸ਼ :-

ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦੀ ਵਿਧੀ :-

ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਪ੍ਰਾਧ

ਗਿਆਨ :-

ਪ੍ਰਾਧ ਗਿਆਨ ਦੀ

ਵਿਧੀ :-

ਪ੍ਰਮਤਤੀਰਥ :-

ਭਾਰੇ, ਰਾਖਾ, ਤਖਤ, ਭਾਗ, ਮੈਰੇਤਰ ਅਤੇ ਸਪਾਹਦ ਕਮਰ।  
ਮਿਤਾਭ ਦੇ ਉਮਰੇ ਮੰਗੇ ਹੋ ਰਖਮਾਉਣੇ ਹੋਇਆ ਹੋਇ।

(i) ਜਿਹਿ ਦੇ ਗਿਆਨ ਹਿੰ ਦਾਪਾ ਕਰਨਾ।

(ii) ਜਿਹਿ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਰਤੀ ਹਿੰ ਦਾਪਾ ਕਰਨਾ।

(iii) ਮੰਗੀਤ ਹਿੰ ਦੀ ਹੋਈ ਹਿੰ ਦਾਪਾ ਕਰਨਾ।

ਜਿਹਿਆਧੀ ਹੋ ਮਿਤਾਭ ਦੇ ਮੰਗੇ ਧਾਰੇ ਸਾਫ਼ਰਾਹੀ ਹੋਇ।

(i) ਦਿਸਾਧਿਯਾ ਕਰਨਾ (ii) ਪ੍ਰਮਤ ਉੱਤੇ ਦਿਪੀ।

ਜਿਹਿ ਅਧਿਕਾਈ ਮੰਦ ਦੇ ਹੋਇਆ ਹੋ ਜਿਹਿਆਧੀ ਹੋ ਮਿਤਾਭ  
ਦੇ ਮੰਗੇ ਧਾਰੇ ਪੜ੍ਹੀ ਧਾਰੇ ਸਾਫ਼ਰਾਹੀ ਹੋ

(i) ਪਮਰੇ ਧਾਰੇ ਰਿਤਾਭ ਦਾਪਾ ਕਰਨਾ ਕਰਨੇ ਮੰਦ

(ii) ਜਿਹਿ ਤਾਭ ਦੇ ਦਾਪਾ ਹੋ ਦਾਪਾ ਹਿੰ ਦੀ ਰਿਤਾ ਸਾਫ਼ਰਾਹੀ

(iii) ਮਿਤਾਭ ਧਾਰੇ ਤੁਮੀ ਹੋ ਸਾਫ਼ਰਾਹੀ ਹੋ

ਪਾਠ ਕਰਨੇ ਦਿਪੀ ਤੇ ਪ੍ਰਮਤ ਉੱਤੇ ਦਿਪੀ ਰਾਹੀ ਪੜ੍ਹਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ



# ਵਿਸ਼ਾ ਵਸਤੂ

ਮਿਤਾਹ ਦੀ ਵਿਤਿਗਮ :- ਮੁਗਲ ਸਮਰਾਟ  
ਮੁਹਮਦਸ਼ਾਹ ਤੇਗ਼ੀਓ  
ਦੇ ਸ਼ਾਸਨਕਾਲ 1719-1728 ਵਿੱਚ ਮੇਸਤਰਾਂ  
ਮਲਹਾਰੀ ਮੁਹੰਮਦ ਸ਼ਾਹ ਤੇਗ਼ੀਓ ਦੇ ਕੋਲ  
ਤੁਹਾ ਬੁਲਾਏ ਜਾਂ ਇਕ ਦਾਰਖੁਸ਼ਤਿ  
ਮੀ, ਕਿਸੇ ਤੋਂ ਦੇ ਉਪਰ ਖਰੀਦੀ  
ਦੀ ਭਾਤ ਦੇ ਆਪਣੇ ਆਪਣੇ  
ਉਪਰ ਤੇ ਤਿੰਨ ਭਾਗੇ ਮੀ।

## ਮਿਤਾਹ ਦੇ ਅੰਗ :-

1. ਤੋਧਾ :- ਤੋਧਾ, ਗੋਲ ਅਤੇ ਚਪਟੇ  
ਆਕਾਰ ਦੀ। ਉਹ ਇਕ ਚੁਕਾ  
ਅਤੇ ਇੱਕੋ ਥਾਂ ਹੀ ਹੋਂਦ  
ਲੈਂਦਾ ਹੈ।
2. ਤਪਖੀ :- ਤੋਧੇ ਦੇ ਉਪਰ ਉੱਪਰ  
ਆਕਾਰ ਦੀ ਖਰੀਦੀ ਖਰੀਦੀ  
ਜਾਂਦੀ ਹੈ।
3. ਖੇਗੋਟ :- ਖੇਗੋਟ ਮਿਤਾਹ ਦੇ ਤੋਧੇ ਦੇ  
ਘੇਰੇ ਘੇਰੀ ਹੋਈ ਕਿੱਚ ਹੈ  
ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ।
4. ਸੁਧਾ :- ਮਿਤਾਹ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਤੇ  
ਦੁਸਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਇਕ ਮੋਟੀ  
ਪਿੱਠੀਆ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿਸੇ ਦੇ ਸੁਧਾ  
ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ।
5. ਪੁਕੜ :- ਪੁਕੜੀ ਦੇ ਪੁਕੜ ਦੀ ਕਹਿੰਦੇ  
ਹਨ। ਇਹ ਮਾਤਰ ਦੇ ਮਿੱਥ  
ਹੁਕਮੀ ਦੇ ਹਨ। ਜੋੜੀ ਅਤੇ ਮੁਖਿਅ  
ਦੀ ਖਰੀਦੀ ਤੇ ਖਰੀਦੀ ਹੈ।

# ਵਿਸ਼ਾ ਅਧਿਕਾਰ

ਵਿਸ਼ਾ ਅਧਿਕਾਰ ਅਤੇ  
ਪਹਿਲੀ ਮਿਤਾਹ ਦੀ  
ਉਤਪੱਤੀ ਬਾਰੇ  
ਹੱਦਾਂ। ਇਹ ਮਿਤਾਹ  
ਦੇ ਅੰਗਾਂ ਬਾਰੇ  
ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਾ।

ਵਿਸ਼ਾ ਅਧਿਕਾਰ ਅਤੇ  
ਪਹਿਲੀ ਤੋਧੇ ਬਾਰੇ  
ਤੇ ਇਹ ਤਪਖੀ  
ਬਾਰੇ ਹੱਦਾਂ।

ਵਿਸ਼ਾ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ  
ਦੀ ਖੇਗੋਟ, ਸੁਧਾ  
ਅਤੇ ਪੁਕੜ ਬਾਰੇ  
ਹੱਦਾਂ ਤੇ ਮਾਤਰ  
ਜਾਂ ਚਾਹਤ ਹੋਈ  
ਜਮਫ਼ਾਈ।

# ਵਿਸ਼ਾ ਵਿਸ਼ਾ

ਵਿਸ਼ਾ ਅਧਿਕਾਰ  
ਹੱਦਾਂ ਜਾਂ ਹੋਰ  
ਜਾਣਕਾਰੀ ਵਿਸ਼ੇ  
ਆਪਣੀਆਂ ਵਾਪੀਆਂ  
ਤੇ ਹੋਰ ਕਾਰਨਾਂ।

ਵਿਸ਼ਾਅਧਿਕਾਰੀ ਹੱਦਾਂ  
ਜਾਂ ਹੋਰ ਤੋਧੇ  
ਅਤੇ ਤਪਖੀ  
ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ  
ਗਮਿਲ ਅਨੁਸਾਰ  
ਕੁਝ ਵਾਪੀਆਂ  
ਤੇ ਖਿਧਰੀ।



# ਪਿਸ਼ਾ ਹਮਰੂ

⑥ ਮੁਸ਼ਾਹੀ :- ਘੁੜਕੇ ਦੀ ਸਮ ਗਤੀ ਹੈ  
ਜਾਗੀ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਇਕ ਮਾੜੇ  
ਤੇ ਇਸਦੀ ਠੀਕ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਹੈ।

⑦ ਗੁੱਧ :- ਜਿਸ ਥਾਂ ਤੇ ਡੁੱਬਾ ਹੈ  
ਫੌਕੇ ਸੁਕਦੇ ਹਨ। ਉਸ ਭਾਗ ਹੈ  
ਮੌਧ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ।

⑧ ਡੁੱਬ :- ਇਹ ਸਮੁੱਚੇ ਦੀ ਖੜਕੀ ਦਾ  
ਦਾਇਮਾ ਹੋਣਾ ਹੈ ਅਤੇ ਡੁੱਬ  
ਇਹ ਸੁਕਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਡੁੱਬ ਦੇ ਮਾਧਿਅ  
ਭਾਗ ਇਹ ਹੋਣਾ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਦਾਇਰ  
ਫੌਕੇ ਹੋਏ ਹਨ।

⑨ ਮੌਧ :- ਤਾਹਗਾਧ ਮਾਧ ਫਿੱਫੀ  
ਮੌਧੀ ਉਮਰ ਦਾਮਦ ਹੋਣੀ  
ਹੈ। ਜਿਸ ਤੇ ਤਾਹ ਹੋਵੇ ਹਨ।

⑩ ਤਾਹਗਾਧ :- ਇਹ ਗਤੀ ਦੇ ਅਤੇ  
ਉੱਚੀ ਹੀ ਇਕ ਪਾੜੀ  
ਪੌਰੀ ਦੀ ਹੋਣੀ ਹੈ। ਜਿਸ ਵਿਚ ਦਾਇਰ  
ਫੌਕੇ ਹੋਏ ਹਨ।

⑪ ਪੁਰਾ :- ਪੁਰਾਣੀਆਂ ਦੇ ਮੁਰਗੀ ਜਾਂ  
ਮਾਧਿਕਾ ਹੀ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ।  
ਇਹ ਥਾਂ ਅਤੇ ਪਿੱਛੇ ਵੀਆਂ ਮਿਥਾਇਆ  
ਹਨ। ਜਾਂ ਡੁੱਬ ਤੇ ਡੁੱਬ ਤੇ  
ਦੀਨ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

## ਜਿਹਿੰਮਾਧ ਪੁਰਾਣੀ

ਜਿਹਿੰਮਾਧ ਪੁਰਾਣੀ  
ਤੇ ਮੌਧ ਪਾੜੀ  
ਜਾਹਗਾਧੀ ਦੇਣਾ  
ਤੇ ਫਿੱਫੀ ਦੇ  
ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ ਫਿਥਰ  
ਫੌਕੀ ਹੀ ਰਹੇਗਾ।

ਜਿਹਿੰਮਾਧ ਪੁਰਾਣੀ  
ਤੇ ਦਾਮਦ ਦਾਇਮਾ  
ਹੈ ਦਾਇ-2 ਡੁੱਬ,  
ਤਾਹਗਾਧ, ਮੌਧੀ,  
ਪੁਰਾਣੀਆਂ ਦਾੜੀ  
ਜਾਹਗਾਧੀ ਦੇਣਗੇ।

ਜਿਹਿੰਮਾਧ ਮਿਸ਼ਰਾਧ  
ਤੇ ਤਾਹ ਪਾੜੀ  
ਜਾਹਗਾਧੀ ਜਿਹਿੰਮਾਧ  
ਦੇ ਦੇਣਗੇ।

## ਜਿਹਿੰਮਾਧ ਪੁਰਾਣੀ

ਜਿਹਿੰਮਾਧ ਪੁਰਾਣੀ  
ਜਾਹਗਾਧੀ  
ਮੁਕਾਧੀ।

ਜਿਹਿੰਮਾਧ ਪੁਰਾਣੀ  
ਜਾਹਗਾਧੀ ਗਮਿਥ  
ਫੌਕੀ ਵਾਪੀਆਂ  
ਤੇ ਫਿਥਰ।



# ਜੀਤਨ ਦੁਆਰਾ

1. ਮਿਤਾਨ ਵਿਚੋਂ ਜਿਹੜੇ ਤਰ੍ਹਾਂ  
ਉਹੇ ਹਨ ?
2. ਮਿਤਾਨ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਜਿਹੜੇ ਉਹੇ  
ਹਨ ?
3. ਮਿਤਾਨ ਵਿਚੋਂ ਪੁਰਾਣੇ ਹਨ  
ਜਿਹੜੇ ਉਹੇ ਹਨ ?
4. ਮਿਤਾਨ ਦੇ ਮਿਤਾਨਾਂ ਦੇ ਨਾਮ  
ਹਨ ?

P.T. wal Complaint

ਘਰ ਦੇ ਕੰਮ :

ਮਾਨੋ ਪਿਰਮਾਤੀ ਘਰ ਦੇ ਮਿਤਾਨ  
ਦੀ ਕਾਨੂੰਗੀ ਘਰ ਦੇ ਕੰਮਾਂ  
ਘਰ ਵਿਚ ਹੋ ਤੇ ਘਰ ਦੇ ਮਿਤਾਨਾਂ।



ਪਾਠ  
ਜਿਸਤਾ : 20

ਵਿਹਿੰ ਆਪਿੰ ਦਾ ਹੋਵੇ ਨਿਯਮ :- 16/7

ਸਮਾਤ :- ਮਤੀ

ਵਿਸ਼ਾ :- ਮੰਗੀਤ

ਉਪਾਦੇਸ਼ :- ਮਿਤਾਮ ਮਿਥਾਹਾ

ਸਮਾਂ :- 30-35 ਮਿੰਟ

ਮਿਤੀ :- 29-11-012

ਮਾਪਾਮ ਮਮੰਗੀ :-

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮਮੰਗੀ :-

ਮਾਪਾਮ ਉਦੇਸ਼ :-

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਉਦੇਸ਼ :-

ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦੀ ਵਿਧੀ :-

ਮਾਪਾਮਿਤ ਪੁਰਖ

ਵਿਸ਼ਾਮ :-

ਪੁਰਖ ਵਿਸ਼ਾਮ ਦੀ

ਪੜ੍ਹਾਉਣ :-

ਪ੍ਰਮਤੀਤੀਤ :-

ਭਾਂਡਾ, ਕਾਨਾ, ਤੁਝਾ, ਮੀਰਤ, ਮਾਪਾਮ ਸਮਾਤ ਦਾ ਮਾਪਾਮ ਕਮਗ।  
ਮਿਤਾਮ ਮਿਥਾਹਾ ਦੇ ਚਾਰੇ ਸਾਹਵਾਨੀ ਹੋਣ।

(i) ਵਿਹਿੰ ਦਾ ਮਥਪੋਖੀ ਵਿਰਾਮ ਕਰਨਾ।

(ii) ਵਿਹਿੰ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਪੂਰੀ ਕੁਝੀ ਦੁਆਉਣਾ।

(iii) ਮੰਗੀਤ ਵਿਸ਼ਾਮ ਵਿਹਿੰ ਦਾਪਾ ਕਰਨਾ।

ਵਿਹਿੰ ਦੇ ਮਿਤਾਮ ਮਿਥਾਹਾ ਦਾ ਮਤੀ ਕੀਤਾ ਹੋਵੇ।

(i) ਦਾਦ-ਵਿਦਾਦ ਵਿਧੀ (ii) ਪ੍ਰਮਤੀਤੀਤ ਉਤਰ (iii) ਵਿਸ਼ਾਮਿਤਾ ਵਿਧੀ।

ਵਿਹਿੰ ਆਪਿੰ ਵਿਹਿੰ ਮੰਗੀ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ਾਂ ਵਿਹਿੰ ਵਿਹਿੰ ਦੇ ਮਿਤਾਮ ਮਿਥਾਹਾ ਚਾਰੇ ਖੋਲ੍ਹੀ ਸਾਹਵਾਨੀ ਹੋਣ।

(i) ਮਿਤਾਮ ਦੇ ਮਤੀ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵਿਹਿੰ ਤਾਤ ਹੋਵੇ ਹਥ।

(ii) ਮਿਤਾਮ ਦੇ ਪਾਸਰ ਵਿਹਿੰ ਤਾਤ ਹੋਵੇ ਹਥ।

(iii) ਮਿਤਾਮ ਮਿਥਾਹਾ ਕੀਤਾ ਹੋਵੇ।

ਵਿਹਿੰ ਆਪਿੰ ਪ੍ਰਮਤੀਤੀਤ ਵਿਧੀ ਮਤੀ ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ।

| ਪੰਨਾ ੨੨੨                                                                                                                                                                                  | ਪਿਰਿ ਮਾਪਿ ਪਿਆਰਾ                                                                                                          | ਪਿਰਿ ਪਿਆਰਾ                                                                                               | ਮਾਗਿ ਮਾਗੀ                                                                            |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>ਪਿਆਰ ਪਿਆਰਾ, ਪਿਆਰ<br/> ਲੀਆਂ ਮਾਂਤ<br/> ਤਾਂਤ ਪਿਛ ਪਾਇਆ ਤਾਂਤ<br/> ਮਾਪਿਕ ਲੀ ਪੁਰੀ ਤੀ ਪੁਰੀ<br/> ਹੀ ਸਾਜ ਲੀ ਤਾਂਤ<br/> ਕੀਤੀ ਤਾਂਤ ਮਾਪਿਕਾਪਰ<br/> ਹੀ ਪਿਰਿ ਲੇ ਮਾਗੀ<br/> ਪਿਆਰ ਪਿਆਰਾ ਤਾਂਤੀਰ<br/> ਤੀ</p> | <p>ਪਿਰਿ ਮਾਪਿ ਪਿਆਰ<br/> ਧਾਤ ਪਿਛਿਆਰ<br/> ਮਾਤਿ ਸਾਧਰਾਗੀ<br/> ਲੇਮਗਾ ਤੇ ਪਿਰਿ<br/> ਹੀ ਰਾਪਿਆਰ ਤੇ<br/> ਪਿਛਣ ਧਰੀ ਲੀ<br/> ਕੀਤੀ।</p> | <p>ਪਿਰਿ ਮਾਪਿ ਪਿਆਰ<br/> ਮਾਧ ਮੁਧਣਗੀ ਤੇ<br/> ਮਾਪਿ ਪਿਆਰ<br/> ਹਿਤੀ ਸਾਧਰਾਗੀ<br/> ਹੀ ਰਾਪਿਆਰ ਤੇ<br/> ਪਿਛਣਗੀ।</p> |                                                                                      |
| <p>ਪਿਆਰ ਲੇ ਕੀਤੀ, ਪਿਆਰ<br/> ਲੇ ਤਾਂਤ<br/> ਤੇ ਮਾਧ ਮਾਤਿ ਧਾਤ ਲੀ<br/> ਤਾਂਤ ਪੁਰੀ ਕੀਤੀ ਤੇ ਮਾਂਤ<br/> ਪਿਆਰੀ ਸਿਧਣਗੀ ਤੇ ਮਾਂਤ<br/> ਧਾਤ ਕੀਤੀ ਤਾਂਤ।</p>                                                  | <p>ਪਿਰਿ ਮਾਪਿ ਮਾਂਤ<br/> ਲੇਮਗਾ ਤੇ ਪਿਆਰ<br/> ਮਾਤਿ ਕੀਤੀ<br/> ਧਾਤ ਲੇਮਗਾ<br/> ਤੇ ਪਿਛਣ ਹੀ<br/> ਕੀਤੀ।</p>                        | <p>ਪਿਰਿ ਮਿਆਰ<br/> ਮਾਧ ਮੁਧਣਗੀ<br/> ਮਾਗੀ ਸਾਧਰਾਗੀ<br/> ਹੀ ਰਾਪਿਆਰ ਤੇ<br/> ਲੀ ਪਿਛਣਗੀ।</p>                     |  |



21/03 11:57

কিছুটা পড়ি।

•  $\text{Fe}^{2+}$  12mm

ਮਿਤਰਾਂ ਦੇ ਆਪ ਵੱਲੋਂ ਮਿਲ  
ਯਾਤਰੇ ਲਈ ਜਾਣ।

ਜੀਹੇ ਅਧਿਕਾਰੀ  
ਮਿਤਰ ਦੇ ਘੋੜੇ  
ਮੇਂ ਮਿਖਾਏ ਦੇ ਹੋਏ  
ਘੋੜੇ ਮੇਂ ਹੋਏ  
ਤੇ ਹੋਏ ਮੇਂ  
ਰਾਖੀਆਂ ਤੇ ਮਿਖਾਏ  
ਖਾਏ ਹੋਏ।

ਮਾਤ੍ਰੇ ਵਿਚਿ. ਪਿਤਾਮਹ  
ਪਾਥ ਮਾਧਿੰ ਹੀ  
ਗੋਬਿੰਦੁ ਮੁਖਿ  
ਤੇ ਮਾਧਿੰ ਹੀ  
ਵਿਧਾਉਣੇ ਹੀ  
ਉਮੈ ਰਾਮੀਮੰ  
ਤੇ ਹੀ ਵਿਧਾਉਣੇ

h b

ਮਿਤਰ ਦੀਆਂ  
ਮੱਤ ਭਾਗਾਂ  
ਇੱਕ ਘੋੜੀ  
ਭਾਰ ਮਟੀਲ  
ਦੀ ਹੁੰਦੀ ਤੇ।

ਇਸ ਨੂੰ ਧਾਮ  
ਦੀ ਤਾਰ ਵੀ  
ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ।  
ਇਸਦੇ ਮੁੱਖ  
ਬੋਲ ਹਨ:

'ਹਾ' ->  
ਬਾਸ ਦੀ  
ਤਾਰ ਤੇ  
ਅਥਵਾ  
ਤਰ੍ਹੇ ਪ੍ਰਯੋਗ  
ਰਹਿ ਨਾਲ ਹਾ  
ਬਾਸ ਨਿਰੰਜਨਾ।

ਮਿਤਰ  
ਦੁਆਰਾ

1. ਮਿਤਰ ਦੇ ਵਿੱਚ ਤੇ ਉਹ ਹਨ।
2. ਪਾਇਲੀ ਤੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਤੋਂ
3. ਮਿਤਰ ਦੇ ਹੀ ਦੋਸਤ ਹਨ।
4. ਇਹਨਾਂ ਦੋਹਾਂ ਵਿੱਚ ਸਫ਼ਰੀ - 2 ਮਿਤਰ
5. ਮਾਧ ਦੀ ਹੀ ਮਾਧ ਮਿਤਰ

## ਪਾਣੀ ਤੇ :-

ਦੋਹਾਂ ਵਿੱਚ ਪਾਣੀ ਤੇ ਮਾਧ - 2  
ਦੋ ਮਿਤਰ ਮਿਤਰ ਮਿਤਰ  
ਕੇ ਮਾਧਿ ਹੋਰੀ ਕਿੰਗ ਸਾਂਝੇ।



ਧਾਰ  
ਜੈਸਰਾ 21

ਜਿਹਿ ਆਪਿ ਦਾ ਤੇਜ ਮਿਥੈ - 1617

|            |                     |
|------------|---------------------|
| ਸਮਾਤ 1 -   | ਮਠੀ                 |
| ਜਿਯਾ 1 -   | ਮੰਗੀਤ               |
| ਉਪਜਿਯਾ 1 - | " ਗਗ ਘਮਨ ਦਾ ਪਹਿਲੇ " |
| ਮਮਾ 1 -    | 30-35 ਮਿਣ           |
| ਮਿਤੀ 1 -   | 30-11-012           |

ਮਧਾਨ ਮਮੰਗੀ:-  
ਜਿਸੇ ਮਮੰਗੀ:-  
ਮਧਾਨ ਉਪਜਾ:-

ਮਧਾਨ ਜਮਾਨ, ਕਮਰੀ, ਚੌਰੇ, ਤੁਝਤਾ, ਮੰਗੀਤ।

ਗਗ ਘਮਨ ਦਾ ਪਹਿਲੇ ਦਮਾਉਣਾ।

(1) ਜਿਹਿ ਦੇ ਗਿਲਾਨੇ ਵਿਚੇ ਵਾਪਾ ਰਹੇ।

(2) ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਪੂਰੀ ਰੁਖੀ ਪੈਰ ਰਹੇ।

(3) ਮਾਮਤੀ ਮੰਗੀਤ ਵਿਖਣ ਵੇਲੇ ਪ੍ਰਵੀਤ ਰਹੇ।

ਜਿਹਿ ਦੇ ਗਗ ਘਮਨ ਦਾ ਪਹਿਲੇ ਆਉਂ, ਆਉਂ ਪਰਕ ਆਉ।

(1) ਜਿਲਾਖਿਆ ਵਿਖੀ (1) ਪੂਰਨ ਉਤਰੇ ਵਿਖੀ।

ਜਿਹਿ ਆਪਿ ਦਾ ਮੰਦੇ ਦੇ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਜਿਹਿ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਮਾਮਤੀ ਮਾਂ

ਅਧਿਕਾਰ ਦਾ ਮਾਤਿਮਾਮੇ ਤੇ।

(1) ਗਗ ਦੀ ਉਪੋਤੀ ਕਿੰ ਗੈਰੀ ਤੇ।

(2) ਤੇਰੇ ਬਾਰੇ ਦੇ ਪਾਸੇ ਹੋਵੇ।

ਜਿਹਿ ਆਪਿ ਮਧਮਰਾ ਮਾਂ ਰੋਜ਼ਤਾ ਮਾਯ ਪਕਾਵੇਗਾ।

ਜਿਸੇ ਉਪੋਤ:-  
ਪਕਾਉਣ ਦੇ ਹੋਵੇ:-  
ਪੂਰਨ ਅਧਿਮਾਤਿਤ  
ਗਿਲਾਨ:-

ਪੂਰਨ ਗਿਲਾਨ  
ਦੀ ਪਰਖ:-

ਪੂਰਨਤੀਵਾਨ:-

ਗਗਾ ਗਗਡ

ਗਿਰਿੰਦ੍ਰ ਪ੍ਰਸਾਦ

ਗਿਰਿੰਦ੍ਰ ਪ੍ਰਸਾਦ

ਮਗਾਹਿਰ ਮੰਗਗੀ

ਗੱਪ ਗਗਡ ਕਾਂ ਮੇਂ ਮਤੀ  
ਡੀਰ ਸਾਧ 1 ਗਾ - ਮੀ  
ਗੋਰੀ ਮੀਦਾਰੀ ਕੀ ਗਗ  
"ਜਾਮਨ ਦਾਖਾਨ"

ਮਾਣ -> ਗਗ ਘਮਨ  
ਕਥਿਆਫ ਖਾਣ ਹਾ  
ਗਗ ਕੀ

ਮੁੰਡ :-> ਹਿੰਮ ਗਗ ਹਿੰਮ  
ਗੱਪਮ ਗਗਡ ਡੀਰ  
ਮਾਣੇ ਮਾਣੇ ਗੱਪ ਮਗਡ  
ਘੋਰੇ ਰਖ 1

ਹਰਸਿਤ ਮਗਡ :-> ਗਗ  
ਘਮਨ ਹਿੰਮ  
ਕੀਰੀ ਮਗਡ ਹਰਸਿਤ ਮਗੀ  
ਕੀ

ਸਾਡੀ :-> ਹਿੰਮ ਗਗ ਕੀ  
ਸਾਡੀ ਮੀਪੁਰੁਣ-  
ਮੀਪੁਰੁਣ ਕੀ

ਮੀਗ :-> ਗਗੀ ਮੁਡ ਗਗਾ  
ਮੇਂ ਸੇਂ ਮਪੁਡਵੇ ਹੇ  
ਪੁਰੁਣ ਗਗ ਹਿੰਮ ਕੀ ਹਿੰਮ  
ਮੁਈ ਗਗ ਘਮਨ  
ਪੁਰੁਣ ਮੀਗ ਮੀਮਿਨਾ ਕੀ

ਮਿਮਾਮ ਦੇ ਮੁੰਡ :-> ਮਾਗੀ  
ਮਾਗੀ ਪਾ. ਮੀ 1

ਗਿਰਿੰਦ੍ਰ ਆਪਿੰਘਮਨ  
ਮਾਗੀ ਹੀ ਪਾਗਿਮਾ  
ਹੱਮਦੇ ਹੱਦੇ ਆਖਾ,  
ਖਾਣ 1 ਮਗਡ 1

ਹਰਸਿਤ ਮੁੰਡੇ,  
ਸਾਡੀ ਆਹਿ  
ਦੇ ਮਮਾਂ ਦੇ  
ਖਾਣੇ ਹੱਮਗੀ 1

ਗਿਰਿੰਦ੍ਰ ਆਪਿੰ ਮੱਗੀ  
ਗਗ ਕੀ ਗਗੀ-  
ਮੀਦਾਰੀ ਕੀ ਮਾਗੀ,  
ਮੀਗੀ 1 ਮਿਦਾਮ ਦੇ  
ਮੁੰਡੇ 1 ਰਖਣ  
ਮਾਣੇ ਸਾਹਿਦ  
ਦਾਰਨ ਹਾ ਮਮਾਂ  
ਹੱਮਦੇ ਹੱਦੇ ਵਾਪੀਆਂ  
ਤੇ ਕੀ ਖਿਖਰ  
ਦੇ ਕਰਗੀ 1

ਗਿਰਿੰਦ੍ਰ ਗਗ  
ਘਮਨ ਕੀ  
ਪੁਗਿਮਾ ਮਾਣੇ  
ਹੱਦੇ ਸਾਹਿਦਾਗੀ  
ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ  
ਮੇਂ ਰਖਗੀ 1

ਗਿਰਿੰਦ੍ਰ ਮੱਗੀ ਹੱਮੀ  
ਜਾ ਗੀ ਸਾਹਿਦਾਗੀ  
ਮੇਂ ਮਮਗੀ ਤੇ  
ਪਿਮਾਨ ਹੱਦਗੀ 1  
ਉਹ ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ  
ਖਿਖਰਗੀ 1  
੭ ਵਾਖਿਆਨ ਖਾਣ  
੮ ਗਗੀ ਮਗਡ 1  
੯ ਹਰਸਿਤ ਮਗਡ 1

ਗਗ ਘਮਨ

ਖਾਣ - ਗਗਿਆਫ

ਮਗਡ - ਮੱਪਮ

ਮਗਡ

ਡੀਰ ਅਤੇ

ਮੱਪੇ ਮੁੱਪ

ਮਗਡ 1

ਹਰਸਿਤ - ਕੋਈ

ਕੀ 1

ਸਾਡੀ - ਮੀਪੁਰੁਣ

- ਮੀਪੁਰੁਣ ਕੀ



ਹਿਰਾ ੨੪੩

ਹਿਰਾ ਅਧਿ ਹਿਰਾ

ਹਿਰਾ ਹਿਰਾ

ਸਾਖਾ ੩੪੩

ਉਪਾਏ :- ਹੀ, ਡ, ਗ, ਡ,  
ਮੀ, ਡ, ਗ, ਡ

ਪ੍ਰੀਤੀ :- ਗਾ ਬਾਬਾ ਕੀ  
ਪ੍ਰੀਤੀ ਗੀਤੀ ਹੈ

ਮਾਓ :- ਮੀ, ਡ, ਗ, ਮ,  
ਪੀ, ਪੀ, ਮੀ, ਮ

ਮਾਓ :- ਮੰ, ਮੀ, ਪੀ, ਪੀ,  
ਮਾਂ, ਗਾਂ, ਡ, ਮਾ

ਹਿਰਾ :- ਗਾ ਬਾਬਾ  
ਕੀ ਪ੍ਰੀਤੀ ਹੈ  
ਪੀ, ਪੀ, ਮੀ, ਮ  
ਮੀ, ਮੁਖਮਾਓ ਹੈ  
ਮਮੰ ਹਿਰਾ ਗਾ ਹੈ  
ਹਿਰਾ ਹੈ ਹਿਰਾ ਬਾਬਾ  
ਮੀ

ਹਿਰਾ-ਅਧਿ ਮਾਓ  
ਜਾਣਕਾਰੀ ਗਾ  
ਧੀ ਧੀਓਂ ਹੈ  
ਹੰਮਾਂ ਤੇ ਪ੍ਰਮਾ  
ਕਰੋਗਾ

ਮਾਓ ਹਿਰਾ-ਅਧਿ  
ਅਧਿ- ਮੇ ਪਿਮਾਓ  
ਮਾਓ ਮੁਖਮਾਓ ਤੇ  
ਗਾ ਕੀ ਜਾਣਕਾਰੀ  
ਕੀ ਕਾਪੀਆਂ ਤੇ  
ਖਿਖਰੀ

ਹਿਰਾ-ਅਧਿ ਪਿਮਾਓ  
ਮਾਓ ਮੁਖਮਾਓ ਤੇ  
ਮਾਓ ਕਾਪੀਆਂ  
ਤੇ ਕੀ ਖਿਖਰੀ  
ਕੀ ਹਿਰਾ ਗਾ ਕੀ  
ਜਾਣਕਾਰੀ ਹੈ  
ਪਿਮਾਓ ਮਾਓ  
ਮੁਖਮਾਓ ਤੇ  
ਉਮਰੇ ਮਾਓ-  
ਮਾਓ ਕੀ ਮਿਤੀ  
ਤੇ ਕੀ ਜਾਣਕਾਰੀ

ਮਮਾਂ-ਗਾ ਕੀ  
ਧੀਓਂ ਪੀਓਂ

ਪ੍ਰੀਤੀ -  
ਗੀਤੀ ਹੈ

ਮਾਓ- ਕੀ,  
ਕੇ, ਗ, ਮਾਂ,  
ਧ, ਪਾ, ਕੀ,  
ਮ

ਮਾਓ- ਮੇ,  
ਕੀ, ਧ, ਪਾ,  
ਮਾਂ, ਗਾ, ਕੇ  
ਮ

### ਸਮੀਤਿਮ ਵਾਗਾਈ :-

1. ਗਾਗਾ ਯਮਨ ਦੀ ਆਸ਼ਿ, ਆਸ਼ਿ ਅਤੇ ਪਕੜ  
ਕੀ ਯੋ?
2. ਇਸ ਗਾਗਾ ਦੀ ਸਿਮੇਰਾ ਕੀ ਯੋ?
3. ਇਸ ਗਾਗਾ ਦੀ ਪ੍ਰਵਿਰਤੀ ਕੀ ਯੋ?
4. ਇਸ ਗਾਗਾ ਨੂੰ ਕਿਹੜੇ ਮਨ ਮੰਗੇ ਯੋ?

ਯਮ ਦੀ ਕੰਮ :-

ਗਾਗਾ ਸਿਰਿਆਥੀ ਗਾਗਾ ਯਮਨ ਦੀ  
ਪਹਿਲੀ ਅਤੇ ਉਸਦੀ ਸਾਫ਼ਤਾਗੀ ਯਮਨ  
ਕਰਕੇ ਆਉਂਦਾ ਹੈ



ਪਾਠ  
ਜਿਸਤਾ : 22

ਜਿਹਿ ਅਪਿ ਏ ਏਥੇ ਪੈਦਾ - 1617  
 ਸਮਾਤ 1 - ਮਤਰੀ  
 ਜਿਸਾ 1 - ਮੋਗੀਤ  
 ਉਪਾਇਸਾ 1 - ਰੂਪਰ ਤਾਘ 1  
 ਸਮਾ 1 - 30-35 ਸਿਧਿ  
 ਸਿਤੀ 1 - 30-11-12

ਸਪਾਨ ਸਮੱਗੀਤ:-  
 ਜਿਸਮ ਸਮੱਗੀਤ:-  
 ਸਪਾਨ ਉਰੇਸਾ:-

ਸਪਾਨ ਕਸਾਤ ਏ ਸਪਾਨ ਕਸਾਤ, ਕਾਘਾ ਤਖਤਾ, ਮੈਰਤਰ, ਥੋਰੇ।  
 ਰੂਪਰ ਤਾਘ ਨਾਥ ਮੈਲੀਪਤ ਚਾਹਤ।  
 (i) ਜਿਹਿ ਏ ਮੋਗੀਤ ਜਿਸਾਥ ਜਿਹ ਏਥੇ ਕਸਾਤ।  
 (ii) ਸਾਮਸਿਰ ਮਤਰ ਉਰੇ ਕਸਾਤ।  
 (iii) ਮੋਗੀਤ ਜਿਹ ਰੁਥੀ ਧੋਰੇ ਕਸਾਤ।

ਜਿਸਮ ਉਰੇਸ:-  
 ਅਮਸਾਥਿਤ ਜਿਸਾਥ

ਜਿਹਿ ਏ ਰੂਪਰ ਤਾਘ ਧਾਗ ਸਿਧਾਤ ਨਾਥ ਸਾਹਰਾਗੀ ਰੇਠਾ।  
 ① ਜਿਸਾਥਿਥਾ ਜਿਥੀ  
 ② ਰੂਪਰ ਤਾਘ ਉਰੇ ਜਿਥੀ  
 ③ ਜਿਹ-ਜਿਹਾ ਜਿਥੀ

ਪੜਾਇ ਏ ਚੋਗ:-

ਜਿਹਿ ਅਪਿ ਏ ਮੇਥ ਕੇ ਚੋਘੇਸਾ ਕਿ ਜਿਹਿ ਏ ਰੂਪਰ ਤਾਘ ਧਾਗ ਸਾਹਰਾਗੀ ਏ

ਪੁਰੇ ਜਿਸਾਥ ਏ  
 ਪਾਥ:-

- (1) ਭਾਗਤੀ ਮੋਗੀਤ ਰਿਸ ਉਰੇ ਅਪਾਥਿਤ ਏ
- (2) ਸਮ ਏ ਕੀ ਰਿਥ ਏ
- (3) ਤਾਘ ਜਿਹ ਤਾਘੀ ਧਾਗੀ ਰਿਸ ਰਿਥ ਏ ਰੂਪਰ ਤਾਘ ਏ

ਜਿਹਿ ਅਪਿ ਰੂਪਰ ਤਾਘ, ਜਿਸਾਥਿਥਾ ਰਿਥੀ, ਧਾਗ ਤਾਘ ਰਿਥੀ  
 ਗਤੀ ਪੜਾਇਸਾ

## ਵਿਸ਼ਾ ਸਮਝੋ

ਤਾਜ਼ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ : - ਗਾਉਣ - ਵਜਾਉਣ ਨਾਲ ਨਰੋਂ  
ਦੀ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਵਿਚ ਮੈਂ ਮਸ਼ੀਨ  
ਘੌਰੀ ਤੇ ਉਸਦੀ ਮਾਪਣ ਦੇ ਪੈਮਾਨੇ ਦੇ  
ਤਾਜ਼ ਵਜ਼ੀਰੇ ਹਨ।

ਉਪਰ ਤਾਜ਼ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ :- ਇਹ ਤਾਜ਼ 7 ਮਾਡਲਾਂ  
ਦੀ ਤਾਜ਼ ਹੈ। ਇਸ,  
ਹੈ-2 ਮਾਡਲਾਂ, ਦੇ ਤਿੰਨ ਵਿਭਾਗ ਹਨ।  
ਮਾਡਲ ਪਹਿਲਾਂ ਤਾਜ਼ ਤਿੰਨ ਮਾਡਲਾਂ ਦੀ  
ਨਾਲ ਹੋਵੇ ਵਿਭਾਗ ਜੋ ਬਾਕੀ ਹੈ ਇਸ  
ਬਾਕੀ ਹੈ ਤਾਜ਼ ਦੀ ਸਮ ਸੰਖਿਆ  
ਤਿੰਨਾਂ ਹੈ ਹੁਸੀਆਂ ਤਾਜ਼ਾਂ ਵਿਚ ਸਮ ਤਾਜ਼  
ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਮਾਡਲ ਮਾਡਲ ਤੁਹੀ ਤਾਜ਼  
ਦੀ ਦੋਵੇਂ ਵਜਾਉਣਾ ਸਾਰੇ ਹੈ।

## ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਅਧਿ - ਵਿਸ਼ੇਸ਼

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਅਧਿ - ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਹੈ  
ਤਾਜ਼ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ  
ਪੁਰਾਣਾ ਪਿਰ ਬੋਲਿਆ  
ਜੋ ਹਮੇਸ਼ਾ ਹੋਵੇ ਪਹਿਚਾਣ  
ਜੋ ਭੀਰ ਦੇਣ ਨਾਲ  
ਹਮੇਸ਼ਾ ਹੋਵੇ ਵਾਧੇ ਤੁਰੰਤ  
ਉਤੇ ਖਿਚੋਣਾ ਤੇ  
ਬਾਪੀਆਂ ਤੇ ਮੈਂ ਵਰਤ  
ਦੀ ਵਰਤ।



ਦਿਹਿ- ਭੁਮਾਸਾਂ

ਮਾਹਿਰ ਮੱਸਗੀ

ਦਾਖਾ 3431

ਦਿਹਿ- ਪੁੱਛੀ ਗਈ ਤਾਖ  
ਦੀ ਪਹਿਤਾਸ਼ਾ ਹੈ  
ਦੇਸ਼ ਦੀ ਵੱਸਿਮ ਵਸਤਾ  
ਮਾਂ ਮਾਪਿਆਪਰ  
ਦੁਮਾਗ ਦੱਸੀ ਗਈ  
ਤਾਖ ਹੈ ਮਾਪਣੀ  
ਵਾਪੀਮਾਂ ਤੇ ਦੀ  
ਸੈਰ ਕਰਦਗੀ।

ਦੇਸ਼ ਪੁੱਛੀ ਤਾਖ ਮ

| ਮਾਤਰਾ | 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  |
|-------|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ਦਾਖ   | ਤਿ | ਤਿ | ਤਿ | ਤਿ | ਤਿ | ਤਿ | ਤਿ | ਤਿ |
| ਦਿਹਿ  | X  |    |    | 0  |    |    | 1  |    |

ਪੁਰ ਤਾਲ:

ਮਾਤਰਾਵਾਂ - 7

ਦਿਹਿ - 3 (3-2-2)

ਪਹਿਲੀ ਮਾਤਰਾ ਤੇ ਖਾਲੀ  
ਤੇ, ਦਿਹਿ ਮੱਸ ਮੀਨਿ  
ਤੇ। ਦਿਹਿ ਦਿਹਿ ਮੱਸ  
ਮੱਸ ਪਹਿਲੀ ਮਾਤਰਾ  
ਉੱਤੇ ਤੇ 11

ਪਰ ਦਾ ਰੰਮ

ਮੇਰੇ ਇਲਾਜ਼ਾਬੀ ਪਰ  
ਤੇ ਰੂਪਰ ਤਾਲ ਹੈ  
ਯਾਦ ਰੱਖੇ ਆਉਣਗੇ।

### ਮੀਤਿਮ ਦੁਗਾਈ

1. ਰੂਪਰ ਤਾਲ ਵਿੱਚ ਕਿਸ ਆਤਮਾ ਤੇ ਖਾਲੀ ਹੈ?
2. ਇਹ ਕਿੰਨੀਆਂ ਆਤਮਾਵਾਂ ਦੀ ਤਾਲ ਹੈ?
3. ਇਸਦੇ ਕਿੰਨੇ ਵਿਭਾਗ ਹਨ?
4. ਇਸਦੇ ਕਿੰਨੀ - ਕਿੰਨੀ ਆਤਮਾ ਦੇ ਵਿਭਾਗ ਹਨ?





ਜਿਹਿ ਆਪਿ ਦਾ ਹੋਵੈ ਧੰਨੁ । - 1617

ਸਮਾਝ । -

ਮਠਾਏ

ਦਿਖਾ । -

ਮੰਗੀਤ

ਉਪਦਿਖਾ । -

1 ਤਾਨਪੁਰ ਮਿਥਾਏ ।

ਸਮਾਝ । -

30-35 ਮਿੰਟ

ਮੰਗੀਤ । -

01-12-12

ਮਾਧਾਨ ਸਮਾਝੀ :-

ਮਾਧਾਨ ਸਮਾਝ : ਚਾਏ, ਭਾਖਾ, ਭੁਖਾ, ਮੇਰੇਤਰੇ ।

ਜਿਸੇ ਸਮਾਝੀ :-

ਤਾਨਪੁਰ ਆਂ ਉਮਰੇ ਆਖ ਮੇਰੇਪਤ ਰਾਹ ।

ਮਾਧਾਨ ਉਮਰੇ :-

(1) ਜਿਹਿ ਦੇ ਗਿਮਾਖ ਕਿਹੇ ਆਖਾ ਕਰਨਾ ।

(2) ਜਿਹਿ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਕਿਹੇ ਰੁਖੀ ਪੈਰਾ ਕਰਨੀ ।

(3) ਜਿਹਿ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਜਿਸੇ ਦੇ ਰੁਖੀ ਪੈਰਾ ਕਰਨੀ ।

ਜਿਹਿ ਦੇ ਤਾਨਪੁਰ ਮਿਥਾਏ ਦੇ ਦੇਹੇ ਰੋਮਣਾ ।

(1) ਜਿਮਾਖਿ ਆ ਦਿਖੀ

(2) ਤਾਨਪੁਰ ਦਿਖੀ

ਜਿਹਿ ਆਪਿ ਦਿਖੇ ਮੇਰੇ ਦੇ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਜਿਹਿ ਮੰਗੀਤ ਮੇਰੇਪਤ  
ਮੁੱਢਲੀ ਸਾਹਿਬਾਨੀ ਮੇਰੇ ਹੋਵੇ ।

(1) ਮੰਗੀਤ ਕਿਹੇ ਕਿਹੇ - 2 ਫਾਰਮ ਪੂਰੇਗੇ ਰੀਤੇ ਸਾਹਿਬ ਹੋਵੇ ।

(2) ਜਿਸੇ ਆਖੇ ਦੇ ਆਪਿਕ ਆਤਮਾਮ ਸੁਰੀ ਹੋਵੇ ।

ਪਾਠ ਤਾਨਪੁਰ ਦਿਖੀ ਤੇ ਪੂਰਨਾ ਉਤੇ ਦਿਖੀ ਗਈ ਪੜ੍ਹਾਇਆ  
ਵਾਹਿਗੁਰੂ ।

ਆਤਮਾਮਿਤ ਪੂਰੇ

ਗਿਮਾਖ :-

ਪੂਰੇ ਗਿਮਾਖ ਦੇ

ਪਾਠ :-

ਪ੍ਰਮਤੁਤੀਕਰਨ :-

## ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਮਤਾ

ਪ-ਮਾ ਮਾਤ ਮ-ਮਾ, ਮਗੀਤ ਤੇ ਮਾਪਾ ਮੁਰ  
ਮੀਂ ਸਾਂਝੇ ਹਨ। ਪ-ਮਾ ਮਾਤ ਮੁਰ ਤੇ  
ਤਾਨਪੁਰਾ ਮਾਮੀਤ ਤੇ ਬਿਨਾਂ ਹੋ ਮੁਰ ਤੇ  
ਮਿਥਾਇਆ ਸਾਂਝੇ ਹੋ।

1) ਮੁਰ ਮੀਂਦਰ :- ਤਾਨਪੁਰਾ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਭਰੀਯ  
ਦੀ ਤਾਂ ਕੀਤਾ ਮਪਤਰ ਦੇ  
ਪਹਿਲੇ ਪਾਠ ਮਿਥਾਈ ਸਾਂਝੀ। ਦੁਸਰੀ  
ਮਾਤ ਤੀਸਰੀ ਤਾਂ ਮੱਧਮ ਮਪਤਰ ਦੇ ਮੁਕਤ  
ਪਾਠ ਮਿਥਾਈ ਸਾਂਝੀ ਹੋ ਚੌਥੀ ਪਿੰਡ  
ਮਾਤ ਤਾਂ ਹੋ ਤਾਂ ਮੀਂਦਰ ਮਪਤਰ ਦੇ ਮੁਕਤ  
ਪਾਠ ਮਿਥਾਈ ਸਾਂਝੀ ਹੋ।

ਮੀਂਦਰ - ਪ (ਪਹਿਲੇ)

ਮੱਧਮ - ਮਾ (ਮੁਕਤ)

ਮੱਧਮ - ਮਾ (ਮੁਕਤ)

ਮੀਂਦਰ - ਮਾ (ਮੁਕਤ) ਮੁਰ ਮਿਥਾਇਆ

ਸਾਂਝੇ ਹੋ।

2) ਮਾ-ਮਾ, ਗ-ਮਾ ਮੁਰ ਮੀਂਦਰ :- ਪਿੰਡਾਂ ਗਾਗਾ  
ਪਿੰਡੇ ਪਹਿਲੇ ਮੁਰ

ਦਰਕਿਤ ਤੇ ਉਸ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਤਾਂ ਮੀਂਦਰ  
ਮਪਤਰ ਤੇ ਮੱਧਮ ਪਾਠ ਮਿਥਾਇਆ ਸਾਂਝੇ ਹੋ।

ਮੀਂਦਰ - ਮਾ (ਮੱਧਮ) ਮੀਂਦਰ - ਮਾ (ਮੁਕਤ)

ਮੱਧਮ - ਮਾ (ਮੁਕਤ)

ਮੱਧਮ - ਮਾ (ਮੁਕਤ)

## ਪਿੰਡੇ-ਮਾਪਿ ਤੁਮਾਤ

ਪਿੰਡੇ-ਮਾਪਿ ਤਾਨਪੁਰਾ  
ਮਿਥਾਇਆ ਦਾ ਹੋਰ  
ਹੋਰਗਾ।

ਪਿੰਡੇ-ਮਾਪਿ-ਤਾਨਪੁਰਾ  
ਦੀਆਂ ਚਾਗਾਂ ਤਾਂ  
ਦੇ ਮਿਥਾਇਆ ਦਾ ਹੋਰ  
ਪ-ਮਾ-ਮਾ-ਮਾ ਤੇ  
ਮਿਥਾਇਆ ਦਾ ਹੋਰ ਹੋਰਗਾ  
ਤੋਂ ਪਿਥਾਇਆ ਤੇ ਹੋਰ  
ਪਿਥਾਇਆ।



ਜਿਹਿ- ਪ੍ਰਿਥਮਾਂ

ਮਾਗਹਿਰ ਮਸੰਗੀ

ਕਾਘਾ ੩੫੩

ਜਿਹਿਯਾਗੀ ਪਿਥਮਾਨਾ  
ਮੁਹਰਾਂ ਤੇ ਸਮਝਦੀ  
ਕੋਥਿਸ ਦੀ ਕਾਘਾ।

ਜਿਹਿ- ਮੁਹਰਾਂ ਤੇ ਤਾਗੀ  
ਦੇ ਖਿਯਾਤ ਰਾਹੀਂ  
ਕਾਘੀਆਂ ਤੇ ਮੋਹ  
ਕਾਘਾ।



ਤਾਨਪੁਰੀ ਮਿਲਦ

ਪ-ਯਾ ਅਤੇ

ਮ-ਯਾ,

ਮੀਰੀਤ ਦੇ

ਅਧਿਕ ਮਦਰ

ਮੀਨੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਪ-ਯਾ ਅਚਲ

ਮਦਰ ਹੈ। ਤਾਨਪੁਰੀ

ਅਮਰੀਤ ਤੇ

ਇਹਨਾਂ ਦੇ ਮਦਰ

ਤੇ ਮਿਲਾਇਆ

ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

## ਹਿਮਾ ਰਮਤੁ

3) ਹੀ-ਮਾ, ਨਿ-ਮਾ ਮਰੇ ਮੀਧਾਰ : - ਜੀਸਨਾ ਰਾਗਾ ਵਿਚੋਂ  
ਮੱਧਮ ਤੀਰੇ ਧੁਰੋਰ  
ਜੇ ਉਸ ਵਿਚੋਂ ਘਰਿਯਾ ਤੇਰੇ ਗੋਪਾਰੇ ਸਾਂ  
ਨਿਮਾਰੇ ਮਰੇ ਵਿਚੋਂ ਮਿਧਾਰੇ ਧੇਰੇ ਜਨਾ ਧਾਰੀ  
ਮਰੇ ਪਰਿਧੇ ਧਾਰੇ ਰੂਮ ਨਾਧੇ ਜੇ ਮਿਧਾਰੇ  
ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

4) ਪਰਿਧੀ ਤੇਰੇ ਪਰਿਧੇ ਮਰੇ ਮੱਧਮ ਨਾਧੇ ਮਿਧਾਰੇ  
ਹੈ ਧਾਮਾਰੇ ਉਮੀ ਹੈ ਮਾਹਿਤ, ਨਾਧੇ ਤੀਰੇ  
ਤੇਰੇ ਹੈ ਮੱਧਮ ਰਮਾ, ਨਾਧੇ ਮਿਧਾਰੇ  
ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

## ਵਿਹਿ-ਯਾਪਿ ਨਿਯਮਾਂ

ਵਿਹਿ-ਯਾਪਿ ਨਾਂਗੇ  
ਰਮੇਗਾ, ਵਿ ਧਿਧੀ  
ਮਾਗਾ ਮੱਧਮ ਤੀਰੇ  
ਹੈਰਾ, ਜੇ ਉਮਾ  
ਵਿਚੋਂ ਤਾਨੁਗ  
ਹੀ-ਮਾ, ਨਿ-ਮਾ ਨਾਧੇ  
ਮਿਧਾਰੇ ਨਾ ਜਾਂਦੇ, ਜੇ



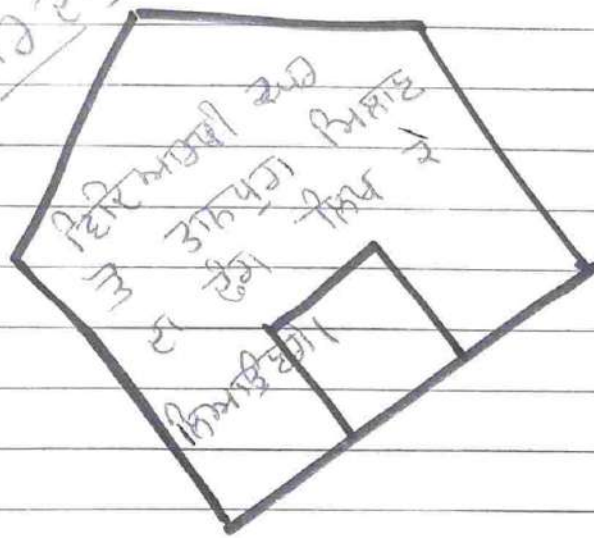
# ਹਿਰਿ ਪ੍ਰਿਥਾਵਾ

ਹਿਰਿ ਅਪਿ ਪ੍ਰਥਾਵਾ ਸਮਝਾਈ ਸਾ ਰਹਿ  
ਤਾਨਪੁਰਾ ਹੈ ਮਰਗੁ ਮੇ ਮਿਥਾਉਣਾ ਤੇ  
ਉਮਰੀ ਸਾਫ਼ਗੀ ਮੇ ਮਾਠ ਹਿਰਿ  
ਪਿਥਾਵਾ ਪਾਖ ਮੁਹੰਤਾ ਤੇ ਸਮਝਣਾ ਤੇ  
ਮਾਪਈਆਂ ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ ਹੀ ਜੋੜ  
ਕਰਨਾ।

# ਕਾਧਾ ਕੁਝਰਾ

- ① ਪ-ਮ ਮਠੁ ਮੰਦਰ →  
ਮੰਦਰ - ਪ (ਪੰਚਮ)  
ਮਧੰਮ-ਮਾ (ਮਧੁਜ)  
ਮਾਧੰਮ-ਮਾ (ਮਧੁਜ)  
ਮੰਦਰ - ਮਾ (ਮਧੁਜ)
- ② ਮ-ਮਾ ਤੇ ਮ-ਮ ਮਠੁ  
ਮੰਦਰ - ਮ (ਮਾਧਨ)  
ਮਧੰਮ-ਮਾ (ਮਧੁਜ)

ਪਾਤਲ ਦਾ ਰੋਮ



ਸ਼ੀਤਲ ਦੁਹਾਈ

*[Handwritten signature]*

1. ਤਾਨਪੁਰਾ ਦੀਆਂ ਰਿਹੀਆਂ ਤਾਹਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ  
ਯਹ?
2. ਪਹਿਲੀ ਤਾਹ ਰਿਮ ਪਾਤੁ ਦੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ?
3. ਥਾਈ ਤਾਹਾਂ ਰਿਮ ਪਾਤੁ ਦੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਯਹ?



ਧਾਠ  
ਵੈਸ਼ਾਖ : ੨੫

ਕਿਰਿ ਰਾਜਿ ਤੇ ਭੈ, ਭੈਰਵ : 1617  
 ਕਾਗਤ : ਮਝੀ  
 ਹਿੰਗ : ਮੰਗੀਤ  
 ਉਥਾਇਆ : 1 ਮਿਤਾਤ ਦੇ ਪ੍ਰਦਾਤ  
 ਸਮਾਂ : 30-35 ਮਿੰਟ  
 ਮਿਤੀ : 3-12-12

ਮਾਧਾਨ ਮੰਗਮਾਤੀ  
 ਹਿੰਮੇ ਮੰਗਮਾਤੀ  
 ਮਾਧਾਨ ਉਰੇਮ।

ਹਿੰਮੇ ਉਰੇਮ।  
 ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦੀ ਹਿੰਮੀ।  
 ਮਾਧਾਨਿਤ ਪ੍ਰਦ  
 ਹਿੰਮਾਨ : 7  
 ਪ੍ਰਦ ਹਿੰਮਾਨ ਦੀ  
 ਪਾਥ 1-7  
 ਪ੍ਰਮੁੱਖਤੀ ਰਾਮ : 7

ਮਾਧਾਨ ਕਮਾਤ ਦੇ ਮਾਧਾਨ ਕਮਾਤ, ਭੈਰਵ, ਕਾਧਾ ਤਪਤੀ /  
 1 ਮਿਤਾਤ। ਮਾਧੇ ਮਿਤਾਤ ਦੇ ਪ੍ਰਦਾਤ।

- 1) ਕਿਰਿ ਦੇ ਪਿਛਾਯ ਕਿਰੇ ਰਾਧਾ ਕਰਨਾ।
- 2) ਕਿਰਿ ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਕਿਰੇ ਕੁਲੀ ਧੈਰਾ ਕਰਨਾ।
- 3) ਮਾਧਾਨਿਤ ਤੇ ਧੈਰਿਤ ਕਿਰਾਮ ਕਰਨਾ।

ਕਿਰਿ ਦੇ ਮਿਤਾਤ ਦੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਧਾਰ ਕਾਧਾਗੀ ਕਰਨਾ।

- (1) ਹਿੰਮਾਪਿਛਾ ਹਿੰਮੀ (2) ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਉਰੇ ਹਿੰਮੀ।
- ਕਿਰਿ ਮਾਧਿ ਕਿਰੇ ਮੰਮ ਦੇ ਕੇਧੇਗਾ ਕਿਰੇ ਕਿਰਿ ਮਿਤਾਤ ਧਾਰੇ  
 ਮੁੱਦਾ ਕਾਧਾਗੀ ਮੁੱਦਾ ਹੋਵੇ।

- 1) ਮਿਤਾਤ ਦੇ ਮੁੱਦਾ ਨਾਮ ਰੀ ਮੀਰ 2) ਮਿਤਾਤ ਕਿਰੇ ਹਿੰਮੇ  
 ਤਾਤ ਹੋਵੇ ਹੋਵੇ।

ਕਿਰਿ ਮਾਧਿ ਕਾਧਾ ਹਿੰਮੀ, ਪ੍ਰਮੁੱਖ। ਉਰੇ ਹਿੰਮੀ ਤੇ ਹਿੰਮਾਪਿਛਾ  
 ਹਿੰਮੀ ਸਾਧੀ ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ।

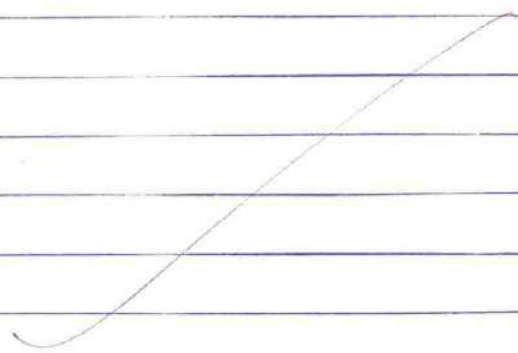
# ਸਿਰੀ ਰਾਗ

ਸਿਰੀ ਦੇ ਪ੍ਰਕਾਰ :- ਸਿਰੀ ਦੇ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦਾ ਪੁਰਾਣਾ  
ਜੋ ਉਸ ਰਾਗ ਤੋਂ ਮਰਦ

ਰਾਗ ।

1) ਉਸ ਰਾਗ :- ਉਸ ਰਾਗ ਅਤਿਪ੍ਰਾਣ :- ਇਸ  
ਸਿਰੀ ਨਾਮ ਤੋਂ ਸਿਮ ਸਿਰੀ  
ਦੇ ਧਾਰੇ ਮਾਪਦ ਮਥਾਨ ਪਠਾਏ ਸਾਂ ਮਰਦ  
ਮਰਦ ਸਰੀਤ ਸੁਤਾਧਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ  
ਜਿਮਵਾਂ ਦੇ ਉਪਰ ਬੰਦ ਰੀਤਾਂ ਸਾਂ ਮਰਦ  
ਜੋ

- 1 ਮਾਂ
- 2 ਪ
- 3 ਧ
- 4 ਧਿ
- 5 ਧਿ
- 6 ਮ
- 7 ਰ
- 8 ਗਾ
- 9 ਮ
- 10 ਮ
- 11 ਪ
- 12 ਧ
- 13 ਧਿ
- 14 ਧਿ
- 15 ਮ
- 16 ਰ
- 17 ਗ



# ਸਿਰੀ ਮਾਪਿ ਪ੍ਰਮਾਣ

ਸਿਰੀ ਮਾਪਿ ਸਿਰੀ ਦੇ  
ਪ੍ਰਕਾਰ ਧਾਰੇ ਰੋਮੇ  
ਜੋ ਉਸ ਰਾਗ ਧਾਰੇ  
ਰੋਮਾਂ ਤੋਂ ਸਿਰੀਮਾਪੀ  
ਦੇ ਪ੍ਰਾਪਿਮਾਂ ਤੋਂ ਜੋ ਕਰਦ  
ਧਾਰੇ ਦੀ ਕਰੇਗਾ ।



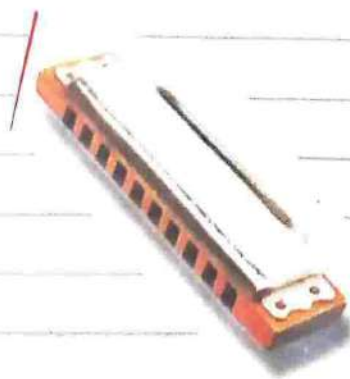
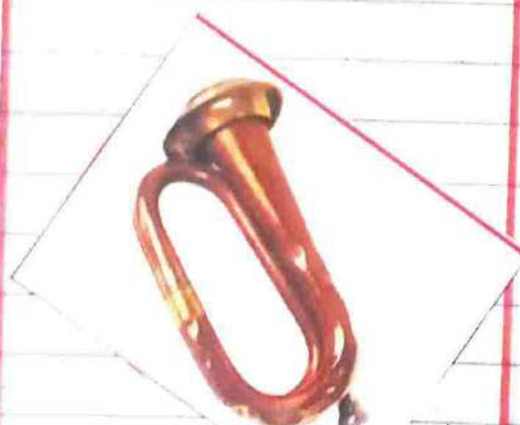
ਫਿਰਿਮਾਨੀ

ਗਮਫਿਰ ਗਮਗੰਝ

ਬਾਬਾ ਤਲਤਾ

ਫਿਰਿਮਾਨੀ ਫਿਰਿਮਾਨ ਮਾਝ  
ਸਾਹਬਾਨੀ ਖਾਧਾ  
ਬਗਾਨੀ ਤੇ ਫਿਰਿਮਾਨ  
ਮਾਝ ਮਗਫਿਰ ਹੋਵੇ  
ਮਾਝਫੀਲਾ ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ  
ਹੀ ਮਾਝੀ ਸਾਹਬਾਨੀ  
ਹੋ ਮੇਰੇ ਬਗਾਨੀ।

ਮਾਝੇ ਫਿਰਿਮਾਨੀ  
ਮਿਤਰ ਦੇ ਦੁਜੇ  
ਪੁਰਾਨ ਬਾਝੇ  
ਰੋਪਿਆਂ ਤੇ ਨੇਰ  
ਰਗਗੇ ਤੇ ਪੁੱਛੇ  
ਮਾਝੇ ਪੁਸ਼ਕਾਂ ਦਾ  
ਉਤਰੇ ਰੰਗੀ।



ਮਿਤਰ ਦੇ ਪੁਰਾਨ

- ① ਚਲ ਠਾਠ
- ② ਅਚਲ ਠਾਠ

① ਚਲ ਠਾਠ →  
ਜਿਸ ਮਿਤਰ ਦੇ  
ਪਰੇਖਪਏ ਮਧਾਨ  
ਤੇ ਹਟਾਏ ਜਾ  
ਮਧਾਏ ਹੋਵੇ। ਇਹ  
ਮਿਤਰ ਦੇ 17  
ਪਰੇ ਹੋਵੇ ਗਾ।

### ਅੰਤਿਮ ਦੁਹਾਈ

1. ਸਿਤਾਰ ਕਿੰਨੇ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ?
2. ਚਲ ਕਾਠ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ?
3. ਅਚਲ ਠਾਠ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ?
4. ਚਲ ਅਤੇ ਅਚਲ ਵਿੱਚ ਕਿੰਨੇ - 2 ਪਰਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ?

ਪਾਰ ਦੇ ਰੰਮ

ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਸਿਤਾਰ ਦੇ  
ਪ੍ਰਕਾਰ ਲਿਖਕੇ ਅਤੇ  
ਜਾਣੇ ਕਰਕੇ ਆਉਣਗੇ।



216

5  
जाना २५

~~પરિ. મં/૫૦ ૨૪ ૩૧ નવેમ્બર, ૧૯૮૭~~

7/24/3 1-

मोड़

25/11

40173

प्रश्न - 12/12 पितामह का पक्ष

HHH 1

30-35 142

पिपरी -

04-12-12

ਮਾਨਿਯ ਮੰਮਾਨਾ:-  
ਦਿਮਾ ਮੰਮਾਨਾ:-

-! אבנא ואלה!

ਮਾਪਾਨ ਅਮੀਤ ਦੇ ਮਾਪਾਨ ਦੇਸੀ ਵਾਲੀ ਤਪਤੀ, ਅੰਤਰ, 81 ਦੇਸੀ।

ਸਤਿਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ॥

मापान  $\frac{1}{2}$  से म L

(1) किराँत र किसानों को सहायता देना।

(2) ਮੀਰੀ ਪ੍ਰੀਤ ਪੈਰੀ ਵਸੇ।

(3) ममकी मेरी छान साहवांगी रहा।

ਇਹਿਆ ਕੀ ਦੇ ਗਾਗ ਰਾ ਪਤਿਕ ਮਮਸ਼ਾਤਿਯਾ।

[illegible]

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ:-

(1) ଜମାଦାନୀ ଫୁଲ

(ii) 244 330 447

(12/12) १९९१२ १९.५१।

ਕਿਰਦਾਰੀ ਮਾਪਿਕੇ ਸਮੇਂ ਦੇ ਚੁਣੌਤੀ ਕਿ ਕਿਰਦਾਰੀ ਮਾਪਿਕੇ ਯੁਗ

~~ਮੁੜਦੀ ਸਾਹਵੀਰੀ ਜੀ~~

(i) ਵਾਗ਼ ਦੀ ਉਤਪਤੀ ਕਿਵੇਂ ਹੋਈ ਹੈ ?

(ii) ਕੁਝ ਧਾਰਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਹੇਠਾਂ

ਪਿਲੇ ਮਧਿ ਮਧੇਮਾ ਮਤੇ ਦੇਵਤਾ ਨਾਥਿ ਪਤਾਇਤਾ ।

ਤਮ੍ਹਣੇ ਵਿਖੀ, ਫ਼ਿਅਾਤਮਤ ਵਿਖੀ ਏ ਪ੍ਰਯੋਗ, ੨੦੧੬  
ਪੜ੍ਹਾਇਆ।

43182111

# ਪਿੰਗਾ ਹੁਕਮ

ਪਿੰਗਾਤਾ:- ਗਾਗ ਪਿੰਗਾਪਦ ਪ੍ਰਾਤ: ਗਾਇ ਗਾਗ ਜੈ  
 ਪਿੰਗਾਪਦ ਦੇ ਮੱਥੇ ਉੱਤੇ ਗਾਗਤਾਂ ਦਿੱਤੇ  
 ਮਿਲਦੇ ਹਨ। ਮਾਨਸ ਦਿੱਤੇ ਰੋਮਾਂ ਪਿੰਗਾ  
 ਮਾਨਸ ਉੱਤੇ ਹੀ ਹਰੇ ਰੂਪ ਮਾਨਸ ਰੂਪਾਂ  
 ਮਾਨਸ ਤੇ ਗਾਗੀ ਮੱਥੇ ਪਿੰਗਾ ਮਾਨਸੀਮਾ  
 ਪਿੰਗਾਪਦ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ।

ਪਾਤ: ਗਾਗ ਪਿੰਗਾਪਦ ਹੀ ਉਤਪੱਤੀ ਪਿੰਗਾਪਦ ਪਾਤ  
 ਹੀ ਜੈ

ਮਾਨਸ 1- ਮਾ। ਤੇ। ਗਾ। ਮਾ। ਪਾ। ਪਾ। ਮੀ। ਮੰ  
 ਮਾਨਸ 2- ਮਾ। ਤੇ। ਗਾ। ਮਾ। ਪਾ। ਪਾ। ਮੀ। ਮੰ

ਹਰੇ ਮਾਨਸ:- ਪਿੰਗਾ ਦਿੱਤੇ ਰੋਮਾਂ ਹੀ ਮਾਨਸ ਹਰੇ ਮਾਨਸੀਮਾ  
 ਮਾਨਸ:- ਮਾ। ਤੇ। ਗਾ। ਮਾ। ਪਾ। ਪਾ। ਮੀ। ਮੰ

ਸਾਤੀ:- ਰੋਮਾਂ ਹੀ ਮਾਨਸ ਹਰੇ ਮਾਨਸੀਮਾ ਤੇ ਰੋਮਾਂ ਗਾਗ  
 ਹੀ ਸਾਤੀ ਮਿਲਦੇ - ਮਿਲਦੇ ਹਨ  
 ਹਰੇ -> ਰੋਮਾਂ ਹਰੇ ਮਾਨਸੀਮਾ

ਮੀਦਾਰੀ ਮਾਨਸ -> ਰੋਮਾਂ ਮੀਦਾਰੀ ਮਾਨਸੀਮਾ

# ਪਿੰਗਾ ਮਾਨਸ ਪ੍ਰਿੰਮਾਤ

ਪਿੰਗਾ ਮਾਨਸ ਪਿੰਗਾਪਦ  
 ਗਾਗ ਹੀ ਪਿੰਗਾਤਾ  
 ਹੋਮਾਂ ਹੋਮਾਂ ਪਿੰਗਾ ਗਾਗ  
 ਹੀ ਪਿੰਗਾਤਾ ਪਿੰਗਾਤਾ  
 ਤੇ ਪਿੰਗਾਤਾ ਮਾਨਸ  
 ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ।

ਪਿੰਗਾ ਮਾਨਸ ਗਾਗ ਹੀ  
 ਪਾਤ 1 ਮਾਨਸ, ਹਰੇ ਮਾਨਸ  
 ਮਾਨਸ, ਸਾਤੀ, ਹਰੇ  
 ਮਾਨਸ, ਮੀਦਾਰੀ ਮਾਨਸ,  
 ਮਾਨਸ ਪਿੰਗਾਤਾ  
 ਮਾਨਸ ਮਾਨਸ ਰਹਿੰਦੇ  
 ਮਾਨਸ ਪਾਤ ਹੋਮਾਂ  
 ਤੇ ਮਾਨਸੀਮਾ  
 ਕਾਪੀਮਾ ਤੇ ਪਿੰਗਾਤਾ  
 ਤੇ ਹੀ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ।



ਮੇਰੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨ

ਸਮਾਜਿਕ ਸੰਗਰਾਮੀ, ਸਾਥੀ ਤੇ ਸੁਭਾ

ਮਾਏ ਦਿਲਿਆਈ, ਪਿਆਰੇ ਸਾਥੀ  
 ਦੀ ਸਿਮਰਤੀ, ਉਮਰੀ ਧਾਰੀ  
 ਮਾਏ ਸਾਥੀਆਂ ਦੇ ਪਿਆਰੇ ਸਾਥੀ  
 ਮੁਹੱਬਤ ਦੇ ਸਾਥੀਆਂ ਵਾਲੀਆਂ  
 ਤੇ ਹੀ ਮੇਰੇ ਕੰਨਾਂ ।

ਸਾਥੀ ਬਿਲਾਵਲ

ਖਾਟ - ਬਿਲਾਵਲ  
 ਮਏ - ਮਾਏ ਮਏ ਮੁੱਖ  
 ਪੂਰਿਤੀ - ਗੰਭੀਰ  
 ਛਾਤੀ ਮਏ ਰੋਈ ਨਹੀਂ ।  
 ਮਾਤੀ - ਮੰਪ੍ਰਗਤ - ਤੇ ।  
 ਫਾਈ - ਪਾ

Revised  
For

ਅੰਤਿਮ ਦੁਹਰਾਈ :-

1. ਰਾਗ ਬਿਲਾਵਲ ਕਿਸ ਥਾਟ ਤੋਂ ਬਣਿਆ ਹੈ?
2. ਇਸ ਵਿੱਚ ਕਿਹੜੇ ਸਵਰ ਲੱਗਦੇ ਹਨ?
3. ਵਰਜਿਤ ਸਵਰ ਕਿਹੜੇ ਹਨ?
4. ਇਸਦੀ ਜਾਤੀ ਕਿਹੜੀ ਹੈ?
5. ਇਸਦਾ ਅੰਗ ਕਿਹੜਾ ਹੈ?

ਘਰ ਦੇ ਕੰਮ

ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਘਰ ਤੋਂ  
ਰਾਗ ਬਿਲਾਵਲ ਦਾ  
ਪਹਿਲੇ ਯਾਟ ਰਹੇ  
ਆਉਣਗੇ।



ਪਾਠ  
ਜੈਸਰਾ : 26

ਜਿਰਿ ਮਾਪਿ ਦਾ ਰੋਧ ਮਿਥਾਵਾ - 1617

ਸਮਾਝ 1 - ਮਾਛੰਦੀ

ਦਿਸਾ 1 - ਮੰਗੀਤ

ਉਪਾਦਿਸਾ 1 - ਰਾਗ ਖਮਾਕ ਦਾ ਪਹਿਲਾ

ਸਮਾ 1 - 30-31 ਮਿਥ

ਮਿਤੀ 1 - 05-12-12

ਮਧਾਗਧ ਮੱਥਗੀ 1

ਦਿਸਾ ਮੱਥਗੀ :-

ਮਧਾਗਧ ਉਦਮ 1

ਦਿਸਾ ਮੱਥਗੀ :-

ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦਾ ਉਦਮ :-

ਮਧਾਗਧ ਸਮਾਝ, ਰੋਧ, ਰਾਜਾ ਤਖਤਾ, ਤਕ਼ੀਧ, ਮੰਗੀਤ 1

ਰਾਗ ਖਮਾਕ ਦੇ ਰੁਮਾਉਣਾ ਉਦਮ 1

(1) ਜਿਰਿ ਦਾ ਮਾਪਨਿਧ ਤੇ ਧੌਪਕ ਜਿਸਾਥ ਕਰਦਾ 1

(2) ਮੰਗੀਤ ਪੂਰੀ ਹੋਈ ਪੈਦਾ ਕਰਦਾ 1

ਰਾਗ ਖਮਾਕ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਰੁਮਾਉਣਾ ਤੇ ਉਮਰੀ ਸਾਫ਼ਗੀ ਦੇਣਾ 1

(1) ਹਿਮਾਧਿਮਾ - ਦਿਪੀ

(2) ਸੁਮਧ - ਉਤਰੇ ਦਿਪੀ

(3) ਦਾਦ ਦਿਦਾਦ ਦਿਪੀ

ਜਿਰਿ ਮਾਪਿ ਕੰਧ ਮੰਧ ਕੇ ਰੋਧਗਾ ਕਿ ਦੌਰਿਆਂ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਦੀ

ਖੌੜੀ ਸਾਫ਼ਗੀ ਤੇ

(1) ਰਾਗ ਦੀ ਉਤਪੱਤੀ ਕਿਤੀ ਹੋਈ ਤੇ

(2) ਕੁਝ ਖਾਸਾ ਦੇ ਨਾਮ ਹੋਏ ?

(3) ਖਮਾਕ ਖਾਦ ਦਾ ਕਿਤਾ ਰਾਗ ਤੇ

ਸੁਮਧੀਕਰਮ :-

ਜਿਰਿ ਮਾਪਿ ਰਾਜਾ ਤਖਤਾ ਜਿਤੀ ਤੇ ਹਿਮਾਧਿਮਾ ਦਿਪੀ ਰਾਗੀ  
ਦੌਰਿਆਂ ਦੇ ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ 1

## ਪਿਆਰ ਰਸਮ

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾ :- ਖਮਾਸ਼ ਚੌਰਖ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ  
 ਦਾ ਗਾਗ ਹੈ। ਇਸ ਵਿੱਚ  
 ਫੁੱਲਾਂ, ਭੋਜਨ, ਵਸਤੂਆਂ ਆਦਿ ਗਾਏ  
 ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਮਾਂ ਜਿਸਨੂੰ ਫੁੱਲਾਂ  
 ਮਾਂ ਦੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਕੁਮਾਰੀ  
 ਮੰਗੀਤ ਵਿਚ ਇਸ ਗਾਗ ਹੈ  
 ਹੋਰ ਚੰਡੀਆਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਗਾਗ  
 ਖਮਾਸ਼ ਦੇ ਆਗੇ ਵਿਚ ਸੁੱਪ ਅਤੇ  
 ਆਰਥ ਵਿਚ ਕੁੱਝ ਫਿਰ ਦਾ ਪ੍ਰਯੋਗ  
 ਹੋਂਦ ਹੈ।

ਘੋਲ :- ਖਮਾਸ਼ ਗਾਗ ਖਮਾਸ਼ ਘੋਲ ਹੈ।  
 ਉਤਪੰਨ ਹੋਂਦ ਹੈ।

ਮਫਤ :- ਇਸ ਵਿਚ ਮਾਂ ਮਫਤ ਸੁੱਪ  
 ਮੰਗਦੇ ਹਨ।

ਹਰਿਤ ਮਫਤ :- ਇਸ ਗਾਗ ਦੇ ਆਗੇ  
 ਵਿਚ ਹਰੇ ਮਫਤ ਹਰਿਤ ਹੈ।

ਜਾਤੀ :- ਮਾਫਤ - ਮੰਪ੍ਰਦ।

ਮੰਗ :- ਗਾਗ ਖਮਾਸ਼ ਪ੍ਰਕ੍ਰਿਤੀ ਮੰਗ ਦਾ  
 ਗਾਗ ਹੈ।

## ਵਿਦਿਅਕ ਅਧਿਐਨ

ਵਿਦਿਅਕ ਅਧਿਐਨ ਗਾਗ ਮਮਾਸ਼ ਦਾ  
 ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮਹਿਤ ਪਹਿਲੇ ਚੌਰਖਾਂ  
 ਦੇ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

ਵਿਦਿਅਕ ਅਧਿਐਨ ਗਾਗ ਖਮਾਸ਼ ਦਾ ਘੋਲ,  
 ਮਫਤ, ਜਾਤੀ, ਹਰੀ, ਮਫਤ, ਮੰਗੀ  
 ਮਫਤ ਅਤੇ ਮੰਗ ਘੋਲ ਵਿਦਿ  
 ਦੇ ਸਾਹਿਤਕ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਅਤੇ  
 ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਾਮੀਆਂ ਤੇ ਹੀ ਵਿਖਣ  
 ਘੋਲੀ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ।



ਦਿਰਿੰ ਪ੍ਰਿਯਾਸੀ

ਮਗਰਿਕ ਮੱਥਰਾਈ

ਕਾਯਾ ਤਖਤਾ

ਮਾਠੇ ਦਿਰਿਮਾਠੀ ਪਿਮਾਨ  
ਮਾਧ ਰਿਤੀ ਸਾਫ਼ਰਾਗੀ  
ਉ ਮੁਫ਼ਰਾਗੀ।

1. ਟਾਟਰ -

ਦਿਰਿਮਾਠੀ ਪਿਮਾਨ ਮਾਧ  
ਮਪਿਮਾਪਰ ਉ ਮੁਫ਼ਰਾਗੀ  
ਤੇ ਮਾਪਈ ਕਾਪੀਮਾ ਤੇ  
ਰਿਤੀ ਸਾਫ਼ਰਾਗੀ ਮੱਥ  
ਕਰਮਗੀ।

2. ਮਫ਼ਰ

3. ਰਾਸਿਤ ਮਾਧ

4. ਸਾਫ਼ੀ

5. ਮੀਠਾ

ਲਿਖਾਮ ਦੇ ਮਫ਼ਰ

ਮ ਜਾ ਪ ਨਿ

ਮਮਾਂ - ਗਾਤ ਦਾ

ਪੁਜਾ ਪਹਿਰੇਂ।

ਪ੍ਰਿਯਤੀ - ਚੰਦਨ

ਮਾਧੋ - ਮ, ਗ,

ਮ, ਪ, ਧ,

ਨਿ, ਮਾਂ।

ਮਾਧੋ - ਮਾਂ ਨਿ

ਪਾ ਧ, ਮ ਗ,

ਤੇ ਮ।

### ਮੀਤਰ ਦੁਹਾਈ

1. ਮੀਤਰ ਦਾ ਚਲਣ ਕਿਉਂ ਹੋਇਆ ?
2. ਇਸ ਦੇ ਉਮਰ ਦੇ ਤਾਹਾਂ ਲਈ ਮਨੁੱਖ ਨੇ ਕੀ ਕੀਤਾ ?
3. ਵਲੀ ਦੇ ਪ੍ਰਭਾਵ ਨਾਲ ਕੀ ਹੋਇਆ ?
4. ਹੋਰ ਮੀਤਰ ਕੀ ਹੋਣ ਤੋਂ ਅਤੇ ਇਸਦਾ  
ਇਤਿਹਾਸ ਕੀ ਹੈ ?

### ਘਰ ਦੇ ਕੰਮ

ਮਾਏ ਇੰਦਰਮਾਧੀ ਗੁਰੂ  
ਘਮਾਜ ਦਾ ਪਹਿਲੇ  
ਯਾਦ ਰਹੇ ਆਉਣਗੇ ।



पृष्ठ  
अंक: 27

१९१७ मध्ये २१ जून दिनांक - १९१७

942113 1-

4.9

1-1157

$$\frac{21213}{21213}$$

24/12/21 - 1st day 4/1/22

27th :- 30-35 p.m.

124371 - 08-12-012

ਮਾਧਾਨ ਮੰਗਾਗੀ - ਦੋਵੇਂ ਭਾਈਆਂ ਮੇਰੇ ਤੋਂ ਵੀ ਵਧੇਰੇ ਉਧਾਰੇ, ਕਮਰਾ, ਕਮਾਤ/  
 ਜਿਸਨੇ ਮੰਗਾਗੀ - ਦੋਵੇਂ ਮੰਗੀਓ ਫੇਰ ਲਭਾਓ, ਤਮਾਸ਼ਾ।  
 ਮਾਧਾਨ ਉਠਾ - ॥ ਹਿਰੋ ਵੀ ਮੰਗੀਓ ਫਿਰ ਹੋਰੀ ਪੈਰਾ ਲਭਾ।

ਸਿਮਰ ਸੰਮਾਨ

ମାଧ୍ୟମ ପଦ୍ଧତି -

ਏਕ ਮੀਗੀਤਿ ਪੇ ਰਹਮਾਉਰ। ਤਮਈਗਾ।

1)  $\text{H}_2\text{O}$  ଏବଂ ମିଶ୍ରଣ ହେଉଥିବା ପରି ଦିଆଯାଇଛି।

2) ਹਿਰੋ ਦੇ ਮਗਰੋਂ ਗਿਰਾਮਿਨ ਹਿਰੋ ਵਾਪਸ ਆਇਆ।

3) ਇਲੈ. ਡੇ ਫੋਰ ਮੀਨਿਤ ਦੀ ਮਾਤਰੇ ਦੱਸਣਾ।

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਤੌਰ 'ਤੇ ਮੌਜੂਦਾ ਦਾ ਪਿਛਰੂ ਰੱਖੋ।

6.  $\frac{1}{x^2} = x^{-2}$  (ii)  $\frac{d}{dx} x^{-2} = -2x^{-3} = -\frac{2}{x^3}$

किरि मीपि छि मीपि वं उयेमा वि किरिमावरीमा नु

201/3 231 20100 57

① मंगल विमर्श वरिष्ठ जय २ मंगल विमर्श मंगल

उहें जो (3) विमं भगवत् मंगीवत् रा पां र

3. निम्नलिखित में से एक प्रश्न चुनिए

[illegible][illegible]

2. ૪૦૦૦ ૩૦૦૦ ૫૦૫૦ ૨૨ મરદા

ਸਿਮਰਨ ਤੇਰਾ । -

ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਿਤ ਈ ਹੋਗ:-

5th & 11th 2 425

1-11/11/11

ਪ੍ਰਸੰਨ ਨਾਮਾਨ ਦੀ

4261 -

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਘੱਟਮਾ 10

24/3/2020 :-

## ਵਿਸ਼ਾ : ਦਮਤੁ

ਯੋਗ ਮੰਗੀਤ :- ਮਨੁੱਖ ਦੀ ਦੋ ਖਾਜ਼ਾ ਦੇ  
 ਨਾਥ ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਦਾ ਉਪਦੇਸ਼  
 ਹੈ। ਸਭੇ ਮਨੁੱਖ ਦੀ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਦੇ ਗਿਆਨ  
 ਅਵਸਥਾ ਮੀ ਨਾਥੇ ਦੇ ਮੰਤ੍ਰਿਕਾਂ ਦੀ  
 ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਹੈ। ਅਗਿਆਨੀ ਮੀ, ਉਹੋ ਦੀ  
 ਉਹ ਆਪਣੇ ਸਮੇਂ ਸਾਰ ਮੁਤਾਮ, ਪ੍ਰਵਿਰਤੀ  
 ਦੇ ਮੱਧ ਵਿਚ ਪ੍ਰਤੀ ਆਕਰਸ਼ਣ ਹੋਣ ਮੀ,  
 ਇਸ ਵਿਚ ਉਸਦੇ ਤ੍ਰਿਸ਼ਨਾ ਦੇ ਦਮਤੁ ਖਾਣੀ  
 ਉਸਦੇ ਵਾਸੀ ਦੇ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤਾ। ਪ੍ਰਤੀ-2  
 ਵਾਰ ਦੇ ਨਾਥੇ ਦੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਯੋਗ  
 ਦੀ ਕਥਾ ਕਰੇਗਾ।

ਆਰਾਧਨਾ ਵਿਚ ਮਨੁੱਖ ਦੀ ਇਹ ਧਾਰਮਿਕ  
 ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ, ਮਾਨਵੀ ਦੁਖੀ ਦੇ ਉਤਰ-ਉਤਾਰ  
 ਮਾਨਵ ਕੀਤਾ ਦੇ ਵਿਚਾਰੀਕਤਾ ਵਿਚ  
 ਮਨੁੱਖੀ ਹੋਣ ਹੈ। ਵਾਸੀ ਦੇ-ਇਸੀ  
 ਤ੍ਰਿਸ਼ਨਾਵਾਸ ਪ੍ਰਵਿਰਤਿ ਉਤਾਰ-ਉਤਾਰ ਦੇ  
 ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਮਨੁੱਖ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਮੱਧ  
 ਮਨੁੱਖ ਨਾਥੇ ਵਿਚ ਮਨੁੱਖਾਂ ਦੇ ਵਿਚਾਰ  
 ਹੋਣਾ। ਮਨੁੱਖ, ਮੈਰਾਮਾ, ਪ੍ਰਯੋਗਾਂ ਨਾਥੇ  
 ਨਾਥੇ ਨਾਥੇ ਦੇ ਉਦਾਸਮਾਨ  
 ਵਾਤਾਵਰਣ ਵਿਚ ਉਸਦੀ ਵਾਸੀਮਤੀ ਪਦ ਦੇ  
 ਫੁੱਲ ਖੋਲ੍ਹੇ ਨਾਥੇ ਵਿਚ ਤ੍ਰਿਸ਼ਨਾ ਵਿਚੀ ਹੀ  
 ਉਪਰਾਈ ਵਾਤਾਵਰਣ ਵਿਚ। ਵਿਚਾਰ, ਘੱਟ,  
 ਵਿਚੀ ਹੀ ਤ੍ਰਿਸ਼ਨਾ ਦੇ ਮਨ-ਮੁਕਤ ਵਿਚ ਆਖੀਤ  
 ਮੀਤ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪ੍ਰਗਟਾਇਤ ਹੋ ਉਠੇਗੀ।

## ਵਿਸ਼ਾ : ਅਧਿਕਾਰ

ਵਿਸ਼ਾ : ਅਧਿਕਾਰ ਯੋਗ ਮੰਗੀਤ  
 ਦਾ ਪਿਛੋਕੜ ਦੱਸਿਆ  
 ਹੈ। ਦਮਤੁ ਹੋਣਾ ਵਾਸੀਆਂ  
 ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਖਾਣੀ ਕਰੇਗਾ।

ਵਿਸ਼ਾ : ਅਧਿਕਾਰ ਨਾਥੇ ਦੱਸਿਆ  
 ਹੈ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਵਿਚਾਰਾਂ  
 ਮਨੁੱਖਾਂ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਨਾਥੇ  
 ਮੰਤ੍ਰਿਕਾਂ ਦੇ ਦਮਤੁ  
 ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਖਾਣੀ ਕਰੇਗਾ।



ਜਿਹੜੇ ਪਿਆਰੀ

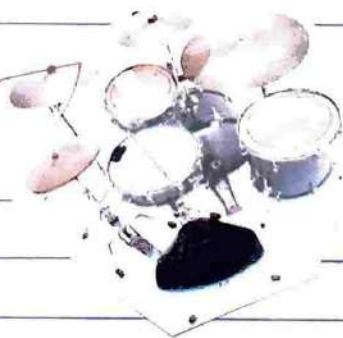
ਮਾਹਿਰ ਮਸਗੋਰੀ

ਸਾਥੀ ਤੁਸੀਂ

ਜਿਹੜੇ ਪਿਆਰੀ ਪਿਆਰੀ  
ਪੈਰ ਮੰਗੀਤ ਵਾਇਤਿਗਮ  
ਸਾਹਮਣੇ ਤੇ ਪਿਆਰੀ ਪਾਖ  
ਮੁਹਮਣੇ ਤੇ ਸਾਪਣੀ ਵਾਪੀਆਂ  
ਤੇ ਹੀ ਪੈਰ ਵਰਮਣੇ



ਜਿਹੜੇ ਪਿਆਰੀ ਪਿਆਰੀ  
ਸਾਹਮਣੇ ਮਸਗੋਰੀ ਵਾਪੀਆਂ  
ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ ਸਿਖਰੀ



ਮੁੱਖ ਦੀ ਸਾਹਮਣੇ  
ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ  
ਮੰਗੀਤ ਦਾ ਚਲਣ  
ਭੇਦਿਆ ।  
ਇਸ ਵਿੱਚ ਉਮਰੇ  
ਭਾਵਾਂ ਨੂੰ ਹੱਸਦੇ  
ਲਈ ਉਮਰੇ ਦਾਨੀ  
ਦਾ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤਾ।

## ਮੀਤਮ - ਦੁਆਈ

1. ਮੀਤਮ ਦਾ ਚਲਣ ਕਿਵੇਂ ਹੋਵੇਗਾ ?
2. ਦਿਲ ਦੇ ਉਥਰੇ ਭਾਵਾਂ ਲਈ ਮਨੁੱਖ ਨੇ  
ਕੀ ਕੀਤਾ ?
3. ਵਾਲੀ ਦੇ ਪ੍ਰਭਾਵ ਨਾਲ ਕੀ ਹੋਵੇਗਾ ?
4. ਲੋਕ ਮੀਤਮ ਕੀ ਹੋਣਾ ਤੋਂ ਅਤੇ ਦਿਮਾਦਾ ਇਤਿਹਾਸ  
ਕੀ ਹੋ ?

*ਦਿਲ*

ਘਰ ਦੇ  
ਰੰਮ  
ਇਤਿਹਾਸੀ ਸ਼ੇਰ-  
ਮੀਤਮ ਦਾ  
ਇਤਿਹਾਸ ਯਾਦ ਰਹੇ  
ਆਉਣਗੇ ।



ਧਾਠ  
ਫ਼ੈਸਲਾ : 28

ਦਿਹਿ. ਨਾਪਿ ਰਾ ਹੋਏ ਮੇਘਰ 16/7

|          |           |
|----------|-----------|
| ਸਮਾਤ -   | ਮਤੀ       |
| ਦਿਮਾ -   | ਮੀਗੀਤ     |
| ਉਪਦਿਮਾ - | ਘੋਰ - ਮਾਸ |
| ਸਮਾ -    | 30-55-ਮੀਟ |
| ਮਿਤੀ -   | 67-12-012 |

ਮਪਾਧ ਮੱਸਗੀ।  
ਦਿਮੇ ਮਸਗੀ।  
ਅਪਾਧ ਉਰੇਮ।

ਦਿਮੇ ਉਰੇਮ।  
ਪਕਾਉਣ ਦਾ ਚੰਗਾ -  
ਮਨੁਸ਼ਾਨਿਤ ਧੁੰਡ  
ਗਿਮਾਨ -  
ਧੁੰਡ ਗਿਮਾਨ ਦੀ  
ਪਕਾ -  
ਧੁੰਡਤੀਕਾਧ :-)

ਮਪਾਧ ਸਮਾਤ। ਹੋਰ, ਰਾਖਾ ਤੁਝਾ। ਮੀਰਤ।  
ਘੋਰ ਮਾਸਾਂ ਮੇ ਰਮਾਉਣਾ ਚਾਹੁ।  
੧ ਗਿਮਾਨ ਦਿਹ ਦਾਖਾ ਕਰਨਾ।  
੨ ਮੀਗੀਤ ਦਿਹ ਰੁਖੀ ਪੈਣਾ ਕਰਨਾ।  
੩ ਤੁਰਕ ਮੁਰਤੀ ਦਿਹ ਦਾਖਾ ਕਰਨਾ।  
ਦਿਹਿ. ਮੇ ਘੋਰ ਮਾਸ ਦਾਖਾ ਸਾਹਰਾਤੀ ਰੁਣਾ।  
੧ ਗਿਮਾਨਿਮਾ ਰਿਪੀ ਦ ਧੁੰਡ : ਉੱਤੋਂ ਰਿਪੀ।  
ਦਿਹਿ. ਨਾਪਿ. ਦਿਹ ਮੇਘ ਕੇ ਤੁਝੇਗਾ ਰਿ ਦਿਹਿ. ਮੇ ਘੋਰ ਮਾਸਾ  
ਦਾ ਘੋੜਾ ਧਰਤ ਗਿਮਾਨ ਤੋਂ  
੪ ਘੋਰ ਮੀਗੀਤ ਦੀ ਤੁਝਾ ਤੋਂ ੨ ਘੋਰ ਮਾਸਾਂ ਘਾਤੋਂ  
ਤੁਸੀਂ ਦੀ ਸਾਹਰਾ ਤੋਂ  
ਦਿਹਿ. ਨਾਪਿ. ਧੁੰਡ। ਉੱਤੋਂ ਰਿਪੀ। ਗਿਮਾਨਿਮਾ ਰਿਪੀ ਨਤੋਂ  
ਰਾਖਾ ਤੁਝਾ ਰਿਪੀ ਦਾ ਕੁਝੋਂਗਾ ਕਰੇਗਾ।

## ਵਿਸਾ ਰਗੜ

ਪੈਰ ਮਾਥ :- 1) ਪੈਰੀ - 2 ਵਿਰਾਮ ਰਗਮ ਦੇ  
 ਮਾਥ - 2 ਮਾਥ ਹੈ ਘੀਤ  
 ਦੇ ਮਾਥ ਮਮਾਓਰੇ ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਨੇ ਮਾਥਾਂ ਦੇ  
 ਮਾਥ ਦੇ ਪਰਿਹਾਇਆ ਹੈ । ਪੈਰ ਘੀਤ  
 ਮਾਥ ਦੇ ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਨੇ ਮਾਥਾਂ ਦੇ  
 3) - ਮਾਥ ਦੇ ਤੀਰ ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਗਤੀ  
 ਹੈ । ਮਾਥ ਮਾਥ ਮਾਥ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮਾਥ  
 ਹੈ ਦੇ ਮਾਥ ਮਾਥ ਪ੍ਰਧਾਨ ਪ੍ਰਿਤੀ ਹੈ ।  
 3) - ਮਾਥ ਦੇ ਰਗਮ ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥ ਹੈ

ਪੈਰ ਘੀਤਾਂ ਵਿਚ ਦੇਖ 3) - ਮਾਥ ਰਗਮ ਦੇ  
 ਪੈਰੀ ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਪੈਰੀ । ਰਗਮ ਰਗਮ  
 ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ । ਪੈਰ  
 ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ  
 ਵਿਚ ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ  
 3) ਉਮਰੀ ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ  
 ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ  
 ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ

ਵਿਸੀ 3) - ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ  
 ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ ਪ੍ਰਿਤਾਂ  
 ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਮਾਥਾਂ ਪ੍ਰਿਤਾਂ  
 2) ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਮਾਥਾਂ ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਮਾਥਾਂ  
 ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਮਾਥਾਂ ਪ੍ਰਿਤਾਂ  
 ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਮਾਥਾਂ ਪ੍ਰਿਤਾਂ  
 ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਮਾਥਾਂ ਪ੍ਰਿਤਾਂ

## ਵਿਸਾ ਮਾਥ ਪ੍ਰਿਤਾਂ

ਵਿਸਾ ਮਾਥ ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਦੇ  
 ਪੈਰ ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ  
 ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ  
 ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ  
 ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ

ਵਿਸਾ ਮਾਥ ਪ੍ਰਿਤਾਂ ਦੇ  
 ਪੈਰ ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ  
 ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ  
 ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ  
 ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ  
 ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ  
 ਮਾਥਾਂ ਦੇ ਮਾਥਾਂ



ਦਿਲੀ-ਦਿਲੀ

ਮਗਫਿਰ ਮਮੋਗੀ

ਵਾਜਾ ਤੁਝੀ

ਦਿਲੀਮਾਥੀ ਪਿਆਰ ਨਾਚ  
ਮਾਪਿਆਰ ਦੀ ਗੋਲ ਮੁਹਰ  
ਮਾਪਣੀਆਂ ਵਾਪੀਆਂ ਤੋਂ  
ਮੇਰੇ ਵਸਤਾਂ।

ਦਿਲੀਮਾਥੀ ਪਿਆਰ ਨਾਚ  
ਮਾਪਿਆਰ ਰੁਮਾਤ ਹਿੱਤੀ  
ਸਾਹਸਾਰੀ ਦੇ ਮੁਹਰਾਂ  
ਤੋਂ ਵਾਪੀਆਂ ਤੋਂ ਹੀ  
ਮੇਰੇ ਵਸਤਾਂ।



ਉਲੀ-ਉਲੀ  
ਦਿਲਾਮ ਰੁਮ ਦੇ  
ਕਾਲ -2 ਮਾਠੀ  
ਨੇ ਗੀਤ ਦੇ ਕਾਲ  
ਨਿੱਤਾਂ ਕਰੇ ਮਾਠਾਂ  
ਦੇ ਮਾਠੀ ਨੂੰ  
ਪਹਿਚਾਣਿਆਂ ਤੋਂ।  
ਲੋਰ ਜੀਵਨ ਦਿੱਤ  
ਮਾਠਾਂ ਹੋਰ ਥਾਂ  
ਉੱਤੇ ਦਿਲਮਾਠ  
ਮੇਰੇ।

## ਭੀਤਰ ਦੁਹਾਈ

1. ਲੋਮ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਕਿਉਂ ਪੈਂਦੀ ਹੈ?
2. ਕੁਝ ਲੋਰ ਮਾਜ਼ਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਦੱਸੋ?
3. ਘੁਮਿਯਾਰ ਕਿਸਦੀ ਮਾਜ਼ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਹੈ?

## ਘਰ ਦੇ ਰੰਮ

ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਲੋਰ-ਮਾਜ਼ਾਂ  
ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ  
ਕਰ ਕੇ ਆਉਣਗੇ।



ਪਾਠ  
ਕੈਲੰਡਰ 29

ਦਿਹਿ ਮਾਧਿ ਲਾ ਰੰਧ ਮੈਥਰ - 1617

ਸਮਾਧਿ ਲ ਮਤੀ

ਗਿਮਾ 1 - ਮੰਗੀਤ

ਉਪਾਧਿ ਲ (ਯੋਰ ਨਾਥ)

ਸਮਾਧਿ 1 - 30 - 31 ਮਿਥ

ਮਿਤੀ 1 - 08 - 12 - 12

ਮਾਧਾਧ ਮੰਗੀਤੀ -

ਦਿਸੰਮ ਮੰਗੀਤੀ -

ਮਾਧਾਧ ਉਰੇਮ -

ਮਾਧਾਧ ਕਮਗਾ ਚੌਰ, ਕੁਧਾਧ, ਮੈਰੇਤਰ, ਕਾਧਾ ਅਖਤਾ,

ਯੋਰ ਨਾਥ ਨਾਥ ਮੰਧੀਧਤ, ਤਮਈਗਾ।

1) ਦਿਹਿ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਗਿਮਾਧ ਦਿਹ ਦਾਧਾ ਰਗਾ।

2) ਦਿਹਿ ਲਾ ਮਾਧਮਿਰ ਦਿਸੰਮ ਕਗਾ।

3) ਦਿਹਿ ਲੀ ਤਰ੍ਹ ਮੁਕਤੀ ਦਿਹ ਦਾਧਾ ਰਗਾ।

ਦਿਸੰਮ ਉਰੇਮ 1 -

ਦਿਹਿ ਦੋ ਲਯੋਰ - ਨਾਥ। ਧਾਧ ਸਾਧਵਾਗੀ ਦੇਈ।

ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਲਾ ਦੇਗਾ

ਮਾਧੁਮਾਧਿਤ ਪੁਰਖ

ਗਿਮਾਧ 1 -

ਪੁਰਖ ਗਿਮਾਧ ਲੀ

ਪਰਖ 1 -

ਪੁਮਤਤੀਰਾਧ -

ਪੁ ਪੁਮਤਾ ਉਤਰ ਦਿਪੀ (11) ਗਿਮਾਧਿਕਾ ਰਿਪੀ।

ਦਿਹਿ ਮਾਧਿ ਦਿਹ ਮਧਿ ਕੇ ਚੁੱਧੇਗਾ ਰਿ ਯੋਰ ਨਾਥ ਧਾਧ ਯੋਰ

ਧਾਧ ਗਿਮਾਧ ਲੀ

1) ਯੋਰ ਮੰਗੀਤ ਕੀ ਪੁਧ ਲੀ 2) ਯੋਰ ਮੰਗੀਤ ਦਿਹ ਕੀ ਪੁਰਖੇਰ

3) ਯੋਰ ਗੀਤਾਂ ਦੇ ਰਿਸੇ ਅਮਤਰ ਗਾਧਿਰ ਲਾ ਪਾਧ

ਦਿਹਿ ਮਾਧਿ ਦਿਮਾਧਿਕਾ ਰਿਪੀ। ਪੁਮਤ ਉਤਰ ਦਿਪੀ ਗਾਧੀ

ਧਾਧਿਕਾ ਲੀ ਪੜ੍ਹਾਏਗਾ।

## ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ

ਉਹ ਪੁਰਾਣੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲੋਂ ਆਖਰ ਖੁਸ਼ੀਆਂ ਦੇ ਹੀ  
 ਭਾਗੇ। ਕਿਉਂ ਜਿਉਂ ਕਿਉਂ ਕਿਸੇ ਜਿਸਨੇ ਆਪਣੇ ਸਿਰਫ  
 ਖੁਸ਼ੀਆਂ ਦੇ ਪ੍ਰਭੂ ਕਿਸੇ ਜਿਸਨੇ। ਪ੍ਰਭੂ  
 ਜੋ ਪੈਰ ਸੀਮੇ ਤੋਂ ਜਿਵੇਂ ਜਿਵੇਂ ਹੋਵੇ।  
 ਜਿਵੇਂ ਪੁਰਾਣੇ ਦੀ ਪ੍ਰਭੂ ਮੈਂਦੀਆਂ ਦੇ  
 ਰਈ ਰਾਗੇ ਜਦੋਂ ਗੁਰੂ ਦੇ ਰਾਜੇ ਵਿਚ  
 ਗਾਂਥੇ ਹੀ - ੨ ਰਈਆਂ ਵਿਚ ਜਿਵੇਂ ਜਿਵੇਂ ਹੀ।  
 ਪਰੋਂ ਗੁਰੂ ਵਿਚ ਉਹ ਪੁਰਾਣੇ ਦੇ ਖੋਲ੍ਹੇ  
 ਰੋਂ ਗੋਰੀਆਂ ਦੇ ਗਾਂਥੇ ਪੁਰਾਣੇ ਕੀਤੀ  
 ਗਈ।

ਪੈਰ ਨਾਲੋਂ ਸੀਮੇ ਦੀ ਆਤਮਾ ਦੇ ਆਪਣੇ  
 ਵਿਚੋਂ ਗੁਰੂ ਗਾਂਥੇ ਦੀ ਆਤਮਾ ਤੋਂ ਪੈਰ  
 ਗੀਤਾਂ ਦੇ ਗੋਰੀਆਂ ਪੈਰ ਨਾਲੋਂ ਆਪਣੇ  
 ਗੁਰੂਗੋਰੂ ਦੀ ਤੋਂ ਰਈ ਗੀਤ ਦੇ ਆਪਣੇ  
 ਆਪਣੇ ਤੋਂ ਰਈ ਆਪਣੇ ਦੇ ਆਪਣੇ ਗੀਤ।  
 ਰਈ ਤੋਂ ਪੈਰ ਗੀਤ ਆਪਣੇ ਪੈਰ ਆਪਣੇ  
 ਆਪਣੇ ਆਪਣੇ - ੨ ਗੁਰੂ ਗੋਰੀਆਂ ਦੇ।  
 ਪਰੋਂ ਵਿਚੋਂ ਦੇ ਆਪਣੇ ਗੁਰੂ ਤੋਂ  
 ਗੁਰੂ ਮੈਂਦੀਆਂ ਤੋਂ ਵਿਚੋਂ ਪੁਰਾਣੇ ਪੈਰ  
 ਮੈਂਦੀਆਂ ਦੀ ਰਈਆਂ ਸੀਮੇ ਵਿਚੋਂ  
 ਗੁਰੂਗੋਰੂ ਸਭਾ ਗੁਰੂ ਆਪਣੇ ਵਿਚੋਂ ਦੇ  
 ਗੁਰੂ - ਗੁਰੂ ਦੇ ਰਈ ਆਪਣੇ ਮੈਂਦੀਆਂ  
 ਤੋਂ ਆਪਣੇ - ੨ ਵਿਚੋਂ ਤੋਂ ਆਪਣੇ  
 ਆਪਣੇ - ੨ ਵਿਚੋਂ ਵਿਚੋਂ ਆਪਣੇ ਗੁਰੂ  
 ਗੁਰੂ ਦੀ ਆਪਣੇ ਆਪਣੇ - ੨ ਰਈ ਦੇ  
 ਗੁਰੂ ਵਿਚੋਂ ਦੀ ਪਰੋਂ ਤੋਂ

## ਜਿਸ ਨਾਲੋਂ ਜਿਸਨੇ

ਜਿਸ ਨਾਲੋਂ ਪੈਰ ਨਾਲੋਂ ਵਿਚੋਂ  
 ਵਿਚੋਂ ਗੋਰੀਆਂ ਵਿਚੋਂ  
 ਰਈਆਂ ਤੋਂ ਵਿਚੋਂ ਦੇ  
 ਗੁਰੂਗੋਰੂ ਤੋਂ ਵਿਚੋਂ ਆਪਣੇ  
 ਗੁਰੂਗੋਰੂ।

ਜਿਸ ਨਾਲੋਂ ਪੈਰ ਨਾਲੋਂ ਦੇ  
 ਸੀਮੇ ਦੀ ਆਤਮਾ ਵਿਚੋਂ ਗੋਰੀਆਂ  
 ਵਿਚੋਂ ਗੁਰੂਗੋਰੂ ਦੇ ਸਮਝਾਵੇਂ  
 ਤੋਂ ਗੁਰੂਗੋਰੂ ਦੇ ਗੁਰੂਗੋਰੂ ਤੋਂ  
 ਪੈਰ ਗੁਰੂਗੋਰੂ ਗੁਰੂਗੋਰੂ।



ਜਿਹੇ ਪਿਆਰੇ

ਗਾਇਕ ਸੰਗੀਤ

ਰਾਜਾ ਤਖਤ

ਜਿਹੇ ਪਿਆਰੇ ਨਾਚ ਮਾਪਿ  
 ਉਮਾਗੇ ਹਿੱਤੀ ਸਾਹਸਰੀ  
 ਮੇਂ ਮੁਹਰੀ ਤੇ ਰਾਖੀਆਂ  
 ਤੇ ਹੀ ਮੇਰੇ ਕਰਮਾਂ।



ਮਾਰੇ ਜਿਹਿਆਂ ਦੀ ਮਾਪਿਆਪਰ  
 ਉਮਾਗੇ ਹਿੱਤੀ ਰਾਈ  
 ਸਾਹਸਰੀ ਰਾਖੀਆਂ ਤੇ ਮੇਰੇ  
 ਕਰਮਾਂ।



ਫੇਰ ਨਾਚ

ਤਾਹ ਪੁਰਾਮਾ  
 ਈਆਂ ਮਾਧਰ  
 ਮੁਹਰਾਂ ਨੂੰ  
 ਤੀ ਤਮਾ ਦਿੱਤ  
 ਨਿਤ ਰਿਗ ਗਿਅ  
 ਅਤੇ ਨਿਗਾਧਰ  
 ਮੁਹਰਾਂ ਨੂੰ ਨਿਤ  
 ਰਿਗ ਗਿਅ ਤੇ।

## ਅੰਤਿਮ ਦੁਆਈ

1. ਏਰ ਨਾਠ ਗਿੱ ਵਿਰਾਸਤ ਭੇਦਿਯਾ !
2. ਏਰ ਨਾਠ ਤਾਣਨਾਹੁ ਨੇ ਰਿਸੇ  
ਵਹਗਾ ਵਿੱਚ ਗੰਢਿਯਾ ਜਾ ਮਧਦਾ ਤੇ।
3. ਏਰ ਨਾਠ ਘਾਹੇ ਵਿਸਰਾਹ  
ਨਾਮੁ ਕਰਮੈ ।

ਘਾਹੇ ਦੇ ਰੰਮ :-

ਵਿਰਾਸਤੀ ਏਰ  
ਨਾਠ ਘਾਹੇ ਲਿਖੇ  
ਆਉਣਗੇ।

*Handwritten signature*



ਪਾਠ  
ਜੇਸ਼ 30

ਦਿਲਿੰ ਆਪਿੰ ਲਾ ਰੋਧ ਮਿਧਾ। - 16/7

ਅਸਾਤ। -

ਮਤਲੀ

ਦਿਮਾ। -

ਮੰਗੀਤ

ਉਪਦਿਮਾ। - 1 ਗਾਗ ਤੁੰਗ ਲਾ ਪਹਿਲੇ

ਅਸੀਂ। -

30-35 ਮਿਟੇ

ਮਿਤੀ। -

10-12-12

ਮਪਾਗਿਯ ਮਮੰਗੀ। -

ਦਿਮੇਸ ਮਮੰਗੀ। -

ਮਪਾਗਿਯ ਉਦੇਸ। -

ਦਿਮੇਸ ਉਦੇਸ। -

ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਲਾ ਦੋਸ। -

ਮਾਮੁਮਾਮਿਤ ਪੁਰਦ

ਗਿਲਾਮ। -

ਪੁਰਦ ਗਿਲਾਮ ਦੀ

ਪਥ। -

ਪੁਮਤਤੀਵਰਦ। -

ਮਪਾਗਿਯ ਅਸਾਤ। ਅਸਾਤ, ਤਬਰਾ, ਗੋਰ, ਮੇਕਤਰ ਆਦਿ।

ਗਾਗ ਤੁੰਗ ਦੇ ਰਕਮਾਉਣਾ ਉਦਿਮਾ ਚਾਹੇ।

1) ਦਿਲਿੰ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਗਿਲਾਮ ਦਿਲਿੰ ਦਾਪਾ ਰਗਾ।

2) ਦਿਲਿੰ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਅਤੇ ਹੁਜੀ ਪੈਰਾ ਰਗਾ।

3) ਮਾਮੁਮਾਮਿਤ ਅਤੇ ਪੈਪਿਰ ਮਤਲੀ ਉੱਤੇ ਰਗਾ।

ਦਿਲਿੰ ਦੇ ਗਾਗ ਤੁੰਗ ਲਾ ਰਿਮਲਾਹ ਰੁਪ ਦਿਲਿੰ ਸਾਹਬਾਹੀ ਰਗਾ।

1. ਰਿਮਾਖਿਮਾ ਦਿਪੀ 2. ਤਮਰੁ ਦਿਪੀ 3. ਪੁਮਦਾ ਉੱਤੇ ਦਿਪੀ।

ਦਿਪੀ ਦਿਲਿੰ ਆਪਿੰ ਦਿਲਿੰ ਮੇਦਰੇ ਉੱਤੇ ਗਾਗ ਦਿਲਿੰ ਦੇ ਮੰਗੀਤ

ਦਿਲਿੰ ਆਗੇ ਪਾਗੇ ਸਾਹਬਾਹੀ ਜਾ

1. ਗਾਗ ਲਾ ਉਪੱਤੀ ਕਿੰ ਗੋਰੀ ਜੇ 2. ਗਾਗੀ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਰਿਮੇ

ਪਾਗੇ ਗਾਗੀ

ਦਿਲਿੰ ਆਪਿੰ ਗਿਲੇਆਰੀਖਮਾ ਦੇ ਰਿਮਾਖਿਮਾ ਦਿਪੀ। ਪੁਮਦਾ-

ਉੱਤੇ ਦਿਪੀ ਅਤੇ ਤਮਰੁ ਦਿਪੀ ਗਾਗੀ ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ।

## हिमा रमई

संज्ञी या वैमल मर, दारी या-वि दायन  
प्राप्त ममं मीडि मर, गुही उमर वर गान

आर:- उमर गग की उरपंडी उमर वर उं जे

मर:- उं जे पु मर वैमल मर दारी मर  
मुप मर गग ।

ममां:- उमर गग या ममां रिरि या पण्डा  
पण्डा जे

दरसि मर:- वैली ही मर दरसि मर जे

साडी:- मीपुह - मीपुह जे

पुविडि:- रिम गग की पुविडि मरिडि जे

दारी मर:- रपा, दारी मर जे

मर:- मी, री, मी, पा, पु, नी मा

मदारी मर:- री, मदारी मर जे

मर:- मी, मि, पु, नी मा मा गग,

लीग:- रि उरगि पुपन गग जे

पवड:- मी, री, मी, पा, पु, नी मा

## दिरि मपि-दिमाहा

दिरि मपि उमर गग  
चार दिमवार गग  
पाण दिमवारिमां पु  
ममगगग मर  
वापीमां उ दिमर दारी  
वरगग

दिरि-मपि गग उमर  
या वर, मर ।

दरसि मर । साडी ।  
दारी । मदारी । मर ।  
दिमाहा र मर माहि  
चार सादरा रीगग ।



## ਦਿਲਿ ਸ਼ਿਕਾਸ਼ੀ

ਮਾਓ ਦਿਲਿ ਸ਼ਿਕਾਸ਼ੀ ਮਾਓ ਕਾਪਿਮਾਪਰ  
 ਮੇ ਮੁਹਮਾ ਤੇ ਮਾਗੀ ਸਾਹਵਾਨੀ  
 ਮੇ ਸਮਝੇ ਜੇ ਮਾਪਣੀ ਕਾਪੀਮਾ  
 ਤੇ ਹੀ ਮੇ ਕਰਨਾ ।

ਦਿਲਿ ਸ਼ਿਕਾਸ਼ੀ ; ਕਾਪਿਮਾਪਰ ਸ਼ਿਕਾਸ਼ੀ  
 ਦਿਲਿ ਸ਼ਿਕਾਸ਼ੀ ਤੇ ਹੀ ਸਾਹਵਾਨੀ ਮੇ  
 ਸ਼ਿਕਾਸ਼ੀ ਮਾਓ ਮੁਹਮਾ ਤੇ ਕਾਪੀਮਾ  
 ਤੇ ਹੀ ਕਰਨਾ ।

## ਮਾਗੀਵ ਮਮਗੀ ਕਾਪੀ 3431

ਧਾਂਦਾ, ਮੱਧ, ਤਾਲੁ,  
 ਮੇਰਾ ਹਾ ਨਾਚ ਰਹੇ  
 ਖੁਸ਼ ਹੋਣਾ, ਰਹ ਪੁਤਲੀ  
 ਨਾਚ, ਅਗੀਰੇ, ਧਾਰਮਿਕ  
 ਸਮਾਜਿਕ ਉਤਸ਼ਾਹ ਦਿੱਤ  
 ਸਮੁੱਚੇ ਤਾਹ ਪੁਰਾਸ਼ਾ,  
 ਲੋਕ ਨਾਚ ਦੀ ਉਦਯੋਗ  
 ਹੋ ।

## ਅੰਤਿਮ ਪਾਗਲੀ

- ① ਰਾਗ ਤੋਂ ਹੋਣ ਵਾਲਾ ਕਿਸ ਬਾਟ ਦੀ ਉਤਪਤੀ ਹੈ?
- ② ਇਸ ਰਾਗ ਦੀ ਜਾਤੀ ਕਿਹੜੀ ਹੈ?
- ③ ਇਸਦੇ ਵਾਲੀ - ਸੰਵਾਦੀ ਮਹਰ ਕਿਹੜੇ  
ਹਨ?
- ④ ਇਸਦੇ ਨਿਰਮਾਤਾ ਦੇ ਮਹਰ ਕਿਹੜੇ ਹਨ?

ਪਾਗਲੀ

ਵਿਦਿਆਰਥੀ, ਰਾਗ  
ਤੋਂ ਹੋਣ ਵਾਲਾ ਪਾਗਲੀ  
ਦੇਸ਼ੀ ਤਾਂ ਬਾਟ  
ਦੇਸ਼ੀ ਆਉਂਦਾ ਹੈ।



પાઠ  
લેસન : 31

દિરિ-ભાપિ રા વેળ દિવસ :- 16/9

સમાજ :-

માઠની

દિમા :-

મેગીડ

દિપાદિમા :-

મુજ ડાજ :-

સમા :-

30-35 મિનિટ

મિડી :-

01-05-13

માપાગન સમગીની :-

દિમેમ સમગીની :-

માપાગન ઉદ્દેશ :-

માપાગન સમાજ રા વસગા ડાંબા રાજા ડાંબા ડાંબા મેરડા મારી  
મુજ ડાજ દે રુમાદિરા ડેરિમા સગર ।

1. દિરિ- રા માપમિડ મડર ઉદ્દેશ વગ્ગા ।

2. દિરિ- રા મેગીડ દિ રૂણ પેર વગ્ગા ।

3. દિરિ- રા ગિમાન દિ રાજા વગ્ગા ।

દિરિ- દે મુજ ડાજ ઘાલ દિમધાન માજ સારગી રડા ।

1. દિમાધિમા વગ્ગા

2. પુમ્મદા ઉડે દિપી

3. ડિમાડમિન દિપી

4. ડામ્મદ દિપી

દિરિ- ભાપિ દિ મેન વે ઉદ્દેશા રિ દિરિમાગી દે

ડાજ ઘાલ પેર ઘરૂડ પડા ડે

દિરિ- ભાપિ ઘોરમા દે વડ પુમ્મદ પડગા :-

દિરિ- ભાપિ દિમાધિમા દિપી ગડી, ડિમાડમિન દિપી

ગડી ઘોરમા દે પડગા ।

માપાગન પૂર

ગિમાન :-

પૂર ગિમાન રા પૂર

પુમ્મડી રા

## ਵਿਸ਼ਾ 2

ਮੂਖਤਾਬ ਦੀ ਪਹਿਲੀ 1- ਮੂਖਤਾਬ ਤਾਜ਼ 10 ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਦੀ ਤਾਜ਼ ਹੈ 1 ਤੇ 2 ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਦੇ ਵਿਚ 6 ਵਿਭਾਗ ਹਨ। ਪਹਿਲੀ ਮਾਤਰਾ ਤੇ ਮਮ, ਪੰਜਵੀਂ ਮਾਤਰਾ ਤੇ ਫੁੱਲੀ ਤਾਜ਼ੀ, ਸੱਤਵੀਂ ਮਾਤਰਾ ਤੇ ਤੀਜੀ ਤਾਜ਼ੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਤੀਜੀ ਤੇ ਚੌਥੀ ਮਾਤਰਾ ਉਤੇ ਥਾਜ਼ੀ ਹੈ। ਮੂਖਤਾਬ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦੀ ਤਾਜ਼ ਹੈ। ਪੜ੍ਹੇ ਹੋਏ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਤੌਰ 'ਤੇ ਦਸਤਾਵੇਜ਼ ਦੀ ਹੀ ਮੁੱਖ ਹੈ।

ਦੋ ਮੂਖਤਾਬ

| ਮਾਤਰਾ | 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10  |
|-------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| ਦੱਖ   | ਧਾ | ਧਾ | ਹਿ | ਤਾ | ਖਿ | ਧਾ | ਤਿ | ਤਤ | ਗਿ | ਮੁਖ |
| ਚਿੰਨ  | X  |    | 0  |    | 2  |    | 3  |    | 0  |     |

## ਵਿਸ਼ਾ 2

ਵਿਸ਼ਾ 2 ਅਧਿ ਮੂਖਤਾਬ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮਾਤਰਾ ਪਹਿਲੀ ਹੋਵੇਗੀ ਤੇ ਚੌਥੀਆਂ ਤੇ ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ ਵੀ ਖਿਥਰ ਖਰੀ ਰਹੇਗੀ।

ਵਿਸ਼ਾ 2 ਅਧਿ ਤਾਜ਼ ਦੇ ਥਾਜ਼ੀ, ਤਾਜ਼ੀ 1 ਵਿਭਾਗ ਤੇ ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਦੀ ਸਾਫ਼ਤਾ ਹੋਵੇਗੀ ਤੇ ਚੌਥੀਆਂ ਤੇ ਫਿਰ ਸਾਫ਼ਤਾ ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ ਖਿਥਰ ਖਰੀ ਚੌਥੇਗੀ।



# ਹਿਰਿ-ਪ੍ਰਿਮਾਦਾਂ

ਹਿਰਿ-ਪ੍ਰਿਮਾਦ ਨਾਨਕ ਹਿਰ  
ਤਾਨੁ ਰਾ ਪਹਿਰੇ ਮੁਹਰਗੇ  
ਤੇ ਰਾਪੀਆਂ ਤੇ ਮੋਹ  
ਦੀ ਕਰਮਗੇ ।

ਹਿਰਿ-ਤਾਨੁ ਦੇ ਖਾਖੀ,  
ਤਾਨੀ। ਦਿਗਮ ਤੇ ਮਾਤਗਾ  
ਦੀ ਸਾਵਰਾਗੀ ਸੁ ਗਮਿਯ  
ਕਰਮਗੇ ਤੇ ਮਾਰੀ  
ਸਾਵਰਾਗੀ ਰਾਪੀ ਤੇ ਮੋਹ  
ਕਰਮਗੇ ।

## ਮਾਤਗੇਰ ਮਮਗੋਰੀ

ਰਾਖੀ 3437

| ਮਾਤਗੇ | 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 |
|-------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ਮੰਤਰ  | ਪਾ | ਪਾ | ਹਿ | ਤਾ | ਮਿ | ਪਾ | ਮਿ | ਕੁ | ਗਿ | ਗਿ |
| ਹਿਰਿ  | ਖ  |    | ੦  |    | ੨  |    | 3  |    | ੦  |    |

## ਮੂਲ ਤਾਲ

ਮਾਤਗਾਵਾਂ - 10

ਦਿਗਮ - 5

(2-2-2-2-2)

1, 5, 7 - ਤਾਲੀ ਤੇ

3-9 ਤੇ ਖਾਲੀ ਤੇ

ਇਹ ਪਥਾਵਰ ਦੀ

ਤਾਲ ਹੈ।

## ਭੀਤਰ ਦੁਆਰੀ

1. ਮੁਲਕਾਨ ਲੀਕਨ ਵਿਕੀਯਾ ਮਾਯਾਦ ਤਕ
2. ਲਿਖੇ ਵਿੱਚ ਵਿਕੀਯਾ ਤਕ
3. ਵਿਕੀ ਮਾਯਾ 3 ਵਾਲੀ 3
4. ਵਿਕੀ ਮਾਯਾ 3 ਵਾਲੀ 3
5. ਮੁਲਕਾਨ 2 ਲਿਖੇ ਵਿੱਚ ਵਿਕੀਯਾ ਮਾਯਾ 3

ਦੁਆਰੀ

### ਘਰ ਦੇ ਰੰਗ

ਮਾਯੇ ਵਿੱਚ ਮਾਯਾ, ਮੁਲ  
ਤਾਲ ਦਾ ਧਰੀਏ ਲਿਖ  
ਰੇ ਤੇ ਘਰ ਰੰਗ  
ਮਾਯਾਯਾ।



210  
5/11/32

$$P_{\text{eff}} = \frac{1}{n} \left( 1 + \frac{n-1}{n} \right) \quad \text{for } n=1, 2, 3, \dots \quad 16/7$$

43113 1. 1947

507 1. 4/1/7

24/5/11. 1. 10/11 2. 11/11 3. 12/11 4. 13/11 5. 14/11

July 1 - 2015

5/17/12 2:05 PM

ગુણવત્તા માંગવાથી  
 કિંમતો ઓછાવાથી  
 વપરાશકર્તા સુલભ

ਪੰਨਾ 1  
ਪੰਨਾ 2  
ਪੰਨਾ 3  
ਪੰਨਾ 4  
ਪੰਨਾ 5

የጋራ ስም

राधा उपडा। उरि। मीरुडव । हाऊन । वमरा । कयाड  
माडा कडाप मे रसुमाडि। जेहि ना बाग ।

1. निरि - के मीमांसा कि लया ब्रम्हा।

2. चिरे ही माफिम न मरु डिगि देना ।

3. निर्देश एवं मार्ग निर्देश कृती परीक्षा अवकाश।

ਜਿਹੇ ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਚੁਣਿਆ ਥਾਂ ਰਿਹਾਸ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ,

1. kmitumai kuf 2. yun (Q33) kuf

ਪੰਨੇ- ਅਧਿਕ ਗੀਤਾਂ ਦੇ ਸੰਗ੍ਰਹਿ ਤੇ ਪਿਛੇ ਦੇ ਆਸ਼ਾ  
ਉਤਾਰੇ ਵਾਲੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਨਾਲ ਨਾਜ਼ਾਨਾ ਹੋ

1) કોડી મોડી દિવસે અપાડે જે 2) જમ રા વી જે

ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਗਤੀ  
ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਗਤੀ

3125 11231

माझा डंडाच हा परिच्छेद:- डंडाच माझा डंडाच  
होमग प माडगडा  
ह - 2 माडगा हा ये। परिच्छेद माडगा ड  
मम, डीमगी, मंडवी डे गिमागडी माडगा  
डे डेमगडे डेमगी। डीमगी डे डेमगी बाकी  
होली हो।

22 अगस्त - 23 अगस्त

| ਮਾਸ | 1       | 2       | 3   | 4   | 5   | 6   | 7   | 8   | 9   | 10  | 11  | 12  |
|-----|---------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| ਦਿਨ | ਘੋਰ ਝੋਰ | ਘੋਰ ਝੋਰ | ਘੋਰ | ਘੋਰ | ਝੋਰ | ਝੋਰ | ਝੋਰ | ਝੋਰ | ਝੋਰ | ਝੋਰ | ਝੋਰ | ਝੋਰ |
| ਰੋਜ | ਖ       |         | 2   |     | 0   |     | 3   |     | 0   |     | 4   |     |

1st - my friend

१. हिरे- मयि- मयि- यडाक  
 २. डाक- यडाक- यडाक  
 ३. यडाक- यडाक- यडाक  
 ४. यडाक- यडाक- यडाक  
 ५. यडाक- यडाक- यडाक  
 ६. यडाक- यडाक- यडाक  
 ७. यडाक- यडाक- यडाक  
 ८. यडाक- यडाक- यडाक  
 ९. यडाक- यडाक- यडाक  
 १०. यडाक- यडाक- यडाक

शिरि मापि डाखि रा  
 पागि रमैर जे डाख  
 री माउगां ; डाखी,  
 पाखी । दिउग वा  
 दी रमैगा डे चोरमां  
 हे रापीमां डे मोक  
 वरम छरी रमैगा ।



ਦਿਹਿ ਪ੍ਰਿਥਮਾਨ

ਮਾਤ੍ਰਿਕ ਮਾਤ੍ਰਿਕਾ

ਦੀਖਾ 3437

ਦਿਹਿ ਪ੍ਰਿਥਮਾਨ ਨਾਚ  
ਇਸ ਤਾਕ ਦਾ ਪ੍ਰਿਥਮ  
ਮੁਹੂਰਤ, ਤੇ ਮਾਪਣੀ  
ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ ਮੋਰ ਕਰਨਾ।

|          |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ਮਾਤ੍ਰਿਕਾ | 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 |
| ਦਿਹਿ     | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ |
| ਦਿਹਿ     | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ | ਮਿ |

ਦਿਹਿਮਾਨੀ ਤਾਕ ਦਾ ਬਾਧੀ,  
ਤਾਧੀ, ਮਾਤ੍ਰਿਕਾ, ਦਿਹਿਮਾਨ  
ਤੇ ਪ੍ਰਿਥਮਾਨ ਨਾਚ  
ਮਮਰੁਹਤ ਤੇ ਇਸਦੇ  
ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ ਮੋਰ ਕਰਨਾ।

ਮਾਤ੍ਰਿਕਾ:

ਮਾਤ੍ਰਿਕਾ - 14

ਦਿਹਿਮਾਨ - 7

(2-2 ਮਾਤ੍ਰਿਕਾ  
ਦੇ ਦਿਹਿਮਾਨ ਤੇ)

1, 3, 7, 11 ਤੇ

ਤਾਲੀ ਤੇ।

5, 9, 13 ਤੇ ਖਾਲੀ

ਤੇ। ਇਹ ਤਾਲ  
ਤੁਹਾਨੂੰ ਤੇ ਦਸਾਈ ਤੇ।

## ਮੀਤਰ ਪੁਰਾਣੀ

- ① ਆੜਾ - ਉਤਾਲ ਦੀਆਂ ਰਿਨੀਆਂ ਮਾਤਰਾਵਾਂ  
ਹਨ ?
- ② ਇਸਦੇ ਰਿਨੇ ਵਿਤਰਾ ਹਨ ?
- ③ ਇਸਦੇ ਵਿਤਰਾ ਰਿਨੀਆਂ - 2 ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਦੇ ਹਨ ?
- ④ ਇਸ ਦੀ ਤਾਲੀ ਅਤੇ ਘਾਲੀ ਬਿਗੜੀ - ਬਿਗੜੀ  
ਮਾਤਰਾ ਤੇ ਏ ?

### ਅਰ ਦਾ ਰੰਮ

ਇਹ ਆਖਰੀ ਆੜਾ -  
ਉਤਾਲ ਦਾ ਧਾਰਿਓ  
ਲਿਖ ਕੇ ਤੇ ਯਾਦ  
ਕਰਕੇ ਆਉਣਗੇ।



ਪਾਠ  
ਕ੍ਰਮਸੰ: 33

ਦਿਵਿ: ਸਾਂਪ ਵਧ ਗੱਏ ਮੀਧਾ 16/7

ਸਮਾਤ 1. ਮਠੀ  
ਦਿਵਾ 1. ਮੰਗੀਤ  
ਉਪਦਿਸ਼ਾ 1. 1 ਧੌਰ ਮੰਗੀਤ  
ਮਸਾਲ 30-35 ਮਿਣ  
ਮਿਥੀ 1. 03-05-2013

ਗਾਧਾਨ ਮੰਗੀਤ  
ਦਿਵਿ: ਮੰਗੀਤ  
ਗਾਧਾਨ ਉਲਾ 1

ਮਪਾਧਨ ਸਮਾਤ 1. ਚੌਰੇ 1. ਰਾਖਾ ਤੁਧਾ 1. ਮੀਧਾ 1. ਭਾਧਾ 1  
ਧੌਰ ਮੰਗੀਤ ਮਾਂ ਮਾਮਤੀ ਮੰਗੀਤ ਧਾਧ ਮੰਗੀਤ ਚਾਧਾ

1. ਮੰਗੀਤ ਦੀ ਗਈ ਪੈਰਾ ਕਰਨਾ।
2. ਮੰਗੀਤ ਪੂਰੀ ਹਿਮਾਧਨ ਦਿਓ ਚਾਧਾ ਕਰਨਾ।
3. ਧੌਰ ਮੰਗੀਤ ਦੀ ਮਾਧਾ ਰਮੇਧਾ।

ਦਿਵਿ: ਉਲਾ 1  
ਪਧਾਧਿਓ ਦੀ ਮੰਗੀਤ  
ਮਾਧਾਧਿਓ ਪੂਰਾ  
ਹਿਮਾਧਨ 1-  
ਪੂਰਾ ਹਿਮਾਧਨ ਦੀ  
ਪਧਾਧਿਓ  
ਪ੍ਰਮਾਤੀਧਿਓ 1-2

ਦਿਵਿ: ਧੌਰ ਮੰਗੀਤ ਧਾਧ ਮਾਧਾਧੀ ਰਹਾ।  
1. ਪ੍ਰਮਾਧਨ। ਉਲਾ ਦਿਓ 2. ਹਿਮਾਧਿਧਾ ਦਿਓ।  
ਦਿਵਿ: ਪੈਰਾ ਮੰਗੀਤ ਵੇਂ ਉਲਾਧਾ ਕਿ ਦਿਵਿ: ਧੌਰ ਮੰਗੀਤ ਤੇ  
ਮਾਮਤੀ ਮੰਗੀਤ ਧਾਧ ਰਮੇਧਾ।  
1. ਮੰਗੀਤ ਕਿਧ ਧੌਰ ਕਰਿਓ ਗਧ 2. ਮੰਗੀਤ ਰਿਧੀ ਪ੍ਰਮਾਧਨ ਰਾ  
ਉਲਾ ਮੰਗੀਤ  
ਪ੍ਰਮਾਧਨ: ਉਲਾ ਦਿਓ 1. ਹਿਮਾਧਿਧਾ ਦਿਓ ਤੇ ਚਾਧ-ਦਿਵਾਧ ਦਿਓ  
ਮਾਂਗੀ ਪਧਾਧਿਧਾ।

## ਪਿਆਰ ਦਮਤ

ਭੇਜਦਾ ਮੀਰੀ। ਗਲਬ ਮਰੇ ਕੁਝ ਬੀਧਿਆ ਹੈ  
 ਮਾਧ ਤੇ ਮੁਸਾਮ ਮੀਰੀ ਰਿਹਾ ਚਲਾ ਤੇ ਮੁਸਾਮ  
 ਮੀਰੀ ਦੀ ਰਿਤਿਓ ਮੇਂਦੀਆ ਹਿਓ ਕੁਝ ਹੈ  
 ਮਾਮਤਰਾਨ ਪਾਪ ਤੇ ਮਾਂ ਕੁਝ ਹੈ ਮਹੀ।  
 ਪਰੇ ਮੁਸਾਮ ਮੀਰੀ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਹਿਯਤਾ  
 ਮਹੀ ਤੇ ਮੇਰੇ ਮੀਰੀ ਤੇ ਮਾਮਤਰੇ  
 ਦਿਪਤ ਤੇ ਮੁਰਤ ਤੇ।

## ਪਿਰੇ ਮਾਧ ਪ੍ਰਿਯਾ

ਪਿਰੇ ਮਾਧ ਪ੍ਰਿਯਾ  
 ਮਾਧ ਮੇਰੇ ਮੀਰੀ ਦੀ  
 ਸਾਫ਼ਰਾਨੀ ਪੱਚੀਆਂ ਹੈ  
 ਦੁੱਗਾ ਤੇ ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ  
 ਸਿਖਰ ਖਈ ਕਰੇਗਾ।

ਪਿਰੇ ਮਾਧ ਮੱਗ  
 ਦਮਤਾ ਤੇ ਕਰੇਗੇ  
 ਦੁੱਗਾ ਤੇ ਮੇਸਾਨਤਾ  
 ਤੇਰਾ ਤੇ ਦੁੱਗਾ ਰਾਇਆ  
 ਤੇਰੇ ਦੀ ਤੇਰੇ ਤੇ  
 ਕੁਝ ਮੀਰੀ ਤੇਰੇ  
 ਦੁੱਗਿਆਂ ਤੇ ਦਿਤ  
 ਸਾਫ਼ਰਾਨੀ ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ  
 ਮੇਰੇ ਕਰਨ ਖਈ ਦੀ  
 ਕਰੇਗਾ।



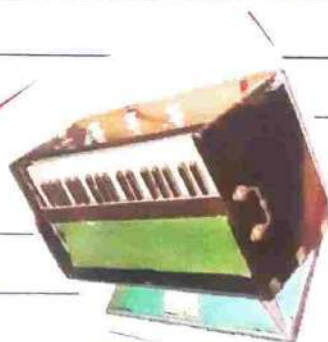
## ਇਹਿ ਪ੍ਰਿਥਾਵਾਂ

ਇਹਿ ਪ੍ਰਿਥਾਵੀ ਪ੍ਰਿਥਾਵ ਨਾਥ  
ਇਹੀ ਜਾ ਕੀ ਸਾਹਬਾਗੀ  
ਸਾਧਵੀ ਵਾਪੀਆ ਤੋਂ  
ਧੰਨ ਕਾਨਾ।

## ਮਾਗਣਿਕ ਮੰਗਣੀ

## ਵਾਜਾ ਪ੍ਰਕਾਰ

ਇਹਿ ਪ੍ਰਿਥਾਵੀ ਪ੍ਰਿਥਾਵ ਨਾਥ  
ਇਹੀ ਜਾ ਕੀ ਸਾਹਬਾਗੀ  
ਸਾਧਵੀ ਵਾਪੀਆ ਤੋਂ  
ਧੰਨ ਕਾਨਾ।



ਫੇਰ ਮੰਗੀਤ  
ਤੇ ਸਾਧਵੀ  
ਮੰਗੀਤ :-  
ਤੁਸਲ, ਗੀਤ,  
ਗਜਲ, ਆਦਿ  
ਚੁੰਬ ਸ਼ੈਲੀਆਂ  
ਨੂੰ ਮਗਲ ਤੇ  
ਸੁਗਮ ਮੰਗੀਤ  
ਰਿਯਾ ਜਾਂਦਾ ਤੇ।

148

## ਮੀਡਿਅਮ ਦੁਹਾਈ :-

- ① ਮੁਗਮ ਮੰਗੀਤ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਤੇ?
- ② ਲੋਰ ਮੰਗੀਤ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਤੇ ਤੇ  
ਇਸਦਾ ਇਤਿਹਾਸ ਕੀ ਤੇ?
- ③ ਲੋਰ ਗੀਤਰਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਦੱਸੋ?
- ④ ਸ਼ਾਮਤਰੀ ਘਰੇ ਜਾਣਗਰੀ ਦਿਉ,

*Handwritten signature*

ਦੁਹਾਈ ਦੀ ਰੰਗ

ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਲੋਰ  
ਮੰਗੀਤ ਅਤੇ ਸ਼ਾਮਤਰੀ  
ਮੰਗੀਤ ਘਰੇ ਲਿਖ ਕੇ  
ਘਰੇ ਰਹ ਕੇ ਆਉਣਗੇ।





ਦਿਹਿੰ ਆਪਿ ਰਾ ਪੰਥ ਖੇਲਾ - 1617

ਸਮਾਜ → ਅਠਵੀ  
 ਦਿਸ਼ਾ → ਮੰਗੀਤ  
 ਉਪਦਿਸ਼ਾ → ਚੌਰ ਮੰਗੀਤ, ਦਿਖਮ ਮੰਗੀਤ  
 ਸਮਾਜ → 30-35 ਮਿਣ  
 ਮਿਤੀ → 04-05-13

ਮਾਪਾਗਧ ਸਮੰਗੀ-  
 ਦਿਸ਼ਮ ਸਮੰਗੀ-  
 ਮਾਪਾਗਧ ਉਦਮ-

ਮਾਪਾਗਧ ਸਮਾਜ, ਚੌਰ, ਰਾਖਾ ਤਖਤਾ, ਭਵਿੱਤਰ ।  
 ਚੌਰ ਮੰਗੀਤ ਤੇ ਦਿਖਮ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਦੁਸ਼ਮਣੀ ਪੈਦਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ।  
 1. ਦਿਹਿੰ ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਦਿਖ ਵਰੀ ਖੋਲ੍ਹੇ ਰਹੇ ।  
 2. ਦਿਹਿੰ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਗਿਲਾਜ਼ ਦਿਖ ਰਾਖਾ ਰਹੇ ।  
 3. ਦਿਹਿੰ ਦੇ ਦਿਖਮ ਮੰਗੀਤ ਦਾ ਮਾਤਰ ਹੋਵੇ ।  
 ਦਿਹਿੰ ਦੇ ਚੌਰ ਮੰਗੀਤ ਤੇ ਦਿਖਮ ਮੰਗੀਤ ਦਾ ਸਾਫ਼ਾਗੀ ਹੋਵੇ ।

ਦਿਸ਼ਮ ਉਦਮ →  
 ਪੜ੍ਹਾਇ ਦੀ ਦਿਪੀ →  
 ਮਾਪਾਗਧ ਪੂਰ  
 ਗਿਲਾਜ਼ →  
 ਪੂਰ ਗਿਲਾਜ਼ ਦੀ  
 ਪੜ੍ਹਾਇ →  
 ਪੂਰਤੀਵਾਨ :-)

1. ਦਿਸ਼ਮ ਦਿਪੀ 2. ਪੂਰ ਉਦਮ ਦਿਪੀ  
 ਦਿਹਿੰ ਆਪਿ ਰਾ ਮੰਧ ਦੇ ਚੌਰੇ । ਦਿਹਿੰ ਦੇ ਚੌਰ ਮੰਗੀਤ  
 ਤੇ ਦਿਖਮ ਮੰਗੀਤ ਦਾ ਖੋਲ੍ਹੇ ਦਾਤ ਸਾਫ਼ਾਗੀ ਹੋ  
 1. ਮੰਗੀਤ ਵਿਸ਼ੇ ਵਧੇਰੇ ਹੋਵੇ  
 2. ਦਿਹਿੰ ਦਿਖ ਪੂਰ ਦੇ ਹੋਵੇ ਹੋਵੇ  
 ਦਿਹਿੰ ਆਪਿ ਰਾ ਮੰਧ ਦਿਪੀ, ਦਿਸ਼ਮ ਦਿਪੀ, ਦਿਸ਼ਮ ਦਿਪੀ  
 ਦਾ ਪੂਰੇ ਰਹੇ ਦਿਸ਼ਮ ਦੇ ਪੜ੍ਹਾਇ ।

# ਦਿਸਾ ਰਮਣ

# ਦਿਰਿ-ਅਪਿ ਧਿਰਮਾਨਾਂ

11 ਦਿਸਮਾਂ ਦਿਰ ਮੀਗੀਤ ਮਿਰਦੇਸ਼ ਧੁੰਨ ਨੂੰ ਵੱਧਗਾਮਧ  
ਘਾਛਾਏ ਖਈ ਸਿਥੇ ਸਾਮਾਨੀ ਮੀਗੀਤ ਦਾ  
ਪੁੰਡ ਦਿਰੇ ਗਏ ਸਿਥੇ ਫਿਰੀ ਗੈਸਕ ਮਤੇ  
ਧੌਰ ਪ੍ਰਿਧ ਘਾਛਾਏ ਦੇ ਖਈ ਧੁੰਨ ਦਾ ਅਯਗ  
ਦੀ ਮੇਰੇ ਗਏ ਘਰਿ ਰਾਮ ਤੇ, ਤਾਂ ਦਿਰ  
ਫੁਰ ਮਤੀ ਹੋਏਗਾ।

ਧਿਰਮ ਮੀਗੀਤ ਦੀ ਧੌਰਪ੍ਰਿਧਤਾ ਦਾ  
ਕਾਗ਼ਜ਼ ਹੋਈ ਤੇ ਦਿਰ ਇਸ ਦਿਰ ਧੌਰ ਮੀਗੀਤ  
ਦੇ ਮਾਨੇਵ ਮਿਧਾਂਤਾਂ ਦਾ ਮਾਨੁਸ਼ਮ ਵੀਤਾ  
ਗਿਅਤ ਤੇ ਅਤੇ ਦਿਰ ਦਿਥੇ ਹੋਈ ਧੁੰਨ ਤਾਂ  
ਅਧਵਾ ਮੁਨੇ ਰੂਪ ਦਿਥੇ ਤੇ ਮਾਨੁਸ਼ਮਾਂ  
ਮਾਪਰਾਇਮਾਂ ਗਈਆਂ ਤਾਂ ਮੇਸ਼ਰ, ਮੇਰਾ  
ਨੇ ਰਿਮਨ, ਗਫਿਰ ਨੇਰ ਅਰਿ ਮੀਗੀਤ  
ਮਿਰਦੇਸ਼ ਰੀਮਾਂ ਮਚਾਏ ਨੇ ਧੌਰਪ੍ਰਿਧਤਾ  
ਦਾ ਰਾਹੀ ਮੇਰੇ ਮੀਗੀਤ ਨੂੰ ਤੇ ਜਾਂਗਾ ਤੇ।

ਦਿਰਿ-ਅਪਿ ਦਿਰਮਾਨੀਮਾਂ  
ਨੇ ਲੇਰ ਮੀਗੀਤ ਤੇ  
ਫਿਲਮ ਮੀਗੀਤ ਦਾ  
ਮਾਨੁਸ਼ਮ ਰੰਮੇਗਾ ਤੇ  
ਦੇਨਾਂ ਦੇ ਘਾਛੇ ਧੁੰਨੀ  
ਜਾਵਗਾਈ ਦੇਵੇਗਾ।

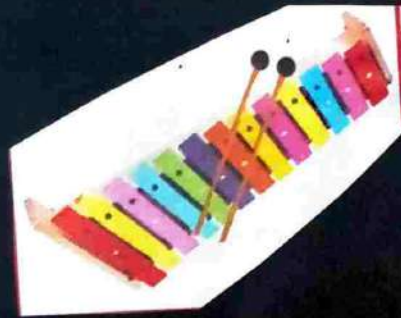


## ਦਿਰਿ ਫਿਰਿਆਰੀ

ਦਿਰਿ ਫਿਰਿਆਰੀ । ਮਾਪਿਆਪਕ ਰੁਆਮ ਰਿੱਤੀ  
 ਸਾਹੀ ਰਹੀ ਸਾਹਰਾਹੀ ਦੇ ਪਿਆਨ ਮਾਫ਼  
 ਮੁਫ਼ਰਾ ਤੇ ਮੀਰੀਤੀ ਦੀ ਮੁੱਤਰੀ  
 ਪਾਰ ਸਾਹਰਾਹੀ ।

ਮਾਹੀ ਦਿਰਿ ਫਿਰਿਆਰੀ ਆਰ- ਮੀਰੀਤੀ ਤੇ  
 ਫਿਰਮ ਮੀਰੀਤੀ ਦੀ ਮੁੱਤਰੀ ਦੇ  
 ਪਿਆਨ ਮਾਫ਼ ਮੁਫ਼ਰਾ ਤੇ ਮਾਪਣੀ  
 ਵਾਪੀਆਂ ਤੇ ਦੀ ਮੈਨ ਰਹਰਾਹੀ ।

## ਮਾਗਵਿਕ ਮਮੱਗਾਰੀ



Real Objective  
was used

### ਮੀਡਿਅ ਦੁਨੀਵੀ

1. ਫਿਲਮੀ ਧੁਨਾਂ ਨੂੰ ਲੈਰਿਓਨ ਰਿਫ਼  
ਬਣਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।
2. ਰਿਫ਼ ਪ੍ਰਮਿਧ ਫਿਲਮੀ ਸੰਗੀਤਕਾਰ ਦਾ  
ਨਾਮ ਦਿਓ।
3. ਲੈਰ ਸੰਗੀਤ ਦਾ ਕੀ ਮਹੱਤਵ ਹੈ ?
4. ਲੈਰ ਸੰਗੀਤ ਦੀ ਫਿਲਮ ਸੰਗੀਤ ਨੂੰ ਕੀ ਦਿੰਦਾ  
ਹੈ ?

ਸਿੱਖਿਅਕ

ਪਾਠ ਦੀ ਰੀਮ : -

ਨਿਰਦੇਸ਼ਿਕਾਵਾਂ ਅਤੇ ਸੰਗੀਤ ਨੂੰ  
ਫਿਲਮ ਸੰਗੀਤ ਦਾ ਕੀ ਚੋਣੀ  
ਭਾਗ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਆਉਣਾ।



ਪਾਠ  
ਅੰਕ 35

ਦਿਰਿ ਅਪਿ. ਰਾ ਤੇਰ ਰੈਵਰ - 167  
ਸਮਤ - ਮਰਦੀ  
ਦਿਸ਼ਾ - ਮੰਗੀਤ  
ਉਪਦਿਸ਼ਾ - "ਗਗ ਰਾਧੀ" ਰਾ ਪਰਿਥੇ  
ਸਮਾਂ - 30-35 ਮਿੰਟ  
ਮਿਤੀ - 06-05-2013

ਮਧਾਰਨ ਸਮਗੰਗੀ:  
ਦਿਸ਼ੇਸ਼ ਸਮਗੰਗੀ:  
ਮਧਾਰਨ ਉਰੇਸ਼:

ਮਧਾਰਨ ਸਮਤ ਰਾ ਮਧਾਰਨ ਸਮਗ ਚੌਰ, ਰਾਸ਼ਾ, ਉਖਤਾ, ਖਾਤਰ ਅਤੇ ਮੰਗੀ  
ਗਗ ਰਾਧੀ ਹੈ ਰੁਮਾਉਰਾ ਤੇ ਦਿਸ਼ਾ ਸਾਰਣੀ  
① ਦਿਰਿਅਰਥੀਆਂ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਗਿਅਰਨ ਦਿਥੇ ਏਧਾ-ਰਗਾ।  
② ਦਿਰਿਅਰਥੀਆਂ ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਦਿਥੇ ਰੂਚੀ ਪੈਰਾ ਰਗਾ।  
③ ਦਿਰਿਅਰਥੀਆਂ ਦੇ ਮਾਨ ਮਿਰ ਅਤੇ ਧੰਪਿਰ ਅਤਰ ਉਚਾ ਰਗਾ।

ਦਿਸ਼ੇਸ਼ ਉਰੇਸ਼:  
ਪੜਾਉਣ ਦੀ ਦਿਥੀ:

ਦਿਰਿਅਰਥੀਆਂ ਦੇ ਗਗ ਰਾਧੀ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਧਰ ਰੂਪ ਦਿਥੇ ਜਾਣਗੀ  
ਪੁਰਾਨ ਰਗਾ।  
① ਦਿਸ਼ਾਧਿਅਾ ਦਿਥੀ ② ਪੁਸ਼ਤ ਉਤਰ ਦਿਥੀ ③ ਰਾਮਣ ਦਿਥੀ।

ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਪੁਰਣ  
ਗਿਅਰਨ 1-7  
ਉਪਦਿਸ਼ਾ ਦੇ  
ਦਿਸ਼ਾ 1-7  
ਪੁਸ਼ਤੀਕਰਨ 1-7

ਦਿਰਿ. ਅਪਿ. ਦਿਰਿ ਅੰਨ ਦੇ ਰੁਖੇਗਾ ਰਿ ਦਿਰਿਅਰਥੀਆਂ ਦੇ  
ਮੰਗੀਤ ਦਿਥੇ ਗਗਾਂ ਏਧੇ, ਚੌਰਾ ਧਾਤਰ ਗਿਅਰਨ ਤੇ  
ਦਿਰਿ. ਅਪਿ. ਰਾ ਤੇਰ ਰੈਵਰ ਵਿ ਮੰਗਾ ਧੰਪਿਰ, ਅਮੀ ਗਗ ਰਾਧੀ  
ਦੇ ਧਾਤਰ ਰਗਾ।  
ਦਿਰਿ. ਅਪਿ. ਰਾਮਣ ਦਿਥੀ, ਗਿਅਰਨਾ ਦਿਥੀ ਤੇ ਪੁਸ਼ਤ ਉਤਰ  
ਮਾਧ ਗਗ ਦੇ ਪੁਸ਼ਤ ਰਗਾ।

## ਵਿਸ਼ਾ 1/5

ਕੋਮਲ ਗਾ, ਪਿ ਮੁੱਖ ਮਾਰ 1 ਪ ਮ ਹਾਲੀ ਮੋਢੀ  
 ਰਾਖੀ ਮੁੱਖ ਮਾਰ 2 ਰੇ ਗੁਰੀ ਗਾਓ ਮਰ ਰੇਵੇ ।

ਘਾਟ -> ਰਾਖੀ ਗਾ ਲੀ ਉਤਪਤੀ ਮਾਰ ਰਾਖੀ ਤੇ ਗੁਰੀ ਪੈ

ਮਾਰ -> ਗਾ ਮਾਰੇ ਪਿ ਕੋਮਲ ਤੇ ਘਾਲੀ ਮਾਰੇ ਮੁੱਖ ।

ਹਸਿਤ ਮਾਰ -> ਇਸ ਵਿਚ ਰੇਵੇ ਹੀ ਮਾਰੇ ਹਸਿਤ ਮਾਰੀ

ਸਾਫੀ -> ਇਹੋ ਮੋਢੀ - 2 ਸਾਫੀ ਲਾ ਗਾ ਪੈ

ਹਾਲੀ -> ਕੋਮਲ ਗਾ ਪਿਰ ਪਾ ਹਾਲੀ ਪੈ

ਮੋਢੀ -> ਮਾਰ ਮੋਢੀ ਪੈ

ਮੀਰ -> ਪੁਰਖ ਮੀਰ ਤੇ ਉਤਪਤੀ ਮੀਰ ਲਾ ਗਾ ਪੈ

ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਮਾਰ -> ਮੇਰੇ ਪਾ ਪਾ ।

ਗਾਇਨ ਦੇ ਮਾਰ -> ਪ ਗਾਤ ਦੇ ਪੁਰਾ ਪਾਇਰ

ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ -> ਕੋਮਲ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਲਾ ਗਾ ਪੈ

## ਵਿਸ਼ਾ 1/6

ਵਿਸ਼ੇ ਮੁੱਖ ਵਿਸਥਾਰ ਮਾਰ  
 ਗਾ ਰਾਖੀ ਲਾ ਪਾਇਰ  
 ਹੋਮੇਗਾ ਤੇ ਘਾਲੀ  
 ਪੈ ਮੇਰੇ ਕੋਮਲ ਘਾਲੀ ਘਾਲੀ

ਵਿਸ਼ੇ ਮੁੱਖ ਗਾ ਰਾਖੀ  
 ਲਾ ਘਾਟ । ਮਾਰ, ਹਸਿਤ  
 ਮਾਰ, ਸਾਫੀ, ਮਾਰ ।  
 ਮੋਢੀ ; ਮੀਰ ਮਿਸਾਲ  
 ਦੇ ਮਾਰ ; ਗਾਇਨ  
 ਮਾਰ, ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ, ਪਾਇਰ,  
 ਪਾਇਰ ਘਾਲੀ ਵਿਸਥਾਰ  
 ਕੁਪ ਵਿਚ ਹੋਮੇਗਾ ਤੇ  
 ਰਾਖੀਆਂ ਤੇ ਪਿਘਲ ਘਾਲੀ  
 ਕੋਮਲ



ਦਿਰਿ • ਪ੍ਰਿਯਾਗਾਧੀ

ਦਿਰਿਯਾਧੀ ਆਪਿਆਪਕ ਰਮਾਗ  
ਏਮੀ ਗਾਈ ਗਾਗ ਰਾਧੀ ਦੀ  
ਸਾਧਗੀ ਮੇ ਪ੍ਰਿਯਾਧ ਮਾਧ  
ਮੁਧਗੀ ਤੇ ਪ੍ਰਿਯ ਮੇ ਰਾਧੀਆਂ  
ਤੇ ਦੀ ਮੇ ਰਮਗੀ।

ਮਾਤ੍ਰੇ ਦਿਰਿਯਾਧੀ • ਗਾਗ • ਰਾਧੀ ਦੀ  
ਪਾਧੀ ਉਮਰਾ ਧਾਟ, ਰਮਿਤ ਮਾਤ੍ਰੇ,  
ਮਾਤ੍ਰੇ ਸਾਧੀ ; ਮੇਧਾਈ ਮਾਤ੍ਰੇ,  
ਮੇਧਾ, ਪ੍ਰਿਯਾਧ ਦੇ ਮਾਤ੍ਰੇ ਮਾਧੀ  
ਮੇ ਪ੍ਰਿਯਾਧ ਮਾਧ ਮੁਧਗੀ ਤੇ  
ਮਮਧਗੀ।

ਮੰਗਾਧਿਕ ਗਮਗਾਧੀ।

ਗਮ ਗਾਧੀ

ਧਾਟ - ਗਾਧੀ ਤੇ।

ਮਾਧ - ਗ, ਠੀ,

ਰੇਮਾਧ, ਧਾਧੀ

ਮਾਧ ਮੁੱਧ ਗਾ

ਧਾਧਿਤ - ਰੇਧੀ

ਠੀ ਤੇ।

ਧਾਧੀ - 'ਪ' ਤੇ

ਕੀਤਾ ਦੁਆਈ

1. ਰਾਈ ਰਿਮ ਯਾਦ ਦੀ ਉਤਪਤੀ ਹੈ?
2. ਇਸ ਦੀ ਜਾਤੀ ਕੀ ਹੈ?
3. ਇਸ ਦੇ ਵਾਦੀ - ਮੰਦਾਦੀ ਮੱਧ ਕਿਸੇ  
ਯਾ?
4. ਇਸਦੇ ਮੱਧ ਕੀ ਯਾ?

ਯਾਦ ਦੀ  
ਕੀਤਾ ਦੁਆਈ

ਇਹ ਗੱਲ ਰਾਈ ਦੀ ਪਹਿਲੀ  
ਪਿਛੇ ਦੇ ਕੰਡੇ ਯਾਦ ਕਰੋ  
ਜਾਇਗੇ।



ਪਾਠ  
ਕਿਸਮ=36

ਵਿਦਿ. ਸਾਧਿ. ਦਾ ਹੋਰ ਨਾਂ - 1617  
ਸਮਾਤ L ਮਠੀ  
ਵਿਸਾ -) ਮੰਗੀਤ  
ਉਪਵਿਸਾ -) ਗਾਗ ਭੰਗੀ  
ਮਮਾ -) 30-31 ਮਿੰਟ  
ਮਿਤੀ -) 7-5-13

ਮੁਖਾਨਾ ਮੰਗਗੀ  
ਵਿਸੇਸ ਮੰਗਗੀ  
ਮਾਪਾਨ ਉਦੇਸ਼:-

ਮਾਪਾਨ ਸਮਾਤ, ਗੱਦ, ਤਖਤਾ, ਸੈਰੰਤਰ ਆਦਿ ।  
ਗਾਗ ਭੰਗੀ ਦੇ ਦੁਆਰਾ ਚਾਰ ।  
1. ਵਿਦਿ. ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਵਿਚ ਹੋਈ ਪੈਰਾਂ ਰਚਾ ।  
2. ਵਿਦਿ. ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਦੀ ਮੰਗਤਾ ਧਾਰੇ ਰਮੇਂ ।  
3. ਵਿਦਿ. ਦੇ ਮੰਗੀਤ ਦੇ ਗਿਆਨ ਧਾਰੇ ਰਮੇਂ ।  
ਵਿਦਿ. ਦੇ ਗਾਗ ਭੰਗੀ ਦਾ ਪਹਿਲੇ ਹੋਵੇ ।

ਵਿਸੇਸ ਉਦੇਸ਼:-  
ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦੀ ਵਿਸ਼ੀ -)  
ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਪੁਰ  
ਗਿਆਨ -)  
ਪੁਰ ਗਿਆਨ ਦੀ  
ਪਾਠ -)  
ਪ੍ਰਮਤਤੀਕਰਨ -)

1. ਵਿਸ਼ਾਧਿਕਾ ਵਿਧੀ 2. ਪ੍ਰਮਤਤੀ ਉਤਰੇ ਵਿਧੀ ।  
ਵਿਦਿ. ਆਪਿ. ਦਿ ਮੰਦ ਕੇ ਉਦੇਸ਼ਾਂ ਕਿ ਵਿਦਿਅਾਧਿਕਾ ਦੇ  
ਮੰਗੀਤ ਮਾਮਤਰ ਦਾ ਖੌੜਾ ਗਿਆਨ ਮੇ  
1. ਗਾਗ ਦੀ ਉਤਪੱਤੀ ਕਿੰ ਹੋਈ ਮੇ 2. ਗਾਗੀ ਮੰਗੀਤ ਖਪੜੀ  
ਵਿਧੇ ਕਿੰਨੇ ਘਾਟ ਹਨ ?  
ਵਿਦਿ. ਸਾਧਿ. ਵਿਸ਼ਾਧਿਕਾ ਵਿਧੀ, ਪ੍ਰਮਤਤੀ ਉਤਰੇ ਵਿਧੀ, 3 ਗਾਗ  
ਵਿਧੀ ਦਾ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕਰਕੇ ਧਾਰਿਆ ਦੇ ਪੜ੍ਹਾਵੇਂ ।

## ਦਿੱਖਾ ਦਿਖਾਓ

ਮਨੁ ਰੋਮਨ ਮਨੁ ਰੋਮਨੀ ਮੀਪੁਰੁ ਮਨੁ ਰੋਮਨੀ  
ਮ ਮ ਦਾਰੀ ਮੀਦਾਰੀ ਤੇ ਮਨੁ ਮੇ  
ਕਾਂ ਰੋਮਨੀ।

ਯਾਦ -> ਗਾਗ ਰੋਮਨੀ ਲਾ ਯਾਦ ਰੋਮਨੀ - ੴ

ਮਨੁ -> ਇਸ ਗਾਗ ਦਿੱਖੇ ਹੈ, ਗੁ, ਪਾ,  
ਮੀ ਮਨੁ ਰੋਮਨ ਮੀਦਾਰੀ ਰੋਮਨੀ

ਦੁਸਿਤ ਮਨੁ -> ਇਸ ਗਾਗ ਦਿੱਖੇ  
ਰੋਮਨੀ ਹੀ ਮਨੁ ਦੁਸਿਤ  
ਮਨੀ ੴ

ਸਾਤੀ -> ਇਹ ਮੀਪੁਰੁ - ਮੀਪੁਰੁ ਸਾਤੀ ਲਾ  
ਗਾਗ ੴ

ਦਾਰੀ -> ਇਸਦਾ ਦਾਰੀ ਮਨੁ ਰੋਮਨੀ  
ੴ

ਮੀਗ -> ਯੁਗ ਮੀਗ - ਤੇ ਧੰਨ  
ਮੀਗ ਹੀ ਮੀਗਿਆ ਸਾਰੀ ੴ

## ਦਿੱਖੇ ਮੀਧ ਦੁਸਿਤ

ਦਿੱਖੇ - ਮੀਧ ਗਾਗ ਰੋਮਨੀ ਲਾ  
ਪਾਇਓ ਇਸਦਾ ਰੂਪ ਮਾਧ  
ਦੁਸਿਤ। ਤੇ ਦੁਸਿਤਾ ਹੈ  
ਕਾਪੀਆ ਤੇ ਦਿਖਾ ਦਿਖਾ ਕਰੇਗਾ।

ਦਿੱਖੇ - ਮੀਧ ਗਾਗ ਰੋਮਨੀ ਲਾ  
ਯਾਦ, ਮਨੁ, ਦੁਸਿਤ ਮਨੁ,  
ਸਾਤੀ, ਦਾਰੀ, ਮੀਦਾਰੀ  
ਮੀਗ, ਮਿਸਾਮ ਦੇ ਮਨੁ  
ਆਇ ਦੁਸਿਤ।



ਦਿਹਿ ਦੁਆਰਾ

ਮਗੀਏ ਮਗੀਏ

ਵਾਧਾ ਤੁਧਾ

ਦਿਹਿ ਦੁਆਰਾ ਨਾਚ ਦਿਹਿ  
ਅਪਿ ਦੁਆਰਾ ਹੋਮੀ ਨਾ  
ਦੁਆਰਾ ਹੋਮੀ ਨਾ ਕੀ  
ਸ਼ਾਹੀਦੀ ਦੇ ਮੁਹੱਬਤ  
ਤੋਂ ਵਾਪੀਆਂ ਤੋਂ ਵਿਖੜੇਗਾ

ਚਲਨ - ਮ ਗੁ ਪ  
ਮਮਾਂ - ਪੁਤ ਰਾਲਤੋਂ।  
ਪ੍ਰਿਥਵੀ - ਵਾਈ  
ਮਾ ਵਾਲੇ ਗੀਤੀਰ  
ਪ ਵਾਈ ਵਾਲੇ  
ਓਲ ਮੀਨਦੇ  
ਯਹ।

ਅੰਤਿਮ  
ਦੁਹਰਾਈ ੨)

1. ਭੇਡੀ ਗਾਗ ਦੀ  
ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਵੀ ਯੋ
2. ਇਸਦੇ ਮਾਂ-ਮਾਂ ਦੀ ਯੋ
3. ਇਸਦੀ ਪਕੜ ਵੀ ਯੋ
4. ਇਸ ਵਿੱਚ ਕਿਤੇ ਮਾਂ ਯੋਗਦਾਨ

ਪਾਠ ਦੀ ਕੋਮ ੩)

ਮਾਂ ਵਿੱਚ ਗਾਗ ਭੇਡੀ  
ਦੀ ਪਕੜ ਮਾਂ ਕਰੇ  
ਤੇ ਕਿਸੇ ਦੇ ਮਾਂਗੀ।



ਧਾਰ  
ਜਨਮ : 37

જિલ્લો તાલુકો અને ગ્રામ નં. - 1017

42113 1- 434

दिमा :- मीमीड

उपनिष्ठा - १) श्री: विष्णु रिचर पद्मनारायण ॥

ममि -> 30-35 प्रति

2137 -> 08-1-13

मापान मांदा

:- प्रमाण :-

ਮਾਧਿਅਮ ਰੇਖਾ:-

ମୂଳାବଳୀ ଓ ଶାସ୍ତ୍ର -

43165 2 801 1

30th August

formin →

423 21111111

424  $\rightarrow$

ਉਪਰੋਕਤ ਹੈ

५) लम्बु -

44387214-)

ਮਾਧਿਅਮ ਸਮਾਜ, ਸਮਾਜ, ਉੱਚ, ਮੱਧਮ, ਕਮਜ਼ੋਰ, ਤਲਵਾਰੀ

ਪੀ: ਕਿਸੇ ਰਿਗੇਧਰ ਨੀ ਨਾਖ ਮੇਰੀਪਤ ਸੀਨੀ ੮੨੨/

(1)  $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$   $\frac{1}{4} \times \frac{1}{4} = \frac{1}{16}$   $\frac{1}{16} \times \frac{1}{16} = \frac{1}{256}$

2) ਫਿਰ, ਦੋ ਮੰਗੀਤ ਮੱਝੇ ਨੂੰ ਦੁਪਾਇਆ।

ਪ੍ਰੀਤ ਨਿਮਨਲਿਖਤ ਕੀ ਵੀ ਜ਼ਿਲਦੀ ਧਾਰੇ ਹੁੰਦਾ।

(i) रिमापिमा वीक्षणी। (ii) पुमन्, उरि रिपि।

પરિ. મધ. લે 20 થી 25 થી વધુ થાય છે

ਪ੍ਰਗਟ ਮੰਗੀਤਰਾਂ ਧਾਰ ਸਾਹਬਾਨੇ ਜੀ

(i)  $\frac{1}{2}$  ग्राम पोटैशियम मँगनेट के नाम हमें

(ii) ਪੀ: ਕਿਸੇ ਦਿਨੀਂ ਚਾਹ ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਬਾਹਰ ਜਾ

ਭੋ: ਇਸਨੂੰ ਰਿਹਾਸਤ ਬਖ਼ਸ਼ਮਰਾਜੀ ਦੀ ਸੀਜ਼ਨੀ ਧਾਰ ਸਾਹਸਰੀ  
ਦੇਹੀ।

• સમાવના સિદ્ધિ માટે ધર્મના દ્વેષ પાડે છે.

# ਵਿਸਾ ਰਸ

1872 ਈ. ਵਿਚ ਪ੍ਰਸਤਾਵੀ ਦੇ ਦਿਨ  
 ਬੰਦਗੀ ਵਿਚ ਸ਼੍ਰੀ ਵਿਸਾ ਦੇ  
 ਮੁਖ ਮੰਤਰੀਆਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੰਤਰੀ  
 ਮੁਖਿਅ ਵਿਚ ਪ੍ਰਭੂ ਦੇ ਸਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ  
 ਮੁਖੀ ਵੀ। ਮਨਾਂ ਮੰਤਰੀ ਮੰਤਰੀ  
 ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵੀ, ਵਿਸਾਖਿਅ  
 ਮੁਖਿਅ ਵੀ। ਵਿਸਾ ਵਿਚ ਮੁਖ ਦੇ  
 ਮੁਖਿਅ ਮੁਖਿਅਮਾਖਿਅ। ਧਾਮਰ ਵਿਚ  
 ਮੁਖਿਅ ਦੇ ਮੁਖਿਅ ਮੁਖਿਅਮਾਖਿਅ  
 ਮੁਖਿਅ ਵੀ। ਮਾਂ ਵਿਚ ਮੁਖ ਦੇ  
 ਧਮ ਵਿਸਾ ਮਾਂ ਧਾਮਰ ਵਿਚ ਉਮਰ  
 ਧਮ ਮਾਂ ਮੁਖ ਵਿਚਿਨ ਮਾਂ  
 ਵਿਚ ਮੁਖਿਅ ਮੁਖ।

# ਵਿਚਿ ਮਾਪਿ ਵਿਸਾ

ਵਿਚਿ ਮਾਪਿ ਵਿਸਾ ਦੇ  
 ਮਾਂ ਵਿਚਿ ਧਾਮ  
 ਮਾਖਿਅੀ ਮੁਖੀ ਤ' ਮਾਖਿਅੀ  
 ਵਾਪੀਆ ਤੇ ਵਿਚਿ  
 ਮੁਖੀ ਵਿਚਿ

ਵਿਚਿ ਮਾਪਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਮਝ,  
 ਮੁਖਿਅ; ਪ੍ਰਭਾਵੀ ਦੇ  
 ਮਾਖਿਅੀ ਵਾਪੀਆ ਤੇ  
 ਵਿਚਿ ਮੁਖੀ ਵਿਚਿ।



ਦਿਰਿ - ਪ੍ਰਿਮਾਤ

ਮਾਗੀਏ ਮਸ਼ਹੂਰੀ

ਮਾਗੀਏ ਪ੍ਰਿਮਾਤੀ ਪਿਮਾਤ ਨਾਇ  
ਪੀ: ਦਿਮਨੂੰ ਹੀ ਕਲਮ ਮਸ਼ਹੂਰ,  
ਮਾਗੀ ਧਾਰ ਕਾਦਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ  
ਕਰਮਾਂ ਤੇ ਕਾਪੀਆਂ ਤੇ ਪੈਰ  
ਕਰਮਾਂ ।

ਪੀ: ਦਿਮਨੂੰ ਦਿਗੰਧਰ ਪਲੁਮਰ:

ਜਨਮ - 1872 ਈ ਦਿੱਤ ਪ੍ਰਗਤਮਾ  
ਦੇ ਦਿਲ ਰੁਮਰਦਾੜ (ਧੇਨਗਾਂਧ)  
ਦਿੱਤ ਦਿਲਾਂ ਦਾ ਜਨਮ ਤੇ ਦਿਲਾ  
ਮੰਗੀਤ ਮਿਖਿਆ ਪੀ: ਧਾਸ਼ਰਿਮਨ  
ਧੁਣਾ ਤੇ ਪ੍ਰਾਪਤ ਰੀਤੀ ।

1896 ਈ: ਦਿੱਤ ਮੰਗੀਤ ਦਿੱਤ  
ਪ੍ਰਚਲਦ ਦੇ ਲਈ ਰੁਮਨ ਮੁਰ  
ਰੀਤੀ।

ਮੀਡਿਅਮ ਦੁਹਰਾਈ :-

1. ਕਿਸਨੂੰ ਰਿਗਵਿਦ ਦੀ ਰਾਜਸਥਾਨ ਦੇ ਪ੍ਰਤਿਮਾ ?
2. ਪਿਤਰਾਂ ਦੀ ਰਾਜਸਥਾਨ ਦੇ ਪ੍ਰਤਿਮਾ ?
3. ਪਿਤਰਾਂ ਦੇ ਪੁਰਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਰਿਗਵਿਦ ਦੇ ਪ੍ਰਤਿਮਾ ?

*Am*

ਪਾਤ ਦੀ ਰਸ :-

ਕਿਸਨੂੰ ਰਿਗਵਿਦ ਦੀ ਰਾਜਸਥਾਨ  
ਦੇ ਪਾਤ ਦੇ ਰਸ ਦੇ ਪ੍ਰਤਿਮਾ ?





## ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਰਾਜ

ਰਾਜ ਦੀ ਰੂਪ ਰੇਖਾ :- ਪੂਰਬ ਤੱਟ ਦੀ ਲੰਗੀ ਰਾਜ  
 ਤੀਰ ਦੀ ਲੰਗੀ ਸੀਮਾ  
 ਰਾਜ ਸੀਮਾ ਸੀਮਾ ਸੀਮਾ ਤੀਰ ਦਿੱਤੀ - 2 - 2  
 ਸੀਮਾ ਸੀਮਾ ਸੀਮਾ ਸੀਮਾ ਤੀਰ ਤੀਰ  
 ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ  
 ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ  
 ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ  
 ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ ਤੀਰ

### ਰਾਜ ਦੀ ਰੂਪ ਰੇਖਾ

| ਰਾਜ | 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  |
|-----|----|----|----|----|----|----|----|
| ਰਾਜ | ਪਾ | ਰਿ | ਤੀ | ਤੀ | ਤੀ | ਤੀ | ਤੀ |
| ਰਾਜ | x  |    |    | 2  |    | 3  |    |

## ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਰਾਜ

ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਰਾਜ  
 ਰਾਜ ਦਾ ਰਾਜ  
 ਰਾਜ ਦਾ ਰਾਜ  
 ਰਾਜ ਦਾ ਰਾਜ  
 ਰਾਜ ਦਾ ਰਾਜ  
 ਰਾਜ ਦਾ ਰਾਜ

ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਰਾਜ  
 ਰਾਜ ਦਾ ਰਾਜ  
 ਰਾਜ ਦਾ ਰਾਜ  
 ਰਾਜ ਦਾ ਰਾਜ  
 ਰਾਜ ਦਾ ਰਾਜ  
 ਰਾਜ ਦਾ ਰਾਜ



ਦਿਰਿ ਪ੍ਰਿਯਾਸੀ

ਮਾਗਹਿਕ ਮੋਗਾਗੀ

ਸਾਖਾ ਤਪਤੀ

ਦਿਰਿ ਪ੍ਰਿਯਾਸੀ ਪਾਧ ਤਾਧ ਤੀਧਾ  
ਈ ਸਾਧਾਗੀ ਨੇ ਮੁਧਾਗੀ  
ਤ ਮਾਧਾਗੀ ਰਾਧੀਮਾਂ ਤ ਮੇਧ  
ਵਾਧਾਗੀ।

ਮਾਧਿ ਦਿਰਿਪ੍ਰਿਯਾਸੀ ਪ੍ਰਿਯਾਸੀ ਪਾਧ  
ਤਾਧ ਈ ਸਾਧਾਗੀ ਨੇ ਮੁਧਾਗੀ  
ਤ ਮਮਾਧਾਗੀ ਜੇਧ ਮਾਧਾਗੀ  
ਵਾਧੀਮਾਂ ਤ ਈ ਮੇਧ ਰਾਧਾਗੀ।

ਮੀਤਰ  
ਦੁਹਰੀ ੦-੩

੧. ਤਾਜ ਤੀਰਗਾ ਲੈਕੀ ਵਿਧੀਆਂ ਮਾਤਗਾ  
ਜਦੋਂ
੨. ਇਸ ਤਾਜ ਦੇ ਵਿਸ਼ੇ ਵਿਧੀਆਂ ਜਦੋਂ
੩. ਇਸ ਤਾਜ ਦੇ ਚੰਦਰੀ ਜਦੋਂ
੪. ਇਸ ਦੀ ਤਾਜੀ-ਬਾਜੀ ਵਿਧੀ ਮਾਤਗ  
ਜਦੋਂ

ਘਰੇਲਾ ਕੰਮ ੦-੩

ਨਿਰੰਕਾਰਿ ਘਰ ਤੋਂ ਤਾਜ ਤੀਰਗਾ  
ਦੀ ਪਹਿਲੇ ਘਰੇ ਕੰਮ ਤੋਂ ਵਿਧੀ ਦੇ  
ਮਾਤਗ ਮਾਤਗ ਕੰਮਗਾ ।



$\frac{1}{\sqrt{2}}$

39

File mlu of 5/11/17 1617

72113 = 21129

From - 28/1/73

Q4)  $(314) \cdot (34121)$

30 - 36 B<sub>12</sub>

63139. 10. 5. 13

1. שבתות ומועדים  
 2. חגים  
 3. חולות

কর্তব্যে গতি ।

۱۲۳۴۵۶۷۸۹۰  
 ۱۲۳۴۵۶۷۸۹۰  
 ۱۲۳۴۵۶۷۸۹۰

4/23 firming of  
4/24/1-

2133/21 n :-

मायायुग्म कर्मात् मायायुग्म वेगाः, दारे, शान्ति उपाय, अर्थे।

31/12/2019 11:11 AM

५. परि, ३ मील, ८१११ ११/११११ ११११

2. इमरी मजिरी दिव रूरी पेश रमना।

3. उमदि डाक पाठ सहस्र पत्र

தெரிந்தால் 3 ஆக நினைவு, வந்த நினைவு உடல்

1. Permisum Prav 2. Prav Prav

ਪਿੰਡ ਨਾਂ: ਪਿੰਡ ਮੀਰਾ ਰੋਡੇਗਾ ਪਿੰਡ ਨਾਂ: ਤਾਪ, ਬੀ.ਪਿ. ਆਰ

1.  $\frac{1}{x^2} = x^{-2}$  किम  $\frac{d}{dx} x^{-2} = -2x^{-3} = -\frac{2}{x^3}$  2.  $\frac{d}{dx} \ln x = \frac{1}{x}$

1984 4 3 16 2132151 28 22.49 31.4 11.2

ପ୍ରତି ମାସ ବିନାମୀ ବେଳା, ଓଡ଼ିଆ ଗ୍ରହ ଓ ଧୂଳି

222' 212 mi' 5 43181111

# ਪੰਜਾਬੀ ਕਵੀ

ਤਾਜ ਬਿਹਾਰੀ ਦਾ ਪਹਿਲਾ : ਬਿਹਾਰੀ ਤਾਜ 10  
 ਮਾਤਾਗੀ ਦੀ ਤਾਜ ਪੀ  
 ਦਾ - 2 ਮਾਤਾਗੀ ਦੇ ਦਾ ਹਿਰਾਸਤ ਜਦੋਂ ਹਿਮਰੀ  
 ਪਹਿਲੀ ਮਾਤਾਗੀ ਤੇ ਮਮ, ਪੰਜਵੀਂ ਤੇ ਤੇਜ਼ੀ  
 ਮਾਤਾਗੀ ਤੇ ਹੁਲੀ ਤੇ ਤੀਕੀ ਤਾਜੀ ਪੀ ਮੈਦੀ  
 ਮਾਤਾਗੀ ਤੇ ਖਾਜੀ ਪੀ ਤਿਹਾਰੀ ਤਾਜੀ ਤੇ  
 ਦਸਵੀਂ ਸਾਰੀ ਪੀ

## 11 ਤਾਜ ਬਿਹਾਰੀ

| ਮਾਤਾਗੀ | 1         | 2  | 3  | 4 | 5  | 6  | 7  | 8  |
|--------|-----------|----|----|---|----|----|----|----|
| ਦੱਖ    | ਪਾ ਤਿਹਾਰੀ | ਪਿ | ਪਿ |   | ਪਾ | ਪਾ | ਪਿ | ਪਿ |
| ਹਿੰਦ   | X         |    |    |   | 2  |    |    |    |

| ਮਾਤਾਗੀ | 9         | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 |
|--------|-----------|----|----|----|----|----|----|----|
| ਦੱਖ    | ਤਾ ਤਿਹਾਰੀ | ਪਿ | ਪਿ |    | ਪਾ | ਪਾ | ਪਿ | ਪਿ |
| ਹਿੰਦ   | 0         |    |    |    | 3  |    |    |    |

# ਹਿੰਦ ਮਾਪਿ ਤੁਮਾਰੀ

ਹਿੰਦ ਮਾਪਿ ਤਾਜ ਬਿਹਾਰੀ  
 ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਹੋਮੇਗਾ ਤੇ  
 ਪੋਰੇਗਾ ਹੋ ਰਾਪੀਆ ਤੇ  
 ਮੇਰੇ ਰਾਜ ਦਾਈ ਦੱਖੇਗਾ

ਹਿੰਦ ਮਾਪਿ ਤਾਜ ਦੇ ਦੱਖੇ  
 ਤਾਜੀ 1 ਤਿਹਾਰੀ ਮਾਤਾਗੀ  
 ਮਾਪਿ ਦਾਈ ਸਾਫ਼ਰਾਜੀ  
 ਦੱਖੇਗਾ ਤੇ ਰਾਪੀਆ ਤੇ  
 ਮੇਰੇ ਰਾਜ ਦਾਈ ਦੱਖੇਗਾ



ਦਿਵਿ ਪਿਆਰਾਂ

ਸਾਗਿਰ ਮੋਰਗੀ

ਬਾਬਾ ਤਖਤ

ਦਿਵਿ ਪਿਆਰ ਮਾਯ ਤਾਯ ਹੀ  
ਪਹਿਲੇ ਮੁਹਰਾਂ ਤੇ ਸਮਰਪਣਾਂ  
ਆਪਣੀ ਰਾਖੀਆਂ ਤੇ ਹੀ  
ਘੇਰ ਰਹੇ ਹਾਂ।

ਦਿਵਿ ਪਿਆਰ ਮਾਯ ਹਿੰਦੀ ਜਾ  
ਹੋਈ ਬਾਹਰਾਂਗੀ ਮੁੜ ਕੇ  
ਆਪਣੀਆਂ ਰਾਖੀਆਂ ਤੇ  
ਘੇਰ ਰਹੇ ਹਾਂ।

ਤਾਲ ਤਿਲਵਾੜਾ

ਮਾਤਗਾਂ - 16

ਵਿਤਰ - 4

(4-4 ਮਾਤਗ ਹੋ)

1, 5, 13 ਤੇ ਤਾਲੀ

ਤੋਂ।

9 - ਖਾਲੀ ਤੋਂ।

ਇ ਤਾਲ

ਦੁਹਰੇ ਵਿੱਚ

ਕੀ ਬਜਾਈ

ਮੰਦੀ।

ਸੀਤਮ ਦੁਗਾਈ :-)

- ① ਤਿਥ ਤਿਥ ਦਾਤਾ ਹੀਮਾਂ ਬਿੰਦੀਆਂ  
ਮਾਤਿਗਾਤਾ ਤਿਥ
- ② ਹਿਮਦ ਹਿਮ ਬਿੰਦੀਆਂ ਤਿਥ ਦਾਤਾ
- ③ ਹਿਮ ਤਿਥ ਤਿਥ - ਪਾਤੀ ਹਿਮ  
ਮਾਤਿਗਾ ਤਿਥ

ਪਾਤੀ ਹੀ ਹਿਮ :-)

ਹਿਮ ਮਾਤਿਗਾ ਤਿਥ ਤਿਥ ਦਾਤਾ  
ਹੀ ਪਾਤੀ ਹਿਮ ਤਿਥ  
ਪਾਤੀ ਹੀਮ।



ਪਾਠਿ ਪੈਸਾ :-

੫੦

ਦਿਹਿ ਮਾਧਿ ਦਾ ਹੋਏ ਮੈਂ ੮ 1817

ਮਮਾ ੮ ਮਠੜੀ

ਦਿਮਾ ੮ ਮੰਗੀਤ

ਉਪਦਿਮਾ - ਗਗ ਮਾਮਾਦੀ

ਮਮਾ - 30-75 ਮਿੰਟ

ਮਿਤੀ - 11-05-2013

ਮਾਪਾਦ ਮੰਗਾਰੀ -

ਦਿਮਾ ਮੰਗਾਰੀ -

ਮਪਾਦ ਉਰਮ -

ਦਿਮਾ ਉਰਮ -

ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦਾ ਹੋਗ -

ਮਪੁਮਾਮਤ ਪੁਰ

ਗਿਮਾਦ -

ਪੁਰ ਗਿਮਾਦ ਦਾ

ਪਾਧ -

ਪੁਮਤੀਰਮ -

ਮਾਪਾਦ ਮਮਾਤ, ਗੋਰ, ਰਾਖਾ, ਤਪਤ, ਭਾਗ, ਮੰਗਾਰੀ

ਗਗ ਮਾਮਾਦੀ ਦਾ ਮੈਪਾਦੀ ਗਗ।

1. ਦਿਹਿ ਦਾ ਮੰਗੀਤ ਗਿਮਾਦ ਦਿਹਿ ਦਾਪਾ ਰਗਾ।

2. ਦਿਹਿ-ਦੀ ਤੁਰ ਮੰਗੀਤ ਦਿਹਿ ਦਾਪਾ ਰਗਾ।

3. ਦਿਹਿ-ਦੀ ਮੰਗੀਤ ਦਿਹਿ ਹੁਰੀ ਪੈਰਾ ਰਗਾ।

ਦਿਹਿ-ਦੀ ਗਗ ਮਾਮਾਦੀ ਦਾ ਮਾਮਾਦੀ ਰਗਾ।

1. ਪੁਮਤ ਉਤਰ ਦਿਪੀ 2. ਦਿਮਾਪਿਮਾ ਦਿਪੀ।

ਦਿਹਿ ਮਾਧਿ ਦਿਹਿ ਮਿਦਿ ਵਾ ਹੋਏਗਾ ਦਿਹਿ ਦਿਮਾ ਮੁ ਗਗ

ਦਾ ਮਾਮਾਦੀ ਪੁ

1. ਗਗ ਦਾ ਉਤਪਤੀ ਰੀਤ ਪੈਰੀ।

2. ਗਗਤੀ ਮੰਗੀਤ ਮਾਪਤੀ ਦਿਹਿ ਰੀਤ ਪੈਰ ਪੈਰ।

ਦਿਹਿ ਮਾਧਿ ਦਿਮਾਪਿਮਾ ਦਿਪੀ, ਦਿਮਾਪਿਮਾ ਦਿਪੀ ਦਾ ਪੁਮਤ

ਰੀਤ ਪੜ੍ਹਾਏਗਾ।

## ਦਿਸ਼ਾ ਦਸਤ

ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ : ਪ੍ਰ. ਸਿ. ਵੇਮਕ ਮਦਰ, ਚਕਰ  
ਮ-ਸਿ-ਗ ਮੁਗਤ ਪ, ਗ ਦਾਰੀ  
ਮੀਦਾਰੀ ਤੋਂ ਨਾਮਾਦਰੀ ਰਹੇ ਸਾਫ਼ 1

ਖਾਹੇ → ਇਹ ਗੁਰੂ ਨਾਮਾਦਰੀ ਖਾਹ ਤੋਂ ਉਤਪੰਨ ਹੋਣਾ  
ਯੋ।

ਮਦਰ → ਗ. ਪ੍ਰ. ਸਿ. ਵੇਮਕ ਦਾਰੀ ਮਾਰੇ ਮੁੱਧ ਮਦਰ।

ਹਰਿਮਤ ਮਦਰ → ਨਾਮਾਦਰੀ ਦਿਓ ਗੁ. ਅਤੇ ਪ੍ਰੀ ਮਦਰ  
ਹਰਿਮਤ ਯਥ।

ਸਾਫ਼ੀ → ਅੰਤਰ - ਸੰਪੂਰਨ ਸਾਫ਼ੀ ਯੋ।

ਦਾਰੀ → ਰੂਪਾ ਦਾਰੀ ਮਦਰ ਯੋ।

ਮੀਦਾਰੀ → ਰੂਪਾ ਮੀਦਾਰੀ ਮਦਰ ਯੋ।

## ਦਿਸ਼ਾ ਨਾਮਿ ਪ੍ਰਿਯਾ ਜੀ

ਦਿਸ਼ਾ ਨਾਮਿ ਗੁਰੂ ,  
ਨਾਮਾਦਰੀ ਰਾ ਹਿਮਯਾ  
ਮਾਤਿ ਪਹਿਲੇ ਦੋਹਰਾ  
ਪ੍ਰੇ ਹੋਮਗਾ ਤੇ ਉਪਾ  
ਪ੍ਰੇ ਰਾਪੀਆਂ ਤੇ ਪ੍ਰੇ  
ਦਸ਼ਨ ਖਾਹੀ ਰਹੇਗਾ।

ਦਿਸ਼ਾ ਨਾਮਿ ਗੁਰੂ ਰਾ  
ਖਾਹ : ਮਦਰ, ਹਰਿਮਤ ਮਦਰ,  
ਸਾਫ਼ੀ, ਦਾਰੀ ਮਦਰ,  
ਮੀਦਾਰੀ ਮਦਰ, ਅੰਗ  
ਨਿਮਾਸ਼ ਰਾ ਮਦਰ  
ਖਾਹ ਹੋਮਗਾ।



ਪਿਰਿ ਨਿਰਮਲਾ

ਮਗਰਿ ਮਮੋਗੀ

ਬਾਧੋ ਤਖਤਾ

ਪਿਰਿ ਨਿਰਮਲਾ ਰੋਮੀ  
 ਗਈ ਗਗ ਮਾਮਾਗੀ  
 ਦੀ ਜਾਗਰੀ ਸ੍ਰੀ ਧਰ  
 ਪਿਆਰੇ ਮਾਧ ਸੁਫਲਾ  
 ਤੇ ਧਰੇ ਵੀ ਰਾਮਦਾਸ

ਗਗ ਮਾਮਾਗੀ:-  
 ਖਾਹ - ਮਾਮਾਗੀ  
 ਮਾਗ:- ਗੁ, ਪੀ, ਹਿ  
 ਕੋਮਲ ਅਤੇ ਧਾਰੀ  
 ਮਾਗ ਮੁੱਖ ਮਾਗ  
 ਰੋਮੀਤਾ ਮਾਗ  
 ਪਿਰੇ ਸ੍ਰੀ ਮਾਗੇ ਸ੍ਰੀ  
 ਮਾਗੀ - ਮਾਗੇ  
 ਮਾਗੀਤਾ

ਵਾਲੀ - ਪਾ  
 ਮੰਗਲੀ - ਗੁ  
 ਪ੍ਰਿਥਵੀ - ਗੀਤੀ  
 ਮਮਾਂ - ਰਿਨ  
 ਏ ਰੁਮਗ ਪਾਗ  
 ਤੇ ।  
 ਮਾਗ:- ਸੰ. ਨਿ. ਪੁ  
 ਪ ਮ ਗੁ ਰੇ, ਮਾ  
 ਪਰਤ - ਤੇ, ਮ ਪ  
 ਨਿ, ਪਾ, ਪਾ

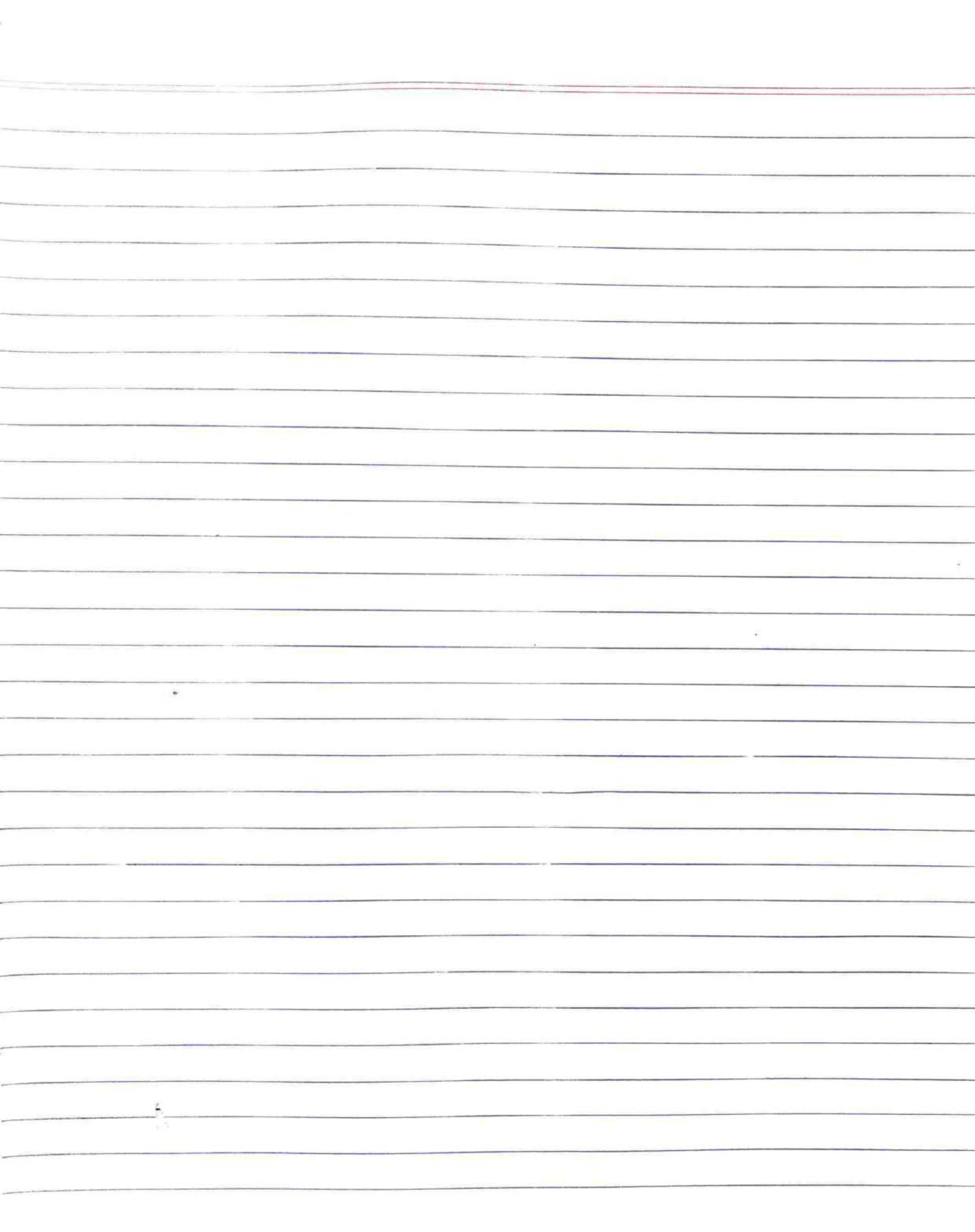
ਮੀਡਿਅ ਰਾਹੀਂ :-

1. ਗਾਗ ਮਾਮਾਦਗੀ ਦੀ ਰੁਖਤ
2. ਇਹ ਗਾਗ ਦੀ ਪ੍ਰਤਿਬੱਧੀ
3. ਇਸ ਗਾਗ ਦੇ ਮਾਤ-ਮਾਤਰੀ ਦੀ ਜਨਮ

ਪਾਤ ਦੀ ਸ਼ੁੱਧਤਾ  
 ਵਿਦਿ. ਮਾਮਿ ਪਾਤ ਤੋਂ ਗਾਗ  
 ਮਾਮਾਦਗੀ ਦੀ ਪਤਿਬੰਧ  
 ਪਾਤ ਕਰਕੇ ਤੋਂ ਵਿਖਾਏ  
 ਪਾਤੀ ਕਰੇਗਾ।

P.K. Tera  
 were done  
 Jankar





# Observation Schedule

Name of P.T. Purity Roll No. 20  
 Date 12/10/16 Class 9th Subject Music  
 Topic Taal

| Components                                                          | Observation                   |
|---------------------------------------------------------------------|-------------------------------|
| ● Physical Conditions of the class room                             | <u>Good</u>                   |
| ● Teaching Components :                                             |                               |
| * Introduction of the lesson                                        | <u>Excellent</u>              |
| * Announcement of the topic                                         | <u>V. Good</u>                |
| * Method of the teaching                                            | <u>Good</u>                   |
| * Explanation & exposition                                          | <u>Excellent</u>              |
| * Language and vocabulary                                           | <u>According to the topic</u> |
| * Questioning technique                                             | <u>Excellent</u>              |
| * Individual Attention                                              | <u>Yes</u>                    |
| * Participation of the students                                     | <u>Yes.</u>                   |
| * Speed of the lesson                                               | <u>Good</u>                   |
| * Class Control                                                     | <u>Yes</u>                    |
| * Creativity in teaching                                            | <u>Excellent</u>              |
| ● Teaching Aids Used                                                |                               |
| * Stimulating                                                       | <u>No</u>                     |
| * Used properly                                                     | <u>Yes</u>                    |
| ● Blackboard Work                                                   | <u>Very well</u>              |
| ● Recapitulation                                                    | <u>✓</u>                      |
| * Appropriate                                                       | <u>✓</u>                      |
| * Variety                                                           | <u>✓</u>                      |
| ● Home Work                                                         | <u>✓</u>                      |
| ● Personality of Teacher :                                          | <u>Excellent</u>              |
| * Confidence                                                        | <u>Full</u>                   |
| * Voice                                                             | <u>loud and clear</u>         |
| ● Remarks :                                                         |                               |
| ● Overall Rating : 0..... 1..... 2..... 3..... 4..... 5..... 6..... | <u>✓</u>                      |

Signature of the supervisor

Signature of observer



# Observation Schedule

Name of P.T. Ram Roll No. 16  
 Date 16/10/16 Class 6th Subject Science  
 Topic Force

| Components                                                          | Observation                   |
|---------------------------------------------------------------------|-------------------------------|
| ● Physical Conditions of the class room                             | <u>V. Good.</u>               |
| ● Teaching Components :                                             |                               |
| * Introduction of the lesson                                        | <u>Excellent</u>              |
| * Announcement of the topic                                         | <u>Good.</u>                  |
| * Method of the teaching                                            | <u>V. Good.</u>               |
| * Explanation & exposition                                          | <u>Good.</u>                  |
| * Language and vocabulary                                           | <u>According to the topic</u> |
| * Questioning technique                                             | <u>Excellent</u>              |
| * Individual Attention                                              | <u>Yes</u>                    |
| * Participation of the students                                     | <u>Yes</u>                    |
| * Speed of the lesson                                               | <u>V. Good.</u>               |
| * Class Control                                                     | <u>Good.</u>                  |
| * Creativity in teaching                                            | <u>Excellent</u>              |
| ● Teaching Aids Used                                                |                               |
| * Stimulating                                                       | <u>✓</u>                      |
| * Used properly                                                     | <u>✓</u>                      |
| ● Blackboard Work                                                   | <u>Well done.</u>             |
| ● Recapitulation                                                    | <u>✓</u>                      |
| * Appropriate                                                       | <u>✓</u>                      |
| * Variety                                                           | <u>✓</u>                      |
| ● Home Work                                                         | <u>✓</u>                      |
| ● Personality of Teacher :                                          | <u>V. Good</u>                |
| * Confidence                                                        | <u>Full</u>                   |
| * Voice                                                             | <u>Clear</u>                  |
| ● Remarks :                                                         |                               |
| ● Overall Rating : 0..... 1..... 2..... 3..... 4..... 5..... 6..... |                               |

Signature of the supervisor

Signature of observer

# Observation Schedule

Name of P.T. Bajrat Roll No. 20  
 Date 24/10/16 Class 7th Subject Math  
 Topic B.P.T

| Components                                                          | Observation                           |
|---------------------------------------------------------------------|---------------------------------------|
| ● Physical Conditions of the class room                             | <u>Excellent</u>                      |
| ● Teaching Components :                                             |                                       |
| * Introduction of the lesson                                        | <u>Good.</u>                          |
| * Announcement of the topic                                         | <u>V. Good.</u>                       |
| * Method of the teaching                                            | <u>V. Good.</u>                       |
| * Explanation & exposition                                          | <u>Good.</u>                          |
| * Language and vocabulary                                           | <u>According to the topic</u>         |
| * Questioning technique                                             | <u>Good.</u>                          |
| * Individual Attention                                              | <u>Yes</u>                            |
| * Participation of the students                                     | <u>Yes. Almost</u>                    |
| * Speed of the lesson                                               | <u>V. Good.</u>                       |
| * Class Control                                                     | <u>Good.</u>                          |
| * Creativity in teaching                                            | <u>Excellent.</u>                     |
| ● Teaching Aids Used                                                |                                       |
| * Stimulating                                                       | <u>✓</u>                              |
| * Used properly                                                     | <u>✓</u>                              |
| ● Blackboard Work                                                   | <u>Well done.</u>                     |
| ● Recapitulation                                                    | <u>✓</u>                              |
| * Appropriate                                                       | <u>✓</u>                              |
| * Variety                                                           | <u>✓</u>                              |
| ● Home Work                                                         | <u>✓</u>                              |
| ● Personality of Teacher :                                          |                                       |
| * Confidence                                                        | <u>Good.</u>                          |
| * Voice                                                             | <u>full</u><br><u>Clear and loud.</u> |
| ● Remarks :                                                         |                                       |
| ● Overall Rating : 0..... 1..... 2..... 3..... 4..... 5..... 6..... | <u>5. ✓</u>                           |

Signature of the supervisor

Signature of observer



# Observation Schedule

Name of P.T. Rupinder Roll No. 20  
 Date 25/10/16 Class 8th Subject Physics  
 Topic P 433 R

| Components                                                          | Observation           |
|---------------------------------------------------------------------|-----------------------|
| ● Physical Conditions of the class room                             | <u>V. Good.</u>       |
| ● Teaching Components :                                             |                       |
| * Introduction of the lesson                                        | <u>Excellent</u>      |
| * Announcement of the topic                                         | <u>Good</u>           |
| * Method of the teaching                                            | <u>V. Good</u>        |
| * Explanation & exposition                                          | <u>Good.</u>          |
| * Language and vocabulary                                           | <u>Excellent.</u>     |
| * Questioning technique                                             | <u>Yes.</u>           |
| * Individual Attention                                              | <u>Yes.</u>           |
| * Participation of the students                                     | <u>Yes.</u>           |
| * Speed of the lesson                                               | <u>Good.</u>          |
| * Class Control                                                     | <u>Yes.</u>           |
| * Creativity in teaching                                            | <u>Excellent</u>      |
| ● Teaching Aids Used                                                | <u>Yes</u>            |
| * Stimulating                                                       | <u>✓</u>              |
| * Used properly                                                     | <u>✓</u>              |
| ● Blackboard Work                                                   | <u>well done.</u>     |
| ● Recapitulation                                                    | <u>✓</u>              |
| * Appropriate                                                       | <u>✓</u>              |
| * Variety                                                           | <u>✓</u>              |
| ● Home Work                                                         | <u>✓</u>              |
| ● Personality of Teacher :                                          | <u>V. Good.</u>       |
| * Confidence                                                        | <u>full</u>           |
| * Voice                                                             | <u>loud and clear</u> |
| ● Remarks :                                                         |                       |
| ● Overall Rating : 0..... 1..... 2..... 3..... 4..... 5..... 6..... | <u>✓</u>              |

Signature of the supervisor

Signature of observer

# Observation Schedule

Name of P.T. Kanwardeep Roll No. 32  
 Date 28/10/16 Class 7 Subject Physical Education  
 Topic 22 mdr Pm of 5th

| Components                                                          | Observation            |
|---------------------------------------------------------------------|------------------------|
| ● Physical Conditions of the class room                             | <u>Good.</u>           |
| ● Teaching Components :                                             |                        |
| * Introduction of the lesson                                        | <u>V. Good.</u>        |
| * Announcement of the topic                                         | <u>Excellent.</u>      |
| * Method of the teaching                                            | <u>V. Good</u>         |
| * Explanation & exposition                                          | <u>Good</u>            |
| * Language and vocabulary                                           | <u>Excellent.</u>      |
| * Questioning technique                                             | <u>yes</u>             |
| * Individual Attention                                              | <u>yes</u>             |
| * Participation of the students                                     | <u>yes.</u>            |
| * Speed of the lesson                                               | <u>Good</u>            |
| * Class Control                                                     | <u>yes</u>             |
| * Creativity in teaching                                            | <u>yes.</u>            |
| ● Teaching Aids Used                                                |                        |
| * Stimulating                                                       | <u>No</u>              |
| * Used properly                                                     | <u>yes.</u>            |
| ● Blackboard Work                                                   | <u>✓</u>               |
| ● Recapitulation                                                    | <u>✓</u>               |
| * Appropriate                                                       | <u>✓</u>               |
| * Variety                                                           | <u>✓</u>               |
| ● Home Work                                                         | <u>✓</u>               |
| ● Personality of Teacher :                                          | <u>V. Good.</u>        |
| * Confidence                                                        | <u>Full</u>            |
| * Voice                                                             | <u>clear and loud.</u> |
| ● Remarks :                                                         |                        |
| ● Overall Rating : 0..... 1..... 2..... 3..... 4..... 5..... 6..... | <u>5</u>               |

Signature of the supervisor

Signature of observer



# Observation Schedule

Name of P.T. Rohani Roll No. 101  
 Date 27/10/16 Class 8<sup>th</sup> Subject Science  
 Topic Environment

| Components                                                          | Observation            |
|---------------------------------------------------------------------|------------------------|
| ● Physical Conditions of the class room                             | Good                   |
| ● Teaching Components :                                             |                        |
| * Introduction of the lesson                                        | V Good                 |
| * Announcement of the topic                                         | V. Good                |
| * Method of the teaching                                            | Excellent              |
| * Explanation & exposition                                          | Good                   |
| * Language and vocabulary                                           | According to the topic |
| * Questioning technique                                             | Yes                    |
| * Individual Attention                                              | Yes                    |
| * Participation of the students                                     | All most               |
| * Speed of the lesson                                               | Good                   |
| * Class Control                                                     | V. Good.               |
| * Creativity in teaching                                            | Excellent              |
| ● Teaching Aids Used                                                |                        |
| * Stimulating                                                       | ✓                      |
| * Used properly                                                     | ✓                      |
| ● Blackboard Work                                                   | ✓ All done             |
| ● Recapitulation                                                    | ✓                      |
| * Appropriate                                                       | ✓                      |
| * Variety                                                           | ✓                      |
| ● Home Work                                                         | ✓                      |
| ● Personality of Teacher :                                          | Excellent              |
| * Confidence                                                        | Full                   |
| * Voice                                                             | Loud and clear         |
| ● Remarks :                                                         |                        |
| ● Overall Rating : 0..... 1..... 2..... 3..... 4..... 5..... 6..... | ✓                      |

Signature of the supervisor

Signature of observer

# Observation Schedule

Name of P.T. Balpreet Kaur Roll No. 71  
 Date 3/11/16 Class 7th Subject Music  
 Topic Taal and its definition

| Components                                                          | Observation                   |
|---------------------------------------------------------------------|-------------------------------|
| ● Physical Conditions of the class room                             | <u>V. Good</u>                |
| ● Teaching Components :                                             |                               |
| * Introduction of the lesson                                        | <u>Good</u>                   |
| * Announcement of the topic                                         | <u>Excellent</u>              |
| * Method of the teaching                                            | <u>V. Good</u>                |
| * Explanation & exposition                                          | <u>V. Good</u>                |
| * Language and vocabulary                                           | <u>According to the topic</u> |
| * Questioning technique                                             | <u>Yes</u>                    |
| * Individual Attention                                              | <u>yes</u>                    |
| * Participation of the students                                     | <u>yes</u>                    |
| * Speed of the lesson                                               | <u>V. Good</u>                |
| * Class Control                                                     | <u>Excellent</u>              |
| * Creativity in teaching                                            |                               |
| ● Teaching Aids Used                                                | <u>✓</u>                      |
| * Stimulating                                                       | <u>✓</u>                      |
| * Used properly                                                     | <u>✓</u>                      |
| ● Blackboard Work                                                   | <u>well done</u>              |
| ● Recapitulation                                                    | <u>✓</u>                      |
| * Appropriate                                                       | <u>✓</u>                      |
| * Variety                                                           | <u>✓</u>                      |
| ● Home Work                                                         | <u>✓</u>                      |
| ● Personality of Teacher :                                          | <u>Excellent</u>              |
| * Confidence                                                        | <u>Full</u>                   |
| * Voice                                                             | <u>loud and clear.</u>        |
| ● Remarks :                                                         |                               |
| ● Overall Rating : 0..... 1..... 2..... 3..... 4..... 5..... 6..... | <u>4</u>                      |

Signature of the supervisor

Signature of observer



# Observation Schedule

Name of P.T. Schafdup Karm Roll No. 22  
 Date 4/11/16 Class 9th Subject Punjabi  
 Topic ਪੰਜਾਬੀ ਸ਼ਬਦ ਸਮੁੱਚਾ

| Components                                                          | Observation      |
|---------------------------------------------------------------------|------------------|
| ● Physical Conditions of the class room                             | <u>Excellent</u> |
| ● Teaching Components :                                             |                  |
| * Introduction of the lesson                                        | <u>V. Good</u>   |
| * Announcement of the topic                                         | <u>Good</u>      |
| * Method of the teaching                                            | <u>V. Good</u>   |
| * Explanation & exposition                                          | <u>Good</u>      |
| * Language and vocabulary                                           | <u>Good</u>      |
| * Questioning technique                                             | <u>Yes</u>       |
| * Individual Attention                                              | <u>Yes</u>       |
| * Participation of the students                                     | <u>Yes</u>       |
| * Speed of the lesson                                               | <u>Excellent</u> |
| * Class Control                                                     | <u>Yes</u>       |
| * Creativity in teaching                                            | <u>Yes</u>       |
| ● Teaching Aids Used                                                |                  |
| * Stimulating                                                       | <u>✓</u>         |
| * Used properly                                                     | <u>✓</u>         |
| ● Blackboard Work                                                   | <u>✓</u>         |
| ● Recapitulation                                                    | <u>✓</u>         |
| * Appropriate                                                       | <u>✓</u>         |
| * Variety                                                           | <u>✓</u>         |
| ● Home Work                                                         | <u>✓</u>         |
| ● Personality of Teacher :                                          | <u>Excellent</u> |
| * Confidence                                                        | <u>Full</u>      |
| * Voice                                                             | <u>Clear</u>     |
| ● Remarks :                                                         |                  |
| ● Overall Rating : 0..... 1..... 2..... 3..... 4..... 5..... 6..... | <u>✓</u>         |

Signature of the supervisor

Signature of observer

# Observation Schedule

Name of P.T. Gurmanjot Singh Roll No. 74  
 Date 5/11/16 Class 7th Subject Hindi  
 Topic 'किरिया' (आकर्षण)

| Components                                                          | Observation                   |
|---------------------------------------------------------------------|-------------------------------|
| ● Physical Conditions of the class room                             | <u>Good</u>                   |
| ● Teaching Components :                                             |                               |
| * Introduction of the lesson                                        | <u>Excellent</u>              |
| * Announcement of the topic                                         | <u>V. Good</u>                |
| * Method of the teaching                                            | <u>Good</u>                   |
| * Explanation & exposition                                          | <u>Excellent</u>              |
| * Language and vocabulary                                           | <u>According to the topic</u> |
| * Questioning technique                                             | <u>Excellent</u>              |
| * Individual Attention                                              | <u>yes</u>                    |
| * Participation of the students                                     | <u>yes</u>                    |
| * Speed of the lesson                                               | <u>Good</u>                   |
| * Class Control                                                     | <u>yes</u>                    |
| * Creativity in teaching                                            | <u>Excellent</u>              |
| ● Teaching Aids Used                                                |                               |
| * Stimulating                                                       | <u>NO</u>                     |
| * Used properly                                                     | <u>yes</u>                    |
| ● Blackboard Work                                                   | <u>very well</u>              |
| ● Recapitulation                                                    | <u>✓</u>                      |
| * Appropriate                                                       | <u>✓</u>                      |
| * Variety                                                           | <u>✓</u>                      |
| ● Home Work                                                         | <u>✓</u>                      |
| ● Personality of Teacher :                                          | <u>Excellent</u>              |
| * Confidence                                                        | <u>Full</u>                   |
| * Voice                                                             | <u>low and clear.</u>         |
| ● Remarks :                                                         |                               |
| ● Overall Rating : 0..... 1..... 2..... 3..... 4..... 5..... 6..... |                               |

Signature of the supervisor

Signature of observer



# Observation Schedule

Name of P.T. Prestam Roll No. 211  
 Date 8/11/16 Class 6<sup>th</sup> Subject Math  
 Topic Multiplication

| Components                                                          | Observation                    |
|---------------------------------------------------------------------|--------------------------------|
| ● Physical Conditions of the class room                             | <u>V. Gwd</u>                  |
| ● Teaching Components :                                             |                                |
| * Introduction of the lesson                                        | <u>V. Gwd</u>                  |
| * Announcement of the topic                                         | <u>Excellent</u>               |
| * Method of the teaching                                            | <u>V. Gwd</u>                  |
| * Explanation & exposition                                          | <u>V. Gwd</u>                  |
| * Language and vocabulary                                           | <u>V. Gwd</u>                  |
| * Questioning technique                                             | <u>yes</u>                     |
| * Individual Attention                                              | <u>yes</u>                     |
| * Participation of the students                                     | <u>All most</u>                |
| * Speed of the lesson                                               | <u>Gwd</u><br><u>well done</u> |
| * Class Control                                                     |                                |
| * Creativity in teaching                                            | <u>yes</u>                     |
| ● Teaching Aids Used                                                |                                |
| * Stimulating                                                       | <u>No</u>                      |
| * Used properly                                                     | <u>yes</u>                     |
| ● Blackboard Work                                                   | <u>well done</u>               |
| ● Recapitulation                                                    | <u>✓</u>                       |
| * Appropriate                                                       | <u>✓</u>                       |
| * Variety                                                           | <u>✓</u>                       |
| ● Home Work                                                         | <u>✓</u>                       |
| ● Personality of Teacher :                                          | <u>Excellent</u>               |
| * Confidence                                                        | <u>Full</u>                    |
| * Voice                                                             | <u>Low and clear</u>           |
| ● Remarks :                                                         |                                |
| ● Overall Rating : 0..... 1..... 2..... 3..... 4..... 5..... 6..... | <u>✓</u>                       |

Signature of the supervisor

Signature of observer

# Observation Schedule

Name of P.T.....Roll No.....

Date.....Class.....Subject.....

Topic.....

| Components                                                          | Observation |
|---------------------------------------------------------------------|-------------|
| ● Physical Conditions of the class room                             |             |
| ● Teaching Components :                                             |             |
| * Introduction of the lesson                                        |             |
| * Announcement of the topic                                         |             |
| * Method of the teaching                                            |             |
| * Explanation & exposition                                          |             |
| * Language and vocabulary                                           |             |
| * Questioning technique                                             |             |
| * Individual Attention                                              |             |
| * Participation of the students                                     |             |
| * Speed of the lesson                                               |             |
| * Class Control                                                     |             |
| * Creativity in teaching                                            |             |
| ● Teaching Aids Used                                                |             |
| * Stimulating                                                       |             |
| * Used properly                                                     |             |
| ● Blackboard Work                                                   |             |
| ● Recapitulation                                                    |             |
| * Appropriate                                                       |             |
| * Variety                                                           |             |
| ● Home Work                                                         |             |
| ● Personality of Teacher :                                          |             |
| * Confidence                                                        |             |
| * Voice                                                             |             |
| ● Remarks :                                                         |             |
| ● Overall Rating : 0..... 1..... 2..... 3..... 4..... 5..... 6..... |             |

Signature of the supervisor

Signature of observer



## Observation Schedule

Name of P.T.....Roll No.....

Date.....Class.....Subject.....

Topic.....

| Components                                                          | Observation |
|---------------------------------------------------------------------|-------------|
| ● Physical Conditions of the class room _____                       |             |
| ● Teaching Components :                                             |             |
| * Introduction of the lesson _____                                  |             |
| * Announcement of the topic _____                                   |             |
| * Method of the teaching _____                                      |             |
| * Explanation & exposition _____                                    |             |
| * Language and vocabulary _____                                     |             |
| * Questioning technique _____                                       |             |
| * Individual Attention _____                                        |             |
| * Participation of the students _____                               |             |
| * Speed of the lesson _____                                         |             |
| * Class Control _____                                               |             |
| * Creativity in teaching _____                                      |             |
| ● Teaching Aids Used _____                                          |             |
| * Stimulating _____                                                 |             |
| * Used properly _____                                               |             |
| ● Blackboard Work _____                                             |             |
| ● Recapitulation _____                                              |             |
| * Appropriate _____                                                 |             |
| * Variety _____                                                     |             |
| ● Home Work _____                                                   |             |
| ● Personality of Teacher : _____                                    |             |
| * Confidence _____                                                  |             |
| * Voice _____                                                       |             |
| ● Remarks : _____                                                   |             |
| ● Overall Rating : 0..... 1..... 2..... 3..... 4..... 5..... 6..... |             |

Signature of the supervisor

Signature of observer

## Observation Schedule

Name of P.T.....Roll No.....

Date.....Class.....Subject.....

Topic.....

| Components                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       | Observation |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|
| <ul style="list-style-type: none"><li>● Physical Conditions of the class room _____</li><li>● Teaching Components :<ul style="list-style-type: none"><li>* Introduction of the lesson _____</li><li>* Announcement of the topic _____</li><li>* Method of the teaching _____</li><li>* Explanation &amp; exposition _____</li><li>* Language and vocabulary _____</li><li>* Questioning technique _____</li><li>* Individual Attention _____</li><li>* Participation of the students _____</li><li>* Speed of the lesson _____</li><li>* Class Control _____</li><li>* Creativity in teaching _____</li></ul></li><li>● Teaching Aids Used _____<ul style="list-style-type: none"><li>* Stimulating _____</li><li>* Used properly _____</li></ul></li><li>● Blackboard Work _____</li><li>● Recapitulation _____<ul style="list-style-type: none"><li>* Appropriate _____</li><li>* Variety _____</li></ul></li><li>● Home Work _____</li><li>● Personality of Teacher : _____<ul style="list-style-type: none"><li>* Confidence _____</li><li>* Voice _____</li></ul></li></ul> |             |
| ● Remarks : _____                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |             |
| ● Overall Rating : 0..... 1..... 2..... 3..... 4..... 5..... 6.....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |             |

Signature of the supervisor

Signature of observer



## Observation Schedule

Name of P.T.....Roll No.....

Date.....Class.....Subject.....

Topic.....

| Components                                                          | Observation |
|---------------------------------------------------------------------|-------------|
| ● Physical Conditions of the class room .....                       |             |
| ● Teaching Components :                                             |             |
| * Introduction of the lesson .....                                  |             |
| * Announcement of the topic .....                                   |             |
| * Method of the teaching .....                                      |             |
| * Explanation & exposition .....                                    |             |
| * Language and vocabulary .....                                     |             |
| * Questioning technique .....                                       |             |
| * Individual Attention .....                                        |             |
| * Participation of the students .....                               |             |
| * Speed of the lesson .....                                         |             |
| * Class Control .....                                               |             |
| * Creativity in teaching .....                                      |             |
| ● Teaching Aids Used .....                                          |             |
| * Stimulating .....                                                 |             |
| * Used properly .....                                               |             |
| ● Blackboard Work .....                                             |             |
| ● Recapitulation .....                                              |             |
| * Appropriate .....                                                 |             |
| * Variety .....                                                     |             |
| ● Home Work .....                                                   |             |
| ● Personality of Teacher :                                          |             |
| * Confidence .....                                                  |             |
| * Voice .....                                                       |             |
| ● Remarks : .....                                                   |             |
| ● Overall Rating : 0..... 1..... 2..... 3..... 4..... 5..... 6..... |             |

Signature of the supervisor

Signature of observer